



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. २५]

नई विल्सनी, शनिवार, जून २३, १९७३ (आषाढ़ २, १८९५)

No. 25]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 23, 1973 (ASADHA 2, 1895)

इस भाग में मिथ्या पृष्ठ संख्या ही आती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### भाग III—खण्ड १ PART III—SECTION 1

छव्व न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीकरण, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की नई अधिसूचनाएं।

**Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India**

## संघ लोक सेवा आयोग

नई विल्सनी 110011, दिनांक ५ जून, १९७३

सं. ए० ३२०१३/१/७३-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा संबंध के अयन ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री एन० वी० माथुर को राष्ट्रपति द्वारा १४-५-७३ से ७-७-७३ तक ५५ दिन की अवधि के लिए केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

एम० एम० टामस  
सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

नई विल्सनी-110011, दिनांक ३१ मई १९७३

सं. ए० ३२०१३/१/७३-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० एन० एहु ने, जिन्हे इस कार्यालय की समसंबंधिक अधिसूचना दिनांक १६ अप्रैल, १९७३ द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, १५ मई, १९७३ के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

अपने प्रथमसंघ के बाद श्री बी० एन० एहु ने १५ मई, १९७३ के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

I-116 GI/73

दिनांक ५ जून १९७३

सं. ए० १२०२२/४/७२-प्रशा० I—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद पर उनके कार्यालय के समाप्त होने पर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के नयन ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री राजेन्द्र लाल की सेवाएं २८ मई, १९७३ के पूर्वाह्न से रक्षा मंत्रालय को सौंपी जाती हैं।

दिनांक ८ जून १९७३

सं. ए० ३२०१३/१/७३-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री एस० वी० वेंकटरमन ने, जिन्हे इस कार्यालय की अधिसूचना सं. ए० ३२०१३/१/७३-प्रशासन-I दिनांक, १६ अप्रैल, १९७३ द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, १५ मई, १९७३ के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रथमसंघ के बाद श्री एस० वी० वेंकटरमन ने १५ मई, १९७३ के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एन० वी० माथुर,

अवर सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग।

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 मई, 1973

सं० ए० 32014/1/73-प्रशासन-III—इस कार्यालय की समसंघर्षक अधिसूचना दिनांक 15 मार्च, 1973 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री धनीश चन्द्र को, राष्ट्रपति द्वारा 2 मई, 1973 से 30 जून, 1973 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा अप्रेतर आदेश तक, दोनों में से जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी घेण में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय भेदा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एन० आर० मेहरा को, राष्ट्रपति द्वारा 14 मई, 1973 से 30 जून, 1973 तक 48 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी घेण में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एन० बी० माथुर  
अवर सचिव  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

#### मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1973

सं० 3/4/73-प्रशासन-5—राष्ट्रपति, अपने प्रसाद से, प्रतिनियुक्ति पर, उत्तर प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्री चित्तामणी शर्मा, को दिनांक 23-5-73 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए पुलिस अधीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना (केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो) लखनऊ नियुक्त करते हैं।

दिनांक जून, 1973

सं० डी० 1/73-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना हिमाचल प्रदेश राज्य पुलिस के प्रतिनियुक्ति श्री डी० आर० चौहान को दिनांक 7-5-73 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में, अस्थायी रूप से पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल  
प्रशासन अधिकारी (स्था)  
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

#### गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून, 1973

सं० ओ० 2-205/69-ईस्ट०—श्री सी० एस० विष्ट उत्तर प्रदेश राज्य के पुलिस अधिकारी जो कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में प्रतिनियुक्त थे, ने 60 दिन के सेवा निवृत्ति पूर्व अवकाश पर जाने हेतु 11 मई, 1973 के अपराह्न में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की 25वीं बटालियन में सहायक कमांडेंट (हितीय मार्गदेश) के पद का कार्यभार छोड़ा।

भेवा निवृत्ति पूर्व अवकाश की समाप्ति पर उनको निवर्तन की आयु पर पहुंच जाने के कारण 10 जुलाई, 1973 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त माना जायेगा।

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 जून, 1973

सं० ओ० II-281/69-ईस्ट०—50 वर्ष की आयु पूरी होने पर और सेवा निवृत्ति पूर्व से फलस्वरूप श्री मालूम सिंह 23 अप्रैल, 1973 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल की 33वीं बटालियन से पुलिस उप-अधीक्षक (कम्पनी कमांडर) का कार्यभार छोड़ा।

श्री मालूम सिंह को 23 अप्रैल, 1973 के अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त माना जायेगा।

सं० ओ० 2-12/73-ईस्ट०—राष्ट्रपति श्री पी० जे० जोसेफ उड़ीसा संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को उन की प्रतिनियुक्ति के फलस्वरूप केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में उप महानिरीक्षक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

उन्होंने 25 मई, 1973 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस के महानिरीक्षक, सैक्टर-2 के कार्पालिय कलक्ष्मा में उप महानिरीक्षक (मुख्यालय) के पद का कार्यभार संभाला।

हस्ताक्षर अपठितीय  
महानिरीक्षक (प्रशासन)

#### महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 1 जून 1973

सं० ई० 38013(3)/11/73-प्रशा०-1—निरीक्षक एस० के० अरोरा को दिनांक 16 अप्रैल, 1973 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, रासायनी (कोलावा) में स्थानापन्थ रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 6 जून, 1973

सं० ई० 29018(2)/5/73-प्रशासन-1—श्री सी० डी० कूकरेती, ने दिनांक 1 मई, 1973, के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, दुर्गापुर की चौथी बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के पुलिस उपाधीक्षक पद का कार्यभार संभाल लिया। उनका मुख्यालय दुर्गापुर में होगा।

सं० ई०-31013(2)/11/73-प्रशासन-1—श्री के० नी० नायक, निरीक्षक, को दिनांक 5-5-73 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की पहली बटालियन में स्थानापन्थ रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय दुर्गपुर में होगा।

दिनांक 7 जून 1973

सं० ई० 38013(3)/2/73-प्रशासन-1—मद्रास को स्थानान्तरित होने पर, श्री एम० वालाकृष्णन, ने दिनांक 11-5-73 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की 10वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने दिनांक 18 मई, 1973, के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, की 6वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया। उनका मुख्यालय मद्रास में होगा।

सं० ई० 38013(3)/14/73-प्रशासन-1—निरीक्षक अजीत सिंह को दिनांक 26 अप्रैल, 1973 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, की 20वीं बटालियन का स्थानापन्थ रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय बैलाडिला (बचेली) में होगा।

एल० एस० बिष्ट,  
महानिरीक्षक

### मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1973

सं० 51/एडमिन-1/48 के डब्ल्यू—मुख्य लेखा परीक्षक, उत्तर रेलवे श्री राम लाल थरेजा, स्थानापन्थ लेखा परीक्षाधिकारी को 25-11-1966 से लेखा परीक्षाधिकारी की श्रेणी में सहर्व स्थायी नियुक्त करते हैं।

जे० आर० राव  
उप मुख्य लेखा परीक्षक

### रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा  
महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

फलकता, दिनांक 30 मई, 1973

सं० 21/73/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त करने पर श्री टी० पी० सुन्दरम्, स्थानापन्थ उप-प्रबन्धक (भौमिक फोरमैन) दिनांक 7 नवम्बर, 1972 से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिलाय  
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

### आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जून, 1973

सं० 6/152/62-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एस० बी० चण्डोला, प्रसारण निपाइक (ट्रांसमिशन एक्जी-ब्यूटिक), आकाशवाणी बस्बई को, दिनांक 10 मई, 1973 (अपराह्न) से अप्रेतर आदेशों तक उसी केन्द्र में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर स्थानापन्थ रूप में काम करने के लिए नियुक्त करते हैं। श्री चण्डोला की यह नियुक्ति तदर्थ आधार पर की जा रही है।

शांति लाल,  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई, 1973

सं० 13-7/73-सी० एच० एस०-1—इस निदेशालय की अधिसूचना सं० 13-7/73-सी० एच० एस०-1, दिनांक 30-3-73 में उल्लिखित डा० (कुमारी) एस० पंछित के नाम के स्थान पर डा० (कुमारी) एस० ए० पंडित प्रतिस्थापित किया जाए।

दिनांक 8 जून, 1973

सं० 29-27/73-सी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशक एतद्वारा डा० जमाल योसुफ को 26 अप्रैल, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 29-35/73-सी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशक एतद्वारा डा० पी० के० जुल्का को 5 अप्रैल, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सफररंग अस्पताल, नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 29-39/73-सी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशक एतद्वारा डा० एस० एम० बलेचा को 28 अप्रैल, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

शिवभन्द्र कुमार,  
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1973

सं० 11-2/73-एडमिन-1—राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री के० सी० मिश्र को 14 मई 1973 से 13 जुलाई 1973 तक 61 दिन की अवधि के लिए अथवा किसी अवैध सूची अधिकारी या किसी वरिष्ठ चयनेतर अधिकारी के उपलब्ध होने तक,

जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रपति जी ने श्री के० सी० मिश्र को उपर्युक्त अधिकारी के लिये स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप-निदेशक (प्रशासन) के पद पर भी नियुक्त किया है।

सं० 11-7/73-एडमिन-1—राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा, निर्माण-आवास मंत्रालय के संवर्ग (काउर) के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आगुस्टीन सुरीन को 17 मार्च, 1973 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

राष्ट्रपति जी ने श्री आगुस्टीन सुरीन को उपर्युक्त तारीख से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप निदेशक (प्रशासन) के पद पर भी नियुक्त किया है।

राजेन्द्र नारायण सक्सेना,  
उपनिदेशक प्रशासन

#### पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली-1, दिनांक 5 जून 1973

सं० प्र० 6/247 (94) 57—श्री एच० एस० घोष, निरीक्षण अधिकारी के निलम्बन आदेशों के रह किये जाने पर श्री एच० एस० घोष में निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में दिनांक 27-4-73 के पूर्वाह्न से निरीक्षण अधिकारी का पदभार सम्पादित लिया।

विद्यासागर,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
हते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

भ्रम एवं नियोजन मंत्रालय  
कोयला खान अधिकारी कल्याण संस्था  
धनबाद, दिनांक 4 मई 1973

सं० प्र० 13(176) 71—डा० (श्रीमती) मंजूलिका शर्मेन कनिष्ठ महिला चिकित्सा-अधिकारी केन्द्रीय चिकित्सालय, आसनसोल का पद त्याग स्वीकृत होने पर उन्होंने दिनांक 30 सितम्बर 1972 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार छोड़ा।

राजेश्वर प्रसाद सिन्हा,  
कोयला खान कल्याण आयुक्त,  
धनबाद

भ्रम और पुनर्वास मंत्रालय  
(भ्रम और रोजगार विभाग)

खान सुरक्षा महानिदेशालय

धनबाद, दिनांक 4 जून 1973

सं० 4(3) 72-ए०डी०एम०-1/7279—खान सुरक्षा महानिदेशालय के निम्नांकित अधिकारियों को सहायक निदेशक खान

सुरक्षा के पद पर उनके नाम के सामने निर्दिष्ट तिथियों से सम्पूर्ण किया जाता है।

अधिकारी का नाम	पद	सम्पूर्ण की तिथि
1. श्री आर० एस० अग्रवाल	सहायक निदेशक, खान सुरक्षा	30-4-71
2. श्री दुर्गापद भट्टाचार्जी	सहायक निदेशक, खान सुरक्षा	31-1-72

हि० मू० घोष  
खान सुरक्षा महानिदेशक

#### वाणिज्य मंत्रालय

#### वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 5 जून 1973

सं० ई० एस० टी०-1-2 (583)—श्रीमन् राष्ट्रपति, वस्त्र आयुक्त के प्रादेशिक कार्यालय, बम्बई के सहायक निदेशक, प्रथम श्रेणी (पी० और डी०) श्री अमल कृष्ण हीरा को उसी कार्यालय में 14 मई, 1973 के पूर्वाह्न से, अगला आदेश देने तक, उप-निदेशक (पी० और डी०) के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

प० न० कपूर,  
वस्त्र आयुक्त

#### ओष्ठोगिक विकास मंत्रालय

#### (ओष्ठोगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त, लघु उद्योग का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1973

सं० ए० 19018/38/73-प्रशा० (राजपत्रित)—विकास आयुक्त लघु उद्योग श्री एम० ए० खान (स्थायी लघु उद्योग सम्बर्द्धन अधिकारी) को, जो लघु उद्योग विस्तार प्रशिक्षण केन्द्र, हैदराबाद में प्रतिनियुक्ति पर है, अगले आदेशों तक के लिये लघु उद्योग सेवा संस्थान बम्बई में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं। उन्होंने 6 मार्च, 1973 को पूर्वाह्न में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

क० वै० नारायणन,  
उप-निदेशक (प्रशासन)

#### निर्माण एवं आवास मंत्रालय

#### नगर एवं प्राम आयोजन संगठन

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1973

सं० एफ० 34-1/68-टी० ए० (प्रशासन)—श्री राजेन्द्र प्रकाश बन्सल, सहायक अन्वेषक (रिसर्च असिस्टेंट) की स्थानापन्न नियुक्ति सहायक अर्थशास्त्री/सहायक समाजशास्त्री (असिस्टेंट इकोनोमिस्ट/असिस्टेंट सोशियोलॉजिस्ट) के रूप में नगर एवं

ग्राम आयोजन संगठन में वेतन दर ₹ 350-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900 में दिनांक 2 जून, 1973 को अपराह्न में की गई है, जब तक इस सम्बन्ध में दूसरा कोई आदेश जारी नहीं किया जाता। वह, नियुक्ति की तिथि से दो वर्ष के लिये परिषिक्षा पर रहेंगे।

पी प्रभाकर राव,  
अध्यक्ष

### केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

#### (विद्युत स्कंध)

नई विल्ली-22, दिनांक 2 जून 1973

सं० 6(1) 73-प्रशासन-वो (वि० स्क०) ——अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद् द्वारा श्री राम किशोर अग्रवाल, पर्यवेक्षक (स्नातक अभियन्ता) को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-दो) सेवा में, सहायक अभियन्ता के प्रेड में, 2 अप्रैल, 1973 के अपराह्न से आगामी आदेश होने तक के लिए नियुक्त करते हैं।

मूल शंकर पाठक,  
अबर सचिव  
कृते अध्यक्ष

#### (जल स्कंध)

नई विल्ली-22, दिनांक 5 जून 1973

सं० क-19012/310/72-प्रशासन-5—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-19012/310/72-प्रशासन-5 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री आर० एन० चौधरी को केन्द्रीय जल विद्युत आयोग (जल स्कंध) में सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) के पद पर 350-25-500-30-590-ई० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 ह० के वेतनमान में दिनांक 30-4-73 से आगामी तीन मास के लिए अथवा संध लोक सेवा आयोग द्वारा मनोनीत व्यक्ति के पवभार ग्रहण करने तक—जो भी पहले है—नितांत अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० क-19012/312/72-प्रशासन-5—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-19012/312/72-प्रशा० 5, दिनांक 17-12-1973 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री एम० पी० नम्बूदरी, को सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) की कोटि में केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग में 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 ह० के वेतनमान में पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ रूप में 28-4-73 से पुनः तीन माह की अवधि के लिए अथवा जब तक संध लोक सेवा आयोग द्वारा नामित व्यक्ति कार्यभार सम्भाल ले, इनमें जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 जून, 1973

सं० क-19012/402/73-प्रशासन-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री एम० सुब्बा रेडी, अस्थायी पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर स्थानापन्न होने के लिए नितांत अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं। उन्हें दिनांक 1-5-73 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त होने पर पर्यवेक्षक के ग्रेड वेतन तथा 10 प्रतिशत भस्ता पाने का अधिकार होगा।

श्री एम० सुब्बा रेडी ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कंध) के केन्द्रीय गेंजिंग वृत्त के अन्तर्गत गेंजिंग उप-प्रभाग में सहायक अभियंता का पवभार ग्रहण कर लिया है।

के० पी० बी० मेनन  
अबर सचिव,  
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

### केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 4 जून, 1973

सं० 3-293/73-ईस्टी-II—श्री टाडीमारीगुटी फिरोजुदीन को दिनांक 17-4-73 (पूर्वाह्न) से सहायक जल भू-विभानी वर्ग-II (राजपत्रित) के अस्थायी पद पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में उनके मुख्यवास चण्डीगढ़ के साथ वेतनमान 350-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900 के अन्तर्गत अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

देवता पाण्डे,  
अधीक्षक अभियन्ता

### राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

#### परमाणु ऊर्जा विभाग

राजस्थान, दिनांक 4 जून, 1973

सं० रापविष्प/04621/(6)/73-प्रशा/भर्ती/217—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, परमाणु ऊर्जा विभाग के एक लेखाकार श्री डी० बी० पसरीजा को दिनांक 15-5-73 के अपराह्न से आगामी आदेश होने तक के लिए राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना, संयंत्र स्थल पर सेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

ओ० बी० बत्ता,  
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

## पर्यटन तथा नागर विमानन संसालय

## भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 5 जून, 1973

सं० ई० (1) 07324—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा निदेशक, भूमि मौसम विज्ञान, पूना कार्यालय के श्री पी० एस० बटार, अस्थाई व्यवसायिक सहायक को भारतीय मौसम विज्ञान सेवा श्रेणी-II (केन्द्रीय सेवा, श्रेणी-II) में 9 अप्रैल, 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक अस्थाई रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री बटार, निदेशक, कृषि मौसम विज्ञान, पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 8 जून, 1973

सं० ई० (1) 03907—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय के श्री आर० एस० जोशी, व्यवसायिक सहायक को 3-5-73 के पूर्वाह्न से 28-7-73 तक सत्तासी दिनों की अवधि के लिये स्थानापन्थ के रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री आर० एस० जोशी, स्थानापन्थ सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04122—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय के श्री के० डी० थनपे, व्यवसायिक सहायक को 3-5-73 के पूर्वाह्न से 28-7-73 तक सत्तासी दिनों की अवधि के लिये स्थानापन्थ के रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री के० डी० थनपे, स्थानापन्थ सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04159—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली के श्री एच०एस० राय बर्मन, व्यावसायिक सहायक को 18-5-73 के पूर्वाह्न से 28-7-1973 तक बहतर दिनों की अवधि के लिये स्थानापन्थ के रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री राय बर्मन, स्थानापन्थ सहायक मौसम विशेषज्ञ वेधशालाओं के महानिदेशक के कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04190—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा वेधशालाओं के उपमहानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी), पूना के कार्यालय के श्री एस०सी०वासु व्यावसायिक सहायक को 3-5-73 के पूर्वाह्न से 28-7-1973 तक सत्तासी दिनों की अवधि के लिए स्थानापन्थ रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री ए० सी० वासु, स्थानापन्थ सहायक मौसम विशेषज्ञ 3-5-1973 के पूर्वाह्न से वेधशालाओं के उप महानिदेशक (पूर्वनुमान), पूना के कार्यालय में स्थानान्तरण किये गये हैं।

सं० ई० (1) 04226—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली के श्री के० एस० शारदा, व्यावसायिक सहायक को 18-5-1973 के पूर्वाह्न से 28-7-1973 तक बहतर दिनों की अवधि के लिये स्थानापन्थ के रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री के० एस० शारदा, स्थानापन्थ सहायक मौसम विशेषज्ञ वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04239—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय के श्री एम० कमलाकर व्यवसायिक सहायक को 3-5-1973 के पूर्वाह्न से 28-7-1973 तक सत्तासी दिनों की अवधि के लिये स्थानापन्थ के रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री एम० कमलाकर, स्थानापन्थ सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय में तैनात रहेंगे।

सी० जी० बालासुश्रामनियम,  
मौसम विशेषज्ञ  
कृत वेधशालाओं के महानिदेशक

## कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली दिनांक 2 जून, 1973

सं० ए० 32013/2/73-ई० ए०—राष्ट्रपति, श्री जी० वी शन्डीलिया जो इस समय अन्तर्राष्ट्रीय बृहाई पतन प्राधिकार भारत से प्रतिनियुक्ति पर है को नागर विमानन विभाग में 1 नवम्बर, 1972 से वरिष्ठ विमान अधिकारी के ग्रेड में प्रोफेसरी पदोन्नति देते हैं।

मुरजीत लाल खण्डपुर,  
सहायक निदेशक प्रशासन  
कृत महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली दिनांक 4 जून, 1973

सं० ए० 32013/3/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास के सहायक तकनीकी अधिकारी श्री एस० जयरामन को श्री के० सी० पाल, तकनीकी अधिकारी अधिकारी कार्यालय मद्रास की छुट्टी रिक्ति में 21-3-1973 (अपराह्न) से 1-5-1973 (अपराह्न) तक संचार स्टेशन मद्रास में तर्फ आधार पर तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

स्वामिनाथन एकाम्बरम,  
उपनिदेशक प्रशासन  
कृत महानिदेशक नागर विमानन

## विवेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल, 1973

सं० 1/299/73-स्था०—स्थानापन्थ अधिकारी, श्री टी० बी० एस० वीलु, जी एक अल्पकालिक रिक्त स्थान के विषयी

11 विसम्बर, 1972 के पूर्वाल्प में और आगामी आदेशों तक नई दिल्ली शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त किए गए थे (वेखिए इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 1/299/72-स्था० दिनांक 28 विसम्बर, 1972) 3 फरवरी, 1973 के अपराह्न से बम्बई शाखा में अधीक्षक के अपने मूल पद पर प्रत्यावर्तित कर दिए गए हैं।

दिनांक 4 जून, 1973

सं 1/299/73-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एसदब्बारा बम्बई शाखा के स्थानापन्न अधीक्षक, श्री० टी० शी० एस० वेलू को 20 मार्च, 1973 से लेकर 19 मई, 1973 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए आर्या शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

(एम० एस० कृष्णस्वामी  
हाले महानिदेशक प्रशासन अधिकारी

### बीमा नियंत्रक का कार्यालय

शिमला 4, दिनांक 22 मई 1973

आई० एन० एस० 42 (7)/प्र/72—श्री एस पार्थसारथी, इस कार्यालय के स्थानापन्न प्रब्रह्म परीक्षक की सेवाएं 12 अप्रैल, 1973 अपराह्न से भारतीय साधारण बीमा निगम, बम्बई को सौंप दी गई हैं।

उन्होंने इस कार्यालय के प्रब्रह्म परीक्षक का अपना कार्यभार 17 मार्च, 1973 अपराह्न को दे दिया था और उन्हें 20-3-1973 से 12-4-73 तक अपनी छुट्टी की समाप्ति के बावजूद एवं 13-4-73 से 24-4-73 तक कार्यालय काल लेने के पश्चात प्रबन्ध निदेशक, भारतीय साधारण बीमा निगम, बम्बई के पास सेवार्थ उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था।

जी० एच० दामले  
बीमा नियंत्रक

### सिक्योरिटी पेपर मिल

(मध्य प्रवेश)

होलांगामाव, दिनांक 5 जून 1973

सं 7 (23)/1853—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7(23)/12038 दिनांक 12-3-71 के क्रम में निम्नलिखित अधिकारी जो कि सहायक कार्यालय के पद पर तदर्थ रूपेण कार्यरत किये गए थे, वे दिनांक 5-3-71 से सहायक कार्यप्रबन्धक के पद पर नियमित रूप से नियुक्त किये जाते हैं।

1. श्री आर० आर० राव
2. श्री एस० पदमनाभन
3. श्री आई० ज० बुद्धिशाजा।

सं० 7(22)/1854—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7(22)12039 दिनांक 11-3-71 के क्रम में, श्री ए० क० शोप

ओ सहायक मुख्य रायायनश के पद पर तदर्थ रूपेण कार्यरत थे, दिनांक 5-3-71 से सहायक मुख्य रायायनश के पद पर नियमित रूप से नियुक्त किये जाते हैं।

पी० एस० शिवराम,  
महाप्रबन्धक

### उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1973

मं० 726ई-621 (ई-ए) —इस रेलवे के निम्नलिखित सहायक डंजीनियर (डर्जा-II) प्रत्यक्ष के सामने लिखी सारीछ से रेल सेवा से अंतिम रूप में सेवा निवृत हो गए हैं :—

1. श्री आसा सिंह—28 फरवरी 1973 (अपराह्न)
2. श्री एच० जी० गुप्ता—28 फरवरी 1973 (अपराह्न)

सी० एस० परमेश्वरन,  
महाप्रबन्धक

### केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहरणस्थ

दिनांक 24 अप्रैल 1973

सं० 20/73—श्री डी० एन० गौड़, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (श्रेणी-I) दिनांक 12-3-73 से 24-3-73 तक 13 दिन के उपार्जित अवकाश पर गए। उन्हें 10 तथा 11 मार्च 1973 को पड़ने वाले ऋणः द्वितीय शनिवार तथा रविवार को उक्त अवकाश के पहले तथा 25-3-73 को पड़ने वाले रविवार को उक्त अवकाश को बाब जोड़ने की अनुमति थी। वह अवकाश से लैट आए तथा उन्होंने श्री पी० एन० सर्वेना, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (श्रेणी-II) को उनके अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए दिनांक 26-3-73 पूर्वाल्प अधीक्षक (प्राविधिक) का कार्यभार ग्रहण किया।

ह० अपठनीय समाहर्ता

### कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 ओर दि आजाद-हिन्द जवाहरी मार्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मध्यास, दिनांक 6 जून 1973

सं० 113/560/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद डारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दि आजाद हिन्द जवाहरी मार्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम उसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जायगी।

पी० अम्बपूर्णा,  
महाक कम्पनियों के रजिस्ट्रार

प्राप्त आई० टी० एन० एस०  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269  
घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आई०ए०सी० एक्युजीसन रेज्ज-1, कलकत्ता का कार्यालय  
दिनांक 5 जून 1973

निवेश सं० सी०-33/टी०आर०-311/सी०ए०एल०-1/72-  
73:—यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269 अ० के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक  
है। और जिसकी सं० 226 रु० है, जो  
राम बिहारी एवेन्यू, कलकत्ता-18 में स्थित  
है (और इससे उपार्वक अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
की रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स नं० 5 गवैनमेंट प्लेस नार्थ,  
कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 11-12-1972, को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उभयं अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना;

और यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए  
गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ० की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) —श्री समुद्र नारायण चौधरी (अस्तरक)

(ख) —श्री केशव नारायण आंधरी

2—श्री मनोन्द्र अनन्द डे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमत  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किये  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में व्यापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अहाता नं० 226 ए०, राम बिहारी एम्बेन्यू के पिछले भाग  
को विनिःत किया और पिछले भाग को विभाजित किया जिसका  
भाग एक तल्ले मकान के साथ लगभग 5 कट्ठा 23 बर्गफीट है।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन रेज) I, कलकत्ता

तारीख 5-6-73

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस० —————  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ)  
(1) के अधीन सूचना ।

भारत सरकार  
आई०ए०सी० एक्युजीसन रेन्ज-1, कलकत्ता का कार्यालय

विनांक 5 जून 1973

निर्देश सं० सी-16/सी ए एल-1/72-73—यतः, मुझे, एस० के० चत्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 226 ए० है, जो रास बिहारी एवेन्यू कलकत्ता-18 में स्थित है (और इससे उपावग्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दी रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स नं० 5 गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ, कलकत्ता-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11 नवम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विवेद के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विष्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच तथ याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1—श्री (क) समूद्र नारायण चौधरी (अन्तरक)  
(ख) केशव नारायण चौधरी

2—श्री मनीन्द्र घन्द डे (अन्तरिती)  
\* 3—श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हो)  
\* 4—श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

अहाता नं० 226 ए० रास बिहारी एवेन्यू, कलकत्ता के अगले भाग को चिन्हित तथा विभाजित किया जिसका माप एक तल्ला फैट के बने मकान के साथ लगभग 6 कट्ठा, 15 छटांक और 6 वर्गफैट है।

एस० के० चत्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 5-6-73

मोहर :

\* (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
साहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, बंगलूर  
का कार्यालय

बैंगलूर, दिनांक 8 जून 1973

निदेश सं० सी०आर० 62/138/72-73/ए सी क्य०—  
(B)—यतः मुझे, वि० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं० 2459 है, जो ए० डिविजन, एक्सटेनशन, चक्रपटना, बैंगलूर जिला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चक्रपटना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-12-7-2 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सत्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना,;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब धारा 269-घ अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० माधव राव (अन्तरक)  
सुपुत्र श्री कृष्ण राव  
महात्मा गांधी रोड, चक्रपटना।

- 2. श्रीमती नागरत्नमा (अन्तरिती)  
पत्नी श्री एच० एस० सिंहौजा  
हुलूवाडी, चक्रपटना तालुक।
- 3. श्रीमती नागरत्नमा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधीनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 2459, ए० डिविजन एक्सटेनशन, चक्रपटना बैंगलूर जिला जिसकी बारों और की सीमा निम्नलिखित है—

पूर्व : खुली जगह

पश्चिम : किसे की ओर का रास्ता

उत्तर : श्रीनिवास राव की जगह

दक्षिण : श्री प्रकाश का मकान

बी० माधवन  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज बैंगलूर।

तारीख : 8-6-1973

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ  
(1) अधीन सूचना

भारत सरकार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, बैंगलूर  
का कार्यालय

बैंगलूर विनांक 8 जून 1973

निर्वेश सं० सी०आर० 62/150/72/73/एसीक्य०-  
(बी०)—यतः, मुझे, बिं० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० सैट नं० 476 है, जो  
राजमहल विलास एक्सटेनशन, बैंगलूर में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय गाँधीनगर में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
8-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार  
अन्तरिता की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के शीघ्र तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना और या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20के पावरों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अश्विनी एस० रुद्धा (अन्तरक)  
96, नेपिथन सी० रोड,  
बम्बई-6।

2. श्री (1) के० एन० श्रीनिवासन (अन्तरिती)

4, मालिनी लक्ष्मी रोड, बैंगलूर-27।

(2) ए० डी० एम० किष्णन  
85, III मेन, व्यालिकावल एक्सटेनशन  
बैंगलूर-3।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जगह नं० 476, राजमहल विलास एक्सटेनशन, बैंगलूर,  
बी० माधवन  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज बैंगलूर।

तारीख : 8-6-73

मोहर

प्रलूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जनरेंज बैंगलूर का कार्यालय

दिनांक 8 जून 1973

निर्देश सं०सी०आर० 62/15९/7२-७३/ए०सी०क्य० (बी) —  
यतः, मुझे, बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 80,  
रेलवे पेरलेल रोड है, जो कुमारपार्क वेस्ट, बैंगलूर-20  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
गांधी नगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 13-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11)  
या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने का कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा 1  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जे० बी० मल्लाराध्य (अन्तरक)  
50, कुमारपार्क वेस्ट बैंगलूर-20।

2. श्रीमती (1) आर० विजयलक्ष्मी पत्नी (अन्तरिती)  
बी० आर० रंगस्वामी  
9/8, I ब्लाक कुमारपार्क वेस्ट बैंगलूर-20।  
(2) श्रीमती एम० निर्मलाकुमारी पत्नी  
बी० आर० लक्ष्मीपति  
9/8, I ब्लाक, कुमारपार्क वेस्ट,  
बैंगलूर-20।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त  
होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किती अन्य  
व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत  
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने  
ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति न० 80, रेलवे पेरलेल रोड, कुमारपार्क  
वेस्ट, बैंगलूर-20।

बी० माधवन  
सक्षम प्राधिकारी  
[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)]  
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख 8-6-73

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एम०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बंगलूर, का  
कार्यालय

दिनांक 8 जून 1973

निर्देश सं० सी०आर० 62/181/72-73/ए०सी०क्य० (वी)---  
यतः, मुझे, बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है और जिसकी  
सं० 1346/28 है, जो 32 क्रास, टी० ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-11  
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बंगलूर-11  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 11-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना ; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वि० श्रीनिवास राव  
122, VI क्रास, चामराजपेट, बंगलूर-18। (अन्तरक)
2. श्रीमती शशी रेखम्मा  
पत्नी थस० वि० गोपालकृष्णग्या (अन्तरिती)  
जूनियर इंजीनियर, विवेकानन्दा रोड,  
मनडचा, मैसूर स्टेट।
3. श्री जी० गुप्ता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्थावर सम्पत्ति** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति, नं० 1346/28, 32 क्रास, टी० ब्लाक,  
जयनगर, बंगलूर-11 ।

बी० माधवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर ।  
तारीख : 8-6-1973  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बंगलूर का कार्यालय

दिनांक 8 जून 1973

निर्देश सं० सी० आर० 62/262/72-73/ए० सी०  
क्य०(बी) —यतः, मुझे, वि० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 29/1, डि० कास्टा है, जो स्कवयर, कूक टौन, बैंगलूर-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जि० एम० कृष्णमूर्ति 10/1, अब्दुल हफीज रोड, काम्पस टौन, बैंगलूर-5। (अन्तरक)
2. श्री के० एम० थामस और मेरसी थामस पी० बो० बाक्स 1808, किटबे, जाम्बिया। (अन्तरिती)
3. श्री के० बाबू (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरों के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

**अनुसूची**

स्थावर सम्पत्ति नं० 29/1, डि० कास्टा स्कवयर, कूक टौन, बैंगलूर-5।

बी० माधवन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज बैंगलूर।

तारीख : 8-6-1973

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ

(1) के अधीन सूचना ।

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बैंगलूर का कार्यालय

दिनांक 8 जून 1973

निर्देश सं० सी० आर० 62/488/72-73/ए० सी० वय००  
(बी०)---यतः, मुझे, बि० माधवन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० खुली जगह नं० 20, स्टेट बैंक बिलिंग के पीछे है, जो जे० सी० रोड, बैंगलूर सिटी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दिवित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती (1) भागवानी देवी मालपानी पत्नी  
श्री पी० सी० मालपानी

(2) श्रीमती कान्ता देवी मालपानी पत्नी  
श्री के० मालपानी  
2. माधवनगर यक्सटेनशन, बैंगलूर-1। (अन्तरक)

2. (1) श्री टी० श्रीनिवास सेट्टी

27, चौडेश्वरी टेम्पल स्ट्रीट, बैंगलूर-2।

(2) श्री जी० अलेगजानडर

81, अनन्तीपेट, बैंगलूर-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 20 (डिवीजन 38) स्टेट बैंक बिलिंग के पीछे जे० सी० रोड, बैंगलूर सिटी जिसकी चारों ओर की सीमा निम्नलिखित है—

पूर्व : 20 फुट लम्बी गली और श्री टी० श्रीनिवास सेट्टी की जगह

पश्चिम : श्री जी० अलेगजानडर की स्थावर सम्पत्ति

उत्तर : पञ्चल क्रास रोड

दक्षिण : श्री एच० एच० रहमान शरीफ की स्थावर सम्पत्ति ।

वी० माधवन

सक्षम अधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर

तारीख 8-6-1973

मोहर :

प्र० रुप आ०टी०एन०एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज बैंगलूरु, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, दिनांक 8 जून 1973

तिदेश सं० सी०आर० 62/416/72-73/ए० सी० क्य००  
(बी) —यतः मुझे श्री बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 83/3 (पुराना नं 155/1, 41) है, जो IV मैन रोड, मल्लेश्वरम, बैंगलूरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मल्लेश्वरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके, दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक के (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एच० बी० सत्यनारायण  
सरस्वतीपुरम, मैसूरु सिटी  
(जन्तरक)

2. श्रीमती एम० आर० मनिबाई  
C/o नवनाथ एड कम्पनी,  
9. एकाम्बर साहूजी लेन बैंगलूर-2 ए। (अतरिती)

3.

1. पी० एन० रामन (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)  
2. विजय विठ्ठल

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

स्थावर सम्पत्ति नं० 83/3 (पुराना नं० 155/1, 41) मेन रोड, मल्लेश्वरम, बैंगलूरु।

बी० माधवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूरु।

तारीख : 8-6-1973

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज  
हैदराबाद का कार्यालय

तारीख 6-6-1973

निर्वेश सं० आर० ए० सी० 2/73-74—यतः, मुझे श्री एस० बालसुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1-1-230/10 है, जो विवेक नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पन्द्रः वार्ड की अंतिम तारीख 31-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे द्रष्टव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षयित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० विजयम म० न० 1-1-230/10 विवेक नगर, हैदराबाद-20 (अन्तरक)

3—116GI/73

(2) श्रीमती के० ईश्वरमा पत्नी श्री के० सायना गौड़, म० न० 1-4-404, भोलकर पूर, सिकन्दराबाद (अन्तरित)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हू० ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अंगोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

### अनुसूची

दो मंजिला मकान न० 1-1-230/10, विवेक नगर हैदराबाद, जगा 48 फीट × 81 फीट—432 चौ० गज

पूरब—म० न० 1-1-230/11 कुटुम्ब शास्त्री के मकान

पश्चिम—म० न० 1-1-230/9 ए० के० मूर्ती के मकान

उत्तर—30 फीट, सी० सी० रोड

वक्षिण—म० न० 1-1-230/13/1, श्री माधवराव नायडू के मकान।

एस बालसुब्रमन्यम्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 6-6-1973

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ख (1) के अधीन सूचना  
भारत मंशकार  
सहायवा आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज  
हैदराबाद का कार्यालय  
दिनांक 6-6-1973

निर्देश सं० आर० एफ० सी० 3/73-74—यतः, मुझे एस० वाल सुन्मन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 3-6-21/1 है, जो बशीर बाग हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अहलया देवी पति श्री जे० आर० रेडी, 3-6-21/1, बशीरबाग, (अन्तरक) हैदराबाद (अन्तरक)  
(2) श्रीमती अनुमूल्या देवी पति गोपाल रेडी, 3-6-21/1, बशीर बाग, हैदराबाद।  
(1) श्री मनीकान्त पु०/गोकुलदास कारिया म० न० 3-6-27/3 बशीरबाग हैदराबाद (अन्तरिती)  
(2) श्री हरीश पु०/गोकुलदास कारिया,

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किंतु बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थलीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

म० न० 3-6-21/1  
बशीरबाग, हैदराबाद

एस० बालसुन्मन्यम्  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जनरेंज हैदराबाद

तारीख : 6-6-1973

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज हैदराबाद  
का कार्यालय  
दिनांक 6-6-1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 4/73-74—यतः मुझे,  
एस० बालसुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० 5-8-43 है, जो फर्जे सुलतान गल्ली में नामपत्ती स्टेशन रोड,  
हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 23-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्युट विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों, को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अच्छातार उम्रीसा बेगम, श्री अच्छुल अजीज खान  
की पुत्री, गृह नं० 12-2-827, मेहदीपटनम्, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री एम० ए० बेग के पुत्रे मिरजा हमीद बेग, मिरजा  
सलीम बेग, मिरजा मोहसीन बेग, मिरजा वसीम बेग, म० न०  
6-1-347, खैरनाबाद, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किंतवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**उपचारणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है !

**अनुसूची**

मकान नं० 5-8-43, फते सुलतान गल्ली, नामपत्ती स्टेशन  
रोड, हैदराबाद

एस० बालसुब्रमन्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख: 6-6-1973

मोहर

**प्रलूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज

हैदराबाद का कार्यालय

दिनांक 6 जून 1973

निर्देश सं० आर० एफ० सी० 5/73-74—यतः मुझे, एस०  
बालसुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5-9-22/69 है, जो आदर्श कोआपरेटिव

हौसिंग सोसायटी लिमिटेड, आदर्शनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैवराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5 फरवरी, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विठ्ठल राजेश्वर राव के पुत्रों जितेन्द्र राव, विद्यासागर राव, असोक कुमार राव, सुरेश कुमार राव, महेश कुमार राव, म० न० 5-9-22/69, आदर्श नगर, हैदराबाद-4 (अन्तरक)

(2) श्री सुरेश एस० भालेराव, राय रायेन देवडी, शाहआली बण्डा, हैदराबाद-4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितबद्दल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किया जायगा और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रथम शब्दों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है:

### अनुसूची

मुनिसिपल के इमारत न० 5-9-22/69 आदर्श कोआपरेटिंग हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, आदर्श नगर, हैदराबाद,

उत्तर—बिरादरी के मकान

दक्षिण—लाला न० 105 ऊपर इमारत

पूरब—बिरादरी के मकान

पश्चिम—30'फीट चौड़ा रास्ता

एस० बालसुब्रमन्यम्  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 6-6-1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० निरीक्षण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज  
हैदराबाद का कार्यालय

तारीख 6-6-1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 6/73-74—यह, मुझे, एस० बालसुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु से अधिक है और जिसकी सं० 3-6-430, हिम्मत नगर, हैदराबाद में स्थित है (श्री इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैवराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना: और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यह: अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

- (1) श्री बिंदु के नित्यानन्द, मुनिसिपल पार्क, दोभल गूडा, हैदराबाद, (अन्तरक)
- (2) श्रीमती एम० प्रमिला, पति एम बेंकटेशम् C/O श्री टी० भद्रव्या, रिकांज, म० न० 21-1467 हैदराबाद (अन्तरिती)
- (3) श्री पोस्ट मास्टर जनरल, आनंद प्रदेश, हैदराबाद (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति प्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सूनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिक्षित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

### अनुसूची

मकान के भाग म० न० 3-6-430, हिमायत नगर, हैदराबाद

एस० बालसुब्रमन्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 6-6-1973

मोहर :

प्रलैप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद कार्यालय

तारीख 8-6-1973

निवेश स० आर० ए० सी० 7/73-74—यह: मुझे एस० बालसुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 1-8-528/27 है, जो चिकित्सा दली, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना: और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं

किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री विनप्पराव, चिक्कडपल्ली, हैदराबाद (अन्तरक)।
- (2) श्री हरीकिशन, चेल्लापुरा, हैदराबाद (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—** दृश्यमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

म० न० 1-8-528/27 का एक भाग है जो चिक्कडपल्ली, हैदराबाद में है।

एस० बालसुब्रमन्यम्  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख : 8-6-1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० निरीक्षण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज  
हैदराबाद का कार्यालय  
तारीख 8-6-1973

निदेश सं० आर० ए० सी० 8/73-74--यतः मुझे एस० बाल सुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 5-9-1049 है, जो गन फौड़री, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विषेख के अनुसार अन्तरिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) को अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना: और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री विनसेन्ट ईस्डाक्स, म० न० 5-9-1049/1, गनफौड़री, हैदराबाद, (अन्तरक)
- (2) श्री एम० ए० हाफीज, 5-7-361 आगोपुरा, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को भी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

म० न० 5-9-1049 गनकोड़ी, हैदराबाद

एस० बालसुभ्रमन्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 8-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज  
हैदराबाद का कार्यालय

तारीख 8-6-1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 9/73-74—यतः मुझे,  
एस० बालसुभ्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० 16-5-53 है जो फरवर नगर, दबीर पूरा के बाहर  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
आजमपुरा, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन 28-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना : और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सरदार हुसेनी, म० न० 16-5-52 दबीरपुरा के बाहर, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री सरदार हुसेनी, म० न० 16-5-53 दबीरपुरा के बाहर, हैदराबाद (अन्तरिती)  
को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को भी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थानीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया है।

### अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 16-5-53, फरहत नगर, बीर पुरा के बाहर हैदराबाद

एस० बालसुभमन्यम्  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख : 8-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज  
हैदराबाद का कार्यालय

तारीख 8-6-1973

निवेश सं० आर० ए० सी० 10/73-74—यह; मुझे एस० बालसुभमन्यम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 10-1-542/1 ता० 8 है, जो एन्ड्रेचमेंट रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21 विसम्बर 1973, को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना: और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कारण शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा असिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री के० येल्लाय्या बल्द बाबूय्या आवकारी गुलबाद, 4-4-49 गुलबाद, मैसूर प्रान्त दरगा रोड़

(2) श्री आर० आर० गुप्ता, आर० एस० अगरवाल पूरब नेहरूनगर, 10-1-542/9, सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

† (3) (1) श्री के० एस० सेथी, ई० सी० आर० एस० (2) राधाकिशन, डिफेन्स आडीटर (3) मोहन मेकान लायर्स, (4) रामचन्द्र, (5) एम० टी० गोपालन, सभी श्रीमती श्यामा देवी गुप्ता के द्वारा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थानीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

## अनुसूची

मल्ल० 10-1-542/1 ता० 8,

जग—163, 64 नौ० गज—136, 82 चौ० मीटर्स  
यन्देच मेंच रोड के यहां, सिकन्द्राबाद

उत्तर—रास्ता

दक्षिण—एस० राथया के ब्लाक

पूरब—रास्ता

पश्चिम—म० न० 10-1-542/940

## एस० बालसुब्रमन्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 8-6-1973

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद  
का कार्यालय

तारीख 11-6-1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 11/73-74—यतः,  
मुझे, एस० बालसुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० 15-7-559/560 है, जो बेगम बाजार हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दूध बाबू हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-1972  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के  
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922

(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
लिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सव्यद मोयनुद्दिन आलियास मोयन फाशा, पुत्र  
हाजी सव्यद यासीन साहेब, म० न० 14-5-403, बेगम बाजार,  
हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती जमनाबाई पति श्री किशन लाल यादव,  
म० न० 14-4-220, वैदर वाड़ि, बेगम बाजार, हैदराबाद (अन्तरक)

(3) श्री धर्मादास (2) रमेश (वह व्यक्ति, जिसके अधियोग  
में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्स्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क  
में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया है।

## अनुसूची

दो मंजिला मलगीयां जिन के म्युनिसिपल (बलविया) नं० 15-7-559 तथा 560, वेगम बाजार, हैदराबाद।

एस० बालसुब्रमन्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 12-6-73

मोहर :

प्रलृप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद  
का कार्यालय

तारीख 12-6-1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 12/73-74—यतः, मुझे,  
एस० बालसुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 3-1-805 है, जो काची गूँड़ हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 14 दिसम्बर, 1972 का पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे  
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपष्टि (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जगद्म्बा (2) श्रीमती फमानुशीसा बेगम्  
म० न० 3-1-805, काचीगूँड़ा, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती आयेशा बेगम्, चारमीनार मोहल्ला, हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

म० न० 3-1-805, काचीगूँड़ा, हैदराबाद-27

एस० बालसुब्रमन्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 12-6-73

मोहर :

प्रलृप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद  
का कार्यालय

तारीख 12-6-1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 13/73-74—यतः मुझे  
श्री एस० बालसुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1073/1-128 है, जो मल्लापुर गांव पूर्व हैदराबाद, में स्थित है (और इसे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूर्व हैदराबाद, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपत्:—

(1) श्री मेसर्स आर० ए० एल० एण्ड कम्पनी ए० इन्ड्र सेन रेडी पु/ए० बी० नारायण रेडी, सुकल तिल्लुला गांव, करीमनगर जिला (2) ए० आसिक उस्मान वल्द मोहम्मद उस्मान म० न० 6-3-789, श्रमीर पेट, हैदराबाद (3) बि० लिपिता पश्चाद वल्द बेले लचमग्या, म० न० 3-4-612/1, नारायण गुड़ा, हैदराबाद (4) मुरली मनोहर रेडी वल्द जी गंगा रेडी, मोरथाड़ गांव, आरमूर तालूक, निशामाबाद जिला। (अन्तरक)

(2) मेसर्स किसन सिमेंट पायप कम्पनी मलापूर गांव, मौला ग्रामी के करीब, हैदराबाद कम्पनी, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**ल्पणीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्याक्टरी अस्ट्राफ दिवार के साथ जिसका सर्वे न० 174 जगा-4 इक्कर 32 गुटा या 1.94 हेक्टर न० 1073/1-128 जो मल्लापुर गांव में पूर्व हैदराबाद है।

एस० वालसुब्रमन्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख: 12-6-1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, दिल्ली ।

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली,

दिनांक 14 जून 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-1/ए(4)/2(2)/72-73—

यतः मुझे, पी० के० के० पारन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1033, 1034, 1035 (आधा दक्षिणी हिस्सा) है, जो पायबालान, जामा मस्जिद, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-1-1973 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री ललित मोहन पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण, निवासी 22 बाबर, लेन, नई दिल्ली तथा (2) श्री लक्ष्मी नारायण पुत्र श्री राम किशन चान्दो वाला द्वारा श्री ललित मोहन मुख्तयार। (अन्तरक)
2. श्रीमती शर्मा, पत्नी श्री जवाहर लाल निहासी 2237, गली पहाड़ वाली, धर्मपुरा, दिल्ली। (अन्तरिती)
3. (1) स्व० श्री हनुमान प्रसाद द्वारा उत्तराधिकारी अनुल कुमार, अनिल कुमार तथा सुनील कुमार (2) प० जवाहर लाल (3) श्री राम चौपड़ा (4) म्युनिसिपल कारपोरेशन दिल्ली (5) श्री प्यारे लाल। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना

की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसे आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोंक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथापरिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

आधा वक्षिणी भाग भक्तान तीन मंजिला पुख्ता व मय तहत आराजी लगभग 269 वर्ग गज, जुज भूतपूर्व न० 361, वर्तमान सालिम न० 1033, 1034 तथा 1035 वास्तव पायबालान, जामा मस्जिद, दिल्ली, ईलाका न० 4, जिसकी सीमाएं इस प्रकार हैं :—

**पूर्व :** दरवाजा सदर जायदाद न० 1035 व सड़क पायबालान।

**पश्चिम :** गली छोटी छिपीबाड़ा वाली व बिल्डिंग मक्की महाराज।

**दक्षिण :** दीधार खलिस जायदाद मुवाइया व जायदाद न० 1032, श्री मुक्की महाराज।

**उत्तर :** बाकी हिस्सा जायदाद न० 1035 सालिम 1036, 1037।

पी० के० शरन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख 14 जून 1973

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण  
आयोग का अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद का  
कार्यालय

तारीख 12-6-1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 14/73-74—यतः, मुझे,  
एस० बाल सुश्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं०  
10-1-591 तथा 592 है, जो मारेड पल्ली सिकन्द्राबाद में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
12-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने को कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां)  
के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए  
सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं।

यतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० सी० अप्पला चारी वल्द स्व० नरसिंहा चारी  
(2) सी० नरसिंहा चारी वल्द डा० सी० अप्पला चारी एस०  
एम० सी० 4 तथा 5, मारेडपल्ली, सिकन्द्राबाद (अन्तरक)

(2) श्री सी० रामचारी वल्द डा० सी० अप्पला चारी, एस०  
एम० सी० 4 तथा 5 मारेड पल्ली सिकन्द्राबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
है।

### अनुसूची

म० न० 10-1-591 तथा 592, मोरड पल्ली, सिकन्द्राबाद  
एस० बालसुश्रमन्यम्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख 12-6-1973

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद का  
कार्यालय

तारीख 12-6-1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 15/73-74—यतः, मुझे, एस०  
बाल सुश्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०  
3-6-135 है, जो हैदरगढ़ा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे

उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8 दिसंबर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना : और/या
- (ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, द्वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती जहीरशनिसा बेगम् पत्नि/मीर अजहरुद्दिन, हुसेन,
- (2) श्री मीर मोयजुद्दिन बलद मीर अजहरुद्दिन मोयजुद्दिन
- (3) श्रीमती रफिया बेगम् पत्नि/कलीबुजमा फारुख,
- (4) श्रीमति फौजिज बेगम् पत्नि/सर्यद जियाउद्दिन खाद्रि,
- (5) श्रीमति रखिया बेगम् पुत्री/मीर अजहरुद्दिन हुसेन, म० नं० 3-6-134, हैदरगूड़ा, हैद्राबाद (अन्तरक)
- (6) श्री प्रल्हाद कुमार बलद राय अन्जनी पश्चि म० नं० 7-1-216, अमीरपेट, हैद्राबाद (अन्तरिती)

(7) सेक्टरी, बोर्ड आफ इंटरमिडिएट एजुकेशन, आंध्र प्रदेश, हैद्राबाद (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(8) श्रीमती हील मोहिनी म० न० 494/2, आर टि०/एल-2 एल० आय० जि० एच० संजीवारेडी नगर कालनी, हैद्राबाद

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति के हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

म० न० 3-6-135, जग : 740.74 चौ० मीटर्स, हैदरगूड़ा, हैद्राबाद।

एस० बालसुश्मन्यम्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैद्राबाद

तारीख : 12-6-1973

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण कार्यालय

तारीख 12-6 1973

निदेश सं० आर० ए० सी० 16/73-74—यतः मूले,  
एस० बालसुश्मन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5-2-301 तथा 302 है, जो प्लाट नं० 40 हैदरबास्ति, सिकन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1972 पन्द्रवाड़ा के अन्त को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयी शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० चिरञ्जीवि राव, (2) पी० पूर्णचन्द्र राव (3) पी० श्रीनीवासा राव (4) आर० प्रेमलता, (5) कौसलयम्मा (6) पी० बालकिशना (7) पी० मुरली किशना, (8) पी० विजय कुमार (9) पी० मोहन किशना, म० न० 4 तथा 40, हैदरबास्ति, सिकन्द्राबाद (अन्तरक)

(2) श्री गणेश यान ट्रेडिंग कम्पनी (जी० नागेबा) महाकाली मन्दिर, सिकन्द्राबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यान्वयितां गुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लाट न० 40 पर म० न० 5-2-301 तथा 302, हैदरबास्ति, सिकन्द्राबाद

एस० बालसुब्रमन्यम्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज हैदराबाद

तारीख : 12-6-73

मोहर :

प्रह्ल० आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

**कार्यालय निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त अर्जन खेत्र II**

मद्रास, दिनांक 11 जून 1973,

निर्देश सं० 126/72-73/आर०-II—यतः मुझे, रा० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 327/7 (भाग) टी० एस० सं० 48, ब्लाक सं० 28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक

(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के सब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुल्क करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती एम० पंगजम (2) श्रीमती एम० सुलोचना देवी
- (3) श्रीमती एम० निमला (4) श्री एम० कोटिस्वर राव
- (5) श्री एम० हनुमन्त राव (6) श्रीमती एम० जगमोहिनी (7) श्री एम० चेलपती राव (8) श्री एम० लक्ष्मीराज्यम (अन्तरक)
- (2) इंडियन इंस्ट्रूट आफ टेक्नालोजी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आथकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पुलिचूर में छे कोण्डस आर० एस० सं० 327/1 (भाग) टी० एस० सं० 48, साक सं० 28

ए० राजहारेन्द्ररा राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज

तारीख : 11-6-1973

मोहर

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय  
अर्जन ई०-४ आयकर भवन महार्षि कर्वे मार्ग,  
बम्बई 400020, 6 जून 1973

निर्देश सं० अ० सं० 13/नि० स०, आ०, अ०ई०-४/७३-७४—  
यतः, मुझे, ग० सन० राव, नि० स० आ०, अ० ई०-४ बम्बई।  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हूँ से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट सं० 119 वी० टी० पी० एस० सं० 5 सांताकुज, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14 विस्म्यर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए भूकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनियित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269ग अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री ताराचंद सुरजमल मेहता, 79/80 घोड़बंदर रोड, बम्बई-50 (अन्तरक)

(2) श्रीमती जुबेदा अब्दुला मोहमद, अकबास महल, मोटलीबाई स्ट्रीट, बम्बई-11, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्वंद्व किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, अद्वौहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमें ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्तीं पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

प्लाट सं. 119 बी०, दी० पी० एस० सं. 5, सांताकुज, बम्बई, 682 वर्गमीटर।

गा० सो० राब

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 4 बम्बई।

तारीख : 6-6-1973

मोहर :

5—116GI/73

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय

अर्जन ई० 4 आय-कर सचन महाबि कर्बे, मार्ग

बम्बई 400020, दिनांक 6 जून 1973

निवेश सं. अ० सं. 11/नि० स० आ०, अ० ई०-4/73-74—

यतः, मुझे, ग० सो० राब, नि० स० आ० अ०-ई०-4, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं. प्लाट सं. 119-ए, दी० पी० एस० 5 है, जो सांताकुज, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्वा अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनियित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हुजराबाई शकेरिया आशाडी, हंजर बोला, 5, कलब, बक रोड, बम्बई-8 (अन्तरक)।

(2) श्रीमती जुबेदा अब्दुला मोहमद, अब्बास महल, मोटलीबाई स्ट्रीट, बम्बई-II (अन्तरिती)।

(3) श्री अब्बास भाई अब्दाली, इप्सक्यू और अन्य (वह व्यक्ति, जिसके अधिकार में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षीयों को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में पथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट सं० 119-ए० टी० पी० एस० सं० 5, सांताकुज, बम्बई,  
826 वर्गमीटर।

ग० सो० राव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 4 बम्बई।

तारीख 6-6-1973

मोहर:

प्रलूप आई०टी०एन०एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय अर्जन  
ई-4 आयकर भवन महाराष्ट्र मार्ग मार्ग

बम्बई 400020, दिनांक 6 मई 1973

निवेश सं०अ०स० 12/नि०स०आ०, अ०ई० 4/73-74—यतः,  
मुझे, ग० सो० राव, नि० स० आ०, अ०ई०-4, बम्बई।  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी रां० प्लाट

सं० 119 बी, टी० सी० एस० सं० 5 है, जो सौताकुज, बम्बई  
में स्थित है (और इससे उपाधन अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 13 दिसंबर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-  
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
में लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना, और/पा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग अनुसारण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री शेकरिया हजीलतीफ आघाडी, हंजर वीला, 5 क्लब  
बक रोड, बम्बई-8 (अन्तरक)।

(2) श्रीमती जुबदा अब्दुला मोहम्मद, अक्वास महल, मोठली-  
वार्ड स्ट्रीट बम्बई-11 (अन्तरिती)।

(3) श्री ए० एम० पालनपूरवाला, इएसक्यू और अन्य (वह  
व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्तिको, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थानिकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट सं० 119 बी०, टी० पी० एस० संस० 5, सांसाकृज, बम्बई, 682 वर्गमीटर।

ग० स० राव  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 4, बम्बई।

तारीख : 6-6-1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा ८(१) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/ए(३)/३०(९४)/७२-  
७३—यतः, मुझे, पी० के० शरन आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० आधा उत्तरी हिस्सा, 1036, 1037 जून मं०  
1035 है, जो पायवालान, जामा मस्जिद, दिल्ली में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-12-1972  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-

रितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण [लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है]—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुल्क करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (१) श्री ललित मोहन पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण निवासी २२-बाबर लैन, नई दिल्ली तथा (२) श्री लक्ष्मी नारायण पुत्र श्री राम किशन चान्द्रीवाला द्वारा श्री ललित मोहन मुख्यारार (अन्तरक)।

2. विश्वनाथ शर्मा पुत्र श्री जवाहर लाल, निवासी २३२७, गली छोटी पहाड़ बाली, धर्मपुरा, दिल्ली (अन्तरिती)।

3. (१) स्व० श्री हनुमान प्रसाद, द्वारा उत्तराधिकारी सर्वश्री अतुल कुमार, अनिल कुमार, सुनील कुमार (२) श्री श्री किशन खन्ना (३) श्री काहन चन्द्र कोहली (४) श्री पारे लाल (५) म्युनिसिपल कारपोरेशन दिल्ली तथा (६) श्री जवाहरलाल। (यह व्यक्ति, जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुल्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

आधा उत्तरी हिस्सा तीन मंजिला मकान पुल्हा व मय तहस आराजी लगभग 270 वर्ग गज जुज भूतपूर्व नं० 361 बर्तमान जायदाद व सालिम नं० 1036, 1037, जुज नं० 1035 बाक्य पायवालान, जामा मस्जिद दिल्ली इलाका नं० 4, जिसकी सीमाएँ इस प्रकार हैः—

**पूर्व :** दरबाजा सदर जायदाद नं० 1035 व सड़क पायवालान।

**पश्चिम :** गली छोटी छिपीवाड़ा बाली बिल्डिंग मक्की महाराज।

**उत्तर :** दीवार खालिस जायदाद मुबईया व बिल्डिंग लक्ष्मीनारायण द्रुस्ट।

**दक्षिण :** बाकी हिस्सा जायदाद जुज नं० 1035 सालिम 1034।

पी० के० शरन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 14-6-1973

मोहर:

अर्जन रेंज-1, दिल्ली,

नई दिल्ली

### प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जून 1973

निर्देश सं० १० सी० क्य० 23-37/1-1/73-74—यतः,

मूले, जे० कथुरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 20 ए० यी० नं० 906 एस० पी० नं० 4 है, जो कोचरब अहमदाबाद में स्थित

है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना; और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किण्ण राम अग्रवाल, 13, किण्ण सोसाइटी, अहमदाबाद (अन्तरक)।

2. मोहन किण्ण चन्द मूलचन्दानी, 1, धवल सोसाइटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तोः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामी से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों को सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोनरव टी० पी० एस० नं० 20, एफ० पी० नं० 306  
एस० पी० नं० 4,1007, चोरस गंज, अहमदाबाद।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख 12 जून, 1973

मोहर :

प्रूप टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कार्यालय,  
60/61, एरंडवना, कर्वे रोड,  
पूना-411004

दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० सी० ए० 5/दिसम्बर, 72/कल्यान/11/73-74-  
यतः, मुझे, जी० कृष्णन् आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु से अधिक है और जिसकी सं० स० नं० 19 हिस्सा नं० 3 है, जो गज-बंधन पाठरी तहसील-कल्यान, जि-धाना में स्थित है, (और इससे उपानव अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कल्यान में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29 दिसम्बर 1972 को पूर्वानुसूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वानुसूचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है

और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के प्रब्लॉम्स में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्रीमती रंगशामी रामा म्हात्रे और अन्य, डॉविल्ली (अन्तरक)
- 2. नव आनन्द को औपै हाऊसिंग सोसायटी लि० डॉविल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्य व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृती

खुली भूमि—सं० न० 19 हिस्ता न० 3  
गजबन्धन पाथरी, डोविवली म्युनिसिपल कक्षा में,  
तहसील—कल्याण, जि० धाना,  
क्षेत्रफल—1270 वर्ग यार्ड

तारीख : १३-६-७३  
मोहर:

जी० कृष्णन,  
संक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ(1) के अधीन सुन्ना

भारत सरकार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज कार्यालय,  
60/61, एरुडवना, कर्वे रोड,  
पूना-411004  
दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० सी० ए० 5/दिसम्बर, 72/कल्पाणि/13/73-74  
—यतः, मुझे, जी० कृष्णन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० वं० 18 हिस्सा नं० 20 पार्ट है, जो डॉविली तहसील-कल्यान जि० थाना में स्थित है (और इससे उपांड अमुसूबी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कल्यान में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख के अमुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सकर बनाना, और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों, फॉ, जिन्हें भारतीय आय-कर विभिन्नियम, 1922

(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट  
 नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने  
 के लिए सूक्त बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभियोगित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन भिन्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किसन कलया जोशी, थाना, (अन्तरक)
2. स्मीना को-ऑप हाऊसिंग सोसायटी, लि० थाना (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतदद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आधेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनावाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापक परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम सची

सं० नं० 18 हिस्सा नं० 20 (पार्ट) फ्लाइ मं० 516,  
क्षेत्रफल 1415 एर्ग याँड़स, डोधिवली,  
जि० थाना ।

जी० कृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना  
तारीख : 13-6-73  
मोहर ।

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज कार्यालय,  
60/61, एरंडवना, कर्बं रोड,  
पूना-411004 ।  
तारीख : 13-6-73

निर्देश सं० सी० अे० 5/दिसम्बर, 72/उल्हासनगर/15/  
73-74—यतः मुझे, जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सधम प्राधिकारी  
को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं०  
प्लाट मं० 662, सैक्सन, 7-B है, जो उल्हासनगर, जि० थाना  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उल्हासनगर जि० थाना  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 1-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरिती की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच सब पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना,

प्रौर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20 के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

ग्रन्तः ग्रन्त धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

1. (a) श्री श्रीचंद्र अच० खानचंद्रानी
- (b) श्री दिलीप जी० खेतवानी अ० /16 शिव को-  
आय हाऊसिंग सोसायटी, कोपरी कांपनी,  
थाना (अन्तरक)

2. पूनम को-आय हाऊसिंग सोसायटी लि० प्लाट नं०  
662, सैक्सन-7-बी० उल्हासनगर, कॅम्प-3 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से तीस दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी।

एतद्वारा आगे यह प्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट मं० 662, सैक्सन 7-बी० उल्हासनगर,  
कॅम्प-3 उल्हासनगर,  
धेवफल : 1301 वर्ग यार्ड्स (1084 वर्ग मीटर्स)।

जी० कृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी,  
तारीख : 13-6-73 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज कार्यालय,  
60/61, एरंडवना, कर्बं रोड,  
पूना-411004 ।

कलकत्ता, दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० सी० अे० 5/विसम्बर, 72/कल्यान/9/73-74—  
यतः मुझे, जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का

43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु से अधिक है और जिसकी संसूचना नं. 237 प्लाट नं. 4 हिं. निं. 1+2 पार्ट है, जो ठाकुरली (डॉ-विवली म्यूनिसीपल कक्षा, जिं. थाना) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कल्यान में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (a) श्री सुधाकर बमन तारे  
(b) श्रीधर बामन तारे  
देवस्थली बंगला, कर्बे मार्ग, विष्णु नगर, डॉ-विवली, जिं. थाना (अन्तरक)।
2. आशिर्वदि को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि० द्वारा डी० के० केलकर, केलकर मार्ग, रामनगर डॉ-विवली, जिं. थाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के उपाबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बिगर खेती जमीन  
फ्लाट नं. 4 सं. नं. -237 हिस्सा नं. 1+2 पार्ट  
क्षेत्रफल : 1405, वर्ग यार्ड

ठाकुर्ली, (डॉ-विवली म्यूनिसीपल कक्षा) जिं. थाना।  
(जी० कृष्णन),  
संक्षम प्राधिकारी

तारीख : 13-6-73 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ(1) के अधिसूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कार्यालय

60/61, एरंडवना, कर्बे रोड,

पुना-411004 ।

तारीख : 13-6-73

निर्देश सं. सी० ओ० 5/दिसम्बर, 72/कल्यान/10/73-74—

यतः, मुझे, जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु से अधिक है और जिसकी संसूचना नं. 6 पार्ट है, जो गजबन्धन पाठर्ली तहसील कल्यान, जिला थाना ग्राम पंचायत नं. 241 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कल्यान में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (a) श्री नारायण गोपाल तोरसेकर  
(b) श्रीमती सुनीता नारायण तोरसेकर, जोशी बिल्डिंग, न्यू इंग्लिश स्कूल के पिछे, नोपाडा, थाना, (अन्तरक)।
2. (a) डॉ नारायण माधव ढाके  
(b) श्रीमती पार्वती नारायण ढाके, जवार, जिं. थाना (अन्तरिती)।
3. (a) एम० ए० गोर  
(b) एस० आर०, खटावकर  
(c) एस० के० देशपांडे  
(d) एम० एम० शेट्री  
(e) रिंदुस्तान कम्पनी लि०  
हाउस नं० 241, गजबन्धन पाठ्यली  
तहसील-कल्याण, जिं-थाना (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिसी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थावीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

गांव :—गजबन्धन पाठ्यली,  
तहसील-कल्याण, जिं. थाना,  
सं. नं० 59 हिस्सा- नं० 6 पार्ट  
एन० ए० फ्लाट-क्लेवफल-486 वर्ग मीटर्स  
और एक अमला अमारत।

जी० कृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज, पूना

तारीख 13-6-73

मोहर :

प्रस्तुत अर्द्ध० टी० एन० एस०  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रैंज कार्यालय  
60/61, एरंडवना, कर्बे रोड,  
पूना-411004, दिनांक 16 जून, 1973

निर्देश सं० सी० ओ०५/दिसम्बर, 72/कल्याण/14/73-74—  
यतः मुझे, जी० कृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 2, स०न० 90/2/1(पार्ट) है, जो रामबाग लेन०नं० 5, कल्याण सि०सं० नं० 2978 औ० में स्थित है (और इससे उपान्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, कल्याण में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम है

दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरके (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वेदव्यास आनन्दराव पै, थाना (अन्तरक)।
2. श्री प्रेमज्योत को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लिं, थाना (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तात्पील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

प्लाट नं० 2, सं० नं० 90/2/1 (पार्ट),  
सिटी स० नं० 2978 ऐ० (पार्ट) रामबाग लेन-5  
कल्याण, जि० थाना।

तारीख : 16 जून 1973  
मोहर :

जी० कृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना।

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कार्यालय,  
60/61, एस्डेन्टना, कवे रोड

पूना-411004, दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० सी० ऐ० 5/दिसम्बर, 72/कल्यान/12/73-74—  
यतः, मुझे जी० कृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० स० नं० 25 हिस्सा नं० 3 है, जो डॉविली, जि० थाना में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कल्यान में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या



(2) श्रीमती कुलबन्त कौर उर्फ कुलबन्त सेठी पत्नी श्री पी० सी० सेठी, रेलवे रोड, करनाल। (अन्तरिती)

(3) (जैसा कि नम्बर दो में है)।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ पुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि का एक प्लाट माल रोड करनाल पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3502 तिथि 14-12-72 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया, आई० आर० एस०  
सक्तम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख 13-6-1973

मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज,  
अमृतसर, का कार्यालय

दिनांक 13 जून 1973

निदेश सं० ए० एस० आर०/क० एन० एल०/पी-24/एस० 15/  
366—

यतः, मुझे एच० एस० धूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25-00/- है से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3626 तिथि 27-12-1972 में लिखा है, जो करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-1972 के पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तर को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थिर नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तिमों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भारत भूषण गुप्ता, सपुत्र श्री लच्छ मल, वकील, करनाल। श्री शशि भूषण गर्ग सपुत्र श्री लच्छ मल वकील C/o नीलम रेस्टोरेंट करनाल। श्री मुकेश गुप्ता सपुत्र श्री

भारत भूषण गुप्ता। श्रीमती उषा रनी पत्नी श्री शशि भूषण गर्ग, करनाल। (अन्तरक)

(2) श्री सुरजीत सिंह वासी सुरजीत सिंह आईस फैक्टरी, करनाल। हरभजन सिंह, श्रीमती स्वर्णकौर, कुलदीप सिंह सन्धू वासी जरनैली, कोठी करनाल। स० संत सिंह वासी नजदीक डी० ए० हाई० स्कूल, करनाल। श्री सुरजीत सिंह वासी सुरजीत आईस फैक्टरी, जी० टी० रोड, करनाल। मैसर्स करनाल ट्रेक्टर्ज जी० टी० रोड, करनाल। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कायमावृत्ति शुल्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वास्थ्योकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 3626 तिथि 27-12-72, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है।

ए० ए० धूरिया, आई० आर० ए० स०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 13-6-1973

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० ए० ए० स०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर का  
कार्यालय

दिनांक 13 जून 1973

निदेश सं० ए० ए० स० आर० ए० ए० ए० ए० /पी०-२५/ए०-१६/

367—यतः, मुझे ए० ए० स० धूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 3620, तिथि 6-12-72 में लिखा है, जो जगाधरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1972 के पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तर को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

या यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सत्यावती पत्नी लाला रामेश्वर सरन, रईस मोहल्ला, राजा साहिव जगाधरी। (अन्तरक)

(2) श्री मुरिन्द्र कुमार सपुत्र लाला नंदलाल, C/o मैसर्स नंदलाल मैटल इन्डस्ट्रीज जगाधरी। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह : सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप, यदि कोई है, तो :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्ति को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि का एक प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 3620, तिथि 6-12-1972 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगाधरी के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया, आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन, रेज, अमृतसर

तारीख : 13-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज,

अमृतसर का कार्यालय दिनांक 13 जून, 1973

निदेश सं० ए० एस० आर/ए० एम० वी०/पी०-26/एस०-17/  
368—यत; मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 2500/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3621 दिनांक 6-12-72 है, जो जगाधरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1972 के पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वक विश्वास का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सत्यावती धर्मपत्नी लाला रामेश्वर सरन रईस भोहला राजा साहब, जगाधरी। (अन्तरक)

(2) श्री लछीमी नारायण समुत्र लाला नंदलाल द्वारा/मैसर्ज नंदलाल मैटल इन्डस्ट्रीज, जगाधरी (अन्तरिती)।

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक जमीन का प्लाट जगाधरी में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 3621, दिनांक 6-12-72 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगाधरी के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया, आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर।

दिनांक : 13-6-1973

मोहर:

प्रसप आई० टी० एन० एस०————  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज  
अमृतसर, कार्यालय  
दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/एम०/बी०/पी०-२७/एस०-१८/३६९—  
यतः मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं.

3720, दिनांक 15-12-72 है, जो जगाधरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक के (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से दुर्बुद्ध किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः श्रब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती राजरानी सपली श्री जनार्दन सरूप, राजा मोहल्ला, जगाधरी। अन्तरक
- (2) श्री योगेश्वर कुमार, राकेश कुमार सुपुत्र श्री वेद प्रकाश बैंश, अग्रवाल मारफत/सुरिन्द्र मैटल वर्क्स, जगाधरी। (अन्तरिती)।
- (3) जैसा कि नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि

बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को बी जाएगी ।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्थानीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

जगाधरी में एक जमीन, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3720, दिनांक 15-12-72 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगाधरी के कार्यालय में लिखा है ।

एच० एस० धूरिया, आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 13-6-1973

मोहर ।

प्रश्न आई० टी० एन० एस० —————  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

निम्न सं० ए० एस० आर०/ए० एम० बी०/पी०-28/एस-19/  
370— यतः, मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ए० एक भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3780, तिथि 27-12-1972 में लिखा है जो जगाधरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-1972 को पूर्वोक्त सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर, दिनांक 13 जून 1973

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उग्रके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या  
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती किरणा देवी, पन्नी श्रीराधा प्लाम, वासी मौहल्ला, राजा साहिब, जगाधरी । (अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार सपुत्र लाला रामेश्वर दास, श्री विजिन्द्र कुमार सपुत्र श्री नंदलाल, द्वारा श्री नंदलाल मारफत मैसर्स नंदलाल मैटल इन्डस्ट्रीज जगाधरी । (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधीहस्ताक्षरी जानता है )

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वांतरी पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थानिकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथापरिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि का एक प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3780, तिथि 27-12-72 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगाधरी के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया, आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 13-6-73  
मौहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

### प्रश्न आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,

अमृतसर, दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जुल०/पी०-२९/एस०-२०/३७१—  
यह; मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक प्लाट भूमि का जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7204, तिथि 27-12-72 में लिखा है, जो कूल रोड, जालन्धर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच स्थानांश पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती जगजीतकोर सपुत्री श्रीसंत सिंह, निवासी मलाया हाउस, कूल रोड, जालन्धर। बलबीर सिंह सपुत्र श्री पूरन सिंह, के लिए जनरल अटर्नी अब नं० 6, 57-डी पातालिंग सेलानगर, मलेशिया। (अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज बाला पत्नी श्री नेमचन्द जैन, निवासी माडल टाउन, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किये गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कूल रोड, जालन्धर, पर प्लाट, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7204, तिथि 27-12-72 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर, के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया, आई०आर०एस०

सकाम प्राधिकारी

तारीख : 13-6-73

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेज, अमृतसर

प्रश्न आई०टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज,

अमृतसर, कार्यालय दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जूल०/पी०-३०/एस०-२१/३७२—  
यतः, मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक जमीन का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7295, तिथि 29-12-72 में लिखा है, जो कूल रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-72 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अच्छने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922

(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित लिए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती जगजीतकौर सपुत्री श्रीसंत सिंह, निवासी मलाया हाउस, कूल रोड, जालन्धर। दलबीर सिंह सपुत्र स्वर्गीय श्री पूरनसिंह के लिए जनरल अटार्नी, अब नं० 6, 57-डी पार्टालिंग सेलानगर, मलेशिया (अन्तरक)।

(2) श्री जसवंत राय सपुत्र श्री नवरंग लाल जैन, मारफत मैसर्स यूनाइटेड, आटो स्पेयर्ज, शास्त्री मार्केट, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप, किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कूल रोड, जालन्धर पर एक भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7295 तिथि 29-12-1972 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर, के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया, आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक 13-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,  
अमृतसर दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर० /जू०/पी०-३१/एस०-२२/३७३—  
यतः, मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का एक प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7150, तिथि 18-12-72 में लिखा है, जो कूल रोड, जालन्धर में स्थित है (और इस से उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-1972 के पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, मिम्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से सूचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित लिए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती जगजीतकौर सपुत्री श्रीसंतसिंह, निवासी मलाया हाउस, कूल रोड, जालन्धर। दलबीर सिंह, सपुत्र स्वर्गीय श्रीपूरन सिंह के लिए जनरल अटार्नी। अब नं० 6, 57-डी पारालिंग सेलानगर, मलेशिया। (अन्तरक)

(2) श्री पवन कुमार, श्री अनिल कुमार दोनों सपुत्र श्रीघन प्रकाश शर्मा, नया जवाहर नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई, आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में, अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम लिये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।



**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

आधी कोटी, लारेंस रोड़ अमृतसर पर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2491 तिथि 21-12-1972 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))  
अर्जन रेंज अमृतसर।

दिनांक, 14 जून, 1973

मोहर:

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज  
अमृतसर का कार्यालय  
दिनांक 14 जून, 1973

निवेदण सं० ए० एस० आर०/72-73/पी०-33/एस०-24/  
375—यतः, मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का एक प्लाट तथा 9 दुकानें, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2379 दिनांक 8-12-1972 में लिखा है। जो लोहगढ़ गेट अमृतसर में स्थित है (और इससे उपार्वक अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-12-1972 को पूर्वानुचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं सूचित किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वानुचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

(1) श्री पिंग प्रकाश, नंद प्रकाश कपूर, सुवर्णन कपूर, सभी सपुत्र श्री शिवदास मल लोहगढ़ गेट, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री महंत सुन्दर दास सपुत्र श्री दुला सिंह और श्रीमती रूप कौर पत्नी महंत सुन्दर दास, वासी हाथीगेट, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में है तथा किरायेदारान लिखित के।

(वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वानुचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां पुरुण करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उनकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि तथा 9 दुकानें, लोहगढ़ गेट, अमृतसर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2379 दिनांक 8 दिसम्बर, 1972 में लिखा है।

एच० एस० धूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 14-6-73

मोहरः

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्यालय, अमृतसर

तारीख 14 जून 1973

निर्देश सं० ए०एस०आर०/72-73/पी०-34/एस०-25/376—  
यतः, मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक बंगला जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2486 दिसम्बर 1972 में लिखा है। जो जोशी कालोनी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपार्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1972 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से सूचित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भगवान सरूप सपुत्र श्री सुन्दर दास, गली नं० 1, पुतलीघर, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र नाथ सपुत्र श्री सरदारी लाल, कूचा दुबगरां, महाँ सिंह गेट, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए जधिकार होगा।

**स्वास्थ्योकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के में यथा-परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बंगला नं० 128, जोगी कालौनी, अमृतसर।

जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2486 दिसम्बर, 1972 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धुरिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज,  
अमृतसर

तारीख 14 जून, 1973।

मोहर :

प्रश्न आई० ई० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज  
अमृतसर का कार्यालय

दिनांक 14 जून 1973

निदेश स० ए० एस० आर०/72-73/पी०-35/S-26/377—यतः मुझे एच० एस० धुरिया आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्टे से अधिक है और जिसकी सं० एक मजिला बिसडिंग है, जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 7135 तिथि 16-12-1972 में लिखा है। जो छेहरटा, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-12-1972 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) मैर्जन रामसरन दास एण्ड ब्रदर्ज, कट्टा आहलुवालियां, अमृतसर, द्वारा नरिन्द्र नाथ ककड़ सपुत्र श्री रामसरन दास ककड़, वासी माल रोड अमृतसर। किशोरीलाल ककड़ एण्ड रामसरन दास ककड़, समी सपुत्र श्री कीट मल ककड़, भागीदार, वासी गांधी बाजार अमृतसर, द्वारा श्री नरिन्द्र नाथ ककड़ एण्ड श्री दविन्द्र नाथ ककड़ सपुत्र श्री रामसरन दास ककड़ अमृतसर, हालवाड़, कलकत्ता, 18, नेताजी सुभाषचन्द्र रोड, कलकत्ता, 1। मनमोहन ककड़ सपुत्र किशोरीलाल ककड़ अमृतसर, द्वारा नरिन्द्र नाथ ककड़ एण्ड चन्द्रमोहन ककड़ सपुत्र श्री किशोरी लाल ककड़ एण्ड रोकश कुमार ककड़ सपुत्र नरिन्द्र नाथ ककड़ एण्ड नरेश ककड़ सपुत्र दविन्द्र नाथ अमृतसर, हाल, कलकत्ता, द्वारा नरिन्द्रनाथ ककड़ (अन्तरक)।

(2) श्रीमती कमलावती मेहरा पत्नी श्री प्रकाश चन्द्र मेहरा सामने, बिलडिंग बाबा परदुमन सिंह, सरकुलर रोड, अमृतसर (अन्तरिती)।

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नम्बर 2 में है। तथा किरादारान बिलडिंग। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध

किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

तदृष्टारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदृष्टारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मंजिला बिलिंग छेरहरटा, अमृतसर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं-7135 तिथि 16-12-1972 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 14-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय

तारीख 15 जून 1973

निवेश सं० ए० एस० आर०/72-73/बी० टी० एल०/पी०-36/एस० 27/378—यह, मुझे एच०एस० धूरिया आयकर-अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० एक मकान नं० बी०/IV/24 जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4597 तिथि 29-12-72 में लिखा है। जो स्टाफरोड बटाला में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1972 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बधित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. मिस आई० मार, प्रिसिपल, एलगजैंडर गर्जैं हाई स्कूल, क्वीन्स रोड, अमृतसर।

2. मिस एवलीसन अन्तरक।

(2) श्रीमती सुशीला पत्नी श्री हक्कमत राय, एडवोकेट, पुलिस स्टाफ रोड, बटाला (अन्तरिती)।

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग, में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृष्टारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत बक कर्ये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप, किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

स्टाफ रोड, सिम्बल, बटाला पर एक मकान, जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 4597 तिथि 29-12-1972 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 15-6-1973

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर का  
कार्यालय

दिनांक 15 जून 1973

निदेश सं० ए० एस० आर०/72-73/पी०-37/एस०-28/  
379—यत् ;, मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक मकान नं० 2111-XI-12 जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2451 दिसम्बर 72 में लिखा है। जो गलीबदूर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुईकिसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरबक्ष सिंह भल्ला एण्ड अमर सिंह भल्ला, दोनों सपुत्र बोटालियां सिंह भल्ला, गली बद्रु, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा कौर पत्नी श्री कृपाल सिंह, कटड़ा बूलो, गली कसूरीयां, अन्दरून लोहगढ़ गेट, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नम्बर 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबंदू है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंदू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप, किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षणों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थानिकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 2111-XI-12, गली बद्रू, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2451 दिसम्बर 1972 का, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 15-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर  
का कार्यालय

दिनांक 15 जून 1973

निदेश सं०ए०एस०आर०/72-73/पी०-38/एस०29/380—  
यतः, मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का एक प्लाट तथा विलिंग जैसी कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2400 तिथि 13-12-1972 में लिखा है। जो लारेंस रोड अमृतसर में स्थित है (और हरसे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1098 का 16) के अधीन 13-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने को कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्वह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुवार बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती इन्द्रवती पत्नी श्री जालन्धरी नाथ, चौक चीरा, कटड़ा करम सिंह, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री परमा नन्द प्रो० दुकान परमानन्द अरोड़ा, अमृतसर, चौक मेला सिंह, नजदीक मजीठा मंडी वासी 10-राधास्वामी रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई आदमी जो सम्पत्ति में शच रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एवं द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अमृतसर में प्लाट तथा बिल्डिंग जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2400 सियि 13-12-1972 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

तारीख : 15-6-1973

मोहर :

एच० एस० धूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज अमृतसर।

प्ररूप आई० टी० पृ० १०० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज अमृतसर  
का कार्यालय

दिनांक 15 जून 1973

निवेश सं० ए० एस० आर०/72-73/पी०-३९/एस०-३०/  
381—यतः, मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक बिल्डिंग प्लाट नं० 1 पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2502 दिसम्बर 1972 में लिखा है जो करों मार्केट, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

ओर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत यत्र धारा 269 घ के प्रनुसरण में, भी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपाधा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अर्जन सिंह सपुत्र श्री बुद्ध सिंह, कटड़ा घनियां, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री रोमेश कुमार एण्ड अशोक कुमार, दोनों सपुत्र श्री निकाल राम, कटड़ा घनियां, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है। तथा किरणदारान बिल्डिंग के।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्वबंधी व्यक्तियों पर मूल्यना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह प्रधिसूचित किया जाना है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह प्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रंथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कैरों मार्कीट, अमृतसर के प्लाट नं० 1 पर बिल्डिंग, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2502 दिसम्बर 1972 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 15-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 369ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/72-73/पी०-40/एस०-31/  
382—यत; मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक तबेला जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2560 तिथि 29-12-1972 में लिखा है। जो बाजार खिलौनियां अमृतसर में स्थित हैं (और उससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतःआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के पाल्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अस्तित्व किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री काहन चन्द सपुत्र श्री रूप चन्द तथा दीपक खन्ना सपुत्र श्री काहन चन्द एण्ड श्रीमती हेमा मेहरा सपुत्री श्री काहन चन्द, पत्नी श्री बसन्त कुमार मेहरा कटडा हरी सिंह अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार सपुत्र सुरिन्द्र नाथ वाही, बाजार खिलौनियां, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में स्वतंत्र होता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप, किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक तबेला बाजार खिलौनियां, अमृतसर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2560 तिथि 29-12-1972 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

एच० एस० धूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 15-6-1973

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज अमृतसर का कार्यालय

दिनांक 16-6-1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/कपूरथला/72-73/पी०-४/एस०/32/383-प्रत; मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन समक्ष प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1733 तिथि 18-12-1972 में लिखा है जो कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मूल करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रोमेश कुमार सपुत्र श्री संत राम दुगल, जासन्धर। श्री तेजिन्द्र सिंह पाल सपुत्र श्री बिक्रम सिंह, फगवाड़ा। (अन्तरिती)

(2) श्री मोहन लाल सपुत्र श्री मेघ राज, कपूरथला (अन्तरिती)।

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग है। में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति (वह व्यक्ति, जिसके बारे में रुचि रखता है। में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारीकरने के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि 1 कनाल 3 मरले 134 वर्ग फुट तथा बिलडिंग इसके ऊपर बनी हुई, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1733 तिथि 18-12-1972, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज अमृतसर।

तारीख : 16-6-1973

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर  
का कार्यालय

तारीख 16-6-1973

निर्देश सं० ए०ए०आर०/जुल०/पी०-४२/एस०-३३/३८४—  
यतः मूले एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० गोराया में, प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3692 तिथि 18-12-72 में लिखा है जो गोराया स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(71) श्री खुशाल सिंह, मिलिक्यत सिंह, संतोष सिंह सभीपुत्र श्री ताग सिंह पुत्र श्री विश्वन सिंह गोराया, तहसील फिल्लौर। अन्तरक

(2) श्रीज्ञान सिंह सपुत्र श्री तारा सिंह सपुत्र श्री विश्वन सिंह पोस्ट आफिस, गोराया तहसील फिल्लौर। (अन्तरिती)

(3) जैसा नम्बर 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है )

(4) कोई आपसी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वार्ता पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि का प्लाट, 3 कनाल 4 मरले, गोराया में, जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 3692 तिथि 18-12-72, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया  
आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 16-6-1973

मोहर :

प्रश्न प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर  
तारीख 16-6-1973

मिंदेश सं० ए० एस०आर०/जुलाई/पी०-43/S-34/385—  
यतः मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि गांव रामगढ़ जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3609 तिथि 7-12-72 में लिखा है। जो रामगढ़ (फिल्सौर) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्सौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-12-1972 को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर के (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण ऐसे अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती उद्धम कौर पत्नी श्री प्रियोपाल सिंह सपुत्र श्री शिवदेव सिंह, गांव रामगढ़ तहसील फिल्सौर;

(अन्तरक)

(2) श्री दलजीत सिंह सपुत्र श्री प्रियोपाल सिंह सपुत्र श्री शिवदेव सिंह गांव रामगढ़ तहसील फिल्सौर। (अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई आदमी जो सम्पत्ति में हचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत बद्ध किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आमे ये अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एवं का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि 88 कनाल 14 मरले गांव रामगढ़ में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3609 तिथि 7-12-72 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्सौर के कार्यालय में लिखा है।

(एच० एस० धूरिया) आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 16-6-1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर  
तारीख 16-6-1973

निर्देश सं० ए०ए०आर० /जुलाई/पी०-४४/एस०-३५/३८६—  
यतः मुझे एच० एस० धूरीया आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी  
सं० 1/4 हिस्सा एक फैक्टरी इमारत जैसा कि रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 7354 है, जो तिथि 30-12-72, मकसूदपुर जालन्धर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 30-12-1972 को पूर्वांचित सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वा सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्य-  
मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के  
(अन्तर को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वांचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए  
गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री हरदीप सिंह चाहल पुल सरदार पाखर सिंह चाहल,  
जी० टी० रोड, फगवाड़ा (अन्तरक)
- (2) श्री/श्रीमती/कुमारी मैसर्ज पंजाब मैट्स वर्क्स,  
नकोदर रोड, जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नम्बर 2 में है

(वह व्यक्ति जिसके अधि-  
भोग में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में  
रुचि रखता हो

(वह व्यक्ति, जिसके बारे  
में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हित-  
बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एच० एस० द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हैं, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत बद्ध किये  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/4 हिस्सा एक फैक्टरी इमारत का जी० टी० रोड मकसूद-  
पुर जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7354 तिथि  
30-12-72 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में  
लिखा है।

(एच० एस० धूरीया) आई०आर०एस०  
सक्षम प्राधिकारी,  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 16-6-1973

मोहर:

प्र० रुपा ग्राइंड टी० एन० एस० —

श्रृंखला अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर उपयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अभूतसर

दिनांक 16-6-1973

निवेश सं० ए०एस०आर०/जुल०/पी०-४५/S-३६/३८७—  
यतः मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 भाग फैक्टरी बिल्डिंग जी० टी० रोड, मक्सूदपुर (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-12-1972 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना. और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—116GI/73

(1) श्री हरदीप सिंह चाहल सपुत्र पाखर सिंह चाहल, जी० टी० रोड, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) मैसंजं पंजाब मैटल वर्क्स, नकोदर रोड, जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### अनुसूची

जी० टी० रोड, मक्सूदपुर (जालन्धर) की फैक्टरी बिल्डिंग में 1/4 भाग, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7355 तिथि 30-12-1972 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

(एच० एस० धूरिया,) ग्राइंड आर० एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयकर आयकर अधिनियम (निरीक्षण) अर्जन रेंज अभूतसर।

तारीख : 16-6-1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 16-6-1973

निदेश सं० ए०एस०आर०/जुल/पी००-४७/S-३८/३८८—  
यतः मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी  
मूल्य के लिए हिस्सा फैक्टरी इमारत जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7349  
तिथि 30-12-72 में है, जो जी० टी० रोड मकान सूदपुर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-12-72  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री परमवीर सिंह चाहल मारकत सरदार पाल्कर सिंह, जी० टी० रोड फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज पंजाब मैटल वर्क्स, नकोदर रोड जालंधर।  
(अन्तरक)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है।  
(वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है)

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे  
में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में  
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा, यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वाक्षिकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कि हिस्सा फैक्टरी इमारत जी० टी० रोड मकान सूदपुर जालंधर पर है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7349 तिथि 30-12-72, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया, प्राई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 16-6-1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज, अमृतसर

तारीख 16-6-1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जुलाई/पी०-४६/एस०-३७/३८९—  
यतः मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सवय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 भाग फैक्टरी बिल्डिंग जी० टी० रोड, मकसूदपुर मे, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7345 तिथि 30-12-1972 मे लिखा है, जो मकसूदपुर, (जालन्धर) मे स्थित है (और इसमे उपायद्र अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-12-1972 को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के को कारण है कि यथापूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मे पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी घुर्ण करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री परमजीत सिंह चाहल c/o श्री पांडार सिंह चाहल जी० टी० रोड, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पंजाब मैटल वर्क्स, नकोदार रोड, जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा की नम्बर 2 मे है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति मे रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालयां शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थावीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

जी० टी० रोड, मकसूदपुर (जालन्धर) अनुसूची की फैक्टरी बिल्डिंग मे 1/4 भाग, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 7345 तिथि 30-12-1972 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय मे लिखा है।

एच० एस० धूरिया, आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज अमृतसर।

तारीख : 16-6-1973

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, अमृतसर  
का कार्यालय

दिनांक 16 जून 1973

निरोग सं० ए०ए०आर०/जुलाई/पी०-४८/एस०-३९/३९०—  
यतः, मुझे एच० एस० धूरीया आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक फैक्टरी इमारत नं० 61-22 जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7085 तिथि 19-12-72 है, जो संतोषपुरा (होशियारपुर रोड) जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-12-72 के पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री चंदन सिंह सपुत्र सरदार चूहड़ सिंह पुत्र सरदार अवतार सिंह, सिविल लाईन्स कालिज रोड लुधियाना।  
(अन्तरक)

(2) मैसर्स भारत कैमिकल वर्क्स मार्फत सरदार नरिंदर सिंह पुत्र श्री गुरबखश सिंह वासी चौक काढ़े शाह, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत बुक किए जाएंगे और उनकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

संतोष-पुरा (होशियारपुर रोड) जालंधर में एक फैक्ट्री इमारत जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7085 तिथि 19-12-72 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरीया, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 16-6-1973

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज,  
अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 जून 1973

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जुल०/वी०-49/एस०-40/391—

यतः, मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 7138 तिथि 22-12-72 में लिखा है जो न्यू जवाहर नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकूर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-12-1972 को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी सोहन सिंह सुपुत्र श्री खरेती राम, अजीतपुरा, जालन्धर। एण्ड श्री अमरजीत सिंह सुपुत्र श्री बलदेव सिंह, अजीतपुरा, जालन्धर। (अन्तरक)

(2) श्री सुखदेव सिंह सुपुत्र श्री चनन सिंह (जालोवाल के) 66, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर।

(भन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में दिया है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किये गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं 66 न्यू जवाहर नगर, जालन्धर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 7138 तिथि 22-12-72 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 16-6-73

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज  
अमृतसर का कार्यालय  
अमृतसर, दिनांक 16 जून 1973

निर्वेश सं० ए० एस० आर० /जुलाई/पी० 50/एस०-41/392-यतः,  
मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है जिसकी सं०  
कृषि भूमि 41 कनाल 8 मरले, बाईपास जालन्धर पर, जैसा कि  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6793 तिथि 2-12-72 में लिखा है।  
जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 2-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
तय पाया गया ऐसे अंतरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिको द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजेश्वरी पाल पत्नी; श्री सत्यपाल C/o मैर्सर्ज  
ग्रमीचंद, प्यारा लाल, टांडा रोड, जालन्धर। (अन्तरक)

(2) कुमारी सुषमा पाल सपुत्री श्री सत्य पाल, एस०-361,  
टानेशिला पार्क, न्यू देहली-16। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-  
भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-  
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के सभय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वास्थ्यकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 41 कनाल 8 मरले, जो बाईपास जालन्धर पर है,  
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6793 तिथि 2-12-1972,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया, आई०आर०एस०,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख 16-6-1973

मोहर :

प्र० श्री आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज  
अमृतसर

दिनांक 16 जून 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जेय०एल/पी०५१/एस०-४२/३९३-या० मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 7249 तिथि 20-12-72 में लिखा है। जो वस्ती शेख, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-72 को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ती गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहिन्द्र पाल, वेद प्रकाश दोनों सपुत्र श्री मनोहर लाल शूर, जालन्धर शहर। (अन्तरक)

(2) मैसर्ज प्रेसटो वर्क्स, वस्ती नाऊ, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में हचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियतबद्ध किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

वस्ती शेख में भूमि, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०, 7249 तिथि 20-1-2-72 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया, श्री आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 16-6-1973

मोहर :

प्र० श्री आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 16 जून 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जे य०एल/पी०५२/एस०-४३/३९४-यतः, मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी

को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ३ दुकानें ग्रांड प्लॉट पर तथा एक कमरा पहली प्लॉट पर माइल टाउन तथा लाजपतनगर के बीच जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 7102 तिथि 20-12-72 में लिखा है, जो बीच लाजपतनगर और माइल टाउन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपार्वद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-72 का पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- ( 1 ) मैसर्ज नीलम फाईनैन्स एण्ड ट्रेडिंग को-ऑप्रेटिव लिमिटेड द्वारा कृष्ण चन्द मलनी, मैनेर्जिंग डाइरेक्टर, जालन्धर ।
- ( 2 ) श्री अर्जुन सिह उर्फ बलबीर सिह सुपुत्र श्री दर्शन सिह गांव तथा डाकखाना बिलगा, जिला जालन्धर । (अन्तरिती)
- ( 3 ) मैसर्स चोपड़ा प्रोविजन स्टोर, माडल टाउन रोड, जालन्धर । मैसर्स खालसा टेंट हाउस, माडल टाउन रोड, जालन्धर । मैसर्स

अमृत रस प्रोविजन स्टोर, माडल  
टाउन रोड, जालन्धर ।  
मैसर्सं मन्च कला केन्द्र, माडल टाउन  
रोड जालन्धर ।

(वह व्यक्ति जिस  
के अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी  
जानता है । )

( 4 ) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि  
रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिस-  
के बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-  
द्वारा कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियतबद्ध किए जाएंगे और उनकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिति को दी जाएगी।

एतत्वद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना थी गई है, आक्षेपों की सन्दर्भाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थानीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में वथा परिभ्रषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधी

3 दुकानें ग्राउंड फ्लोर पर तथा एक कमरा पहली फ्लोर पर तथा सीढ़ियां, लाजपतनगर तथा माडल टाउन जालन्धर के बीच, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7102 तिथि, 20-12-1972, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया, आई० आर० एस०,  
सक्षम प्राधिकारी  
तारीख 16-6-1973 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भोहर : अर्जन रेंज, अमतसर ।

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,  
अमृतसर

दिनांक 16 जून 1973

निवेश सं०ए०एस०आर०/जूल०/पी०-५३/एस०-४४/३९५—यतः,  
मुझे, एच० एस० धूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०  
दुकान और गोदाम जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7283  
दिसम्बर, 1972 है, जो टांडा रोड, जालन्धर में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 दिसम्बर,  
1972 पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-  
मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विष्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्त के (अन्तरक को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तथ पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से सूचित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) चरण जीत लाल पुत्र अमर नाथ अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शांति पत्नी श्री वारूमल पुरी, जालन्धर,  
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नम्बर 2 में है। इस सम्पत्ति में किरायेदार  
रहते हैं। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी  
जानका ) ।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एवं  
धारा कार्यालयी शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एवं द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एवं द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,  
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुकानों और गोदाम फर्स्ट फ्लोर और ग्राउंड जालन्धर  
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7283 दिसम्बर 1972 रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 16-6-1973

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज  
अमृतसर

दिनांक 16 जून 1973

निवेश सं०ए०एस०आर०/जूल०/पी०-५४५/३९६—यतः,  
मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह

विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकानें तथा गोदाम आदि, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7284 दिसम्बर, 1972 में लिखा है। जो टांडा रोड, जालन्धर, में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1972 में पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तर को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण सूचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यह : आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चरणजीत लाल सुपुत्र लाला अमरनाथ, अमृतसर।

(अन्तरत)

(2) श्रीमती तारा देवी विधवा श्री मोहनलाल, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है तथा किरायेदारान बिल्डिंग। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जोभी अवधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दुकानें तथा गोदाम आदि ग्राउंड फ्लोर तथा पहली फ्लोर पर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7284 दिसम्बर, 1972 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 16 जून 1973।

मोहर :

प्रसुप आईटी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक 16 जून 1973

कार्यालय निर्देश सं० ए०एस०आर०/जुल०/पी०-५५/५-४६/३९७  
भारत सरकार

यतः, मुझे एच० एस० धूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० वर्कशेप तथा गोदाम, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7285, दिसम्बर, 1972 में लिखा है। जो टांडा रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1972 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अंतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक के (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री चरणजीत लाल सुपुत्र श्री अमर नाथ, अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्री अमृतलाल, धरमदीर सुपुत्रान श्री करमचन्द, जालन्धर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नम्बर 2 में है तथा किराएदारान बिलिंडग के। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई आदमी जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मेंसे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों

यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-प्रभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

वर्कशाप तथा गोदाम पहली फ्लोर पर आदि, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 7285, दिसम्बर, 1972 का, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर

### मोहर।

प्रह्ल आई०टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

(घ) (1) के अधीन सूचना

#### कार्यालय

भारत सरकार

भारास, दिनांक 2 जून 1973

निवेश सं० 32/72-73/आर०-आई०—यतः मुझे, टी० श्रीराम नरसिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 46-बी० है, जो चेरमन भुतुराम रोयट रोड, मदुरै, में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-12-1972 को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथा-पूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम आट० बालकृष्णन (अन्तरक)।  
(2) श्री मै० सिवन सोप फैक्टरी (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिकारद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

टी० एस० सं० 2570 और डोर सं० 47-बी०, चेरमन मुतु-राम रोयट रोड मदुरै में एक काली भूमि और घट।

टी० श्रीराम नरसिंहम,  
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।  
अर्जन रेंज मद्रास

मोहर :

प्रह्ल आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय

मद्रास, दिनांक 4 जून 1973

निदेश सं० 96/72-73/आर०I —यतः मुझे, टी० श्रीराम नर-सिंहम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० तीन से नौ तक, ऑक्सीजन रोड, मदुरै और 7,74, 8 पेञ्चियम्मन पडितुरै रोड, मतुरै में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुतुमंडपम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ओण्डिमुनू पिलै (अन्तरक)।  
(2) श्री एन० रंगराजन (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना

की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिबाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मलरै ऑक्षिप रोड में घर सं० तीन से तीन तक और मलरै पेंच्च-यम्मन पड़िलरै रोड में सात; सात-ए और आठ।

टी० श्रीरामानरसिम्हम  
सक्षम प्राधिकारी

तारीख 4-6-73  
मोहर

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, मद्रास

प्रश्न आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हुबली का कार्यालय  
दिनांक 13 जून, 1973

निर्देश सं० एच० आर० स० 119/73-74-यत; मुझे, आर० पार्थ-सारथी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 169स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम० टी० एस० सी० टी० एस०/3932 है, जो विधानगर, हुबली में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुबली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्री-कर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि धार्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार, मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति गीरीजम्मा को०

श्री एम० जी० सत्यनारायण C/O एम० मारप्पा कांटा-कट्टर, अन्यप्पा ब्लॉक, गुदाहल्ली पालेस रोड, बेंगलूरु।

(2) श्री लिंगनगीड भरमगीड (अन्तरक)

पाटील, सं० एम० टी० एस० सी० टी० एस०/3932, विधानगर (होटेल स्वागत के सामने) हुबली-21। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति, को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

3596 चारू गज का एक प्लाट और ये प्लाट में खड़ा 2575 चारू गज का एक आर० सि० सि० बिल्डिंग जो बिल्डिंग हुबली में विधानगढ़ में होटेल स्वागत के सामने स्थित है।

आर० पार्थसारथी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हुबली

तारीख 13 जून, 1973

मोहर :

प्रलृप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 का (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हुबली का कार्यालय  
दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० एवं० आर० 222/73-74—यतः मुझे, आर० पार्थसारथि आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है और जिसकी सं० सि० टी० एस० सं० 201 है, जो दरबार गल्ली, बिजापुर में स्थित है (और इससे उपांचंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिजापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 दिसम्बर 72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हृदृश किसी आय की आवत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922

(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) डा० कृष्णराव गुहराव मोहरीर, एम० बी० बी० एस०, प्लाट सं० 165, श्री कृष्ण नगर, बोरीबीलि (ईस्ट), मुम्बई-66। (अन्तरक)
- (2) श्री जगन्नाथ राव राघवेंद्रराव देसायी, वकील, उपलि बुरज के पास, बिजापुर। (अन्तरित)
- (3)(a) श्री जी० आर० गलगलि, जूनीपर असीस्टेंट, एम० एस० आर० टी० सी०, बिजापुर।
- (3)(b) श्री परपा विरुपाधापा नाथी, 201, दरबार गल्ली, वार्ड सं० 5, बिजापुर।
- (3)(c) श्री जी० एस० जोशी, 201, दरबार गल्ली, वार्ड सं० 5, बिजापुर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

267 चट्ठूर गज का एक प्लाट होल्डिंग सं० सी० टी० एस० सं० 201 और ये प्लाट में खड़ा विल्डिंग (दो मंजले का एक ग्राउंड फलोर और पहला फलोर और एक कुआं, बीजापुर में दशवार गल्ली में पांचवां बाईं में स्थित है।

आर० पार्षदसारति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हुवली

तारीख : 13 जून, 1973।

मोद्दर :

प्रह्ल आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय

अर्जन ई०-४

आयकर भवन, महर्षि कवि मार्ग,

बम्बई-400020, दिनांक 11 जून, 1973

निर्देश सं० अ० स० 14/नि० स० आ०, अ०ई०-४/73-74—  
यह, मुझे, म० स० ३० राब०, नि० स० आ०, अर्जन ई०-४ बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्व० सं० 186 बी०, सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 के बाईं सं० 8169(1)(2)(3) घोडबंदर रोड, विल्पालै में स्थित है (और इससे उपाबूँ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) 15-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने

अन्तरक के व्यापित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) राधारमन ओमप्रकाश मेहरा, भारत भूवन, कालबाबेवी, रोड बम्बई-2। (अन्तरक)

(2) श्रीमति कमला जोहारीलाल रहेजा, 79, मिडोज स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1। (अन्तरिती)

(3) श्री बालजीत सिंग और अन्य प्लाट सं० 967, विजय-बाड़ी, एस० छही रोड, विलेपालै बम्बई। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-द्वारा कार्यवाहीय शुल्क करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन या मैदान वा वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराये के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो बहुत बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बांद्रा रजिस्ट्री उपजिले में विलेपाले, घोड़बंदर रोड के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा हुआ है, जो माप से 3415 वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्जिंगज के समकक्ष है और भू राजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं० 186, प्लाट सं० 9/2, 11/1, 12, 13 14, 16, 17/1, 18/2, और फाल्टी सं० 2/1 व सर्वेक्षण सं० 188ए, फाल्टी सं० 1/3 और 2/3 के अंतर्गत दर्ज है, जिन उक्त सर्वेक्षण संस्थाओं और पाठ्यु संस्थाओं को सामुद्रिक रूप से अ-कृषक सर्वेक्षण सं० 186 वी० किया हुआ है, तथा नगरपालिका के दर और कर कलेक्टर की पुस्तकों में सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 तक एवं 'के' बोड के अंतर्गत सं० 8169(1) (2) (3) और गली सं० 69-71 तथा 71 घोड़बंदर रोड पर है और निम्न प्रकार से विरा हुआ है:—अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 188ए० और अंशतः उस सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए० हिस्सा सं० 1, पश्चिम की ओर कथित घोड़बंदर से उत्तर की ओर अंशतः उस अ-कृषक सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 है और दक्षिणी की ओर उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए० हिस्सा सं० 1 है।

ग० सो० राव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज बम्बई।

तारीख : 11-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय अर्जन ई०-४  
आयकर भवन, मर्हांग कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 11-6-1973

निर्देश सं०अ० सं० 15/निर्देश सं० 30 आ०, अ०ई०/4/73-74—  
यतः, मुझे, ग० सो० राव, निर्देश सं० 30 आ०, अर्जन ई०-४, बम्बई  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 186 वी०, सी टी० एस०-  
सं० 967/1 से 967/10 "के" बोड सं० 8169 (1) (2) (3), घोड़बंदर रोड, विलेपाले, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अन्तरार अन्तरित की गई है और

मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन अर्जन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के पांचों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, द्वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. राधारामन ओमप्रकाश भेहरा, भारत भवन, कालबादेवी रोड बम्बई-2। (अन्तरक)
2. श्रीमती सोचा अतुर्जुंज वाठ्घा, 79, मिडोज स्ट्रीट, फोर्ट बम्बई-1। (अन्तरिती)
- 3: बालजीत सीग और अन्य प्लाट सं० 967, विजयवाडी, एस० व्ही० रोड, विलेपाले बम्बई।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को भी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थल्योकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराए के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो बहुत बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में वान्दा रजिस्ट्री उप-जिले में विलेपाले, घोड़ बंदर रोड के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा दुआ है, जो माप से 3415 वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्गमीटर के समकक्ष है और भू राजस्व क्लेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं० 186, पाट सं० 9/2/11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 और फालनी सं० 2/1 व सर्वेक्षण सं० 188 ए, फालनी सं० 1/3 और 2/3 के अन्तर्गत दर्ज हैं, जिन उक्त सर्वेक्षण संस्थाओं और पाट संस्थाओं को सामूहिक रूप से अ-कृषिक सर्वेक्षण सं० 186 वीं दिया दुआ है, तथा नगरपालिका के दर और कर क्लेक्टर की पुस्तकों में सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 तक, एवं 'के' वार्ड के अन्तर्गत सं० 8169(1) (2) (3) और गली सं० 69-71 तथा 71 घोड़ बंदर रोड पर है और निम्न प्रकार से घिरा दुआ है:—  
अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 188 ए और अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए, हिस्सा सं० 1, पश्चिम की ओर कथित घोड़ बंदर रोड से उत्तर की ओर अंशतः उस अ-कृषिक सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ई और दक्षिण की ओर उस कथित सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए, हिस्सा सं० 1 है।

ग० स०० राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4 बम्बई

तारीख : 11-6-1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय

अर्जन ई० 4

आयकर भवन, महर्षि कवे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 11-6-1973

निर्देश सं० अ० सं० 16/नि० स० आ० अ० ई०-4/73-74—  
यतः, मुझे, ग० स०० राव, नि० स० आ०, अर्जन ई०-4, बम्बई।  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 186 वी०, सी० टी० 11—116 GI/73

एस० सं० 967/1 से 967/10 के वार्ड सं० 8169(1) (2) (3) है जो घोड़ बंदर रोड, विलेपाले, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेप्त के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे ये विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पात्रा या ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/प्रा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

1. श्री राधारामन ओमप्रकाश मेहरा, भारत भूवन, कालब देवी रोड, बम्बई-2। श्रीमती सावित्रि पुरुषोत्तम बजाज, 79, मिडीज स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1। (अन्तरक)

2. श्री बालजोत सींग और अन्य प्लाट सं० 967, विजयवाला, एस० क्ली० रोड, विलेपाले बम्बई। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई ही, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किरण के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो बहुत बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में विलेंपाले, घोड़बंदर रोड के पूर्व की ओर स्थित, पश्च द्वारा है, जो माप से 3415 वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्गगज के समक्ष है और भू-राजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं. 186, पाठ सं. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 और फाल्नी सं. 2/1 व सर्वेक्षण सं. 188-ए, फाल्नी सं. 1/3 और 2/3 के अन्तर्गत वर्ज हैं, जिन उक्त सर्वेक्षण संख्याओं को सामूहिक रूप से अ-कृषिक सर्वेक्षण सं. 186 वी दिया द्वारा है, तथा नगरपालिका के दर और कर कलेक्टर की पुस्तकों में सी.टी.एस. सं. 967/1 से 967/10 तक, एवं 'के' वार्ड के अन्तर्गत सं. 8169(1)(2)(3) और गली सं. 69-71 तथा 71 घोड़बंदर रोड पर है और निम्न प्रकार से विवर हुआ है :—अर्थात् पूर्व को ओर अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं. 188 क और अंशत उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं. 186 ए, हिस्सा सं. 1, परिचम की ओर कथित घोड़बंदर रोड से उत्तर की ओर अंशतः उस अ-कृषिक सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं. 186 ई और दक्षिण की ओर उस कथित सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं. 186 ए, हिस्सा सं. 1 है।

ग० सो० राव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रैज-4, बम्बई।

तारीख: 1-6-1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय

अर्जन ई-4

आयकर भवन, महार्षि कवे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 11-6-1973

निर्देश सं. ३० अ० सं. १७/नि० स० आ० अ० ई०-४/७३-७४

यतः, मुझे ग० सो० राव, नि० अ० आ०, अर्जन ई०-४, बम्बई,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का ऋण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000 रुपए में अधिक है और जिसकी रावें सं. 186 वी० सी० टी० एस० सं. 967/1 से 467/10 के बोर्ड सं. 8169 (1) (2) (3) जो बंदररोड विजेपाले में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधारामन ओमप्रकाश मेर्हरा, भारत भुवन, कालबादेवी रोड, बम्बई-2। (अन्तरक)

2. श्री भगवानदास सेवराम रहेजा, 79 मिडोज स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1। (अन्तरिती)

3. श्रीबालजोत सींग और अन्य प्लाट सं. 967, विजयवाड़ा एस० द्वी० रोड, विलेंपाले बम्बई (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना

की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति, की जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिति को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन या मैदान का यह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराए के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो बहुत बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में विलेपालै, घोड़बंदर रोड के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा हुआ है, जो माप से 3415 वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्गगज के समकक्ष है और भू-राजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं. 186, पाठ सं. 9/2 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 और फाली सं. 2/1 व सर्वेक्षण सं. 188-ए/ फाली सं. 1/3 और 2/3 के अन्तर्गत दर्ज हैं, जिन उक्त सर्वेक्षण संस्थाओं और पाठ संस्थाओं को सामूहिक रूप से अ-कृषिक सर्वेक्षण सं. 186 द्वारा दिया हुआ है, तथा नगरपालिका के दर और कर कलेक्टर की पुस्तकों में सी. टी. एस. सं. 967/1 से 967/10 तक, एवं 'के' बांड के अन्तर्गत सं. 8169(1) (2) (3) और गली सं. 69-70 तथा 71 घोड़बंदर रोड पर है और निम्न प्रकार से विचार हुआ है :—अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं. 188 ए और अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं. 186 ई और दक्षिण की ओर उस कथित सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं. 186 ए हिस्सा से 1 है।

ग० सो राव  
संस्थम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4 बम्बई।

दिनांक 11-6-1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय  
अ० ई० ४

आयकर भवन, महर्षि कर्वे भाग बम्बई-400020

दिनांक 11-6-1973

निर्वेश अ० सं० 18/नि० स० आ० अ० ई० 4/73-74—  
यतः, मुझे, ग० सो० राव, नि० स० आ० अर्जन ई० 4 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/० ह० से अधिक है और जिसकी सं० सर्व सं० 186 बी०, सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 के 'बांड' सं० 8169 (1) (2) (3), हैं जो (घोड़बंदर रोड, विलेपालै, में स्थित हैं (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1972 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाता गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री राधारामन श्रीमप्रकाश मेहरा, भारत भूवन, कालवा देवी रोड, बम्बई-2। (अन्तरिक)

2. श्री विजय भगवानदास रहेजा 79, मिडोज स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1,  
(अन्तरिती)

3. श्री बालजीत सींग और अन्य प्लाट सं० 967, बी विजय वाडी, एस० ही० रोड, विलेपाले बम्बई (वह व्यक्ति जिसके अभियोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षणाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन या मैदान का यह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराए के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो बृहत् बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में विलेपाले, घोड़बंदर रोड के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा हुआ है, जो माप से 3415 वर्ग मीटर यानी लगभग 4111 वर्गमीटर के समकक्ष है और भू राजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण से, 186, पाट सं० 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 15, 16, 17/1, 18/2 और फाली सं० 2/1 व सर्वेक्षण सं० 188-ए०, फाली सं० 1/3 और 2/3 के अन्तर्गत दर्ज हैं, जिन उक्त सर्वेक्षण संस्थाओं और पाट संस्थाओं को सामूहिक रूप से अन्तरित सर्वेक्षण सं० 186 बी दिया हुआ है, तथा नगरपालिका के दर और कर कलेक्टर की पुस्तकों में सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 तक, एवं 'के' बांड अन्तर्गत सं० 8169 (1) (2) (3) और गली सं० 69-70 तथा 71 घोड़बंदर रोड पर है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—  
अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 188 ए और अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186

ए, हिस्सा सं० 1, परिचम की ओर कथित घोड़बंदर रोड से उत्तर की ओर अंशतः उस अकृषिक सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ई और वक्षिण की ओर उस कथित सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए, हिस्सा सं० 1 है।

ग० सो० राब  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन-रेज बम्बई।

तारीख 11-6-1973

मोहर :

प्रलूब आई० टी० एन० एस०-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय

अ० ई०-४

आयकर भवन, महिं कर्वे मार्ग बम्बई-400020

दिनांक, 11-6-1973

निर्देश अ० सं० 19/नि० स० आ० श्र० ई०-४/73-74--  
यतः, मुझे ग० सो० राब, नि० स० आ० अर्जन ई०-४, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सभी प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सर्वेक्षण सं० 186, बी० सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 'के' बांड सं० 8169 (1) (2) (3) है जो बोडर रोड, विलेपाले में स्थित है श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूचियों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16') के अधीन 18-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) को अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किमी आप की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, लिखने के लिये सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यशाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मानक चन्द्र देवीदास खन्ना, ग्रेयस, मरीन डाईव्ह, बम्बई-2 ; (अन्तरक)

2. श्री भगवानदास सेवाराम रहेजा, 79, मिडोज स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1, (अन्तरिती)

3. श्री बालजोत सींग और अन्य प्लाट, सं० 967, विष्वाड़ी, एस० द्वी० रोड, विलेपालैं, बम्बई (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिति को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराए के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो बहुत बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उपजिले में विलेपालैं, घोड़बंदर रोड के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा हुआ है, जो माप से 3415

वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्गमीटर के समकक्ष है और भूराजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं० 186, पाट सं० 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 और फार्टनी सं० 2/1 व सर्वेक्षण सं० 188-ए, फार्टनी सं० 1/3, और 2/3 के अंतर्गत दर्ज हैं, जिन उक्त सर्वेक्षण संख्याओं और पाट संख्याओं को सामूहिक रूप से अ-कृषिक सर्वेक्षण सं० 186 बी० दिया हुआ है, तथा नगरपालिका के दर और कर कलेक्टर की पुस्तकों में सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 तक, एवं 'के' वार्ड के अंतर्गत सं० 8169(1)(2)(3) और गली सं० 69-71 तथा 71 घोड़बंदर रोड पर है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 188-ए और अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186-ए, हिस्सा सं० 1, पश्चिम की ओर कथित घोड़बंदर रोड से उत्तर की ओर अंशतः उस अ-कृषिक सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ई० और दक्षिण की ओर उस कथित सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए० हिस्सा सं० 1 है।

ग० सो० राब  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-4, बम्बई।

तारीख 11-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय अर्जन ई०-4  
आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 11 जून 1973

सं० श्र०स० 20/नि०स०आ०, श्र०ई०-4/73-74:—यतः, मुझे, ग०सो० राब, नि०स०आ०, अर्जन ई०-4, बम्बई। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 186 बी०, सी०टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 'के' वार्ड सं० 8189 (1)(2)(3) घोड़बन्दर रोड, विलेपालैं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भी पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नानक चन्द देवी-  
दास खन्ना, श्रेयस, मरीन ड्राइव,  
बम्बई-2। (अन्तरक)
2. कुमारी शोभा चतुर्भुज बाढ़वा,  
79, मिडोज स्ट्रीट, फोर्ट  
बम्बई-1। (अन्तरिती)
3. श्री बलजीत सिंह और अन्य (वह व्यक्ति,  
प्लाट सं. 967, विजयवाड़ी, एस०  
वही रोड, विलपालैं बम्बई। जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथा-परिभाषित है, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराए के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो बहुत बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उप जिले में विलेपालैं घोड़बन्दर रोड के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा हुआ है, जो माप से 3415 वर्गमीटर यानी लगभग 411 वर्गमीटर के समकक्ष है और भूराजस्थ कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं. 186, पाठ सं. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 और फात्नी सं. 2/1 व सर्वेक्षण सं. 188-ए०, फात्नी सं. 1/3 और 2/3 के अन्तर्गत दर्ज है, जिन उक्त सर्वेक्षण संख्याओं और पाठ संख्याओं को सामूहिक रूप से अ-कृषिक सर्वेक्षण सं. 186 वी० दिया हुआ है, तथा नगरपालिका के दर और कर कलेक्टर की पुस्तकों में सी० टी० एस० सं. 967/1 से 967/10 तक, एवं 'के' वार्ड अन्तर्गत सं. 8169(1)(2)(3) और गली सं. 69-71 तथा 71 घोड़बन्दर रोड पर निम्न प्रकार से घिरा हुआ है:—अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं. 188 ए० और अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं. 186 ए०, हिस्सा सं. 1, परिचम की ओर कथित घोड़बन्दर रोड से उत्तर की ओर अंशतः उस अ-कृषिक सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं. 186 ई० और दक्षिण की ओर उस कथित सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं. 186 ए० हिस्सा सं. 1 है।

ग० स० राव  
सक्तम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 4, बम्बई।

तारीख : 11-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आय-कर आयुक्त का कार्यालय अर्जन ई०-४  
आयकर भवन, महर्षि कवे मार्ग,

बम्बई-400020, दिनांक 11 जून 1973

सं. अ० स० 21/नि० स० अ०, अ०ई०-४/73-74:—यतः, मुझे  
ग० स० राव, नि० स० अ०, अर्जन ई०-४, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे सं. 186 वी०, सी० टी० एस० सं. 967/1 से 967/10 'के' वार्ड सं. 8160 (1) (2) (3) है, जो घोड़बन्दर रोड, विलेपालैं में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-1-1972 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नानक चन्द देवीदास (अन्तरक) खन्ना, श्रेयस, मैरीन ड्राईव्ह, बम्बई-2.

2. श्रीमती सावित्री पुरुषोत्तम बजाज (अन्तरिती) 79 मिडेज स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1,

3. श्री बालजीत सींग और अन्य (वह व्यक्ति, जिसके प्लाट सं० 967, विजय- अधिभोग में वाडी, एस० व्ही, रोड, विलेपाले, सम्पत्ति है) बम्बई।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त

होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रथुक्त सांख्यों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराए के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो बहुत बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उप जिले में बिलेपाले, घोड़बन्दर रोड के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा हुआ है, जो माप से 3415 वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्गगज के समकक्ष है और भूराजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं० 186, पाट सं० 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 और फाल्ती सं० 2/1 व सर्वेक्षण सं० 158-ए०, फाल्ती सं० 1/3 और 2/3 के अन्तर्गत दर्ज है, जिन उक्त सर्वेक्षण संख्याओं और पाट संख्याओं को सामूहिक रूप से अ-कृषिक सर्वेक्षण सं० 186 बी० दिया हुआ है, तथा नगरपालिका के दर और कर कलैक्टर की पुस्तकों में सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 तक, एवं 'के' वार्ड अन्तर्गत सं० 8169 (1) (2) (3) और गली सं० 69-71 तथा 7 घोड़बन्दर रोड पर है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :— अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 188 ए० और अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए०, हिस्सा सं० 1, पण्डिम की ओर कथित घोड़बन्दर रोड से उत्तर कीओर अंशतः उस अ-कृषिक सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ई०, और दक्षिण की ओर उस कथित सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186-ए० हिस्सा सं० 1 है।

ग० सो० राष्ट्र,  
सक्षम प्राधिकारी,  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 4, बम्बई।

तारीख : 11-6-1973।  
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय अर्जन ई०-४  
आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग,  
बम्बई-400020, दिनांक 11 जून 1973

निर्देश सं० अ० सं० 22/नि० सं० आ०, अ० ई०-४/७३-७४—यतः,  
मुझे, ग० स०० रात, नि० स० आ०, अर्जन ई०-४, बम्बई। आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-८०  
से अधिक है और जिसकी सं० सर्व सं० 186 बी० सी० टी० एस०  
सं० 967/1 से 967/10 'के' वार्ड सं० 8169 (1) (2) (3).  
है, जो घोड़बन्दर रोड़ विलेपाले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 18-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-  
कर विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-  
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए  
गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नानकचन्द्र देवीदास खना, (अन्तरक)  
श्रेयस. मरीन डाईक्स. बम्बई-2.

2. श्री विजय भगवानदास रहेजा, अन्तरिती  
79, मिडॉन स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई 1,  
3. श्री बालजीत सिंग और अन्य (वह व्यक्ति  
प्लाट सं० 967, विजयवासी, एच० जिसके अधिभोग  
ही, रोड़, विलेपाले बम्बई। में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-  
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा ;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
निखित में किए जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराए  
के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो बहुत  
बम्बई के उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उप जिले में विलेपाले,  
घोड़बन्दर रोड़ के पूर्व की ओर स्थित, पठा हुआ है, जो माप से 3415  
वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्गमीटर के समकक्ष है और भू-  
राजस्व क्लेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं० 186, पाठ सं० १/२,  
११/१, १२, १३, १४, १६, १७/१ १८/२ और फाल्नी सं० २/१ व  
सर्वेक्षण सं० 188-ए०, फाल्नी सं० १/८ और २/३ के अन्तर्गत दर्ज  
है, जिन उक्त सर्वेक्षण संख्याओं और पाठ संख्याओं को सामूहिक रूप  
से अ-क्रूपिक सर्वेक्षण सं० 186 बी० दिया हुआ है, तथा नगरपालिका  
के दर और कर क्लेक्टर की पुस्तकों में सी०टी०एस० सं०  
967/७ से 967/१० तक, एवं 'के' वार्ड के अन्तर्गत सं० 8169  
(1) (2) (3) और गली सं० 69-७१ तथा ७१ घोड़बन्दर रोड़ पर  
है और निम्न प्रकार से छिरा हुआ है :—अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः  
उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 188 ए० और अंशतः उस  
सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए०, हिस्सा सं० 1. पश्चिम

की ओर कथित घोड़बंदर रोड़ से उत्तर की ओर अंशतः उस अ-  
कृष्णिक सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ई० और अंशतः उस  
अकृष्णिक सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ई० है, और  
दक्षिण की ओर उस कथित सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186  
ए० हिस्सा सं० 1 है।

ग० स०० राव,  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-४, बम्बई

तारीख : 11-6-1973

मोहर :

प्रलेप आई० टी०एन०एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त अर्जन ई०-४ का कार्यालय

आयकर भवन, महार्षि कर्वे मार्ग

बम्बई-400020, दिनांक 11 जून 1973

सं० 23/नि० स० आ०, अ० ई०-४/73-74:—यतः, मुझे,  
ग० स०० राव, नि० स० आ०, अर्जन ई०-४, बम्बई आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 186 बी०, सी० टी० एस०  
सं० 967/1 से 967/10 'के' वार्ड सं० 8169(1)(2)(3) है,  
जो घोड़बंदर रोड़, विलेपाले, में स्थित है (और इससे उपावड़  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 18-12-1972 को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथोपर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण  
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमगे बजाए  
के लिए मुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए मुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग अनुसारण में, मैं आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री नानकचन्द देवीदास खन्ना, (अन्तरक)  
श्रेयस, मरीन ड्राईव, बम्बई-2,
2. श्रीमती कमला बेहारीलाल रहेजा  
79, गिडोज स्ट्रीट,  
फोर्ट, बम्बई-1, (अन्तरिती)
3. श्री वालजीत सिंग और अन्य (वह व्यक्ति,  
प्लाट सं० 967, विजयवासी,  
एस० बही० रोड, विलेपाले,  
बम्बई। अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-  
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकृताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमें ऐसी आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय भुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थलीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराए  
के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो

बृहत् बम्बई के बम्बई उप-नगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में विलेपालं, घोड़बंदर के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा हुआ है, जो भाष्य से 3415 वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्गमीटर के समकक्ष है और भू-राजस्व क्लैक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं० 186, पाट सं० 9/2, 11/2, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 और फाटनी सं० 2/1 व राष्ट्रेक्षण सं० 188-ए०, फाटनी सं० 1/3 और 2/3 के अन्तर्गत दर्ज हैं, जिन उक्त सर्वेक्षण संख्याओं और पाट संख्याओं को सामूहिक रूप से अ-कृषिक सर्वेक्षण सं० 186-वी० दिया हुआ है, तथा नगरपालिका के दर और कर क्लैक्टर की पुस्तकों में सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 तक, एवं 'के' वाड़ के अन्तर्गत सं० 8169 (1) (2) (3) और गली सं० 69-70 तथा 71 घोड़बंदर रोड पर है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 188-ए० और अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186-ए०, हिस्सा सं० 1, पश्चिम की ओर कथित घोड़बंदर रोड से उत्तर की ओर अंशतः उस अ-कृषिक सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186-ई० है और दक्षिण की ओर उस कथित सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186-ए०, हिस्सा सं० 1 है।

(ग० सी० राव)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 11-6-1973

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक, सहायक आयकर आयुक्त, का कार्यालय, अर्जन ई०-२,

आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 15 जून 1973

निर्वेश सं० श्र० ई०-2/89/100/72-73—यतः, मुझे, श्री न० द० अन्जारिया, नि० स० श्र० अ०, अर्जन ई०-२, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हू० से अधिक है और जिसकी प्लाट सं० 164 है, जो गरोड़िया नगर स्कीम, घाटकोपर में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण मूल्य से वर्णित है), जिस्तीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान

प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 279-ग के अनुसारण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गोर्धनदास गरोड़िया श्रीमती परमेश्वरी देवी  
परमेश्वरी देवी गरोड़िया गोर्धनदास द्रूस्ट के द्रूस्टी,  
घाटकोपर (अन्तरक)।

2. घाटकोपर गुरुकुपा कोशापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी, लिमिटेड,  
बम्बई-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र ग्रंथालय या तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्साक्षारी के पास लिखित में कि जाए सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** —— इसमें प्रयुग्म शब्दों और पड़ों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अश्वाय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो बम्बई उप-नगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिला में घाटकोपर में स्थित और पड़ा हुआ है, और घाटकोपर की गरोड़िया स्कीम की प्लाट सं० 164 के लिए माप से 750 वर्गगज यानी 630 वर्गमीटर के समकक्ष ही तथा जिसकी सर्वेक्षण सं० 249, हिस्सा सं० 3 है, और निम्न-प्रकार से घिरा हुआ है, अर्थात् उत्तर की ओर प्लाट सं० 169 और 170, गरोड़िया नगर स्कीम से, दक्षिण की ओर 30 सड़क, पूर्व की ओर प्लाट सं० 165, गरोड़िया नगर स्कीम और पश्चिम की ओर प्लाट सं० 163 से।

न० ८० अन्नारिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-२ बम्बई

तारीख : 15 जून 1972

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 16 जून 1973

निर्देश सं० आर० टी० के०/१९१/७३-७४—यतः मुझे, श्री जी० पी० सिह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 216-आर०, माइल टाउन है, जो रोहतक में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-1973<sup>१</sup> पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल, के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन की अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किय गए है।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सतवन्त कौर पत्नी सन्तोष सिंह, मकान नं० 11/6/39, लाजपत नगर नई दिल्ली।

2. (1) श्रीमती शुशीला पत्नी श्री राम मेहर सिंह, (2) श्री जें नराद्धन पुन्न श्री नथुराम, गांव गाजरी, तहसील जंजर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उक्त में दिए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होंगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० 218-आर०, माडल टाउन, रोहतक।

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 16-6-1973

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 16 जून 1973

निर्देश सं० आर० टी० के०/186/73-74—यतः, मुझे, श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी खसरा नं० 567 और 568, हिसार रोड, रोहतक है, जो रोहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कोई जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम रघुपाल पुत्र श्री हरदिवारी लाल, रेलवे रोड, रोहतक (अन्तरक)
2. श्री एम० एस० दियाल शर्मा, पिक्चरज लिमिटेड, रेलवे रोड, रोहतक (अन्तरक)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी द्वारा व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर उम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलाट खसरा नं० 567 और 568, हिसार रोड, रोहतक।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 16-6-1973

मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० . . . . .  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय, अर्जन रेंज,  
चण्डीगढ़

दिनांक 16 जून 1973

निर्देश सं० आर० टी० एन० 185/73-74—यतः, मुझे, श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी प्लाट खसरा नं० 3182, 1350 वर्ग गज, आर्य नगर, नजदीक हरीजन होस्टल है, जो रोहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या  
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वेद प्रवा पत्नी जगदीप चन्द्र, रोहतक (अन्तरक)  
(2) श्री बहादुर सिंह पुत्र श्री भगत राम लाल और जसवीर सिंह पुत्र बहादुर सिंह, रोहतक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट खसरा नं० 3182, 1350 वर्ग गज, आर्य नगर, नजदीक हरीजन होस्टल, रोहतक

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 16-6-1973

मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 16 जून 1973

निर्देश सं० आर० टी० के०/181/73-74—यतः, मुझे, श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० के अधिक है और जिसकी प्लाट, जंग कालीनी, नजदीक संगीत सिनेमा, रोहतक में स्थित

है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-12-72 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (आन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, इपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति :—

1. (i) श्रीमती शीला देवी, पत्नी हरबन्स लाल (ii) श्रीमती सन्तोष कुमारी पत्नी हन्स राज। (iii) श्रीमती सुदेश कुमारी पत्नी अवनाशी लाल, हरी नगर, रोहतक। (अन्तरक)

2. श्री आशेक कुमार, पुत्र श्री राज सिंह बकील, रोहतक। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए लारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वाधीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट की जमीन, जंग कलोनी, नजदीक संगीत सिनेमा, रोहतक।

श्री जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 16-6-1973

मोहर

प्रलूप आई०टी०एन०एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

दिनांक 16 जून 1973

निर्देश सं० आर०टी०एन०/182/73-67—यतः, मुझे, श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 401-एल० माडल टाउन है, जो रोहतक में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-12-72 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री संत देव शर्मा पुत्र श्री गंगा प्रशाद शर्मा, युनाइटेड कार्मिणियल बैंक, रोहतक (अन्तरक)

(2) श्री वल्लभर सिंह, पुत्र श्री तीरथ राम, माडल टाउन, रोहतक । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, जी सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थावीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 401-एल०, माडल टाउन, रोहतक।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 16-6-73

मोहर

प्रलेख आई०टी०एन०एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

चण्डीगढ़, दिनांक 16 जून 1973

निर्देश सं० एस०पी०टी०/84/73-74—यतः मुझे, श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर, आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि इथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए को अधिक है और जिसकी जैदात सुलतानपुर में है, जो सोनीपत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-12-72 को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मनोहर लाल पुत्र श्री मुरारी लाल, महायकर प्रसाद जैन, मतवना पुत्र श्री विश्ववर दास, सोनीपत।

(अन्तरक)।

(2) मैं० वैक्सन रिफरेंट्रीज प्राइवेट लिमिटेड सोनीपत।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैर के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जैदात सुलतानपुर में, सोनीपत।

तारीख : 16-6-73

मौहर :

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षक,  
अर्जन रेज चण्डीगढ़।

प्रस्तुत अर्जन की विवरण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

चण्डीगढ़, दिनांक 16 जून 1973

निर्देश मं० एस०पी०टी०/१२३/७३-७४—यतः मुझे, श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज, चण्डीगढ़ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन आयकर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए

को अधिक है और जिसकी फैक्टरी जधेरी में है, जो सोनीपत में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अन्तरित रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वाम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेष के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीतर तथ पाया गया ऐसे अन्तरणके लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया: —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बनवारी लाल पुत्र सिंहो प्रसाद जेथारी जिला सोनीपत  
(अन्तरक)

2. हरियाणा कर्मिक्स द्वारा श्री सुरिन्द्र कुमार 5/18, बैस्ट्रन एक्सटेन्सन ऐरिया करोल बाग, नई दिल्ली-५। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) उम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि

कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उनकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थायीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

फैटरी जेथारी में जिला सोनीपत।

किला नं० 15/8-73

तारीख : 16-6-73

मोहर

जी० पी० सिह०\*

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज चण्डीगढ़।

प्ररूप आई०टी०एन०एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) कार्यालय

आयकर भवन

बम्बई 400020, दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० अ० सं०/अ०ई०-१/५४-२/७२-७३—यतः, मुझे, श्री श० फलके, नि०स०आ०, अर्जन ई-१, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है जिसकी सं० न्यू सर्वे नं० 3/8298, सी०एस० नं० 128 भुलेष्वर डिवीजन है जो ट्रिनिटी स्ट्रीट और इंसरा भरीन स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई डिस्ट्रीक्ट, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सोराबजी सावकशा पोखानवाला, और अन्य (अन्तरक)
2. श्री बेहराम खोदाराम द्वारानी और मोती बेहराम द्वारानी।

(अन्तरिती)

1. श्री आलू दादीबा मानेक प्रीटर,
2. दीनाबाई सोराबजी राजा,
3. रुस्तमजी खोदाबक्ष द्वारानी,
4. बचूभाई रुस्तमजी अमरोलीवाला,
5. दादाभाई मानेकजी लकड़ावाला,
6. घूनजीशहा दीनशाजी दास्त्वाला,
7. न्यू ग्लोब ड्राई फूट व जनरल स्टोर्स,
8. न्यू ग्लोब टी मार्ट,
9. श्री पी० के० मोहमद कुनी-मारकर और श्रीमती कुमांशी,
10. मेसर्स फेमस ट्रीनिटी बार,
11. मि० हामी एस० फेर्लफली।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि को हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर उम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्षताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये

जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिति को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिस पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पेणन एण्ड टेक्स टेन्योर की भूमि का वह तमाम टुकड़ा, जो बम्बई के जिले और रजिस्ट्री उपजिले में दिनिटी स्ट्रीट और मेरीन 22ी स्ट्रीट के कोने पर स्थित एवं पड़ा हुआ है, नाप से 184 वर्गमीटर (153-82 वर्गमीटर) या उसके लगभग है, तथा भूराजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में कलेक्टर की पुरानी सं० 4-8 वे पुरानी सर्वेक्षण सं० 9, कलेक्टर की नई सं० 2291 नई सर्वेक्षण सं० 3/8298, कलेक्टर की किराया पंजी सं० 403, और कडेस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 128 भूसेवर संभाग के अंतर्गत रजिस्ट्री की हुई है, उस पर स्थित मेस्युएजी, किराए के घरों, निवास घरों सहित तथा नगरपालिका वरों और करों के कलेक्टर एवं निर्धारक द्वारा जिसका कर निर्धारण सी-बार्ड सं० 2397 और 2560, स्ट्रीट सं० 74 और 1-3 दिनिटी स्ट्रीट और 22ी मेरीन स्ट्रीट के अंतर्गत होता है, और निम्न प्रकार से विश्रा हुआ है :—

उत्तर में 22ी मेरीन स्ट्रीट से,  
दक्षिण में उस सम्पत्ति से जिसकी सं० सी०एस० 164 है,  
पूर्व में, मेरीन स्ट्रीट क्रास लेन, पश्चिम में,  
उस सम्पत्ति द्वारा जिसकी सं० सी०एस० सं० 129 से।

श्री श० फड़के  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 1, बम्बई।

तारीख : 13 जून, 1973।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय  
जयपुर, विनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० ज-3/72(3)/29/1152 यतः, मुझे एस० सी० पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी०-25 है जो भगवानदास रोड, जयपुर में स्थित है (पैर इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 विसम्बर 1972, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना:

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतएव धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति पुष्पा देवी नन्दा धर्मपत्नी, श्री जगदीश चन्द्र नन्दा (अन्तरक)

2. श्री रतन चन्द्र लोडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नम्बर सी०-२५, सैन्ट जेवीयर स्कूल के सामने, चौकड़ी हवाली शहर, भगवानदास रोड, पर सी-स्टीम, जयपुर में है और उस पर बना मकान।

एस० सी० पराशर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 15-6-73।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय

जयपुर, दिनांक 12 जून 1973

निर्वेश सं० जे०-३/७२(२)/१/११२८—यतः मुझे एस० सी० पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नम्बर 3 है जो, पशु चिकित्सालय के पास, जयपुर में स्थित है। (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कभी के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) आंर

अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1961 का 43) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विद्या गोपल धर्म पत्नी, डा० वी० पी० गोपल (अन्तरक)

2. श्री रिखलदास मेहता पुत्र श्री धीसूलाल मेहता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नम्बर ३ पश्चि चिकित्सालय के पास नई कालोनी गोपी-नाथ मार्ग पर स्थित है जिसका क्षेत्रफल १५९ वर्ग मज़हूर है।

एस० सी० पराशर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 12-6-73

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय

निरोगी सहायक आयुक्त आयकर,  
अर्जन रेंज, काला भवन,  
भगवानदास रोड, जयपुर।

दिनांक 12 जून, 1973

निर्देश सं० जे०-३/७२(२)/१/११२८—यतः मुझे एस० सी० पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नम्बर ९ है जो तिलक नगर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1972, दिसंबर प्रथम को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण से लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से बहुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्द्रशेखर राठौर आत्मज श्री अमर सिंह राठौर (अन्तरक)
2. श्री/श्रीमति शान्ति देवी गोदिका पुत्री फूल चन्द छाबड़ा धर्मपति श्री तारा चन्द गोदिका (अन्तरित)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी द्वारा व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्वष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नम्बर ९ पर बना हुआ एक शौरम एवं एक अपूर्ण कमरा तिलकनगर शौपिंग सेंटर में है जिसका क्षेत्रफल १३१.६६ वर्गमील है।

एस० सी० पराशर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 12 जून, 1973।

मोहर:

प्रस्तुत आई०टी०एन०एस०  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
आई०ए०सी० एक्वीजिशन रेज-1, कलकत्ता का कार्यालय  
दिनांक 12 जून, 1973

निर्देश सं० टी० आर०-163/सी०-139/कैल-1/72-73—  
यतः मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1-ए० है जो बर्मन स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एस्योरेन्सेज नं० 5 गवर्न-मेंट स्लेस नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना:

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती तारा बर्मन (अन्तरक)
2. श्री हरीष चन्द्र अगरवाल (अन्तरिती)
3. श्री अमरनाथ अगरवाल (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दस्तावेज सं० 6259 (1972 का) के, द्वारा हस्तान्तरित नं० 1-ए० बर्मन स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित अंशतः एक मंजिला और अंशतः दो मंजिला मकान तथा 5 कट्टा 12 छटाक, 7 बग्गी फीट जमीन।

(एस० के० चक्रवर्ती),

सक्षम प्राधिकारी

(सहृदय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1,

पी०-13 चौरंगी स्क्वायर, कलकत्ता

दिनांक 12-6-73।

मोहरः—

प्रस्तुत आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आई०ए०सी० एक्वीजिशन रेज-1, कलकत्ता का कार्यालय

दिनांक 14-6-73

निर्देश सं० टी० आर० 806/सी०-140/कैल-1/72-73—  
यतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका सं० 1-ए० है, जो बर्मन स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे

उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ ऐस्पोरेन्सेज कम्पनी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-12-72 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती तारा बर्मन (अन्तरक)
2. श्री जगदीश चन्द्र अगरवाल (अन्तरिती)
3. श्री अमरनाथ अगरवाल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरित को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**रजिस्ट्रीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1972 के वस्तावेज सं० 6260 द्वारा हस्तान्तरित नं०-1-ए बर्मन स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित अंशतः एक में जिला और अंशतः दो मंजिला मकान, गोदाम तथा (6 कट्टा 7 छटाक 87 वर्गफीट जमीन)।

(एस० के० चक्रवर्ती),  
समक्ष प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
बर्जन रेंज-1,  
पी०-13 चौरांगी, स्वायार, कलकत्ता

तारीख : 14-6-73।

मोहरः—

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
369-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैवराबाद  
का कार्यालय

दिनांक 14 जून 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 17/73-74 यतः मुझे एस० बालसुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10-3-1972 है, जो सेंट जोन्स रोड, सिकन्दराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-12-1972 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक विकास का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)

और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित घयितियों, अर्थात् :—

- (1) कुमारी एम० एफ० डीफेजर, पुत्री/स्व० एच० इंविलिव० डी० फेजर, म० न० 73/अ/3, रेड फास रोड, सिकंदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्री जी० प्रताप तथा जी० सैलजा, 9-3-9 सेंट जान्स रोड, सिकंदराबाद (अन्तरिती)।
- (3) श्री झी० एल० कोलोयाको हैदराबाद इंजनीयरिंग कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्वष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

### अनुसूची

म० न० 10-3-172, सेंट, जान्स रोड, सिकंदराबाद,  
जग.—684. 5 चौ० मीटर्स,  
पूर्व—बि० विं० मुत्तशा का मकान  
पश्चिम—सार्वजनिक रास्ता  
उत्तर—बि० विं० मुत्तशा का मकान  
दक्षिण—एन० रावेन्द्र राव का मकान

एस० बालसुखमन्यम्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 14-6-1973

मोहर :

प्रस्तु आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1/2 दिल्ली  
केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य० 11/(सी०)-72-73  
यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एफ०-1/6 है, जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना:

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम किशन (पोपली) पुत्र श्री सुख दयाल एलौटी आवनर एफ 1/6 लाजपत नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती दया प्रताप चांदवानी पत्नि श्री प्रताप के० चांदवानी निवासी, एफ ० १-६ लाजपत नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

3. श्री प्रताप के चांदवानी सुपुत्र श्री रघुल दास चांदवानी, एफ १/६ लाजपत नगर, नई दिल्ली। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय

20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० एफ० १-६ लाजपत नगर, नई दिल्ली, जो कि 100 वर्गगज के प्लाट पर बना हुआ है, उपरोक्त जमीन के सब अधिकारों के साथ।

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली।

दिनांक : 13-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० ई० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा ८ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली।

केन्द्रीय रजस्व भवन नई दिल्ली

दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० आई० ए० जी०/एक्य० यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम० 180 है, जो ग्रेटर कैलाश-11 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ किया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री डी० एल० एफ० युनाटिड लिं० 40 एफ० कनाट पलैस नई दिल्ली (अन्तरक) ।

2. श्री एस० चन्द्रा सूपत्र श्री आर० चन्द्रा 27-42 पंजाबी बाग नई दिल्ली (अन्तरिती) ।  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए प्रदत्त-दाग कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उग्र अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट न० 180 ब्लाक न० एम० जिसका क्षेत्रफल 300 वर्गगज है और जो कि निवासी बस्ती ग्रेटर कलाश-11 जो कि गांव बहारपुर जो कि देहली में है और इस प्रकार स्थित है:—

पूर्व सड़क  
उत्तर प्लाट न० एम-178

पश्चिम लैन  
दक्षिण प्लाट न० एम०-182

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली।

दिनांक 13-6-1973

मोहर।

14—116GTi73

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1/2, दिल्ली ।

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिल्ली दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते को आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम०-257 है, जो ग्रेटर कलाश-11 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाटिड लिं० 40 एफ० कनाट पलैस नई दिल्ली (अन्तरक)

2. विं कमांडर एम० के० खन्ना और श्रीमति किरण खन्ना 398 ब्लाक 5 सर्विस ऑफिसरज अनकेलेब सरदार पटेल मार्ग नई दिल्ली-21 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आरोप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 257 ब्लाक नं० एम० जिसका क्षेत्रफल 400 वर्गगज है जो कि निवासी बस्ती ग्रेटर कैलाश-11 के गांव बहारपूर जो कि देहली में है और इस प्रकार स्थित है:—

पूर्व—सड़क

उत्तर—प्लाट नं० एम०-255

पश्चिम—सड़क

दक्षिण—प्लाट नं० एम० 259

च० वि० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2 दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 13-6-73

मोहर :

प्ररूप ग्राही० ठी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 2, दिल्ली

केन्द्रीय राजस्व भवन,

नई दिल्ली दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० ग्राही० ए० सी०/एक्यु-1/(सी-

यत: मुझे, च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और ज़िसकी सं० एस०-37 है, जो ग्रेटर कैलाश-11 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन —————— 19 —————— पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेष के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1, मै० शी० एल० एफ० युनार्डिटेड लि० 40-एफ० कनाट पलैस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डा० जगदीश चन्द्र सौंधी सपुत्र स्वर्गीय श्री दौलत राम सौंधी, 82 ए कमला नगर, देहली-7 (अन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आशेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आशेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आशेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्थानस्थिकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 37 ब्लाक नं० एस० जिसका थेटफल 30 वर्गज छ है जो निवासी वस्ती प्रेटर कैलाण-11 के गांव बहारपुर जो कि देहली में है और इस प्रकार स्थित हैः—

पूर्व में . . .	सड़क
उत्तर में . . .	प्लाट नं० एस०-35
पश्चिम में . . .	एस० लैन
दक्षिण में . . .	प्लाट नं० एस०-39

च० वि० गुप्ते,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीक : 13-6-73

मोहरः—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा ८(१) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)  
केन्द्रीय राजस्व भवन  
नई दिल्ली दिनांक 12 जून, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस०-1—— यतः मुझे,  
च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधीक है और जिसकी सं० ई०-८० है, जो कालका जी नई दिल्ली में स्थित है (और इस के लगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), मैं भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ————— १९———— को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीब्ल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का

उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आर-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नया सिंह पुत्र श्री बुधा सिंह निवासी ई०-१८९ प्रेटर कैशाल-१ नई दिल्ली-४८ (अन्तरक)

2. श्री गुरुबचन लाल सुपुत्र श्री हरी राम निवासी कालका जी नई दिल्ली-१९ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिये एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आशेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के सिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आशेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आशेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के सिये अधिकार होगा।

**स्वास्थ्यकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमृतसूची

प्लाट नं० ई०-८० जिसका क्षेत्रफल 200 वर्गगज है और कालका जी में है और इस प्रकार स्थित हैः—

उत्तर में . . . . .	बाई लैन—15 फीट चौड़ी
दक्षिण में . . . . .	प्लाट नं० ई०-८२
पूर्व में . . . . .	सड़क 30 फुट चौड़ी
पश्चिम में . . . . .	सड़क 40 फुट चौड़ी

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीखः—12 जून 1973

मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा ८(१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1/2, दिल्ली।

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

दिनांक 13 जून 1973

निर्वाच सं० आई०ए०सी०/एक्यू०-११सी०-४/७३-७४ यतः, मुझे चं० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 61/19 है, जो रामजस रोड, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई देहली में स्थित है (और इसमें उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-१-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने को कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आर-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किय गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अत्तर सिंह पुत्र श्री गुलाब सिंह कर्ता मैं० अत्तर सिंह एच० यू० एफ० ६१/१९, रामजस रोड, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रकाशवती पत्नी श्री हस राज महाजन (2) श्री रविन्द्र कुमार (3) श्री सुरिन्द्र कुमार महाजन (4) श्री मोहिन्दर कुमार महाजन (5) श्री सुभाष चन्द्र महाजन ६२/२९ रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी (1) जैसे कि ऊपर नं० (2) में है (2) श्री केवल किशन (3) श्री मनोहर लाल (4) श्री शाम सुन्दर (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) जो यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद-द्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्त्रबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील गे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति वो, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्थलीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभावित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक ढेढ़ मंजिला मकान जिसका नं० 61/19 है और जो रामजस रोड बैस्टैन एक्स्टैन एरिया, करोल बाग में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल करीब 70 वर्ग गज है।

चं० वि० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 13 जून 1973

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली केन्द्रीय राजस्व भवन

नई दिल्ली दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/सी०-४/७३-७४/—  
यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 15 पंचकुर्ड्या रोड है, जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीशन विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बोक्त आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

1. श्री विजय कुमार गुजरात 17 बाराबर्म्बा रोड नई दिल्ली (अन्तरक)
2. (1) विद्या सागर सूरी 15 पंचकुर्ड्या रोड, नई दिल्ली।
- (2) श्री तरसंम लाल 15 ए०/८ पंचकुर्ड्या रोड, नई देहली श्री मति कृष्णा बसरा 15 ए०/८ पंचकुर्ड्या रोड नई दिल्ली (अन्तरिती)

श्री तरसंम लाल 15 ए०/८ पंचकुर्ड्या रोड नई दिल्ली

(वह व्यक्ति, जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

(2) सं० सवरण सिंह 15 पंचकुर्ड्या रोड, नई दिल्ली

(3) सरदार दिलबारा सिंह ए० सन्ज दारा डी० हरपीत सिंह एम० डी० 15, पंचकुर्ड्या रोड, नई दिल्ली।

(4) श्री विद्या सागर सूरी श्री शिवचरण लाल सूरी 15 पंचकुर्ड्या रोड, नई दिल्ली।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है शाक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्थानिकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ज्यादाद (जमीन और उसके ऊपर बनी हुई ईमारत) जिसका नं० 15 पंचकुद्धा रोड है और जिसका क्षेत्रफल लगभग 183.55 वर्गगज है और इस प्रकार स्थित हैः—

उत्तर . . . .	सर्विस सड़क
दक्षिण . . . .	सड़क और फुटपाथ
पूर्व . . . .	प्लाट नं. 9 का मकान
पश्चिम . . . .	प्लाट नं. 7 का मकान

चं० वि० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीखः— 15-6-1973

मोहरः

प्रलृप आई० टी० एन० एस०————  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा ८(1) के अधीन सूचना  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली।  
केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

दिनांक 5 जून 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-1/ए० सी०/ए० क्य०-2  
/73-74—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 39 है, जो ब्लॉक जी० कनाट प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

ओर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, द्वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बिजा किशोर पुत्र श्री ओमप्रकाश 100, सुन्दर नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री दिग्यान और पुत्र इनवैस्टमन्ट प्राइवेट लिमिटेड, 63, बाबर रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

3. 1. स्टेट बैंक ऑफ भारत 2 आई० आर० सचदेवा  
3. श्री वीजय ठाकुर

4. मैसर्स निरंकारी ट्रैवलस।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री राज गोपाल आपरेक्टर, मैसर्स दिवान और पुत्र इन्वैस्टमेन्ट प्राइवेट लिमिटेड 63, बाबर रोड नई दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

(को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसरे में कियगये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पंरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के सिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों, और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक प्लाट जो कि ब्लॉक नं० जी कनाट प्लेस नई दिल्ली में स्थित है इसका क्षेत्रफल 330 वर्गगज है और जिस पर दुकान नं० 39 बनी है।

च० च० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली।

मोहरः

प्रख्य आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा ८(१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली।

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

नई दिल्ली-1 दिनांक 24 मई 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१ बी०/(सी)/७३-७४  
यतः मुझे, च० च० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधीक है और जिसकी सं० 7/40 और 7/40 ए० है, जो न्यू डब्ल टोरी, लाजपत नगर, नई दिल्ली। में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में भारतीय रजिस्ट्रीक्यूण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-12-72 की पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्यूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथा-पूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (१) श्रीमती राज रानी पत्नी श्री हंस राज,
- (२) श्री रमेश चबर
- (३) श्री धरम पाल,
- (४) श्री विजय कुमार
- (५) श्री मनोहर लाल
- (६) श्री सतीष चबर, पुत्र श्री हंस राज, और
- (७) कुमारी सीता देवी, पुत्री श्री हंस राज, निवास ९,
- (८) नेहरू मार्किट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

२. श्री/श्रीमती/कुमारी श्री जी० एस० मोगिया, पुत्र श्री वृद्ध मल मोगिया, ४/२२, नई डिडिबल स्टोरी लाजपत नगर नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

३. श्री (१) श्री देवेन्द्र देव माधुर, ७/४०, नई डब्ल स्टोरी लाजपत नगर नई दिल्ली।

(२) श्री महाबीर प्रसाद अग्रवाल ७/४०६०, नई डब्ल स्टोरी लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर सम्पत्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये

जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्ति को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

उदाद नं० 7/40 और 7/40 ए० जिसका क्षेत्रफल 125360 वर्गगज है जो कि न्यू डबल लाइपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है और जिसकी सीमाएँ निम्नप्रकार से घिरी हुई हैं:—

उत्तर .	मकान नं० 7/39 और 7/39 ए०
दक्षिण .	मकान नं० 6/41 और 7/41 ए०
पूर्व .	रोड (20 फुट चौड़ी)
पश्चिम .	खुला मैदान।

चं० विं० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

मोहर :

प्रह्ल आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1/2, दिल्ली।  
केन्द्रीय राजस्व भवन  
नई दिल्ली-1, दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/-—यतः मुझे, चं० विं० गुप्ते आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० एस०-431 है, जो ग्रेटर कैलाश II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० ठी० एल० एफ० युनाईटेड लि० 40-एफ० कनाट प्लेस नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती सीता नागपाल पत्नि स्वर्गीय टी० एन० नागपाल 16 चर्च रोड, कश्मीरी गेट, देहली-6 (अन्तरिति) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसरे में दिए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिति को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैग के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 431 ब्लाक एस० जिसका थेलफल 294 वर्गगज है और जो कि निवासी बस्ती ग्रेटर कैलाश-11 जो कि गांव बहारपुर जो कि देहली में है और इस प्रकार स्थित है:—

पूर्व	.	सर्वक
उत्तर	.	प्लाट नं० एस०-429
पश्चिम	.	सर्विस लैन
दक्षिण	.	प्लाट नं० ए०-433

च० वि० गुप्ते,  
सक्षम प्रधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 13 जून 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, 1/2 दिल्ली।  
केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली  
दिनांक 13 जून, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/——

यतः, मुझे च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० एस० 234 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-1-1973 को पूर्वकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह

कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से द्वारा किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं :—

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं० डी० एल० एफ० यूनाइटेड, लि० 40-एफ, कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती भगवती देवी गुप्ता, पत्नी श्री बी० एस० गुप्ता, एफ 4/2, माडल टाऊन, देहली - 9। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थानीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 234 ब्लाक नं० एस जिसका क्षेत्रफल 300 वर्गगज है जोकि निवासी बस्ती ग्रेटर कैलाश-11 जोकि गांव बहारपुर दहली में है और इस प्रकार स्थित हैः—

पूर्व	—	एस लैन
उत्तर	—	प्लाट नं० एस०-232
पश्चिम	—	सड़क
दक्षिण	—	प्लाट नं० एस०-236

च० वि० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 13 जून, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ८ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 12 जून 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/—————

यतः, मुझे च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० एस०-336 है, जो ग्रेटर कैलाश-11 में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्येक ह प्रतिशत अधिक है और यह कि

अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किय गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. मै० डी० एल० एफ० यूनाइटेड, लि०, 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णा केसूद पत्नी श्री देसराज सूद डी-38, जंगपुरा, एक्सटैन्शन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूचि

प्लाट नं० 336, ब्लाक एस० जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जोकि निवासी बस्ती ग्रेटर कैलाश-11 जोकि गांव बहारपुर जोकि देहली में है और इस प्रकार सीमित है:—

पूर्व में —	सर्विस लैन
उत्तर में —	प्लाट नं० एस-334
पश्चिम में —	सड़क
दक्षिण में —	प्लाट नं० एस-338।

च० वि० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 12 जून, 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 12 जून, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/—

अतः, मुझे च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम०-2 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डॉ० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40-एफ-कनाट पैलेश, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती विद्या मल्होत्रा, पत्नी एन० सी० मल्होत्रा, निवासी 135, सैकटर 28-ए, चंडीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 2, ब्लाक नं० एम जिसका क्षेत्रफल 263 वर्ग गज है और निवासी बस्ती ग्रेटर कैलाश-11 कि गांव बहारपुर जोकि देहली में है और इस प्रकार स्थित है:—

पूर्व	सर्विस लेन
उत्तर	सड़क
पश्चिम	सड़क
दक्षिण	प्लाट नं० एम-14

चं० वि० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 12 जून 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रधप आई० टी०एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा ४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

दिनांक 12 जून, 1973।

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/—यतः, मुझे चं० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम-140 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-3-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रगट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40-एफ, कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री सत्यवानधवन, 60 औरंगी, कलकत्ता-20। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में कियेगये आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिससे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० एम-140, ब्लाक नं० एम, जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है और निवासी बस्ती ग्रेटर कैलाश-11 कि गांव बहारपुर जोकि देहली में है और इस प्रकार विधि है :—

पूर्व में —	सड़क
उत्तर में —	प्लाट नं० एम-134
पश्चिम में —	सर्विस लैन
दक्षिण में —	प्लाट नं० एम-132

च० वि० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 12 जून, 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए) ।

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1/2, दिल्ली  
केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 12 जून 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है और जिसकी सं० एस-395 है जो ग्रेटर केलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में आंगूष्ठे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40-एफ, कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती ब्रेजन्यूरानी सिंह, सोधा पत्नी श्री महन्या सिंह सीधा, फजीक्स, डिपार्टमेन्ट, इन्डियन इन्स्टीट्यूट, टैकनालोजी, नई दिल्ली-29 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट जिसका नं० 395, ब्लाक एस ग्रेटर केलाश-11, नई दिल्ली में है और जिसका क्षेत्रफल 315 वर्गमीटर है और जो गांव बहारपुर जोकि देहली में स्थित है और वह इस प्रकार सीमित है:—

पूर्व में — सड़क  
उत्तर में — प्लाट नं० एस-393  
पश्चिम में — सर्विस लैन  
दक्षिण में — प्लाट नं० एस-397

चं० वि० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).  
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 12 जून 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा ४ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली  
केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।  
दिनांक 12 जून 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकमू०/—यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते—आककर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 26७ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषेश सरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस-124 है जो प्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या।  
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922

(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 26९-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 26९-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. मै० डौ० एल० एफ० युनाइटेड लि�०, 40-एफ, कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री वीरेन्द्र कुमार मैहता सुपूत्र श्री जगन नाथ मैहता निवासी ई-350, मेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोसूत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा। स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट्ट, नं० 124, ब्लाक एस जिसका अधिकार 300 वर्गमीटर है जोकि निवासी बस्ती ग्रेटर कैलाश-11 के गांव बहारपुर जोकि दिल्ली में है और इस प्रकार स्थित है:—

पूर्व	—	एस लैन
उत्तर	—	प्लाट नं० एस-122
पश्चिम	—	सड़क
दक्षिण	—	प्लाट नं० एस-126

च००. वि० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 12 जून, 1973

मोहर :

(जो सागू न हो उसे काट दीजिए)।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ८ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, 1/2, दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु/—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस०-144 है, जो ग्रेटर कैलाश 11 नई दिल्ली में स्थित है (और उससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी प्राधिकारी के कार्यालय, देहली में भारतीय रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन—19—

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. म० डी० एस० एफ० युनाइटेड लि० (अन्तरक)  
40 एफ०, कनाट पैलेस, नई दिल्ली।

2. शशी चौपड़ा परिन श्री गोपाल मोहन चौपड़ा  
निवासी सी 38 बंगला रोड, कमला नगर-देहली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद-द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद-द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वांकित पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 144 ब्लाक नं० एस० जिसका क्षेत्रफल 306 वर्ग-गज है जो कि निवासी बस्ती ग्रेटर कैलाश-11 के गांव बहारपुर जो कि देहली में है और इस प्रकार स्थित है :—

पूर्व में— एस० लैन  
उत्तर में— प्लाट नं० एस०—142  
पश्चिम में— सड़क  
दक्षिण में— प्लाट नं० एस०—148

च० वि० गुप्ते,  
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अधीन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख : 12-6-73

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा ४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अधीन रेंज-1/2, दिल्ली ।

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली ।

तारीख 13-6-1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकप०/—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० एम०-180 है, जो ग्रेटर कैलाश 11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के मूल्यवान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डी० एल० एफ० युनाइटेड लिं० (अन्तरक) 40 एफ० कनाट पलेस नई दिल्ली
2. श्री एस० चन्द्रा सुपुत्र श्री आर० चन्द्रा 27-42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर उम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर उम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 180 ब्लाक नं० एम० जिसका क्षेत्रफल 300 वर्गगज है जो कि निवासी बस्ती प्रेटर कैलाश-11 जो कि गांव बहारपुर जो कि देहली में है और इस प्रकार स्थित है :—

पूर्व	—सड़क
उत्तर	—प्लॉट नं० एम०-178
पश्चिम	—लेन
दक्षिण	—प्लॉट नं० एम०-182

चं० वि० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 13-6-73

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर अंगुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली।

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली :

तारीख 12-6-1973

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु—यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू०-112 है, जो प्रेटर कैलाश-11 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-3-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण किये गये हैं और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922

(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०  
40 एफ० कनाट पलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमति सुदर्शन जैन पत्नी श्री गिरीलाल जैन निवासी सी-313 डिफैन्स कालौनी नई दिल्ली (अन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि को हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथा-प्रतिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 112 ब्लाक नं० डब्ल्यू० जिसका क्षेत्रफल 607 वर्गगज है जो कि निवासी बस्ती प्रेटर कैलाश-11 गांव बहारपुर जो कि देहली में है और इस प्रकार स्थित है :—

पूर्व में — सर्विस लेन  
उत्तर में — प्लाट नं० डब्ल्यू 110  
पश्चिम में — सड़क  
दक्षिण में — प्लाट नं० डब्ल्यू-114

वं० वि० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 12-6-73

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा ४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली।

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

तारीख 13-6-1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु—यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सस-113 है, जो भेटर कैलाश-11 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरक के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा,

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, लिपाने के लिये सुकर बनाना:

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० (अन्तरक) 40 एफ० कनाट पलेस, नई दिल्ली
2. श्रीमती सरला देवी पत्नी श्री फतेह चन्द गुलाठी (अन्तरिती) निवासी ई-6 भगवान दास नगर, रोहतक रोड, दिल्ली-26

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दो जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 113 ब्लाक एस० जिसका क्षेत्रफल 300 वर्गमील है जो कि निवासी बस्ती भेटर कैलाश-11 के गांव बहारपुर जो कि देहली में है और इस प्रकार स्थित है :—

पूर्व	—सड़क
उत्तर	—प्लाट नं० ए०-III
पश्चिम	—एस लेन
दक्षिण	—प्लाट नं० ए०-115

चं० वि० गुप्ते,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर अमृक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली - 1

तारीख : 13-6-73

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर अमृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हुबली

तारीख 15 जून, 1973

सं० निदेश सं० नोटिस सं० 3/73-74—यतः, मुझे आर० पार्षदसारति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है होसखान एस्टेट ये एस्टेट में काफी एस्टेट बेट्ट और छाय जमीने और बिल्डिंगें सुगदबानी और सिरीबासे गांव में हैं, जो चिकमगलूर तालुक चिकमगलूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिकमगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22 दिसम्बर 1972 को पूर्वकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना:

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1(क) श्री नील जाफरी फ्लेवर माहम (अन्तरक) कोलार खान एस्टेट, संगोमेस्चरपेह, पोस्ट चिकमगलूर,

1(ख) श्री डोनाल्ड अलिस्टर ग्राहम, होसखान एस्टेट, मल्लहूर, पोस्ट चिकमगलूर।

2(क) श्री सिंह एस० प्रभाकर 11, कानवेल रोड, बंगलोर-25।

2(ख) श्रीमती जौंसी सीधीया प्रभाकर, 11, कानवेल रोड, बंगलोर-25। (अन्तरिती)

2(ग) रेव० मुम्दर ऐबीनाक्षर नायनार, क्लार्क सेंट मार्क्स क्लेड्स, सेंट मार्क्स रोड, बंगलोर-1।

2(घ) श्रीमती लिलि प्रभाकर, 7, सीता गगर, मद्रास-34।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय

20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

—जमीन और बिल्डिंग ट्रान्सफर्ड का  
पूर्ण विवरण ऐनेक्सर में दिया है।

अनुसूची

279-15 एकरे का जमीन और ये जमीन में काफी एस्टेट  
बेट्ट और छाय जमीनें और बिल्डिंगें सुगडवानी और सिरिवासे  
गांव में स्थित हैं। ये चिक्कमगळूर तालूक, चिक्कमगळूर  
डिस्ट्रिक्ट मैसूर राज्य में हैं।

सक्षम प्राधिकारी (आर० पांथसारांत)  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))  
अर्जन रेंज हूबलि

तारीख : 15 जून, 1973  
मोहर:  
(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)।

ANNEXURE ATTACHED TO NOTICE NO 3/73-74/H. Acq dt. 15-6-1973 OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE : HUBLI.

A. DETAILS OF LAND TRANSFERRED

S. No.	Village	Survey S.No.	Area Gross	Kind
1.	Sugadavani	130	6—19	Coffee
2.	"	131	22—38	"
3.	"	132	7—20	"
4.	"	133	1—30	"
5.	"	134	10—21	"
6.	"	135	3—35	"
7.	"	136	7—14	"
8.	"	137	16—13	"
9.	"	138	0—28	"
10.	"	139	11—12	"
11.	"	140	3—22	"
12.	"	141	4—01	"
13.	"	142	6—28	"
14.	"	143	10—25	"
15.	"	144	1—36	"
16.	"	145	1—11	Dry
17.	"	146	3—38	Wet
18.	"	147	1—05	Coffee
19.	"	148 Part	0—25	Wet
20.	"	149	1—06	Dry
21.	"	150	3—19	Coffee
22.	"	151	9—29	Wet
23.	"	155	1—01	"
24.	"	156	5—01	Coffee
25.	"	157	4—18	Wet
26.	"	158 Part	2—00	"
27.	"	160 Part	3—00	Coffee
28.	"	161 Part	1—05	"
29.	"	163 Part	1—35	"
30.	"	356	10—00	"
31.	"	371	3—01	"
32.	"	372	20—03	"
33.	"	375	12—07	"
34.	"	377	6—17	"
35.	"	378	24—00	"
36.	"	379	3—05	"
37.	"	403	5—00	"
38.	"	404	4—00	"
39.	"	406	21—15	"
40.	Sirvase	327	5—00	"
41.	"	335 Part	2—15	"
42.	"	230	4—11	"
43.	"	232	2—27	"
44.	"	328	0—20	"

Total 279—15

## B. DETAILS OF BUILDINGS TRANSFERRED

Name of Building	Type of Construction	Dimension
Bungalow	Unburnt brick in mud	78'×36·75'
Kitchen	Do.	25·75' × 15·75'
Garages	Do.	23·50' × 19·75' 29·75' × 16'
Goat shed	Brick in mud	23'×15'
Staff Quarters	Unburnt brick in mud	49·25' × 29' Do. (34·25' × 16·25' Do. (27·75' × 21·25' (43' × 29' (21·50' × 9·50'
Dispensary	Do.	28·50' × 17·25'
Labour lines	Brick in mud	74·25' × 23·25' Do. 66·75' × 23·75' Do. 47·75' × 29·75'
	Unburnt brick in mud	128' × 29·25' 129' × 26·75' 112·50' × 31·50' 112·25' × 31·25' 72·75' × 21·25' 81·50' × 29·50' 70·25' × 28' 98' × 17·25' 73·25' × 29·25'
Brache	Do.	44·25' × 18·26'
Tractor shed	Do.	29·25' × 24·50'
Drying Ground Shed	Do.	60' × 24'
Manure and other sheds	Do.	21·75' × 21·25' 25' × 17·50' 50' × 20' 24·25' × 18·25' 31' × 16·25' 38·50' × 12·50' 31' × 16·25'
Pulp house	Do.	35·25' × 17·25'
Watcher's shed	Do.	10·75' × 13·25'
Cattle shed	Do.	63' × 18·25'
Paddy store	Brick in mud with cement plaster	57·50' × 24·25'

Sd./ ILLEGIBLE  
 Inspecting Asstt. Commissioner,  
 of Income-tax, acquisition, Range,  
 HUBLI

### आवश्यक सूचना

सभी पत्र-व्यवहार सहायक निदेशक (परीक्षा स्कन्ध), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को सम्बोधित होने चाहिए। उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र के संबंध में जो भी पत्रादि लिखे उसमें स्पष्ट रूप से परीक्षा का नाम अर्थात् “ग्रेड 2 आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1973”, अनुक्रमांक संख्या (यदि सूचित किया गया हो) और अपना नाम (स्पष्ट अक्षरों में) तथा आवेदन-पत्र में दिया गया पूरा डाक पता लिखें।

### सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान

#### नोटिस

ग्रेड 2 आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1973

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1973

संख्या 13/4/73-अरेजमेंट—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-2 की प्रवर सूची तथा भारतीय विदेश सेवा (ख) के सब काउर के आशुलिपिकों की श्रेणी II में वृद्धि करने हेतु सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा 24 अक्टूबर, 1973 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेश में स्थित कुछ छुने हुए भारतीय दूतावासों में एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन मन्त्रिमण्डल सचिवालय में कार्यक्रम तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के 23 जून, 1973 के भारतीय राजपत्र में प्रकाशित नियमों के अनुसार होगा।

संस्थान अपने निर्णय से उर्ध्वकृत परीक्षा केन्द्रों और परीक्षा की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को सूचित कर दिया जाएगा कि उन्हें कहां, किस समय और किस तारीख को उपस्थित होना है।

2. (क) इस परीक्षा के आधार पर ऊपर दी गई सेवाओं में नियुक्तियों के लिए भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या नीचे दी गई है :

(i) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड II	10*
(ii) भारतीय विदेश सेवा (ख) के सब काउर के आशुलिपिक ग्रेड II	5*

\*उपरोक्त संख्याओं में परिवर्तन हो सकता है।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन प्रपत्र पर सहायक निदेशक (परीक्षा विभाग), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिम खण्ड I, पोस्ट बैग नं 2, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण सहायक निदेशक (परीक्षा विभाग) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के काउंटर पर एक रुपया नकद देकर 10 अगस्त, 1973 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन प्रपत्र एक रुपये के मूल्य का पोस्टल आर्डर जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को देय हो और “केवल प्राप्त कर्ता लेखा” शब्दों द्वारा काटे गए हों, डाक द्वारा भेज कर भी 10 अगस्त, 1973 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए भेजे गए प्रार्थना पत्रों पर परीक्षा का

नाम “श्रेणी II आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1973” स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए। पोस्टल आर्डर के साथ उम्मीदवार को मोटे अक्षर में अपने नाम तथा पते की तीन पर्चियां भी भेजनी चाहिए। एक रुपये का पोस्टल आर्डर और उर्ध्वरूप तीन पर्चियों की प्राप्ति पर आवेदन प्रपत्र तथा पूर्ण विवरण साप्तारण डाक से (डाक प्रभाग पत्र के अन्तर्गत (Under Postal Certificate) उम्मीदवार को भेज दिए जायेंगे। यदि कोई उम्मीदवार आवेदन प्रपत्र तथा पूर्ण विवरण रजिस्ट्री डाक से मंगाना चाहता हो तो उसे ऐसा स्पष्ट कर देना चाहिए तथा एक रुपये की अतिरिक्त राशि अर्थात् दो रुपये के पोस्टल आर्डर और नाम तथा पते की तीन पर्चियां भेजनी चाहिए। पोस्टल आर्डर के स्थान पर मनीआर्डर या चैक या करेसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। एक रुपए अथवा दो रुपये की ये राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को आवेदन प्रपत्र के मूल्य के लिए भारतीय पोस्टल आर्डर भेजने चाहिए अथवा एक या दो रुपए की राशि, जैसी भी स्थिति हो, भारतीय उच्च आयुक्त/राजदूत/प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाएं और उक्त राशि को लेखा शीर्ष प्रल-II मिसलेनियस—मिसलेनियस (I-II Miscellaneous—Miscellaneous Receipts) (महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली द्वारा समायोज्य) में डालने को कहें तथा उस कार्यालय से टी०आर० 5 प्रपत्र में रसीद प्राप्त कर लें तथा रसीद को संस्थान को भेज दें। पोस्टल आर्डर/रसीद के साथ उम्मीदवार के नाम तथा पते की मोटे अक्षरों में तीन पर्चियां भी भेजनी चाहिए।

नोट :—आवेदन-पत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण प्राप्त करने के लिए 10 अगस्त 1973 के पश्चात कोई प्रार्थना स्वीकार नहीं की जायेगी। विदेश में रहने वाले तथा अंडमान और निकोबार तथा लकादिव मिनीकोय और अमीनदिवि द्वीपसमूह के व्यक्तियों के लिए आवेदन-पत्र तथा परीक्षा के पूरे विवरण प्राप्त करने के लिए प्रार्थना एं 24 अगस्त 1973 तक भी स्वीकार कर ली जाएगी।

4. भरा हुआ आवेदन-प्रपत्र सहायक निदेशक (परीक्षा विभाग), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिम खण्ड I, पोस्ट बैग नं 2, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022 के पास 10 अगस्त, 1973 को या उसके पूर्व, उपावंश में दी गई हिंदायतों के अनुसार आवश्यक प्रमाण-प्रपत्र आदि के साथ अवश्य पहुंच जाना चाहिए। मिशित तारीख के बाद मिलमें वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायगा। विदेश में रहने वाले तथा अंडमान और निकोबार तथा लकादिव, मिनीकोय और अमीनदिवि द्वीप समूहों में 10 अगस्त, 1973 से पूर्व रहने वालों के आवेदन-पत्र 24 अगस्त, 1973 तक भी ले लिए जाएंगे।

नोट :—आवेदन-प्रपत्र की मांग में देवी तथा आवेदन-पत्र देर से भेजने के जोखिम की जिम्मेदारी उम्मीदवार की ही होगी।

5. (1) निर्धारित शुल्क :—नीचे के सब पंक्ति (III) में आवेदन-पत्र उम्मीदवारों के अतिरिक्त परीक्षा में प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों को पूरिल आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित फीस देनी होगी :—

12-00 रुपये (3-00 रुपये अनुमूलित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों की अवस्था में)।

(2) पैरा 5(1) में दी गई फीस रेखित भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भुगतान होनी चाहिए जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को देय हों। पोस्टल आर्डर नीचे दिए गए नमूने के अनुसार भरा आना चाहिए :—

केवल प्राप्त कर्ता लेखा

पोस्टल आर्डर

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान  
नई दिल्ली को रामकृष्णपुरम् (वितरण)  
डाकधर, नई दिल्ली-110022 पर देय

प्रशिक्षण संस्थान अन्य रीति से भुगतान स्वीकार नहीं करेगा।

(3) प्रशिक्षण संस्थान अपनी स्वेच्छा से निर्धारित फीस से मुक्त कर सकता है। जबकि उसे इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार बांगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) का विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 को या उसके पश्चात् परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भारत में प्रविष्ट हुआ है अथवा बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है अथवा श्री लंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा 1 नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात् भारत में आया है और निर्धारित फीस देने की स्थिति में नहीं है।

(4) उम्मीदवारों को ज्ञात होना चाहिए कि पोस्टल आर्डर को रेखित किए बिना अथवा सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान रामकृष्णपुरम् वितरण डाक घर, नई दिल्ली को देय किए बिना भेजना सुरक्षित नहीं है। आवेदन पत्र के स्तम्भ 11 में पोस्टल आर्डर के पूरे घूरे भर देने चाहिए।

जिस आवेदन पत्र के साथ निर्धारित फीस का रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर नहीं होगा उसे सरसरी तौर से देखकर ही अस्वीकृत कर दिया जायगा। यह नियम उम्मीदवारों द्वारा देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) के विस्थापितों और बर्मा स्था श्री लंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय निवासियों पर सार्ग नहीं होगा जो कमशः 1 जनवरी 1964 के बाद (परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले) 1 जून, 1963 तथा 1 नवम्बर 1964 को अथवा इसके पश्चात् भारत में आए हैं और फीस न दें सकने की स्थिति में होने के कारण ऊपर के पैरा 5(3) के अनुसार निर्धारित फीस से छूट जाहते हैं।

6. प्रशिक्षण संस्थान को भुगतान किए गये शुल्क की वापसी से संबद्ध किसी भी शावे को स्वीकार नहीं किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

यदि कोई उम्मीदवार उसका प्रार्थना पत्र देर में पहुंचने के कारण संस्थान द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं किया जाता अथवा परीक्षा स्थगित हो जाती है तो उसके द्वारा दी गई पूरी फीस वापस कर दी जाएगी।

7. आवेदन पत्र के विषय में सभी पत्र ध्यवहार सहायक निदेशक (परीक्षा स्कंद) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान परिचयी ब्लॉक-I, पोस्ट बैग नं. 2, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022 को सम्बोधित करने चाहिए तथा निम्नलिखित विवरण देने चाहिए :—

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना तथा वर्ष
- (3) रोल नम्बर (यदि उम्मीदवार को मिल गया हो)
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा मोटे अक्षरों में)
- (5) आवेदन पत्र में दिया गया डाक पता

इन विवरणों से रहित पत्राचार पर ध्यान नहीं दिया जा सकेगा। इस परीक्षा के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के सभी पत्राचार में अपने लिफाफे पर उम्मीदवार सदा “श्रेणी 2 आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1973” का अवश्य प्रयोग करें।

#### अनुबन्ध

##### उम्मीदवारों को अनुदेश

1. नोटिस के पैरा 3 के अनुसार इस परीक्षा से संबद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन पत्र तथा अन्य कागजात की प्रति सहायक निदेशक (परीक्षा स्कंद) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के कार्यालय में प्राप्त की जा सकती है। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने या निर्धारित शुल्क का भुगतान करने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पास भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में किसी भी अवस्था में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जायगा।

कोई उम्मीदवार जो विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता है उसे अपनी इच्छानुसार क्रम से दो अन्य भारतीय मिशन (जहां वह रहता है उससे भिन्न दूसरे देशों में) के नाम भी विकल्प केन्द्रों के रूप में देने चाहिए प्रशिक्षण संस्थान अपने निर्णय से उसके द्वारा बताए गए तीनों मिशनों में से किसी भी स्थान पर परीक्षा देने के लिए कह सकता है। जो उम्मीदवार विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता है और नियमों के अनुलम्ब 1 के पैरा 3 के अनुसार सामान्य ज्ञान का प्रश्न पत्र और आशुलिपि परीक्षा हिन्दी में देना चाहता है, उसे अपने खर्च पर ही किसी ऐसे अन्य विषय में उपस्थित होने के लिए कहा जा सकता है जहां पर ऐसी परीक्षा आयोजन के प्रबन्ध प्राप्त हों।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र अपने नाम तथा पते की 6 पर्चियों वाला कागज तथा पावती कार्ड अपने हाथ से भरना चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में होने चाहिए रेखिका या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। भरा हुआ आवेदन पत्र तथा पावती कार्ड

सहायक निदेशक (परीक्षा विभाग) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी ब्लाक 1, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम् नई दिल्ली-110022 को भेजना चाहिए ताकि वह नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख से आदि संस्थान को प्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जायगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार तथा लकादिव, मिनिक्वाय एवं अमिनदिवि द्वीपसमूहों में रहने वाले उम्मीदवार से यह संस्थान यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह नोटिस के पैरा 4 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित तारीख के पहले से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार तथा लकादिव, मिनिक्वाय एवं अमिनदिवि द्वीपसमूहों में रह रहा था।

उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में विए गए पृष्ठांकन को भर कर इस संस्थान को सेज देगा।

3. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-प्रपत्र भरते उमय कोई भी क्षूठा व्यौरा न दें और न ही किसी तथ्य को छिपाएं।

4. उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित कागजात आदि अवश्य भेजने चाहिए।

(1) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को रामकृष्णपुरम् (वितरण) डाकघर नई दिल्ली पर देय हों।

(2) (क) आवेदन पत्र देते समय जहाँ वह काम कर रहा है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा उसकी सेवा पंजीकार के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ख) आवेदन पत्र देते समय जहाँ वह नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा 1-8-1970 से आगे की उसके सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि।

(3) उम्मीदवार के आधुनिक फोटो की पासपोर्ट साईज (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) की दो समान प्रतियाँ।

(4) नीचे के पैरा 6 के अन्तर्गत वांछित प्रलेख (जहाँ उपयुक्त हों) ऊपर की मद (1), (2), (3) तथा (4) में विए गए कागजात आदि का व्यौरा निम्नलिखित है:—

(i) निर्धारित शुल्क के रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर:—

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट भुहर रहना चाहिए। सभी पोस्टल आर्डर 'केवल प्राप्त कर्ता लेखा' शब्दों द्वारा काटे गए हों और इस प्रकार भरे जाएः—“सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को रामकृष्णपुरम् (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर देय हों।”

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुद्धपि या कटे फटे पोस्टल आर्डर स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों वे निर्धारित शुल्क की राशि (12-00 रु के अराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए 3-00 रु के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि उस देश में जो भी हो, के कार्यालय में जमा करवाएं, और उनसे कहा जाए कि वे इस राशि को लेखा शीर्ष 21 मिसलेनियस विभाग परीक्षा शुल्क-सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (महालेखापाल केन्द्रीय राजस्थ, नई दिल्ली द्वारा समायोज्य) में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद सेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) (क) आवेदन-पत्र देते समय जहाँ उम्मीदवार नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा उसकी सेवा पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि में उम्मीदवार का पूरा नाम, पिता का नाम (विवाहित स्त्री कर्मचारी की अवस्था में पति का नाम), नागरिकता, अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों की अवस्था में उसकी जाति अथवा वर्ग का नाम, इसी सन् में जन्म तिथि (शब्द सथा अंक दोनों में) शैक्षणिक योग्यताएं तथा उम्मीदवार के हस्ताक्षर का नमूना दिया गया हो।

(ख) आवेदन-पत्र देते समय जहाँ वह नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा 1-1-1970 से आगे के सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि में भेत्तनाम सहित घृत पद तथा वास्तविक, पदोन्नत, स्थायी अथवा अस्थायी पद का रूप दिया हुआ हो।

नोट :—आवश्यक होने पर शिक्षण संस्थान सेवा पंजिका अथवा अन्य प्रमाणित प्रलेख मांग सकता है।

(iii) फोटो की बो प्रतियाँ—उम्मीदवार को अपने आधुनिक फोटो की पासपोर्ट साईज (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) की दो समान प्रतियाँ आवेदन-पत्र में विए गए उचित स्थान पर चिपकानी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर ऊपर की ओर उम्मीदवार के हस्ताक्षर हों।

(iv) शुल्क की छूट और आयु छूट के बावे के पक्ष में नीचे के पैरा 6 के अन्तर्गत वांछित कागजात की प्रमाणित प्रतिलिपि (जहाँ उपयुक्त हो) आवेदन-पत्र के साथ अवश्य ही प्रस्तुत कर्मी चाहिए, अन्यथा फीस माफी अथवा आयु छूट की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र अधूरा या गलत भरा हुआ होगा या उसके साथ ऊपर पैरा 4 के अन्तर्गत कागजात आदि में से कोई एक भी साथ न लगा होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और उस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई कागजात आदि

आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों और उनके न भेजने का स्पष्टीकरण दिया हो, तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और हर हालत में आवेदन-पत्र भेजने की अंतिम तारीख से 15 दिन के भीतर इस संस्थान के कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए अन्यथा आवेदन पत्र रद्द किया जा सकता है।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि जो भी प्रमाण-पत्र आदि वे प्रस्तुत करें, उनकी किसी भी प्रविष्टि में वे कभी भी कोई शुद्धि या परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेर बदल करें, और न ही फेर बदल किए गए प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करें। यदि कोई ऐसी अशुद्धि हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों आदि में कोई असंगति हो तो उस असंगति के बारे में अलग से स्पष्टीकरण देना चाहिए।

6. (i) बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) का विस्थापित व्यक्ति जो नोटिस के पैरा 5(3) के अन्तर्गत फीस माफी और/अथवा नियमों के पैरा 4 ग (II) या 4 ग (III) के अनुसार आयु छूट का इच्छुक है वह या तो दण्डकारण्य प्रयोजना के पारगमन केन्द्र के कैम्प क्षेत्र-डेन्ट से अथवा सहायता कैम्पों के कैम्प कमांडेन्ट से या जहां वह उस समय रहता है उस क्षेत्र के जिला मणिस्ट्रोट से मूल प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को या इसके पश्चात परन्तु 25 भार्च 1971 से पहले भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस छूट चाहता है तो उसे एक मूल प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान सभा के सदस्य से प्रस्तुत करना चाहिए जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह निर्धारित फीस देने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जायेगा।
- (ii) श्री लंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय जो नोटिस के पैरा 5(3) के अन्तर्गत फीस माफी और/अथवा नियमों के पैरा 4 ग (V) या 4 ग (VI) के अन्तर्गत आयु छूट का इच्छुक है वह श्री लंका में भारतीय हाई कमीशन से मूल प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और अक्टूबर, 1964 के भारत श्री लंका के समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या इसके पश्चात भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस छूट चाहता है तो वह एक मूल प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान सभा के सदस्य से प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह निर्धारित फीस देने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।
- (iii) बर्मा से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय जो नोटिस के पैरा 5(3) के अन्तर्गत फीस की छूट और/अथवा नियमों के

पैरा 4 ग (IX) या 4 ग (X) के अन्तर्गत आयु छूट चाहता है वह रंगून में भारतीय दूतावास से मूल परिष्य प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और 1 जून, 1963 को अथवा इसके पश्चात भारत में प्रवेश किया है अथवा जहां वह रहता है उस क्षेत्र के जिला मणिस्ट्रोट से प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को अथवा इसके पश्चात भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस छूट चाहता है तो वह एक मूल प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान सभा के सदस्य से प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह निर्धारित फीस देने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

- (iv) संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी के उम्मीदवार जो नियम 4 ग (iv) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहता है वह जहां उसने शिक्षा प्राप्त की है उस शिक्षा संस्था के प्रिसिपिल से, मूल प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि उसने किसी स्तर पर फँक्चे के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की है।
- (v) संघ राज्य क्षेत्र गोआ, दमन तथा विंगु का उम्मीदवार जो नियम 4 ग (VII) के अधीन आयु सीमा में छूट का दावा करे वह निम्न अधिकारियों में से किसी एक से मूल प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि अपने दावे के पक्ष में प्रस्तुत करे।
  - (1) सिविल प्रशासन के निदेशक,
  - (2) कोनसिल होस के प्रशासक।

- (vi) कीनिया, उगान्डा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तगनिका तथा जंजीबार) से प्रत्यावर्तित व्यक्ति जो नियम 4 ग (VIII) के अधीन आयु में छूट का दावा करे वह जहां रहता है उस क्षेत्र के जिला मणिस्ट्रोट से मूल प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह उपर्युक्त देशों से प्रत्यावर्तित वास्तविक व्यक्ति है।
- (vii) जो उम्मीदवार प्रतिरक्षा सेवाओं में रहते हुए चिक्लांग (अंगहीन) हो गया है और नियम 4 ग (XI) या 4 ग (XII) के अधीन आयु में छूट चाहे वह महानिदेशक, पुनर्वास, प्रतिरक्षा भंडालय से मूल प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि नीचे दिए गए फार्म में प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह किसी विदेशी शास्त्र देश के साथ संबंध में अथवा अर्थात् प्रस्तुत क्षेत्र में सैनिक सेवा करते हुये चिक्लांग हुआ जिसके परिणाम स्वरूप उसे मुक्त कर दिया गया।

उम्मीदवार द्वारा पेश किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म  
प्रमाणित किया जाता है कि श्री.....  
यूनिट ..... रेंक नं. ....  
..... विदेशी शब्द देश के साथ संघर्ष में/अशांति-  
ग्रस्त क्षेत्र\* में मैतिक सेवा करते हुए फौजी कार्रवाई में विकलांग हुआ  
जिसके परिणामस्वरूप उसे मुक्त किया गया।

हस्ताक्षर .....  
नाम .....  
पदनाम .....  
दिनांक .....

\*जो लागू न हो उसे काट दें।

7. ऊपर के पैरा 6 में मांगे गये प्रमाण-पत्रों की प्रतियां निम्न-  
लिखित अधिकारियों में से किसी एक से सत्यापित की जानी  
चाहिए। वे अधिकारी अपने नाम, पद, पूरा पता तथा सत्यापन की  
सिधि लिखें और यदि कोई मुद्दर हो तो उसे अपने हस्ताक्षर के नीचे  
लगा दें :—

- (क) केन्द्रीय या राज्य सरकार के राजपत्रित अधिकारी,
- (ख) संसद् या राज्य विधान सभाओं या दिल्ली मेट्रोपोलिटन  
परिषद् के सदस्य,
- (ग) सब-डिवीजन का मजिस्ट्रेट/अफसर,
- (घ) तहसीलदार या नायब/उप-तहसीलदार,
- (च) उच्च विद्यालय/उच्च माध्यमिक विद्यालय/कालेज/  
संस्थान के प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक,
- (छ) प्रखंड विकास अधिकारी,

8. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत करने का यह बहाना स्वीकार  
नहीं होगा कि आवेदन-पत्र का फार्म ही अमुक तारीख को मिला।  
वस्तुतः आवेदन-पत्र की प्राप्ति से प्राप्तकर्ता परीक्षा में प्रवेश के  
योग्य नहीं बन जाता।

9. यदि किसी को आवेदन-पत्र प्राप्ति की अन्तिम तारीख  
से 15 दिन तक अपने आवेदन-पत्र का पावती-पत्र न मिले तो उसे  
तत्काल प्रशिक्षण संस्थान से सम्पर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा में प्रवेश किए गए हर उम्मीदवार को उसके  
आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी।  
परन्तु यह बताना सम्भव नहीं कि सूचना कब भेजी जाएगी।  
यदि किसी उम्मीदवार को परीक्षा आरम्भ होने की तारीख  
के एक महीने पहले तक उसके आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे  
में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान से कोई पत्र प्राप्त नहीं  
होता तो उसे परिणाम के लिए शीघ्र प्रशिक्षण संस्थान से सम्पर्क  
करना चाहिए। इस उपबंध के अनुपालन न करने पर उम्मीदवार  
अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित रह जाएगा।

11. उम्मीदवार परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए सचिवालय  
प्रशिक्षण संस्थान से कोई भी यात्रा भत्ता पाने के अधिकारी नहीं  
होंगे।

12. सचिवालय प्रशिक्षणशाला बर्तमान सचिवालय प्रशिक्षण  
तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा ली गई श्रेणी-II आशुलिपि  
सीमित विभागीय परीक्षा, 1972 के नियमों और प्रश्न-पत्रों से

सम्बद्ध पुस्तकाओं की प्रतियों की बिक्री मैनेजर आफ, पट्टिल-  
केशन, सिविल लाइन्स, दिल्ली-6, के द्वारा की जाती है और उन्हें  
बहाने से केवल मेल आर्डर द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें  
(1) किताब महल, 14-ए बैरक्स, जनपथ, नई दिल्ली और  
(2) गवर्नरमेंट आफ, इंडिया बुक लिपो, 8, हैस्टिंग्स स्ट्रीट,  
कलकत्ता-1 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये  
पुस्तकायें विभिन्न मुफ्तिस्तल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन  
एजेन्टों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. पते में परिवर्तनम्:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था  
कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे  
गए पत्र आदि आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पते को भेज दिये  
जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन न होने पर संस्थान  
को उसकी सूचना मोटे अक्षरों में छ: परिचयों पर लिखित नये पते के  
साथ नोटिस के पैरा 7 में उल्लिखित व्योरे के साथ यथाशीघ्र दी  
दी जानी चाहिए। यद्यपि संस्थान ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का  
पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी  
स्वीकार नहीं कर सकता।

### सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान

#### मंत्रिमंडल सचिवालय

#### कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

#### नोटिस

प्रेड-II आशुलिपि सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा,

1973

नई दिल्ली-110022, दिनांक 23 जून 1973

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपि सेवा प्रेड-II तथा भारतीय  
विदेश सेवा (ख) के सब-काउर के आशुलिपिकों की श्रेणी-II में  
अस्थायी रिक्तियों पर नियुक्ति करने हेतु सचिवालय प्रशिक्षण तथा  
प्रबन्ध संस्थान मंत्रिमण्डल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक  
सुधार विभाग), नई दिल्ली द्वारा 24 अक्टूबर 1973 को अम्बई,  
कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेश में स्थित कुछ चुने  
हुए भारतीय दूतावासों में एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

#### 2: पावता की शर्तें:

उम्मीदवार स्थायी अथवा नियमित रूप से लगा हुआ अस्थायी  
अधिकारी होना चाहिए जो केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपि सेवा/  
भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के सब-काउर में श्रेणी-  
III आशुलिपि के पद पर काम करता हो और निम्नलिखित शर्तों  
को पूरी करता हो :—

(क) सेवा अवधि : उम्मीदवार केन्द्रीय सचिवालय आशु-  
लिपि सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के सब-  
काउर में 1-8-1973 को श्रेणी-III आशुलिपि के पद पर कम-  
से-कम तीन वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा कर चुका हो।

(ख) आयु : वह 1 अगस्त 1973 को 45 वर्ष से अधिक  
नहीं होना चाहिए। अपरी आयु सीमा में छूट उन्हीं उम्मीदवारों  
की जाएगी जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति  
से सम्बद्ध रखते हों अथवा सरकार द्वारा समय-समय पर अधि-  
सूचित अन्य विशेष श्रेणी के सरकारी कर्मचारी हैं।

(ग) आशुलिपि परीक्षा : उम्मीदवार केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ख) के सब-काडर के श्रेणी-III में पुष्टिकरण अथवा पद पर बने रहने के उद्देश्य के लिए संस्थान की आशुलिपि परीक्षा इस परीक्षा की अधिसूचना की तारीख तक अथवा इससे पहले पास कर चुका होना चाहिए जब तक कि उसे ऐसी छूट प्राप्त न हो।

3. इस परीक्षा के लिए उम्मीदवारों को 12-00 रु० (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति की अवस्था में 3-00 रुपये) फीस देनी होगी।

4. पूरे विवरण तथा आवेदन-पत्र सचिवालय, प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध), पश्चिमी ब्लाक-1, रामकृष्ण-पुरम्, नई दिल्ली-110022 को 1-00 रुपया (रजिस्ट्री द्वारा आवेदन पत्र मंगाने के लिए 2-00 रुपए) के मूल्य के (प्राप्तकर्ता लेखा) शब्दों के साथ काटे गए भारतीय पोस्टल आर्डर और सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को रामकृष्णपुरम् (थितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर देय हों, भेज कर अथवा संस्थान के बिक्री काउंटर पर नकद भुगतान करके 10 अगस्त 1973 तक (विदेश-स्थित अथवा अंडमान एवं निकोबार तथा लक्षद्वीप, मिनिक्वाय, और अमिनदिवि द्वीपसमूहों में रह रहे उम्मीदवार 24 अगस्त 1973 तक) प्राप्त कर सकते हैं। जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र डाक से मंगाना चाहते हैं उन्हे अपने अग्रिम पत्र में “श्रेणी-II आशुलिपि सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1973” ट्यूट लिखना चाहिए और मोटे अक्षरों में अपने नाम तथा डाक पते की तीन पर्चियां भी भेजनी चाहिए। पोस्टल आर्डरों के स्थान पर मनीआर्डर या चैक या करंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

भरे हुए आवेदन-पत्र सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा पृष्ठांकित होकर सहायक निदेशक (परीक्षा विभाग), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध-संस्थान, पश्चिमी खण्ड-1 रामकृष्णपुरम्, पोस्ट वेग सं० 2, नई दिल्ली-110022 को 10 अगस्त 1973 (24 अगस्त 1973 विवेशों में तथा अंडमान, निकोबार, लक्षद्वीप, मिनिक्वाय और अमिनदिवि द्वीपसमूहों में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए। उसके बाद पहुंचने वाले आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

#### संघ लोक सेवा आयोग

##### नोटिस

अनुभाग अधिकारी प्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता  
परीक्षा, 1974

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1973

सं० एफ० 11/3/73-ई-I (बी)---भारत के राजपत्र दिनांक 23 जून 1973, में मंत्रिमण्डल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी प्रेड की 'चयन सूची' में सम्मिलित करने हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा बम्बई, कलकत्ता, विल्ली, मद्रास, मागपुर तथा विदेश-स्थित कूल चुने हुए भारतीय मिशनों में 8 जनवरी 1974 से एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग, यदि चाहे तो परीक्षा के उपर्युक्त लेन्ड्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है।

परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को सूचित किया जाएगा कि उन्हें कहां, किस समय और किन तारीखों को उपस्थित होना है।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर अनुभाग अधिकारी प्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु चयन किए जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या 100 होगी।

उपर्युक्त संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन विकितयों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण एक रुपया देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए और मनीआर्डर कूपन पर उम्मीदवार का नाम और पता तथा परीक्षा का नाम, साफ-साफ बड़े अक्षरों में लिखा होना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चैक या करंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। एक रुपए की यह राशि किसी भी हालत में बापस महीं की जाएगी।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 20 अगस्त 1973 को या उसके पूर्व उपाबन्ध-II में उम्मीदवारों को दिए गए अनुदेशों के अनुसार आवश्यक प्रमाण-पत्र आदि के साथ अवश्य पहुंच जाना चाहिए। उस तारीख के बाद मिलने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

किन्तु विवेशों में अथवा अंडमान एवं निकोबार तथा लक्षद्वीप, मिनिक्वाय, एवं अमिनदिवि द्वीपसमूहों में रहने वाले उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र 3 सितम्बर 1973 तक लिए जायेंगे। (यह उन्हीं व्यक्तियों पर लागू होगा जो 20 अगस्त 1973 के पहले की किसी तारीख से विवेशों में या अंडमान एवं निकोबार तथा लक्षद्वीप, मिनिक्वाय एवं अमिनदिवि द्वीपसमूहों में रह रहे हों।)

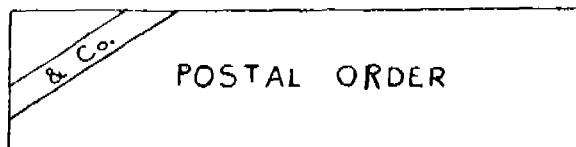
नोट :—आवेदन-प्रपत्र की मांग अथवा आवेदन-पत्र देर से भेजने वाले उम्मीदवार अपने दायित्व पर ही ऐसा करेंगे।

5. निर्धारित शुल्क (वेदिए उपाबन्ध-1) आवेदन-पत्र के साथ भारतीय पोस्टल आर्डरों के द्वारा भेजा जाना चाहिए।

जिस आवेदन-पत्र के साथ निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर नहीं होंगे, उसे एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह भूलपूर्व पूर्वी

पाकिस्तान से आए हुए उम विस्थापित व्यक्तियों पर जो 1 जनवरी 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च 1971 से पूर्व प्रवर्जन कर भारत आए हैं तथा वर्षा और श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से प्रत्यावर्तित उन मूलतः भारतीय व्यक्तियों पर जो क्रमशः 1 जून 1963 तथा 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद भारत आए हैं और जो उपाध्य-1 के पैरा 3 के अनुसार निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं, लागू नहीं होता।

प्रत्येक पोस्टल आईर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए :—



श्रीर इस प्रकार भरा जाए :—PAY TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION AT NEW DELHI GENERAL POST OFFICE.

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि पोस्टल आईरों को रेखांकित किए बिना या उन पर PAY TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION AT NEW DELHI GENERAL POST OFFICE लिखे बिना भेजना सुरक्षित नहीं है। पोस्टल आईरों का पूरा व्यौरा आवेदन-पत्र के कालम 20 में बर्ज कर देना चाहिए।

6. यदि कोई उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजने के बाद इस परीक्षा से अपनी उम्मीदवारी वापस लेना चाहता है तो उसे उस विषय में अपना लिखित अनुरोध सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेज देना चाहिए ताकि वह उनके पास 8 नवम्बर 1973 की या उसके पूर्व अवश्य पहुंच जाए तब इस परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी तथा उसे उपाध्य-1 के पैरा 2 में किए गए उल्लेख के अनुसार शुल्क वापस कर दिया जाएगा।

उपर्युक्त निर्धारित तारीख के बाद आयोग के कार्यालय में प्राप्त होने वाले उम्मीदवारों वापस लेने से संबद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

7. यदि कोई उम्मीदवार 1973 में ली गई अनुभाग अधिकारी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा-परिणाम की प्रतीक्षा किए बिना निर्धारित तारीख तक अपना आवेदन-पत्र भेज देना चाहिए। यदि 1973 के परीक्षा परिणाम के आधार पर उसे चयन सूची में सम्मिलित कर लिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1974 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाध्य-1 के पैरा 2 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता।

8. आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आवि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं और उनमें निम्नलिखित व्यौरा दिया जाए :

- (i) परीक्षा का नाम
- (ii) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (iii) रोल नं० (यदि उम्मीदवार को सूचित कर दिया गया हो)
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता जिन पत्रों आदि में यह व्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। संघ लोक सेवा आयोग को इस परीक्षा के विषय में लिखे जाने वाले प्रत्येक पत्र और उसके लिफाके पर उम्मीदवारों को सबसे ऊपर अनिवार्यतः “अनुभाग अधिकारी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1974” लिख देना चाहिए।

एम० एस० प्रथी

उप-सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

#### उपाध्य-1

##### शुल्क

इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को नीचे लिखे शुल्क का भुगतान अवश्य करें :—

र० 28.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए र० 7.00)।

यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को देय रेखांकित किए भारतीय पोस्टल आईरों के द्वारा भुगतान की जानी चाहिए। आयोग किसी अन्य प्रकार से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा।

2. आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी से संबद्ध किसी भी दावे को नोटिस के पैरा 6 और 7 में दी गई व्यवस्थाओं को छोड़ कर स्वीकार नहीं किया जाएगा और न ही उस शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा। किन्तु यदि आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को जिसने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया है, परीक्षा में प्रवेश नहीं देता है अथवा नोटिस के पैरा 6 और 7 के अनुसार वह उसे अपनी उम्मीदवारी वापस लेने की अनुमति दे देता है तो उसको र० 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों को र० 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

3. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी 1964, को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से भारत आया था।

वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून 1963, को या उसके बाद भारत आया था या वह श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर 1964, को या उसके बाद भारत आया है, और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

### उपाधन-II उम्मीदवारों को अनुबेद

1. इस नोटिस के पैरा 3 के अनुसार इस परीक्षा से संबद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने या निर्धारित शुल्क का भुगतान करने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़ कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पाल भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए केन्द्रों में से एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि कोई उम्मीदवार किसी विवेश-स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो तो उसे अपनी पसंद के ज्ञानुसार दो अन्य भारतीय मिशनों (वह स्वयं जिस देश में है उससे मिल देशों में स्थित) के नाम भी बैकल्पिक केन्द्रों के रूप में देना चाहिए। उम्मीदवार को, आयोग यदि चाहे तो, उसके द्वारा उल्लिखित तीन मिशनों में से किसी भी एक में परीक्षा में बैठने के लिए कह सकता है।

2. (i) उम्मीदवारों को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए, रेखा या विन्दु आदि के द्वारा नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

**नोट :**—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-प्रपत्र के कालम 7 में उस भाषा के नाम का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए जिसमें वे, (i) भारत सरकार सचिवालयों तथा संबद्ध कार्यालयों में क्रियाविधि तथा कार्य प्रणाली, (ii) भारतीय संविधान तथा सरकारी मशीनरी का सामान्य ज्ञान, लोकसभा से संबद्ध कार्य प्रणाली तथा क्रियाविधि और (iii) उक्त परीक्षा की नियमावली के परिणामित के पैरा 4 के अनुसार सामान्य ज्ञान, प्रश्न-पत्रों के उत्तर देना चाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प अन्तिम समझा जाएगा; तथा उक्त कालम में परिवर्तन करने से संबद्ध किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि उक्त कालम में कोई प्रविष्टि नहीं की गई तो यह मान सिया जाएगा कि उक्त पत्र (पत्रों) के उत्तर अंग्रेजी में दिए जाएंगे।

(ii) भरा हुआ आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार तथा लकादिव, मिनिक्षाय एवं अमिनदिवि द्वीपसमूहों में रहने वाले उम्मीदवार से आयोग, यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह नोटिस के पैरा 4 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित तारीख के पहले से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार तथा लकादिव, मिनिक्षाय और अमिनदिवि द्वीपसमूहों में रह रहा था।

उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की माफ़त भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज देगा।

3. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-प्रपत्र भरते समय कोई भी झूठा ब्यौरा न दें और न ही किसी तथ्य को छिपाएं।

4. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र आदि अवश्य भेजने चाहिए :—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर, जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय हों।  
(देखिये उपाधन-I) ।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र ।

(iii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ० × ७ सें. मी. ०) के फ़ोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ। ऊपर की मद (i), (ii) और (iii) में दिए गए प्रमाण-पत्र आदि का ब्यौरा निम्नलिखित है :—

(iv) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर :—

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए। सभी पोस्टल आर्डर रेखांकित किए जाएं और इस प्रकार भरे जाएं :—Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.”

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुद्धित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

**नोट :—**जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 28.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाएं, और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष "XXI Miscellaneous Department Examination Fees — Receipts of the Union Public Service Commission" में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-प्रपत्र के साथ भेजें।

#### (ii) आयु का प्रमाण-पत्र :

**आयोग सामान्यतः** जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण (एक्सट्रेक्ट) में दर्ज की गई हो। अनुदेशों के इस भाग में आए "मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र" के अन्तर्गत इन सभी वैकल्पिक प्रमाण-पत्रों को सम्मिलित समझा जाए।

इस प्रकार उम्मीदवारों को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि आयु के प्रमाण के रूप में मैट्रिकुलेशन का प्रमाण-पत्र हर हालत में भेजना आवश्यक है और आवेदन-पत्र के साथ आयोग को अनिवार्यतः उसकी मूल प्रति, एक प्रतिलिपि के साथ भेजी जानी चाहिए।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवार को मैट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष प्रमाण-पत्र के असिरिकत उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की मूल प्रति, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, भेजनी चाहिए जहाँ से उसने मैट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के वाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र में दी गई आयु से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

**नोट 1 :—**जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे इस प्रमाण-पत्र की मूल प्रति के साथ केवल आयु से संबद्ध प्रतिलिपि वाले पृष्ठ की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

**नोट 2 :—**उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

**नोट 3 :—**जिन विस्थापित लोगों के मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र की मूल प्रति पाकिस्तान में खो गई हो, उन्हें संबद्ध विश्वविद्यालय से उसकी अनुलिपि मंगवा लेनी चाहिए। यदि वे संबद्ध विश्वविद्यालय से मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र की अनुलिपि न मंगवा सकते हों तो उन्हें विश्वविद्यालय के उस गजट का उद्धरण भेजना चाहिए जिसमें उनके परीक्षा परिणाम प्रकाशित हुए हों। इस उद्धरण में जन्म की तारीख लिखी होनी चाहिए और यह रजिस्ट्रार या हैडमास्टर द्वारा प्रमाणित होनी चाहिए।

**नोट 4 :—**जो उम्मीदवार पहले से ही स्थायी सरकारी नौकरी में हैं, उसकी सेवा-पुस्तिका की प्रविष्टियों को जन्म की तारीख के प्रमाणस्वरूप किया जा सकता है।

#### (iii) फोटो की दो प्रतियां :

उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें०मी० × 7 सें०मी०) के फाटो की एक जैसी दो प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्यी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थायी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

5. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 4(ii) और 4(iii) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक न संग होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रमाण-पत्र आदि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आवेदन-पत्र भेजने की अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि जो भी प्रमाण-पत्र आदि वे प्रस्तुत करें उनकी किसी भी प्रविष्टि में वे कभी भी कोई शुद्धि या परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेरबदल करें, और न ही फेरबदल किए गए प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करें। यदि कोई अशुद्धि हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों आदि में कोई असंगति हो तो उस असंगति के बारे में अलग से स्पष्टीकरण देना चाहिए।

6. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस ज़िले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, ज़िला अधिकारी या उपमण्डल अधिकारी या निम्नांकित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे संबद्ध राज्य गवर्नर ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए कार्य में प्रमाण-पत्र लेकर, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, प्रस्तुत करना चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता-पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस ज़िले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पहों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का कार्य :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\* —  
मुपुत्र/मुपुत्री/श्री\* —  
जो गांव/कस्बा\* —  
ज़िला/मण्डल\*

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\* —  
के/की\* निवासी हैं — जाति/  
आदिम\* जाति के/ की\* हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति\* के रूप में मान्यता दी गई है :—

बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966 के साथ पठित अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956\*।

संविधान (जमू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956\*।

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1959\*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962\*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1962\*।

मंविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964\*।

संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967\*।

संविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968\*।

संविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1968\*।

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1970\*।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\* — और/या\*  
उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा\* —  
ज़िला/मण्डल\* — राज्य/संघ राज्य  
क्षेत्र\* — में रहते /रहती\* हैं।

दस्तावेज़ —  
\*\*पदभाग —  
(कार्यालय की ओहर)

स्थान —

तारीख —

राज्य

### संघ राज्य क्षेत्र\*

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट :—यहां आम तौर से रहते/रहती हैं या का अर्थ वही होगा जो “स्प्रेजेटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950” की धारा 20 में है।

\*\*अनुसूचित जाति/आदिम जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) ज़िला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त ज़िला मैजिस्ट्रेट/क्लेक्टर/छिटी कमिशनर/ऐडीशनल छिटी कमिशनर/छिटी क्लेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीज़नल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर। (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)।

(ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीज़नल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर (लाकादिव तथा मिनिक्वाय द्वीप-समूह)।

7. (i) उपाध्यक्ष 1 के पैरा 3 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, और 1 जनवरी, 1964, को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 के पूर्व भारत आया है :—

(1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।

(2) उस क्षेत्र का ज़िला मैजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।

- (3) सम्बद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ।
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन सम्बद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर ।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता ।

उसे किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है ।

(ii) उपावन्ध-1 के पैरा 3 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिया गया इस आशय का मूल प्रमाण-पत्र, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, प्रस्तुत करना चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है । उसकी किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है ।

(iii) उपावन्ध 1 के पैरा 3 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, भारतीय राजदूतावास रंगून, द्वारा दिया गया मूल पहिचान प्रमाण-पत्र, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिया गया एक प्रमाण-पत्र यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है । उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है ।

(iv) नियम 4(i) और या नियम 4(2)(अ) के नीचे दिए गए नोट के अनुसार इस परीक्षा में प्रवेश के लिए पास्ता का वापा करने वाले उम्मीदवार को अपने आवेदन-प्रपत्र के साथ रक्षा मंत्रालय से लिया गया प्रमाण-पत्र उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि उसने 26 अक्टूबर, 1962, के बाद संशस्त्र सेनाओं में सेवा आरम्भ की थी । इस प्रमाण-पत्र में संशस्त्र सेनाओं में उसके सेवा आरम्भ करने की वास्तविक तारीख तथा संशस्त्र सेनाओं से उसके प्रत्यावर्तन की तारीख लिखी होनी चाहिए ।

(v) (i) नियम 4 (2) (ग) की मद (ii) अथवा (iii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राविकारियों में

से किसी एक से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी 1964, को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भारत आया था :—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट ।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है ।
- (3) सम्बद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ।
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन सम्बद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर ।
- (5) उप-शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता ।

(vi) नियम 4 (2) (ग) की मद (i) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को उस शिक्षा संस्था के प्रिसिपल से, जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त की है, लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि उसने किसी स्तर पर फैंच के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की है ।

(vii) नियम 4 (2) (ग) की मद (v) अथवा मद (vi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय उम्मीदवार को श्री लंका (भूतपूर्व लंका) में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए, कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है ।

(viii) नियम 4 (2) (ग) की मद (vii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनियां, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार) से आए हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से, जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है, लिया गया मूल प्रमाण-पत्र उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है ।

(ix) नियम 4 (2) (ग) की मद (viii) अथवा मद (ix) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय उम्मीदवार को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा जारी किया गया मूल पहिचान प्रमाण-पत्र, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिया गया एक प्रमाण-पत्र यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है ।

(x) नियम 4 (2) (ग) की भाव (x) अथवा मद (xi) के अच्छेंगत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वसन्, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिए हुए निर्धारित फार्म पर लिया गया मूल प्रमाण-पत्र उसकी एक प्रतिलिपि के साथ यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशान्तिग्रस्त धोका में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुआ और उसके परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुआ।

**उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट के रैक सं—**

रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/ अशान्तिग्रस्त धोका में\* फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए।

### हस्ताक्षर

पद नाम

तारीख

\*जो शब्द लाग न हो उसे कृपया काट दें।

8. ऊपर के पैरा 4 (II), 6 और 7 में उल्लिखित मूल प्रमाण-पत्र (उनकी प्रतिलिपियों के साथ) अवश्य भेजे जाने चाहिए। आयोग मूल प्रमाण-पत्रों के बिना इन प्रमाण-पत्रों की अभिप्रमाणित या किसी अन्य प्रकार की प्रतियोगीकार नहीं करता।

ऊपर के पैरा 4 (II), 6 और 7 के अनुसार भेजे गए सभी मूल प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना वेते समय लौटा दिये जाएंगे। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने प्रमाण-पत्रों को आयोग के पास भेजने से पहले उनकी अभिप्रमाणित प्रतियोगी अपने पास रखलें। आयोग आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना भेजने के पूर्व इन प्रमाण-पत्रों को न तो लौटा सकता है और न ही उनकी अभिप्रमाणित प्रतियोगी भेज सकता है, चाहे उम्मीदवार को उनकी आवश्यकता किसी भी काम के लिए क्यों न हो।

यदि उम्मीदवार ऊपर के पैरा 4(ii), 6 और 7 में उल्लिखित प्रमाण पत्रों को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली गयी किसी और परीक्षा के संबंध में पहले ही भेज चुका हो, और उन्हें अभी उसे तक लौटाया नहीं गया हो तो उसे अपना आवेदन पत्र भेजते समय यह बात लिख देनी चाहिए और यदि हो सके तो प्रत्येक प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि भी साथ भेजनी चाहिए। यदि प्रमाण पत्र आयोग के पास न हो तो, चाहे उम्मीदवार इस आयोग द्वारा ली गयी किसी अन्य परीक्षा में पहले बैठा हो या नहीं, उसे आवेदन पत्र के साथ प्रमाण-पत्र भेजने चाहिए। यदि कोई प्रमाण-पत्र आवेदन के साथ न भेजा जा सके तो आवेदन पत्र में उसे न भेजने का उचित कारण अवश्य लिखा जाना चाहिए।

9. आवेदन पत्र देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जायगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमूक तारीख को भेजा गया था। आवेदन प्रपत्र का भेजा जाना ही

स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखरी तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एकनालिजमेन्ट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

11. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथार्थीग्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के आरम्भ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को उपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. पिछले बर्षों में ली गई परीक्षाओं के नियमों और प्रमूल-पत्रों से संबद्ध पुस्तिकाओं की प्रतियोगी की बिक्री मैनेजर आफ पब्लिकेशन, सिविल लाइसेंस, दिल्ली (110006) के द्वारा होती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर द्वारा सीधे अथवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, 14 जनपथ, बैरकस 'ए' नई दिल्ली-(110001) (ii) प्रकाशन-शास्त्र की बिक्री काउंटर उद्योग भवन, नई दिल्ली-(110001) और (iii) गवर्नरमेन्ट आफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्तस्तर नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उम्मीदवारों को संघ लोक सेवा आयोग से कोई यात्रा भत्ता नहीं मिलेगा।

14. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-ध्यानालय :—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग और स्पष्टपुर शूउत्स, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए।

### 1. परीक्षा का नाम

2. परीक्षा का भागीदार और वर्ष

3. रोल नंबर (यदि उम्मीदवार को सूचित कर दिया गया हो)।

4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)

5. आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-ध्यानालय का पता

ध्यान दें :— जिन पत्रों आदि में यह व्यौरा नहीं होगा

संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जायगा।

15. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था करनेवाली चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 14 में

उस्तुति भ्यूरो के साथ विज्ञापन की जानी चाहिए। यथोपायोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

### विज्ञापन सं० 25

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1973 को निर्धारित आयु सीमाओं के अन्तर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़ कर जिनके संबंध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से और विस्थापित लोगों तथा बर्मी और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य टेंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रव्रजन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से सुयोग्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रांतीय वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करते समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं मद-संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रस्तेक पद के लिए कम से कम  $23 \times 10$  सें० मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफ्काफ़ा भेजना चाहिए। लिफ्काफ़े पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रव्रजन कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद क्रमशः बर्मी और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ़ कर सकता है जो यर्थतः निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-प्रपत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन प्रपत्र न मिलने पर सादे कागज पर आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अवेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर सहित, आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अन्तिम तारीख 23 जुलाई, 1973 विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार

लकादिव, मिनिकवाय एवं अमिनदिबी डीपसम्भुहों में रहने वाले आवेदकों के लिए 6 अगस्त, 1973 है। ऊपरी रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम-संख्या 7 का एक पद स्थायी है। क्रम संख्या 1 का पद स्थायी है। किन्तु नियुक्ति 5 वर्ष की संविधान/पद विधि के आधार पर की जाएगी। क्रम-संख्या 10 के चार पद और क्रम संख्या 2 का पद स्थायी है किन्तु नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। क्रम संख्या 16 का पद अस्थायी है किन्तु उसके स्थायी कर दिए जाने की संभावना है। क्रम-संख्या 7 का एक पद और क्रम-संख्या 3, 5, 6, 8, 9, 11, 12 तथा 17 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 13 का पद अस्थायी है किन्तु उसके चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 10 के दो पदों और क्रम-संख्या 4, 14 तथा 15 के पद अस्थायी हैं।

क्रम-संख्या 12 का पद, यदि ऐसे उम्मीदवार मिलते हों तो अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है अन्यथा उसे अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 10 का एक स्थायी पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। क्रम-संख्या 7 का स्थायी पद और क्रम-संख्या 10 का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उनके न मिलने पर अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 2 का पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उनके न मिलने पर अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों लिए आरक्षित रहेगा और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 11 का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उसके लिए केवल वे ही आवेदन करें। क्रम-संख्या 13 का पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उसके लिए केवल वे ही आवेदन करें क्रम-संख्या 5 के पद के लिए केवल महलिया उम्मीदवार ही आवेदन करें।

1. एक मिश्रक, भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण, शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय वेतन :- रु० 1600-100-1800। आयु :- 50 वर्ष। योग्यताएः अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मानवविज्ञान में "डॉक्टरेट" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) मानवविज्ञान के क्षेत्र में आधुनिक पढ़तियों तथा प्रविधियों में अनुसंधान का लगभग 12 वर्ष का अनुभव। (iii) मानवविज्ञान के क्षेत्र में प्रकाशित कार्य से युक्त महत्वपूर्ण योगदान का प्रमाण।

2. एक अतिरिक्त सरकारी अधिकारी, केन्द्रीय अभिकरण अमुमान, विधि कार्य विभाग, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय। वेतन:- रु० 1300-60-1600-100-1800। आयु-सीमा :— 45 वर्ष। योग्यताएः अनिवार्य :— (i) कम से कम 8 वर्ष से उच्च न्यायालय अथवा उच्चतम न्यायालय

का अधिवक्ता जो उच्चतम न्यायालय की कार्य प्रणाली एवं क्रिया विधि से परिचित हो। अथवा कम से कम 8 वर्ष से बढ़िए, या कैलेक्टर उच्च न्यायालय का न्यायवाची जिसे किसी विष्यात न्यायाभिकर्ता फर्म का व्यवहारिक अनुभव हो, तथा उच्चतम न्यायालय में प्रैक्टिस करने का अधिकार प्राप्त हो। अथवा कम से कम 8 वर्ष से राज्य न्यायिक सेवा का अधिकारी रहा हो। (ii) समय समय पर संशोधित उच्चतम न्यायालय नियमावली, 1966 की व्यवस्था के अन्तर्गत उच्चतम न्यायालय के अभिलेख में अधिवक्ता के रूप में पंजीकृत अवश्य हो।

3. एक सहायक (विधि), विधायी विभाग, विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय। वेतन :— रु० 210-10-270-15-300-द० रो०-15-450-द० रो०-20-530। आयु-सीमा :— 30 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कानून में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता (ii) किसी राज्य के विधि विभाग में विधि कार्य का कम से कम 3 वर्ष का अनुभव हो अथवा केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी हो जिसे विधि कार्य का कम से कम 4 वर्ष का अनुभव हो अथवा अर्हता प्राप्त वकील हो।

4. एक खान सुरक्षा उपनिवेशक, खान सुरक्षा महानिवेशालय, धनबाद, अम और रोजगार विभाग, अम और पुम्बासि मंत्रालय :— वेतन :— रु० 900-40-1100-50-1400। आयु-सीमा :— 40 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से खान विद्या में डिग्री अथवा भारतीय खान शाला, धनबाद से खान इंजीनियरी में डिप्लोमा। (ii) खान प्रबंधक का प्रथम श्रेणी का प्रमाण-पत्र तथा खान विद्या में डिग्री/डिप्लोमा प्राप्त करने के सिलसिले में अधीत/अर्जित प्रशिक्षण/अनुभव सहित खान कार्य का लगभग 6 वर्ष का व्यवहारिक अनुभव जिसमें वरीयतः बहुत तथा यंत्रोक्त भूमिगत खानों में प्रबंधक या अवर प्रबंधक (सहायक प्रबंधक) की हैसियत से अथवा यदि उम्मीदवार के पास खान प्रबंधक का प्रथम श्रेणी का सक्षमता प्रमाण-पत्र हो तो खान सुरक्षा के सहायक निवेशक की हैसियत से कम से कम दो वर्ष का अनुभव सम्मिलित हो।

5. सिविल इंजीनियरी की एक महिला आड्याता, महिला पालीटेक्नीक, तकनीकी शिक्षा निवेशालय, विल्सी प्रशासन, विल्सी। वेतन :— रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950। आयु-सीमा :— 40 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) लगभग एक वर्ष का व्यावसायिक/अध्यापन का अनुभव।

6. एक सहायक इंजीनियर (यांत्रिक), उत्पादन तथा प्रशिक्षण केन्द्र, जी० बी० पंत पालीटेक्नीक, ओडिशा, नई विल्सी, तकनीकी शिक्षा निवेशालय, विल्सी प्रशासन, विल्सी। वेतन :— रु० 350-25-500-30-830 द० रो० -35-900। आयु-सीमा :— 35 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि विज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) सस्य विज्ञान कार्य का लगभग 3 वर्ष का अनुभव, अथवा (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि विज्ञान या समवर्गी विषयों में एम० एस-सी० डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।

अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) जिस तथा औजारों के निर्माण के लिए अधिकल्पन और आरेखन का लगभग दो वर्ष का अनुभव।

7. दो सहायक इंजीनियर (वैद्युत), विल्सी नगर निगम। वेतन :— रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु-सीमा :— 30 वर्ष। सरकारी कर्मचारियों तथा दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों को छूट दी जा सकती है। योग्यताएँ : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैद्युत इंजीनियर में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) दो वर्ष का व्यावसायिक अनुभव।

8. एक सहायक अनुदेशक (नौका निर्माण), केन्द्रीय मरस्य प्रबर्ती संस्थान, कोचीन, कृषि मंत्रालय। वेतन :— रु० 325-15-475 द० रो० 2-0-575। आयु-सीमा :— 35 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :— किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से नौ वास्तुकला में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। अथवा (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से वास्तुकला या इंजीनियरी में डिप्लोमा। (ii) नौका निर्माण में लगभग 5 वर्ष का अनुभव।

9. एक प्राविधिक सहायक (यंत्र-व्यवस्था) (Instrumentation), ट्रैक्टर प्रशिक्षण तथा परीक्षण केन्द्र, ट्रैक्टर नगर, बुदनी (सध्य प्रदेश), कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग)। वेतन :— रु० 325-15-475-20-575। आयु-सीमा :— 30 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :— किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलैक्ट्रॉनिक इंजीनियरी/यंत्र प्रौद्योगिकी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। अथवा किसी मान्यताप्राप्त संस्था से यंत्र प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता तथा साथ में स्वतः मापन एवं नियन्त्रण के लिए इलैक्ट्रॉनिक या विद्युत यंत्रों के संस्थापन, अशंशोधन (Calibration) तथा अनुरक्षण का तीन वर्ष का अनुभव।

10. छ: अनिज विज्ञानी (कनिष्ठ), भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण, इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)। वेतन :— रु०-400-40-800-50-950। आयु-सीमा :— 35 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी या भूविज्ञान या प्रयुक्त भूविज्ञान में 'मास्टर' डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता अथवा भारतीय खान शाला धनबाद से प्रयुक्त भूविज्ञान में डिप्लोमा। (ii) एक्स-किरण और स्पैक्ट्रम विज्ञान तथा अनिज अध्ययन की अन्य विज्ञान में लगभग 3 वर्ष का अनुभव जिसमें इन विधाओं में अनुसंधान का अनुभव सम्मिलित हो।

11. एक सस्यविज्ञानी, विल्सी प्रशासन, विल्सी। वेतन :— रु०-350-25-500-30-590-द० रो० -30-800-द० रो० 30-830-35-900। आयु-सीमा :— 35 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि विज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) सस्य विज्ञान कार्य का लगभग 3 वर्ष का अनुभव, अथवा (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि विज्ञान या समवर्गी विषयों में एम० एस-सी० डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।

(ii) सस्य विज्ञान कार्य का लगभग एक वर्ष का अनुभव ।

12. जीव रसायन विज्ञान का एक आख्याता (गैर-चिकित्सा संबंधी), जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी । वेतन :—रु०-530-30-650 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएँ : अनिवार्य :—  
(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से जीव रसायन विज्ञान में 'मास्टर' डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) विश्वविद्यालय की कक्षाओं में पढ़ाने का लगभग 3 वर्ष का अनुभव । (iii) अनुसंधान कार्य में प्रशिक्षण का अनुभव ।

13. एक बरिष्ठ प्राधिकिक सहायक (रासायनिक उर्वरक), कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) । वेतन :—रु० 325-15-475-द० रु०-20-575 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से प्रमुख विषयों के रूप में कृषि रसायन विज्ञान या सस्य विज्ञान के साथ कृषि विज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) उर्वरक प्रयोग का लगभग तीन वर्ष का अनुभव । अथवा (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान या कृषि रसायन विज्ञान या सस्यविज्ञान में 'मास्टर' डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) उर्वरक-प्रयोग का लगभग एक वर्ष का अनुभव ।

14. एक निवेशक (परियोजना आयोजन एवं प्रशिक्षण), योजना आयोग । वेतन :—रु० 1300-60-1600-100-1800 । आयु-सीमा :—45 वर्ष । योग्यताएँ : अनिवार्य :—  
(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र या व्यवसाय प्रशासन में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता (ii) किसी उद्योग/अनुसंधान/संस्थान/विश्वविद्यालय/सरकारी विभाग में दायित्वपूर्ण पद पर (अनुसंधान एवं विशेषज्ञता सहित) लगभग 7 वर्ष का अनुभव । (iii) प्रबंध आयोजन तथा नियंत्रण परियोजना आयोजन तथा विकास जिसमें व्यवहार्यता विश्लेषण, परियोजना व्यवहार आदि सम्मिलित हो की आधुनिक पद्धतियों तथा प्रविधियों का पूर्ण ज्ञान तथा इन पद्धतियों तथा प्रविधियों के व्यावहारिक प्रयोग का अनुभव ।

15. एक अवर सचिव (हिन्दी), वित्त मंत्रालय (बैंकिंग विभाग) । वेतन :—रु० 900-50-1250-। आयु-सीमा :—45 वर्ष । योग्यताएँ अनिवार्य :— (i) (क) डिग्री स्तर पर अंग्रेजी विषय के साथ हिन्दी में "मास्टर" डिग्री अथवा डिग्री स्तर पर एन्छिक विषय के रूप में हिन्दी के साथ अंग्रेजी में "मास्टर" डिग्री । (ख) संस्कृत में प्रयोगित अभिनियेश । अथवा डिग्री कक्षाओं में हिन्दी और अंग्रेजी विषयों के साथ संस्कृत में "मास्टर" डिग्री । (ii) अध्यापन, अनुसंधान या हिन्दी में साहित्यिक कार्य, जो हिन्दी में प्रकाशित लेखों द्वारा दृष्टि हो और/या अंग्रेजी से हिन्दी से और हिन्दी से अंग्रेजी में अनुकाद कार्य का कम से कम 8 वर्ष का अनुभव ।

16. एक भंडार अधिकारी, बैंक नोट प्रेस देवास (मध्य प्रदेश) वित्त मंत्रालय । वेतन :—रु० 590-30-830 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएँ : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यता

प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) किसी सरकारी विभाग या सार्वजनिक निकाय या विष्यात निजी प्रतिष्ठान में वस्तु-सूची नियंत्रण के अनुभव सहित मांग पत्र तैयार करने, चीज खरीदने तथा उनको संभाल कर रखने तथा भंडार लेखा रखने का दायित्वपूर्ण हैमियत से लगभग 5 वर्ष का अनुभव ।

17. एक निश्चेतना विज्ञानी, जनरल अस्पताल में अस्पताल प्रस्त्रोतर कार्य कम के अंतर्गत, चंडीगढ़, चंडीगढ़ प्रशासन । वेतन :—रु० 350-25-500-30-590/30-830/35-900 तथा साथ में वेतन के 33½ प्रतिशत की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएँ : अनिवार्य :— भारतीय मैडिकल काउंसिल अधिनियम, 1956, की प्रथम या द्वितीय अनुसूची में अथवा तृतीय अनुसूची के भाग II में निबद्ध (लाइसेंशिएट योग्यताओं को छोड़ कर) मान्य मैडिकल योग्यता । तृतीय अनुसूची के भाग II में निबद्ध शैक्षिक योग्यताओं से युक्त उम्मीदवारों को भारतीय मैडिकल काउंसिल, अधिनियम, 1966, की धारा 13(3) में निर्धारित शर्तों को भी पूरा करना होगा । (ii) किसी बड़े अस्पताल में निश्चेतना विज्ञान से संबद्ध दो वर्ष का अनुभव । अथवा निश्चेतना विज्ञान में मान्य डिग्री या डिप्लोमा ।

अनुभाग अधिकारी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1974

केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की चयन सूची में व्यक्तियों को सम्मिलित करने के लिए संघर्ष लोक सेवा आयोग द्वारा 8 जनवरी, 1974, से एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी । यह परीक्षा केवल उन विभागीय उम्मीदवारों के कुछ वर्गों के लिए है जो केन्द्रीय सचिवालय सेवा के सहायक ग्रेड में नियुक्त हैं । पूर्ण विवरण तथा आवेदन-प्रपत्र सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, से रु० 1.00 के मनी-आर्डर द्वारा अथवा आयोग के कांउटर पर एक रुपया नकद देकर प्राप्त किए जा सकते हैं । उम्मीदवारों को मनीआर्डर कूपन पर "अनुभाग अधिकारी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1974" स्पष्ट रूप से लिखना चाहिए तथा अपना नाम और पत्र व्यवहार का पूरा पता साफ अक्षरों में लिखना चाहिए । मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे । भरेहुए आवेदन-प्रपत्र संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 20 अगस्त, 1973 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार और लकादिव, मिनिक्वाय एवं अमिनिविवी द्वीपसमूहों में रहने वाले उम्मीदवारों से 3 सितम्बर, 1973) तक अवम्य पहुंच जाने चाहिए ।

एम० एम० टामस,

सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग ।

**UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION***New Delhi-11, the 31st May 1973*

No. A 32013/1/73-*Admn.I.*—Shri B. N. Addy, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, *vide* this office Notification No. A 32013/1/73-*Admn.I* dated 16th April, 1973, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 15th May, 1973.

2. On his reversion, Shri B. N. Addy, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 15th May, 1973.

*The 5th June 1973*

No. A 12022/4/72-*Admn.I.*—On completion of his tenure as Secretary, Union Public Service Commission, the services of Shri Rajendra Lal, a permanent officer of the Selection Grade of the Central Secretariat Service, are placed at the disposal of Ministry of Defence with effect from the forenoon of 28th May, 1973.

*The 8th June 1973*

No. A 32013/1/73-*Admn.I.*—Shri S. V. Venkatraman, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service Cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service *vide* this office Notification No. A 32013/1/73-*Admn.I* dated 16th April, 1973, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 15th May, 1973.

2. On his reversion, Shri S. V. Venkatraman resumed charge of the Office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 15th May, 1973.

N. B. MATHUR  
*Under Secretary*  
Union Public Service Commission

*New Delhi-110011, the 31st May 1973*

No. A 32014/1/73-*Admn.III.*—In continuation of this office notification of even number dated the 15th March, 1973, the President is pleased to appoint Shri Dhanish Chandra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period from the 2nd May, 1973 to the 30th June, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

No. A 32014/1/73-*Admn.III.*—The President is pleased to appoint Shri N. R. Mehra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period of 48 days from the 14th May, 1973 to the 30th June, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

N. B. MATHUR  
*Under Secretary*  
(Incharge of Administration)  
Union Public Service Commission

*New Delhi-110011, the 5th June 1973*

No. A 32013/1/73-*Admn.I.*—The President is pleased to appoint Shri N. B. Mathur, a permanent officer of the Selection Grade of the Central Secretariat Stenographers' Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Central

Secretariat Service for a period of 55 days from 14-5-1973 to 7-7-1973.

M. M. THOMAS  
*Secretary*  
Union Public Service Commission

**CABINET SECRETARIAT****(Department of Personnel and Administrative Reforms)****Central Bureau of Investigation***New Delhi-1, the 6th June 1973*

No. 3/4/73-*AD.V.*—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri Chintamani Sharma, an IPS officer of Uttar Pradesh Cadre as Superintendent of Police, Special Police Establishment (CBI) Lucknow with effect from the forenoon of the 23rd May, 1973, until further orders.

No. D-1/73-*AD.V.*—The Director, C.B.I. and I.G.P., S.P.E. appoints Shri D. R. Chauhan a deputationist from Himachal Pradesh State Police as Dy. S.P. in the CBI in a temporary capacity with effect from the forenoon of 7-5-1973, until further orders.

G. L. AGARWAL  
*Administrative Officer (E)*  
Central Bureau of Investigation

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS****Directorate General, Central Reserve Police Force***New Delhi-110001, the 2nd June 1973*

No. O.II-205/69-*Ests.*—While proceeding on 60 days leave preparatory to retirement, Shri C. S. Bisht an officer of U.P. State Police on deputation to the CRP Force, relinquished charge of the post of Assistant Commandant (Second-in-Command) 25th Bn. CRP Force on the afternoon of 11-5-1973.

2. On the expiry of his leave, he will be deemed to have retired from Govt. service w.e.f. 10th July, 1973 (AN) on attaining the age of superannuation in his State.

*The 7th June 1973*

No. O.II-281/69-*Ests.*—On his premature retirement from Govt. service after attaining the age of 50 years, Shri Maloom Singh relinquished charge of the post of Dy. SP (Coy Comdr.) 33rd Bn. CRP Force on the afternoon of 23rd April, 1973.

2. Shri Maloom Singh shall be deemed to have retired from Govt. service on the afternoon of 23rd April, 1973.

No. O.II-12/73-*Ests.*—The President is pleased to appoint on deputation Shri P. J. Joseph an IPS Officer of Orissa cadre as DIGP in the CRP Force in a temporary capacity.

2. He took over charge of the post of DIGP (Hqrs.) in the office of the IGP Sector II, CRP Force, Calcutta on the forenoon of 25th May, 1973.

S. N. MATHUR  
*Assistant Director (Adm.)*

**Office of the Inspector General  
(Central Industrial Security Force)***New Delhi-110003, the 1st June 1973*

No. E-38013(3)/11/73-*Ad.I.*—Inspector S. K. Arora, is appointed to officiate as Assistant Commandant No. 2nd Battalion, Central Industrial Security Force, Rasayani (Colaba), with effect from the afternoon of 16th April, 1973.

*The 6th June 1973*

No. E-29018(2)/5/73-*Ad.J.*—Shri C. D. Kukreti, Assistant Commandant No. 4 Battalion, Central Industrial Security Force, Durgapur relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 1st May, 1973, and assumed the charge of the post of Deputy Superintendent of Police, Central Industrial Security Force with Headquarters at Durgapur with effect from the same date.

No. E-31013(2)/11/73-*Ad.J.*—Shri K. P. Nayek, Inspector is appointed to officiate as Assistant Commandant No. 1 Battalion, Central Industrial Security Force with Headquarters at Durgapur with effect from the forenoon of 5-5-1973.

*The 7th June 1973*

No. E-38013(3)/2/73-*Ad.J.*—On transfer to Madras, Shri M. Balakrishnan, Assistant Commandant No. 10 Battalion, Central Industrial Security Force, Hyderabad, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 11-5-1973 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant No. 6 Battalion, Central Industrial Security Force with Headquarters at Madras with effect from the forenoon of 18th May, 1973.

*The 7th June 1973*

No. E-38013(3)/14/73-*Ad.J.*—Inspector Ajit Singh, is appointed to officiate as Assistant Commandant No. 20 Battalion Central Industrial Security Force, with Headquarters at Bailadila (Bacheli) with effect from the afternoon of 26th April, 1973.

L. S. BISHT  
Inspector General

#### NORTHERN RAILWAY

##### Office of the Chief Auditor

New Delhi, the 7th June 1973

No. 51/Adminn-1/48 KW.—The Chief Auditor, Northern Railway is pleased to appoint Shri Ram Lal Thareja, Officiating Audit Officer in a substantive capacity in the Audit Officers' grade with effect from 25-11-1966.

J. R. RAO  
Dy. Chief Auditor

#### MINISTRY OF DEFENCE

##### Indian Ordnance Factories Service

##### Directorate General, Ordnance Factories

Calcutta, the 30th May 1973

No. 21/73/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri T. P. Sundaram, Offg. Deputy Manager (Substantive Foreman) retired from service w.e.f. 7th Nov. 1972.

M. P. R. PILLAI  
Asstt. Director General, Ordnance Factories

#### MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 8th June 1973

No. 6(152)/62-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. S. B. Chandola, Transmission Executive, All India Radio, Bombay to officiate as Programme Executive at the same Station on an *ad hoc* basis with effect from the afternoon of the 10th May, 1973 and until further orders.

SHANTI LAL  
Deputy Director of Administration,  
for Director General

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th May 1973

No. 13-7/73-CHS.I.—In this Directorate Notification No. 13-7/73-CHS, dated 30-3-73, the name of 'Dr. (Kum.) S. Pandit', occurring therein, may be substituted by 'Dr. (Kum.) S. A. Pandit'.

*The 8th June 1973*

No. 29-27/73-CHS.I.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. Jamal Yosuf as Junior Medical Officer in the Central Government Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of the 26th April, 1973 on an *ad hoc* basis until further orders.

No. 29-35/73-CHS.I.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. P. K. Julka as Junior Medical Officer in the Safdarjung Hospital, New Delhi with effect from the forenoon of the 5th April, 1973 on an *ad hoc* basis until further orders.

No. 29-39/73-CHS.I.—The Director General of Health Service hereby appoints Dr. S. M. Valecha as Junior Medical Officer in the Central Government Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of the 28th April, 1973 on an *ad hoc* basis until further orders.

S. C. KUMAR  
Deputy Director Administration (CHS)

New Delhi, the 7th June 1973

No. 11-2/73-*Admn.I.*—The president is pleased to appoint Shri K. C. Misra a permanent officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S. to officiate in Grade I of the C.S.S. for 61 days from the forenoon of the 14th May, 1973 to the afternoon of the 13th July, 1973 or till a select list Officer or a senior Non-select Officer becomes available whichever is earlier.

The President is also pleased to appoint Shri K. C. Misra as Deputy Director (Admn.), in the Directorate General of Health Services, New Delhi, for the aforesaid period.

No. 11-7/73-*Admn.I.*—The President is pleased to appoint Shri Augustine Surin, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the Central Secretariat Service (of the cadre of the Ministry of Works and Housing) to officiate in Grade I of the Central Secretariat Service from the forenoon of the 17th March, 1973, until further orders.

The President is also pleased to appoint Shri Augustine Surin as Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services from above date.

R. N. SAXENA  
Deputy Director Administration

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Br. A-6)

New Delhi, the May 1973

No. A6/247(94)/57.—Consequent on the revocation of the order of suspension in respect of Shri H. L. Ghosh, Inspecting Officer, Shri H. L. Ghosh, has assumed charge of the post of Inspecting Officer in the office of the Director of Inspection, Calcutta on the forenoon of 27-4-1973.

VIDYA SAGAR  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies and Disposals

**MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION**

**(Department of Labour and Employment)**  
**Coal Mines Labour Welfare Organisation**

Jagjiwan Nagar, the 4th May 1973

No. Admn.13(176)71.—Consequent on the acceptance of her resignation, Dr. (Mrs.) Manjulika Burman, Junior Medical Officer, Central Hospital, Asansol relinquished charge on the afternoon of 30-9-1972.

R. P. SINHA  
*Coal Mines Welfare Commissioner,*  
*Dhanbad*

**DIRECTOR GENERAL OF MINES SAFETY**

Dhanbad, the 4th June 1973

No. 4(3)72-Adm. I/7279.—The following Officers of the Directorate-General of Mines Safety are hereby confined in the post of Assistant Director of Mines Safety with effect from the dates shown against each.

Name of Officer	Name of post	Date of confirmation
1. Shri R.S. Agrawal	Asstt. Director of Mines Safety	30-4-71
2. Shri Durgapada Bhattacharjee	Do.	31-1-72

Sd. Illigible  
*Director General of Mines Safety*

**MINISTRY OF COMMERCE**

**Office of the Textile Commissioner**  
*Bombay, the 5th June, 1973*

No. EST-I-2(583).—The president is pleased to appoint w.c.f. the forenoon of 14th May, 1973 and until further orders Shri A. K. Hira, Assistant Director, Grade-I (P&D) in the Regional Office of the Textile Commissioner, Bombay as Deputy Director (P&D) in the same Office.

P. N. KAPUR  
*Textile Commissioner*

**MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT**

**(Department of Industrial Development)**  
**Office of the Development Commissioner**

**Small Scale Industries**

New Delhi, the 31st May 1973

No. A19018/38/73-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri M. A. Khan (quasi-permanent Small Industry Promotion Officer) on deputation to Small Industry Extension Training Institute, Hyderabad to officiate as Assistant Director (Gr. II) in S.I.E.T., Bombay until further orders. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the Forenoon of 6th March, 1973.

K. V. NARAYANAN  
*Deputy Director (Admn)*

**MINISTRY OF WORKS & HOUSING**

New Delhi, the 7th June 1973

No. F.34-1/68-TA(Estt).—Shri Rajendra Prakash Bansal, Research Assistant is appointed to officiate as

Assistant Economist/Assistant Sociologist in the Town and Country Planning Organisation in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 with effect from the afternoon of the 2nd June, 1973 until further orders. He will be on probation for a period of two years from the date of his appointment.

P. PRABHAKAR RAO  
*Chairman*

**CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION**

**(Power Wing)**

New Delhi-22, the 2nd June 1973

No. 6/1/73-Adm.II(PW).—The Chairman, Central Water & Power Commission hereby appoints Shri Ram Kishore Aggarwal, Supervisor (Graduate Engineer) to the grade of Asstt. Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the afternoon of 2nd April, 1973 until further orders.

M. S. PATHAK  
*Under Secretary  
for Chairman*

**(Water Wing)**

New Delhi-22, the 5th June 1973

No. A-19012/312/72-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-19012/310/72-Adm.V, dated 17-2-1973, the Chairman, Central Water and Power Commission, hereby appoints Shri R. N. Choudhury to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) in the scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900, on a purely temporary and *ad hoc* basis for a further period of 3 months with effect from 30-4-1973 or till such time as the Union Public Service Commission's nominees join whichever is earlier.

No. A-19012/312/72Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A 19012/312/72-Adm.V, dated 17-2-1973, the Chairman, C.W. & P.C. (W.W.) hereby appoints Shri M. P. Namboodri to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the C.W. & P.C., in the scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900, on a purely temporary and *ad hoc* basis for a further period of 3 months with effect from 26-4-1973 or till such time as the UPSC's nominees join, whichever is earlier.

The 6th June 1973

No. 19012/402/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri M. Subba Reddy, a temporary Supervisor to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Commission on a purely temporary and *ad hoc* basis. He will be entitled to draw his grade pay as Supervisor plus 10% allowance while employed as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) on an *ad hoc* basis, with effect from 1-5-1973 (F.N.) until further orders.

Shri M. Subba Reddy took over charge of the office of Assistant Engineer, Gauging Sub-Division, Bagalkot under Central Gauging Circle, Central Water and Power Commission (Water Wing) with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON  
*Under Secretary  
for Chairman, C.W. & P. Commission*

**Central Ground Water Board***Faridabad, the 4th June 1973*

No. 3-293/73-Estt.II.—Shri Tadlmari Gooty Firozuddin is hereby appointed to officiate as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Class II (Gazetted) in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 in the Central Ground Water Board with his Headquarters at Chandigarh with effect from 17-4-1973 (forenoon) till further orders.

D. PANDEY  
Superintending Engineer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY****Rajasthan Atomic Power Project***Kota, the 4th June 1973*

No. RAPP/04621/(6)/73-Adm/R/217.—Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project, hereby appions Shri D. B. Pasrija, an Accountant in the Department of Atomic Energy, as Accounts Officer in this Project at Plant Site in a temporary capacity with effect from the afternoon of 15-5-1973 until further orders.

O. P. BATRA  
Administrative Officer (Estt.)

**MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION****India Meteorological Department***New Delhi-3, the 5th June 1973*

No. E(I)07324.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri P. S. Batar, tempy. Professional Assistant, office of the Director, Agrimet, Poona, as Assistant Meteorologist, in the Indian Meteorological service, Class II (Central Service, Class II) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 90th April, 1973.

Shri Batar remains posted in the office of th Director, Agrimet, Poona.

*The 8th June 1973*

No. E(I)03907.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. L. Joshi, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a perlod of eighty-seven days with effect from the forenoon of 3-5-1973 to 28-7-1973.

Shri R. L. Joshi, officiating Assistant Meteorologist remains posted at the Regional Meteorological Centre, Bombay.

No. E(I)04122.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. D. Tenpe, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre Nagpur as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty seven days with effect from the forenoon of 3-5-1973 to 28-7-1973.

Shri K. D. Tenpe, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur.

No. E(I)04159.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri H. S. Roy Burman, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of Seventy two days with effect from the forenoon of 18-5-1973 to 28-7-1973.

Shri Roy Burman officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(I)04190.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. C. Basu, Professional

Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty seven days with effect from the forenoon of 3-5-1973 to 28-7-1973.

Shri A. C. Basu, Offg. Assistant Meteorologist has been transferred to the office of Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona with effect from the forenoon of 3-5-1973.

No. E(1)04226.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. L. Sharda, Professional Assistant, H.Q., Office of the Director General of Observatories, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of seventy two days with effect from the forenoon of 18-5-1973 to 28-7-1973.

Shri K. L. Sharda, Offg. Assistant Meteorologist remain posted to the Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)04239.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. Kamalaker, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty seven days with effect from the forenoon of 3-5-1973 to 28-7-1973.

Shri M. Kamalaker, Offg. Assistant Meteorologist remain posted in the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur.

C. G. BALASUBRAMANYAN  
Meteorologist

for Director General of Observatories

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION***New Delhi, the 2nd June 1973*

No. A32013/2/72EA.—The President is pleased to grant proforma promotion to Shri G. V. Shandilya, at present on deputation to the International Airport Authority of India, to the grade of Senior Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department, in an officiating capacity, with effect from the 1st November, 1972 and until further orders.

S. L. KHANDPUR  
Asstt. Director of Admn.  
for Director General of Civil Aviation

*New Delhi, the 4th June 1973*

No. A32013/3/73-EC.—The President is pleased to appoint Shri S. Jayaraman, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Madras as Technical Officer on *ad hoc* basis in the Office of Controller of Communication, Madras with effect from 21-3-1973 (FN) to 1-5-1973 (FN) vice Shri K. C. Pal, Technical Officer, Regional Office, Madras granted leave.

S. EKAMBARAM  
Deputy Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation

**OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE***Bombay, the 30th April 1973*

No. 1/299/73-EST.—Shri T. B. S. Velu, officiating Superintendent, Bombay Branch, who was appointed as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity, against a short-term vacancy, at the New Delhi Branch with effect from the forenoon of the 11th December, 1972 and until further orders *vide* this office Notification No. 1/299/72-EST. dated the 28th December, 1972 has been reverted to his substantive post of Superintendent at Bombay Branch on the afternoon of the 3rd February, 1973.

*The 4th June 1973*

No. 1/299/73-EST.—The Director General Overseas Communications Service hereby appoints Shri T. B. S. Velu, Officiating Superintendent, Bombay Branch as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity at the Army Branch for the period from the 20th March, 1973 to the 19th May, 1973 (both days inclusive).

M. S. KRISHNASWAMY  
Administrative Officer  
for Director General

**OFFICE OF THE CONTROLLER OF INSURANCE**

*Simla-4, 22nd May 1973*

No. Ins.42(7)Adm/72.—The services of Shri S. Parthasarthy, Officiating, Senior Examiner in this office, have been placed at the disposal of the General Insurance Corporation of India, Bombay, with effect from the afternoon of the 12th April, 1973.

2. He handed over charge of the post of the Senior Examiner in this office on the afternoon of the 17th March, 1973 and was directed to report for duty to the Managing Director, General Insurance Corporation of India, Bombay after the expiry of his leave from 20-3-1973 to 12-4-1973 and after availing of the usual joining time with effect from 13-4-1973 to 24-4-1973.

G. H. DAMLE  
Controller of Insurance

**SECURITY PAPER MILL**

*Hoshangabad, the 5th June 1973*

No. 7(23)/1853.—In continuation of this office Notification No. 7(23)/12038 dated 12-3-1971, the undermentioned Officers who have been holding the post of Assistant Works Managers on *ad hoc* basis are hereby appointed as Assistant Works Manager w.e.f. 5-3-1971 on a regular basis.

1. Shri R. R. Rao.
2. Shri M. Padmanabhan.
3. Shri I. J. Bundhiraja.

No. 7(22)/1854.—In continuation of this office Notification No. 7(22)/12039 dated 11-3-1971 Shri A. K. Ghosh who has been holding the post of Assistant Chief Chemist on *ad hoc* basis is hereby appointed as Assistant Chief Chemist w.e.f. 5-3-1971 on a regular basis.

P. S. SHIVARAM  
General Manager

**NORTHERN RAILWAY HEADQUARTERS OFFICE**

*New Delhi, the 2nd May 1973*

No. 15.—The following Asstt. Engineers (Class II) of this Railway have retired finally from Railway Service from the dates noted against each:—

1. Shri Asa Singh—28-2-1973 A.N.
2. Shri H. G. Gupta—28-2-1973 A.N.

G. S. PARAMESWARAN  
General Manager

**COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE**

*Kanpur, the 21st April 1973*

No. 20/73.—Shri D. N. Gaur, Superintendent Central Excise (Class I) proceeded on 13 days. Earned leave w.e.f. 12-3-1973 to 24-3-1973 with permission to prefix 2nd Saturday and Sunday falling on 10th & 11th March

19—118GI/73

1973 and to suffix Sunday falling on 25-3-1973. He returned from leave and took over the charge of Superintendent (Tech.) relieving Shri P. N. Saxena, Superintendent Central Excise (Class II) of the additional charge on 26-3-1973 forenoon.

J. DATTA  
Collector

**OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES**

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
The Azad-Hind Jewellery Mart Private Limited*

*Trivandrum, the 8th June 1973*

No. 113/560/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of The azad-Hind Jewellery Mart Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Assistant Registrar of Companies

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. ACQUISITION RANGE-I  
CALCUTTA

*Calcutta, the 5th June 1973*

No. C-33/TR-311/CAL-1/72-73.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 226A situated at Rashbehari Avenue, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at The Registrar of Assurances No. 5, Government Place North Calcutta-1 on 11-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) (a) Shri Samudra Narayan Chowdhury (b) Shri Kesheb Narayan Chowdhury (Transferee).

(2) Manindra Chandra Dey (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Back portion of premises No. 226A Rashbehari Avenue demarcated and divided back portion measuring about 5 Katta 23 Sft. with one storied building.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range-I)  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Date : 5-6-73.

Seal :

\*(Strike off where not applicable)

#### FORM ITNS —

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. ACQUISITION RANGE-I

CALCUTTA

Calcutta, the 5th June 1973

No. C-16/CAL-1/72-73.—Whereas, I. S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 226A situated at Rashbehari Avenue, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at the Registrar of Assurances No. 5, Government Place North Calcutta-1 on 11-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) (a) Shri Samudra Narayan Chowdhury (b) Shri Kesheb Narayan Chowdhury (Transferor).

(2) Shri Manindra Chandra Dey (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Divided and demarcated front portion of premises No. 226A. Rashbehari Avenue Calcutta, measuring about 6 Kattas 15 Chattaks & 6 Sft. with one stories brick built building.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range-I)  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Date : 5-6-73.

Seal :

\*(Strike off where not applicable)

#### FORM ITNS —

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 1/B, LALBAGH HIGH ROAD CROSS,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 8th June 1973

No. CR.62/138/72-73ACQ(B).—Whereas, I. B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent

authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2459 situated at A Division, Extension, Channapatna, Bangalore District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Channapatna on 11-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. Madhava Rao s/o Krishna Rao, Proprietor, Gajendra Bhavan, Mahatma Gandhi Road, Channapatna. (Transferor).
- (2) Shrimati Nagarathnamma, wife of Sri H. S. Siddegowda, of Huluvadi, Malur Hobli, Channapatna taluk, Bangalore District (Transferee).
- \* (3) Shrimati Nagarathnamma (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing door no. 2459, A Division, Extension, Channapatna, bounded by east vacant site, west by

road leading to Fort, North site of Sri Srinivasa Rao and south by house of Sri Prakash.

B. MADHAVAN  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Bangalore)

Date : 8-6-1973

Seal :

\*(Strike off where not applicable)

#### FORM ITNS —————

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 1/B, LALBAGH HIGH ROAD CROSS, BANGALORE-27

The 8th June 1973

No. CR.62/150/72-73ACQ(B).—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 476 Kajamahal vias Extension, Bangalore situated at Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 8-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Ashwini S. Ruia 96, Nepean Sea Road, Bombay-6. (Transferor).
- (2) Shri (a) K. N. Srinivasan, 4, Malini, Laxmi Road, Bangalore 27 and (b) A. D. M. Krishnan, 85, III Main, Vyalikaval Extension, Bangalore-3. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a

period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant site bearing no. 476 situated in Rajamahal Vilas Extension, Bangalore.

B. MADHAVAN  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Bangalore)

Date : 8-6-1973

Seal :

#### FORM ITNS —

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 1/B, LALBAGH HIGH ROAD CROSS, BANGALORE-27

The 8th June 1973

No. CR.62/159/72-73ACQ(B).—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No. 80, Railway Parallel Road, Kumara Park West, Bangalore-20 situated at Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on 13-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in term of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri J. B. Mallaradhya, 50 Kumara Park West, Bangalore-20. (Transferor).
- (2) Shrimati (a) Vijayalakshmi, wife of Shri B. R. Hangaswamy, 9/8, 1 Block, Kumara Park West, Bangalore-20 and (b) Smt. M. Nirmala Kumari wife of Shri B. R. Laxmipathi, 9/8 1 Block, Kumara Park West, Bangalore-20. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing door No. 80, Railway Parallel Road, Kumara Park West, Bangalore-20, with land, building, out-house and garage and boundary walls.

B. MADHAVAN  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Bangalore)

Date : 8-6-1973

Seal :

#### FORM ITNS —

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 1/B, LALBAGH HIGH ROAD CROSS, BANGALORE-27

The 8th June 1973

No. CR.62/181/72-73ACQ(B).—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding its Rs. 25,000/- and bearing No. 1346/28 situated at 32nd Cross, T-Block, Jayanagar, Bangalore-11. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore-11 on 11-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than thirteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

- (1) Shri V. Srinivasa Rao 122, VI Cross, Chamarajpet, Bangalore-18. (Transferor).
- (2) Shrimati Sashirekhemma, wife of Shri N. V. Gopalakrishnaiah, Junior Engineer, Vivekananda Road, Mandya, (Mysore State), (Transferee.)
- "(3) Shri G. Gupta, General Merchant (Person(s) in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All the vacant land and building bearing House No. 1346/28 on 32nd cross, T Block, Jayanagar, Bangalore-11.

B. MADHAVAN  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Bangalore)

Date : 8-6-1973

Seal :

(Strike off where not applicable)

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 1/B, LALBAGH HIGH ROAD CROSS, BANGALORE-27

The 8th June 1973

No. CR.62/262/72-73ACQ(B).—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29/1 D'Castro Square Cooke Town, Bangalore-5 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore on 11-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than thirteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

- (1) Shri G. M. Krishna Murthy, 10/1, Abdul Hafiz Road, Cox Town, Bangalore-5, (Transferor).
- (2) Shri K. M. Thomas and Smt. Mercy Thomas, P.O. Box 1308, KITWE, ZAMBIA (Transferee)
- (3) Shri K. Babu (Person(s) in occupation of the that Chapter.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing No. 29/1, D'casta Square, Cooke Town, Bangalore-5 with land and building attached to it.

**B. MADHAVAN**  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Bangalore)

Date : 8-6-1973

Seal :

#### FORM ITNS —

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 1/B, LALBAGH HIGH ROAD CROSS, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 8th June 1973

No. CR.62/488/72-73ACQ(B).—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site No. 20 situated at behind State Bank of India Building, Sri Jayachamarajendra Wodeyar Road, Bangalore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore, on 28-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Bhagawani Devi Malpani wife of Shri P. C. Malpani, and Smt. Kanta Devi Malpani, wife of Shri K. K. Malpani, 2 Madhavanagar Extension, Bangalore-1. (Transferor).
- (2) Shri (1) T. Sreenivasa Setty, s/o Sri J. G. Thimmiah Setty, Srinivasa Jewellery Mart, 27, Chowdeswari Temple Street, Bangalore-2. AND (2) Shri G. Alexander, Goldsmith, s/o Sri Ganaprkasham, 81, Anchepet, Bangalore-2. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections—

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property consisting of vacant site bearing Site no. 20 in Division No. 38, behind State Bank of India building, on J. C. Road, Bangalore, bounded on the east by twenty feet passage and also site of Sri T. Sreenivasa Setty, on the west by property of Sri G. Alexander, on the north by 20' Government road (Public cross road) and on the south by property of Sri H. H. Rahman Shariff.

**B. MADHAVAN**  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Bangalore)

Date : 8-6-1973

Seal :

\*(Strike off where not applicable)

#### FORM ITNS —

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 1/B, LALBAGH HIGH ROAD CROSS, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 8th June 1973

No. CR.62/416/72-73ACQ(B).—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,

Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 83/3 (Old No. 155/1-41), 4th Main Road, Malleswaram, Bangalore-3 situated at Malleswaram, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore on 7-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri H. V. Sathyanarayana Saraswathipuram, Mysore City. (Transferor).
- (2) Smt. M R. Manibai c/o Navanath and Co., 9, Ekambara Sahuji Lane, Bangalore 2A. (Transferee).
- (3) 1. Sri P. N. Raman, 2. Sri Vijaya Vittal (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATIONS :** The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing door No. 83/3 (old No. 155/1-41), IV, Main Road, Malleswaram, Bangalore

B. MADHAVAN

Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Bangalore)

Date : 8-6-1973

Seal :

\*(Strike off where not applicable)

#### FOR ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, 1 FLOOR, N.T.R. ESTATE, J. N. ROAD, HYDERABAD (500001)

Hyderabad-500001, the 6th June 1973

No. RAC.2/73-74—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-1-230/10 situated at Vivek Nagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dist. Registrar's Office, Hyderabad during the fortnight ended on 31-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. Vijayam, H. No. 1-1-230/10 Vivek Nagar, Hyderabad-20 (Transferor).
- (2) Shrimati K. Eswaramma, W/o. Shri K. Savana Goud H. No. 1-4-404, Bholapur, Secunderabad (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Double Storeyed building bearing No. 1-1-230/10, Vivek Nagar, Hyderabad. Area 48'×81'-432 sq. yds. East :—House No. 1-1-230/11 belonging to Shri Kutumba Sastri.

West :—House No. 1-1-230/9 belonging to Shri A. K. Murthy.

North :—30' C.C. Road.

South :—House No. 1-1-230/13/1 belonging to Shri Madhav Rao Naidu.

**S. BALASUBRAMANIAM**

*Competent Authority*

*Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad*

Date : 8-6-1973

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, I FLOOR, N.T.R. ESTATE, J. N. ROAD, HYDERABAD (500001)**

*Hyderabad-500001, the 6th June 1973*

No. RAC.3/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-21/1 situated at Basheerbagh Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dist. Registrar's Office, Hyderabad on 14-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Ahalva Devi, W/o. Shri J. R. Reddy, 3-6-21/1 2, Smt. Ansuya Devi W/o Shri Gopal Basheerbagh, Hyderabad. (Transferor).
- (2) Shri L. Mankiant S/o Shri Gokuldas Karla, 3-6-27/8 Basheerbagh, Hyderabad 2, Shri Harish, S/o. Shri Gokuldas Karla, 3-6-27/8 Basheerbagh, Hyderabad (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 3-6-21/1 Basheerbagh, Hyderabad

**S. BALASUBRAMANIAM**

*Competent Authority*

*Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad*

Date : 6-6-1973

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, I FLOOR, N.T.R. ESTATE, J. N. ROAD, HYDERABAD (500001)**

*Hyderabad-500001, the 6th June 1973*

No. RAC.4/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 5-8-43 situated at Fathe Sultan Lane, Nampally Station Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dist. Registrar's Office, Hyderabad on 23-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sharimati Aktharunnisa Begum, D/o, Shri Abdul Aziz Khan H. No. 12-2-827, Mehdipatnam, Hyderabad. (Transferor).
- (2) Shri Mirza Hameed Baig, Mirza Saleem Baig, Mirza Mohsin Baig, Mirza Vaseem Baig, S/o. Shri M. A. Baig 6-1-347 Khairatabad, Hyderabad. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 5-8-43 Fathe Sultan Lane, Nampally station Road, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-6-1973

Seal :

\*Strike off where not applicable

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, 1 FLOOR, N.T.R. ESTATE, J. N. ROAD, HYDERABAD (500001)

The 6th June 1973

No. RAC.5/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-22/69 situated at Adarsh Co-operative Housing Society Ltd. Adarshnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dist. Registrar's Office, 20—116GI/73

Hyderabad on 5-2-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jithendra Rao, Vidvasagar Rao, Ashok kumar Rao, Sureshkumar Rao, Maheshkumar Rao. All sons of V. Rakeshwar Rao 5-9-22/69 Adarshnagar, Hyderabad-4 (Transferor).
- (2) Shri Suresh S. Bhalerao, Rai Rayan Devdi, Shahali Banda, Hyderabad-4. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building bearing Municipal No. 5-9-22/69 Adarsh Co-operative Housing Society Ltd. Adarshnagar, Hyderabad.

North :—Neighbours property.

South :—Plot No. 105 with building thereon

East :—Neighbours property.

West :—30' wide road.

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-5-1973

Seal :

\*Strike off where not applicable.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, I FLOOR, N.T.R. ESTATE, J. N. ROAD

Hyderabad-500001, the 6th June 1973

No. RAC6/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-430 situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dist. Registrar's Office, Hyderabad on 4-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) B. K. Nityanand, Municipal Park, Dimalguda, Hyderabad. (Transferor).
- (2) Shrimati M. Pramila W/o M. Venkatesham C/o Shri T. Badriah, Richgung H. No 21-1467, Hyderabad. (Transferee)

\*(3) Post Master General, Andhra Pradesh, Hyderabad. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House bearing Municipal No. 6-430, Himayathnagar, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-6-1973

Seal :

\*Strike off where not applicable.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, I FLOOR, N.T.R. ESTATE, J. N. ROAD

Hyderabad-500001, the 8th June 1973

No. RAC7/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-8-528/27 situated at Chakkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dist. Registrar's Office, Hyderabad on 8-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vinaya Rao, Chikkadpally, Hyderabad. (Transferor).
- (2) Shri Harikishen, Chellapura, Hyderabad. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATIONS :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of House No. 1-8-528/27 Chikkadpally, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-6-1973

Seal :

\* Strike off where not applicable.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, I FLOOR, N.T.R.  
ESTATE, J. N. ROAD

Hyderabad-500001, the 8th June 1973

No. RAC. 8/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-1949 situated at Gunfoundry, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dist. Registrar's Office, Hyderabad on 5-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vincent Isacs, H. No. 5-9-1049/1 Gunfoundry, Hyderabad. (Transferor).
- (2) Shri M. A. Hafeez, 5-7-361, Agapura, Hyderabad. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 5-9-1049 Gunfondry, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-6-1973

Seal :

\* Strike off where not applicable.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, I FLOOR, N.T.R.  
ESTATE, J. N. ROAD

Hyderabad-500001, the 8th June 1973

No. RAC. 9/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-5-53 situated at Farhatnagar, Outside Dabeerpura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Azampur, Hyderabad on 28-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the Notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Syed Shah Sabir Hussaini H. No. 16-5-52, Outside Dabeerpura, Hyd. (Transferor).
- (2) Shri Syed Shah Mazher Hussaini, H. No. 16-5-53, Outside Dabeerpura, Hyd. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 16-5-53 (Double Storeyed) Farhatnagar, Outside Daberpura, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-6-1973

Seal :

\*Strike off where not applicable

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, I FLOOR, N.T.R. ESTATE, J. N. ROAD, HYDERABAD (500001)

Hyderabad-500001, the 8th June 1973

No. RAC.10/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 10-1-542/1 to 8 situated at Entrenchment Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Secunderabad on 21-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. Yelliah S/o. Babiah, Excise Contractor, 4-449 Darga Road, Gulbarga. (Transferor).
- (2) S/Shri R. R. Gupta, R. L. Agarwal, East Nehru Nagar, 10-1-542/9. Secunderabad (Transferee).
- (3) S/Shri K. S. Sethy, ECIL; 2. Radhakrishnan, Defence Auditor; 3. Mohan Mekan Dyes. 4. Ramchandar; 5. M. T. Gopalan all through Smr. Shyamadevi Gupta. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 10-1-542/1 to 8, Area 163.64 sq. yds. = 136.82 sq. mts. at Entrenchment Road, Secunderabad.

N. Road

S. Rathiah's Block

E. Road

W. H. No. 10-1-542/940.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-6-1973

Seal :

\*Strike off where not applicable.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, I FLOOR, N.T.R. ESTATE, J. N. ROAD, HYDERABAD (500001)

Hyderabad, 500001, the 12th June 1973

No. RAC.11/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-7-559 & 560 situated at Begum Bazar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dood Bowli, Hyderabad on 4-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Syed Moinuddin Alias Moinpasha, (S/o. Sri Haji Syed Yaseen Saheb, H. No. 14-5-403, Begum Bazar, Hyderabad. (Transferor).
- (2) Shrimati Jamna Bai W/o. Shri Kishanlal Yadav, H. No. 14-4-220, Baidarwadi, Begum-bazar, Hyderabad. (Transferee).
- \*(3) Shri 1. Dharamdas. 2. Ramesh. (\*Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Double Storeyed Muliges bearing Municipal Nos. 15-7-559 & 560, Begum Bazar, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-6-973

Seal :

\*Strike off where not applicable.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, 1 FLOOR, N.T.R. ESTATE, J. N. ROAD, HYDERABAD (500001)

Hyderabad-500001, the 12th June 1973

No. RAC.No. 13/73-74---Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1073/1-128 situated at Mallapur Village, Hyderabad East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad-East on 30-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. I.A.L& Co. I.A. Indersen Reddy S/o A. V. Narayan Reddy R/o. Villula Village, Dt. Karimnagar. 2. A. Asif Osman S/o. Mohd. Osman R/o. H. No. 6-3-789, Ameerpet, Hyderabad. 3. B. Lalithapershad S/o. Baile Lachmaiah R/o. Naryanguda H. No. 3-4-612/1 Hyderabad. 4. G. Murali Manohar Reddy S/o. G. Ganga Reddy, R/o. Mortahad Village Tq. Armoor, Dist. Nizamabad. (Transferor).
- (2) M/s. Kisan Cement Pipe Co. Mallapur Village, Neer Mouiali, Hyderabad. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Factory with compound wall in S. No. 174 Area 4 Ac. 32 g. or 1.94 hectare No. 1073/1-128 at Mallupur Village, Hyderabad East.

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-6-973

Seal :

Strike off where not applicable.

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, I FLOOR, N.T.R. ESTATE, J. N. ROAD, HYDERABAD (500001)

Hyderabad-500001, the 12th June 1973

No. RAC. No. 14/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 10-1-591 & 592 situated at Maredpally Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Secunderabad on 12-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dr. C. Appalachary S/o Late C. Narasimha Chary 2. Sri C. Narasimhachary S/o Dr. C. Appalachary R/o S. M. C. 4 & 5, Maredpally, Secunderabad. (Transferor)
- (2) Shri C. Ramachary, S/o Dr. C. Appalachary, S. M. C. 4 & 5, Maredpally, Secunderabad (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

H. No. 10-1-591 & 592, Maredpally, Secunderabad.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-6-973

Seal :

Strike off where not applicable

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, I FLOOR, N.T.R. ESTATE, J. N. ROAD, HYDERABAD (500001)

Hyderabad-500001, the 12th June 1973

No. RAC. No. 15/73-74.—Whereas, J. S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 3-6-135 situated at Hyderguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Dist. Registrar's Office, Hyderabad on 8-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dr. C. Appalachary S/o. Late C. Narasimha Chary, 2, Sri C. Narasimhachary S/o. Dr. C. Appalachary R/o. S.M.C. 4 & 5, Maredpally, Secunderabad. (Transferor).
- (2) Shri C. Ramachary, S/o. Dr. C. Appalachary, S.M.C. 4 & 5, Maredpally, Secunderabad. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. 10-1-591 & 592, Maredpally, Secunderabad.

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-6-1973

Seal :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, I FLOOR, N.T.R. ESTATE, J. N. ROAD, HYDERABAD (500001)

Hyderabad-500001, the 12th June 1973

No. R.A.C.No.15/73-74.—Whereas, I. S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 3-6-135 situated at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Distt. Registrar's Office, Hyderabad on 8-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consid-

eration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Zaheerunnisa Begum W/o. Mir Azheruddin Husain, 2. Sri Mir Moizuddin, S/o Mir Azheruddin Moizuddin, 3. Smt. Rafia Begum W/o. Kalooq-uz-Zama Farooque, 4. Smt. Fouz Begum W/o Syed Ziauddin Quadri, 5. Raquia Begum D/o. Mir Azheruddin Hussain, Residents of H. No. 3-6-134, Hyderguda, Hyderabad. (Transferor).
- (2) Shri Prahlad Kumar S/o. Rai Anjanipershad, H. No. 7-1-216, Ameerpet, Hyderabad. (Transferee).
- (3) The Secretary, Board of Intermediate Education, Andhra Pradesh, Hyderabad. (person in occupation of the property).
- (4) Heel Mohini House No. 494/2 RT/L2 L.I.G.H. Sanjeevareddy Nagar Colony, Hyderabad-500038. (person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 3-6-135 situated at Hyderguda, Hyderabad, Area 740.74 sq. mts.

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Hyderabad

Date : 12-6-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, I FLOOR, N.T.R. ESTATE, J. N. ROAD, HYDERABAD (500001)

Hyderabad-500001, the 12th June 1973

No. RAC.No.16/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No 5-2-301 & 302 situated at Plot No. 40, Hyderabad, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Secunderabad on during fortnight ended 15-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/ht P. Chiranjeevi Rao. 2. P. Purnachandra Rao. 3. P. Srinivasa Rao. 4. R. Premjatha. 5. Kousalyamma. 6. P. Balakrishna. 7. P. Muralikrishna. 8. P. Vijayakumar. 9. P. Mohanakrishna R/o. 4 & 40, Hyderabad, Secunderabad. (Transferor).
- (2) Shri Ganesh Yarn Trading Co. (G. Nagoba Mahankali Temple, Secunderabad. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5-2-301 & 302 on Plot No. 40 Hyderbasti, Secunderabad.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-6-1973.

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 11th June 1973

No. F.126/72-73/R-II.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing door No. —situated at Six grounds in Puliyur bearing R. S. No. 327/1 (Part) T.S.No. 48, Block No. 28. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908(16 of 1908) in the office of the registering officer at Kodambakkam on 10-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mrs. M. Pankajam, W/o. Late Dr. M. S. Giri 2. Mrs. M. Sulochana Devi. 3. Mrs. M. Niramala. 4. Mrs. M. Koteswara Rao. 5. Mr. M. Hanumantha Rao. 6. Mrs. M. Jagamohini. 7. Mr. M. Chelabathu Rao. 8. Mr. M. Lakshminarayam. (Transferor).
- (2) Indian Institute of Engineering Technology, Arcot, Road Kodambakkam, Madras-74. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Six Grounds in Puliyur bearing R. S. No. 327/1(Part) T.S. No. 48, Block No. 28.

**A. RAGHAVENDRA RAO**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-2  
Madras-6

Date : 11th June, 1973

Seal :

\*(Strike off where not applicable)

#### FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 6th June 1973

No. AP.13/I.A.C.A.R.-IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, I.A.C., Acqn. Range IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot No. 119-B, T.P.S.No. 5, situated at Santa Cruz, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 14-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration (herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian

Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tarachand Surajmal Mehta, 79/80, Ghodbunder Road, Bombay-50. (Transferor).
- (2) Smt. Zubeda Abdulla Mohammed, Aqdas Mahal, Motlibai Street, Bombay-11. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 119B, T.P.S. No. 5 of Santa Cruz, Bombay, admeasuring 682 sq. metres.

**G. S. RAO**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-IV  
Bombay

Date : 6-6-1973

(Seal)

\*(Strike off where not applicable)

#### FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 6th June 1973

No. AP.11/I.A.C.A.R.IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, I.A.C., Acqn. Range IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 119-A, T.P.S.No. 5, situated at Santa Cruz, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 13-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Hazaribai Zakaria Aghadi, Hanjer Villa, 5, Club Back Road, Bombay-8. (Transferor).
- (2) Smt. Zubeda Abdulla Mohammed, Aqdas Mahal, Motlibai Street, Bombay-11. (Transferee).
- (3) Shri Abbas Bhai Abdeali, Esq. & Others. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 119-A, T.P.S. 5, of Santa Cruz, Bombay, admeasuring 826 sq. metres.

G. S. RAO

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-IV  
Bombay

Date : 6-6-1973

(Seal)

(Strike off where not applicable)

### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-29, the 6th June 1973

No. AP.12/IAC.A.R.-IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, I.A.C., Acqn. Range IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 119-B, T.P.S.No. 5, situated at Santa Cruz, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 13-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Zakaria Haji Latif Aghadi, Hanjer Villa, 5 Club back Road, Bombay-8. (Transferor).
- (2) Smt. Zubeda Abdulla Mohammed, Aqdas Mahal, Motlibai Street, Bombay-11. (Transferee).
- (3) A. M. Palanpurwala Esq. & Others. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDELE

Plot No. 119B, T.P.S. No. 5 of Santacruz, Bombay, admeasuring 682 sq. metres.

G. S. RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-IV  
Bombay

(Seal)

\*(Strike off where not applicable)

#### FORM ITNS —————

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE-I, CENTRAL REVENUES BLDG.,  
3RD. FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 14th June 1973

No. IAC/ACQ-I/A(4)/2(2)/72-73.—Whereas, I, P. K. Sharai, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1033, 1034, 1035 (<sup>↳</sup>Southern portion) situated at Payewalan, Jama Masjid, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 2-1-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms

of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (i) Lalit Mohan S/o. Sh. Lakshmi Narain, r/o 22-Babar Lane, New Delhi and (ii) Sh. Lakshmi Narain S/o Sh. Ramkishan Chandiwala, through Sh. Lalit Mohan, G.P.A. (Transferor)
- (2) Smt. Sharma W/o Shri Jawahar Lal, r/o 2327, Gali Pahar Wali, Dharmpura, Delhi. (Transferee).
- (3) (i) Late Sh. Hanuman Prasad through legal heirs Atul Kumar, Anil Kumar & Sunil Kumar (ii) Pt. Jawahar Lal (iii) Sh. Shree Ram Chopra (iv) Municipal Corporation Delhi & (v) Sh. Pyarelal. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDELE

↓ Southern portion of three storcyd property with 260 Sq. yds. land underneath, old No. 361 present No. 1033, 1034 and 1035, situated at Payewalan, Jama Masjid, Delhi Ward No. 4, and bounded as under :—

East—Main Gate Property No. 1035 and Payewalan Road.

West—Street Chhoti Chhipiwara Wali and building Makki Maharaj.

South—Wall of the property of the vendee and property No. 1032 of Shri Makki Maharaj.

North—Remaining portion of property No. 1035 full No. 1036 & 1037.

P. K. SHARAN  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi)  
New Delhi

Seal :

\*Strike off where not applicable

## FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE-I, CENTRAL REVENUES BLDG.,  
3RD. FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 14th June 1973

No. IAC-ACQ-I/A(3)/30(94)/72-73.—Whereas I, P. K. Sharan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 3 Northern portion 1036, 1037 & 1035 situated at Payewalan, Jama Masjid, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 29-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Lalit Mohan S/o, Sh. Lakshmi Narain, R/o 22, Babar Lane, New Delhi & (ii) Sh. Lakshmi Narain S/o Sh. Ramkishan Chandiwala, through Sh. Lalit Mohan, G.P.A. (Transferor)
- (2) Shri Vishwanath Sharma S/o Sh. Jawaharlal, r/o 2327, Gali Chhoti Paharwali, Dharmputra, Delhi. (Transferee).
- (3) (i) Late Sh. Hanuman Prasad through legal heirs S/Shri Atul Kumar, Anil Kumar, Sunil Kumar (ii) Sh. Shree Kishan Khanna (iii) Shri Kahn Chand Kohli (iv) Sh. Pyarelal (v) Municipal Corporation Delhi and (vi) Shri Jawaharlal [Persons(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half Northern Portion of three storied property bearing Municipal No. 361(old) present No. 1036, 1037 and 1035 constructed on a plot of land measuring 270 Sq. yds. situate at Payewalan, Jama Masjid Delhi and bounded as under:—

East—Main Gate property No. 1035 and Payewalan road.

West—Gali Chhota Chhipiara Wali and building Makki Maharaj.

North—Wall of the property of the vendee and building Lakshmi Narain Trust.

South—Remaining portion of property No. 1035, 1034.

P. K. SHARAN

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi)

New Delhi

Seal:

\*Strike off where not applicable

## FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE-I, HANDLOOM HOUSE, 2ND  
FLOOR, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 12th June 1973

No. ACQ.23-37/1-1/73-74.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.T.P. S.No. 20, F.P.No. 306 S.P.4. situated at Kochrab, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 30-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Krishna Ram Agrawal 13, Krishna Society, Ahmedabad. (Transferor).
- (2) Shri Mohan Krishnachand Mulchandani 1, Dhaval Society, Navrangpura Ahmedabad. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Kochrab T.P.S.No. 20. F.P.No. 306 S.P. No.4 1007 Sq. yds. Ahmedabad

J. KATHURIA  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-I,  
Ahmedabad)

Date : 12-6-1973  
Seal :

#### FORM ITNS —

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 13th June 1973

No. CA5/Dec'72/KALYAN/11/73-74.—Whereas, I, G. Krishnan, being the competent authority under

section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. S. No. 19, H. No. 3 situated at Gajbandhan Patharli, Tal-Kalyan Distl. Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereeto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kalyan on 20-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rangubai Rama Mhatre & others. Dombivli (Transferor).
- (2) Nava Anand Co-op. Housing Society Ltd. Dombivili (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATIONS:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant Land bearing S. No. 19, H. No. 3, at Gajbandhan Patharli, within Dombivli Municipal Pwits Tal :—Kalyan, Dist :—Thana, Area.—1270 Sq. yds.

G. KRISHNAN  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range  
Poona

Date : 13-6-1973

Seal :

**FORM ITNS —****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004**

**Poona-411004, the 13th June 1973**

No. C.A.5/Dec'72/Kalyan/13/73-74.—Whereas, I, G. Krishnan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. S. No. 18 H, No. 20 (part) Plot No. 516 situated at Dombivli, Dist :—Thana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kalyan on 27-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Kishan Kalyat Joshi Thana (Transferor).
- (2) Smita Co-op Housing Society Ltd. Thana (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property

will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

S. No. 18, H. No. 20, (Part), Plot No. 516, Area—1415 Sq. yds. at Dombivli. Dist :—Thana.

**G. KRISHNAN**  
*Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range  
Poona*

Date : 13-6-1973

Seal

**FORM ITNS —****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004**

**Poona-411004, the 13th June 1973**

No. C.A.5/Dec'72/Ulhasnagar/15/73-74.—Whereas, I, G. Krishnan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot No. 662 Section-7-B, Ulhasnagar, Camp-3, situated at Ulhasnagar Dist :—Thana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ulhasnagar on 1-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (a) Shri Shrichand H. Khanchandani (b) Shri Dilip G. Khetwani at A/16 Shiv W.o.p. Housing Society, Kopri colony, Thana. (Transferor).
- (2) Poonam Co-op Housing Society Ltd. Plot No. 682, Section-7-B, Ullhasnagar, Camp-3, (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and to the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter

#### THE SCHEDULE

Plot No. 682, Section-7-B, Camp-3, Ullhasnagar, Dist :—Thana. Area—1301 Sq. yds. i.e. 1084 sq. Meters.

G. KRISHNAN  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range

Poona

Date : 13-6-1973  
Seal :

#### FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 13th June 1973

No. CA5/Dec'72/Kalyan/9/73-74.—Whereas, I, G. Krishnan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearings No. 237, Plot No. 4, H. No. 1-2 Part, situated at Thakurli Village within Dombivli Municipal Limits. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kalyan on 19-1-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (a) Shri Sudhakar Waman Tare (b) Shri Shridhar Waman Tare Deosthal, Bunglow Karwe Road, Vishnu Nagar, Dombivli (Transferor).
- (2) Ashirwad Co-op Housing Society. Limited. C/o D. K. Kelkar Road Ramnagar. Dombivli (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and to the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Non-Agricultural Land Plot No. 4 Survey No. 237 H. No. 1+2-Part. Area=1405 Sq. yds. at Thakurli Village, within Dombivli Municipal Limits. Dist Thana.

G. KRISHNAN  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range

Poona

Date : 13-6-1973

Seal :

#### FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 13th June 1973

No. CA5/Dec'72/Kalyan/10/73-74.—Whereas, I, G. Krishnan, being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. S. No. 59 H. No. 6 pt. Grampanchayt. H. No. 241 situated at Village Gajbandhan Patharli, Tal. Kalyan, Dist Thana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kalyan on 15-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (a) Shri Narayan Gopal Torsekar (b) Sou. Sunita Narayan Torsekar at Joshi Building Behind New English School, Nopada Thana. (Transferor).
- (2) (a) Dr. Narayan Madhav Dhake, (b) Soli Parwati Narayan Dhake at Jawar Distt. Thana.
- (3) (a) M. A. Gaur, (b) S. R. Khatavkar, (c) S. K. Deshpande, (d) M. M. Shetty, (e) Hindustan Com. Ltd. All at H. No. 241, Village Gajbandhan Patharli Tal. Kalyan, Distt. Thana. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:** The terms and expression used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property situate at village Gajbandhan Patharli, Tal. Kalyan, Distt. Thana, bearing S. No. 59 H. No. 6 pt. together with one storeyed—Building bearing Grampanchayat H. No. 241. N/A plot Area 486.6 sq. metres.

G. KRISHNAN  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range  
Poona

Date : 13-6-1973  
Seal :

### FORM ITNS ————— NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 13th June 1973

No. C.4.5/Dec'72/KALYAN/12/73-74.—Whereas, I.G. Krishnan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot No. 2, S. No. 90/2/1 (Part) City S. No. 2978A (Part) situated at Rambag Lane No. 5 Kalyan and (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kalyan on 27-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vedvyas Anandrao Pai at Thana (Transferor).
- (2) Premjyoti Co. op. Housing Society Ltd. Thana. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Free hold plot No. 2 Survey No. 90/2/1 (part) City Survey No. 2978A (Part) Rambag—Lane No. 5, Kalyan, Distt. Thana.

G. KRISHNAN  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range  
Poona

Date : 13-6-1973  
Seal :

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 13th June 1973

No. C45/Dec'72/KALYAN/12/73-74.—Whereas, I. G. Krishnan being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 25, H. No. 3 situated at Dombivli, Distt. Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kalyan on 30-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

22—116GI/73

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri G. N. Navare, Dombivli. (Transferor).
- (2) M/s. Everest Estate Agency (Regd.) Dombivli, Partner : Shri K. S. Nakhye. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 25, H. No. 3 of Dombivli, Distt. Thana. Three Old Structures—3000 Sq. ft. approx.

G. KRISHNAN  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range  
Poona

Date : 13-6-1973

Seal :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT:  
COMMISSIONER OF INCOME TAX:  
ACQUISITION RANGE: AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1973

Ref No. ASR/Knl/P-23/S-14/365.—Whereas J. H. S. DHURJA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3502 dated 14-12-1972 situated at Mal Road, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Karnal on 14-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dalip Singh S/O Shri Natha Singh V. Kichha Distr. Nanital, (Transferor)
- (2) Smt. Kulwant Kaur urf Kulwant Sethi W/O Shri P. C. Sethi, Railway Road, Karnal, (Transferee)
- (3) Smt. Kulwant Kaur urf Kulwant Sethi W/O Shri P. C. Sethi, Railway Road, Karnal. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Shri/Smt/Km.—Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land at Mall Road, Karnal as mentioned in the Registered Deed No. 3502 dated 14-12-72 of the Registering Officer, Karnal.

H. S. DHURIA, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax: Acquisition Range:  
Amritsar

Date 13-6-1973  
(Seal)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR  
Amritsar, the 13th June 1973

No. 4SR/KNL/P-24/S-15/366.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 3626 dated 27-12-1972

situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Karnal on 27-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhart Bhushan Gupta S/o Lachoo Mal, Advocate, Karnal, Shri Shashi Bhushan Garg S/O Shri Lachhoo Mal Advocate C/o Neelam Restaurant Karnal Shri Mukhh Gupta S/o Shri Bharat Bhushan Gupta, Usha Rani W/O Shri Shashi Bhushan Garg, Karnal, (Transferor)
- (2) Shri Surjit Singh R/O Surjit Ice Factory, Karnal, Harbhajan Singh, Smt. Sawarn Kaur, Kuldip Singh Sandhu R/O Jarnaily Kothi, Karnal, S. Sant Singh R/O Near D. M. High School, Karnal, Shri Surjit Singh R/O Surjit Ice Factory, G.T. Road, Karnal, M/s. Karnal Tractors, G. T. Road, Karnal, (Transferee)
- (3) Shri Surjit Singh R/O Surjit Ice Factory, Karnal, Harbhajan Singh, Smt. Sawarn Kaur, Kuldip Singh Sandhu R/O Jarnaily Kothi, Karnal, S. Sant Singh R/O Near D. M. High School, Karnal, Shri Surjit Singh R/O Surjit Ice Factory, G.T. Road, Karnal, M/s. Karnal Tractors, G. T. Road, Karnal, (Person(1) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3626 dated 27-12-72 of the Registering Officer, Karnal.

H. S. DHURIA, I.R.S.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date 13-6-1973,

Seal

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1973

No. ASR/Amb/P-25/S-16/367.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot as mentioned in the Registered Deed No. 3620 dated 6-12-72 situated at Jagadhri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jagadhri on 6-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiation proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Satya Wati W/O L. Rameshwar Saran, Rais Mohalla, Raja Sahib, Jagadhri. (Transferor)
- (2) Shri Surinder Kumar S/O L. Nand Lal C/o M/s. Nand Lal Metal Industries, Jagadhri. (Transferee)
- (3) Shri Surinder Kumar S/O L. Nand Lal C/o M/s. Nand Lal Metal Industries, Jagadhri. (Person(1) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a

period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

One Plot of Land as mentioned in the Registered Deed No. 3620 dated 6-2-1972 of the Registering Officer, Jagadhri.

H. S. DHURIA, I.R.S.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date 13-6-1973.

Seal

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1973

No. ASR/Amb/P-27/S-18/368.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot as mentioned in Registered Deed No. 3621 dated 6-12-72 situated at Jagadhri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jagadhri on 6-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiation proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Satya Vati W/O L. Rameshwar Saran Rais Mohalla Raja Sahib, Jagadhri.  
(Transferor)

(2) Shri Lachhmi Narain S/O L. Nand Lal C/o M/s. Nand Lal Metal Industries, Jagadhri.  
(Transferee)

(3) Shri Lachhmi Narain S/O L. Nand Lal C/o M/s. Nand Lal Metal Industries, Jagadhri.  
(Person(s) in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registered Deed No. 3621 dated 6-12-72 of the Registering Officer, Jagadhri.

H. S. DHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date 13-6-1973.  
Seal

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**  
**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR**

*Amritsar, the 13th June 1973*

No. ASR/Amb/P-27/S-18/369.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land as mentioned in the Registered Deed No. 3720 dated 15-12-72 situated at Jagadhri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jagadhri on 15-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-sections (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Raj Rani W/O Shri Janardhan Sarup. Raja Mohalla, Jagadhri.  
(Transferor)

(2) Shri Yogeshwar Kumar, Rakesh Kumar SS/O Shri Ved Parkash Vaish Aggarwal C/o Surinder Metal Works, Jagadhri.  
(Transferee)

(3) Shri Yogeshwar Kumar, Rakesh Kumar SS/O Shri Ved Parkash Vaish Aggarwal C/o Surinder Metal Works, Jagadhri.  
(Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3720 dated 15-12-72 of the Registering Officer, Jagadhri.

H. S. DHURIA, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date 13-6-1973.  
Seal

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR**

*Amritsar, the 13th June 1973*

No. ASR/Amb/P-28/S-19/370.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land

as mentioned in the Registered Deed no. 3780 dated 27-12-72 situated at Jagadhri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jagadhri on 27-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kirpa Devi W/O Shri Radha Shyam, R/O Mohalla Raja Sahib, Jagadhri.  
(Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar S/O L. Rameshwar Dass, Shri Vijinder Kumar S/O Shri Nand Lal Through Shri Nand Lal C/o M/s. Nand Lal Metal Industries, Jagadhri.  
(Transferee)
- (3) Shri Anil Kumar S/O L. Rameshwar Das, Shri Vijinder Kumar S/O Shri Nand Lal Through Shri Nand Lal C/o M/s. Nand Lal Metal Industries, Jagadhri.  
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the Property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3780 dated 27-12-72 of the Registering Officer, Jagadhri.

H. S. DHURIA, I.R.S.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date 13-6-1973.

Seal

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1973

No. ASR/Jul/P-29/S-20/371.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 7204 dated 27-12-72 situated at Cool Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur on 27-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jagjit Kaur D/O Shri Sant Singh R/O Malaya House, Cool Road, Jullundur. General Attorney for Shri Dalbir Singh S/o Late Shri Puran Singh Now No. 6, 57-D Pataling Selangar, Malaysia.  
(Transferor)
- (2) Smt. Saroj Bala W/O Shri Nain Chand Jain R/O Model Town, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) Smt. Saroj Bala W/O Shri Nain Chand Jain R/O Model Town, Jullundur.  
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the Property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot on Cool Road, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 7204 dated 27-12-1972 of the Registering Officer, Jullundur.

H. S. DHURIA, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date 13-6-1973.

Seal

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1973

No. ASR/Jul/P-30/S-21/372.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 7295 dated 29-12-72 situated at Cool Road, Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur on 29-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jagjit Kaur D/O Shri Sant Singh R/O Malaya House, Cool Road, Jullundur, General Attorney for Shri Dalbir Singh S/o Late Shri Puran Singh. Now No. 6, 57-D Pataling Selangar, Malaysia. (Transferor)
- (2) Shri Jaswant Rai S/O Shri Navrang Lal Jain, C/o M/s. United Auto Spares, Shastri Market, Jullundur. (Transferee)
- (3) Shri Jaswant Rai S/O Shri Navrang Lal Jain C/o M/s. United Auto Spares, Shastri Market, Jullundur. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the Property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land on Cool Road, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 7295 dated 29-12-72 of the Registering Officer, Jullundur.

H. S. DHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-  
tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date 13-6-1973.

Seal

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1973

No. ASR/Jul/P31/S-22/373.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 7150 dated 18-12-72 situated at Cool Road, Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur on 18-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jagjit Kaur D/O Shri Sant Singh R/O Malaya House, Cool Road, Jullundur, General Attorney for Shri Dalbir Singh S/o Late Shri Puran Singh, Now No. 6, 57-D Pataling Selangar, Malaysia.  
[Transferor]
- (2) Shri Pawan Kumar, Shri Anil Kumar SS/o Shri Dhan Parkash Sharma, New Jawahar Nagar, Jullundur.  
[Transferee]
- (3) Shri Pawan Kumar, Shri Anil Kumar SS/o Shri Dhan Parkash Sharma, New Jawahar Nagar, Jullundur.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the Property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot on Cool Road, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 7150 dated 18-12-1972.

H. S. DHURIA,  
Competent Authority  
(Inspecting Asstt. Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Amritsar)

Date 13-6-1973.  
Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 14th June 1973

No. ASR/72-73/P-32/S.23/374.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Half Kathi as mentioned in the Registered Deed No. 2491 dated 21-12-72 situated at Lawrence Road, Amritsar and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar on 21-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922(1) of 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Radha Ram Aneja S/O Shri Phallo Ram, 86 Lawrence Road, Amritsar.  
[Transferor]
- (2) Shri Kishore Chand Aneja S/O Shri Karam Chand Aneja, 86 Lawrence Road, Amritsar.  
[Transferee]
- (3) Shri Kishore Chand Aneja S/O Shri Karam Chand Aneja, 86 Lawrence Road, Amritsar.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the Property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Half Kathi, Lawrence Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2491 dated 21-12-1972 of the Registering Officer, Amritsar.

H. S. DHURIA,

*Competent Authority  
(Inspecting Asstt. Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Amritsar)*

Date 14-6-1973

Seal

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

*Amritsar, the 14th June 1973*

No. ASR/72-73/P-34/S-24/375.—Whereas I. H. S. DHURIA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Plot of land and 9 shops as mentioned in the Registered Deed No. 2379 dated 8-12-1972, situated at Lohgarh Gate, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar, on 8-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shiv Parkash, Nand Parkash Kapoor, Sudershan Kapoor SS/o Sh. Shiv Dass Mal, Lohgarh Gate,

Amritsar, (Transferor)

- (2) Shri Mahant Sunder Das S/o Sh. Dula Singh & Smt. Roop Kaur W/O Mahant Sunder Dass, R/O Hathi Gate, Amritsar. (Transferee)
- (3) Shri Mahant Sunder Dass S/o Sh. Dula Singh and Smt. Roop Kaur w/o Mahant Sunder Dass, r/o Hathi Gate, Amritsar. Tenant's of the Building [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the Property. [person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and 9 Shops in Lohgarh Gate, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2379 dated 8-12-1972 of Sub-Registrar, Amritsar.

H. S. DHURIA,

*Competent Authority  
(Inspecting Asstt. Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Amritsar)*

Date : 14-6-1973

(Seal)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

*Amritsar, the 14th June 1973*

No. ASR/72-73/P-34/S-25/376.—Whereas, I. H. S. DHURIA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. One Bungalow as mentioned in the Registered Deed No. 2486 in December 1972, situated at Joshi Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in December 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhagwan Saroop S/o Sh. Sunder Dass, Gali No. 1, Putligarh, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Mohinder Nath S/o Sh. Sardari Lal, Kucha Dubgran, Mahan Singh Gate, Amritsar. (Transferee)
- (3) Shri Mohinder Nath S/o Sh. Sardari Lal, Kucha Dubgran, Mahan Singh Gate, Amritsar. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the Property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bungalow No. 128, Joshi Colony, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2486 of December, 1972 of the Registering Officer, Amritsar.

H. S. DHURIA,  
Competent Authority  
(Inspecting Asstt. Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Amritsar)

Date : 14-6-1973

(Seal)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 14th June 1973

No. ASR/72-73/P-35/S-26/377.—Whereas I. H. S. DHURIA being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 75,000/- and bearing No. One Storey Building as mentioned in the Registered Deed No. 7135 dated 16-12-1972 situated at Chheria, Amritsar and more fully described in the, Schedule annexed hereto)

23—116GI/73

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar on 16-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s Ram Saran Dass & Brothers Kt. Ahluwalian, Amritsar. Through Sh. Narinder Nath Kakkar S/o Sh. Ram Saran Dass Kakkar R/O Mall Road, Amritsar. Sh. Kishori Lal Kakkar & Ram Saran Dass Kakkar S/o Sh. Kotu Mal Kakkar Partners R/O Gandhi Bazar, Amritsar through Sh. Narinder Nath Kakkar & Sh. Davinder Nath Kakkar S/o Sh. Ram Saran Dass Kakkar Amritsar Hall Vard, Calcutta-18, Netaji Subhash Chander Road, Calcutta-1. Manmohan Kakkar S/o Kishori Lal Kakkar Amritsar through Sh. Narinder Nath Kakkar. Brij Mohan Kakkar & Chander Mohan Kakkar S/o Sh. Kishori Lal Kakkar & Rakesh Kumar Kakkar S/o Narinder Nath Kakkar, Now at 118 Nava Bazar, Delhi-6 Through Sh. Narinder Nath Kakkar & Naresh Kakkar S/o Sh. Davinder Nath Amritsar now Calcutta through Sh. Narinder Nath Kakkar. (Transferor)
- (2) Smt. Kamla Wati Mehra W/o Shri Parkash Chand Mehra Oppn. Building Bawa Parduman Singh, Circular Road Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S No. 2 & Tenants of the Building. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the Property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One storey Building at Chherta, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 7135 dated 16-12-1972 of the Registering Officer, Amritsar.

H. S. DHURIA,  
*Competent Authority,*  
*(Inspecting Asstt. Commissioner of*  
*Income-tax, Acquisition Range, Amritsar)*

Date : 14-6-1973

(Seal)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 15th June 1973

No. ASR/72-73/B & R/P-36/S-27/378.—Whereas I, H. S. DHURIA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One House No. B-IV/24, as mentioned in the Registered Deed No. 4597, dated 29-12-1972, situated at Staff Road, Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Batala on 29-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Miss J. Mar, Principal Alexandra Girls High School, Queens Road, Amritsar, 2, Miss Evlison, (Transferor)
- (2) Smt. Sushila w/o Sh. Hakumat Rai, Advocate, Police Staff Road, Batala. (Transferee)
- (3) Smt. Sushila w/o Sh. Hakumat Rai, Advocate, Police Staff Road, Batala. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House on Staff Road, Simbal, Batala as mentioned in the Registered Deed No. 4597, dated 29-12-1972 of the Registering Officer, Batala.

H. S. DHURIA,  
*Competent Authority,*  
*(Inspecting Asstt. Commissioner of*  
*Income-tax, Acquisition Range, Amritsar)*

Date : 15-6-1973

(Seal)

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 15th June 1973

No. ASR/72-73/P-37/S-28/379.—Whereas I, H. S. DHURIA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One House No. 2111-XI-12 as mentioned in the Registered Deed No. 2451 of 12-1972, situated at Gali Badroo, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in December 1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferors) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely.—

- (1) S/Shri Gurbax Singh Bhalla & Amar Singh Bhalla  
s/o Botalia Singh Bhalla, Gali Badroo, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Smt. Krishan Kaur w/o Sh. Kirpal Singh, Katra Dulo, Gali Kussrian, I/S Loh Garh Gate, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) Smt. Krishan Kaur w/o Sh. Kirpal Singh, Katra Dulo, Gali Kussrian I/S Loh Garh Gate, Amritsar.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 2111-XI-12, Gali Badroo, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2451 of December, 1972 of the Registering Officer, Amritsar.

H. S. DHURIA,

*Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar.*

Date : 15-6-1973

(Seal)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

*Amritsar, the 15th June 1973*

No. ASR/72-73/P-38/S-29/380.—Whereas I. H. S. DHURIA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 2400, dated 13-12-1972, situated at Lawrence Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar on 13-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Inder Wati w/o Shri Jullundri Nath, Chowk Chira, Katra Karam Singh, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Parma Nand Prop. Shop Parma Nand Arora, Amritsar Chowk Mela Singh, Near Majith Mandi, R/O 10-Radha Swamy Road, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) Shri Parma Nand Prop. Shop Parma Nand Arora, Amritsar Chowk Mela Singh, Near Majith Mandi, R/O 10-Radha Swamy Road, Amritsar.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building and Plot as mentioned in the Registered Deed No. 2400 dated 13-12-1972 of the Registering Officer, Amritsar.

H. S. DHURIA,  
*Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar.*

Date : 15-6-1973  
(Seal)

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

*Amritsar, the 15th June 1973*

No. ASR/72-73/P-39/S-30/381.—Whereas I. H. S. DHURIA being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Building on Plot No. 1 as mentioned in the Registered Deed No. 2502 of 12-1972, situated at Kairon Market, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar of December 1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Arjan Singh s/o Sh. Budh Singh, Kt. Ghaniyan, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Romesh Kumar and Ashok Kumar S/o Sh. Nika Ram, Kt. Ghaniyan, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) S/Shri Romesh Kumar and Ashok Kumar S/o Sh. Nika Ram, Kt. Ghaniyan, Amritsar.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

*THE SCHEDULE*

Building structure on Plot No. I, Kairon Market, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2502 of December 1972 of the Registering Officer, Amritsar.

H. S. DHURIA,

*Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar*

Date : 15-6-1973

(Seal)

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

*Amritsar, the 15th June 1973*

No. ASR/72-73/P-40/S-31/382.—Whereas I. H. S. DHURIA being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Tabella as mentioned in the Registered Deed No. 2560, dated 29-12-1972, situated at Bazar Khalonia, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar on 29-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kahan Chand s/o Sh. Roop Chand & Deepak Khanna s/o Sh. Kahan Chand & Smt. Hema Mehra d/o Sh. Kahan Chand w/o Sh. Basant Khmar Mehra, Kt. Hari Singh, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Vinod Kumar s/o Surinder Nath Vahi, Bazar Khalonia, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) Shri Vinod Kumar s/o Surinder Nath Vahi, Bazar Khalonia, Amritsar.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Tabella in Bazar Khalonia, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2560, dated 29-12-1972 of the Registering Officer, Amritsar.

H. S. DHURJA.

*Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.*

Date : 15-6-1973

(Seal)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

*Amritsar, the 16th June 1973*

No. ASR/Kapurthala/72-73/P-41/S-32/383.—Whereas I, H. S. DHURJA being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 1733, dated 18-12-1972, situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kapurthala on 18-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Romesh Kumar s/o Shri Sant Ram Dugal of Jullundur. 2. Shri Tejinder Singh Paul s/o Shri Bikram Singh of Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal s/o Shri Megh Raj of Kapurthala.

(Transferee)

(3) Shri Mohan Lal s/o Shri Megh Raj of Kapurthala.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land 1 kanal 3 marla 134 ft. & building constructed on it as mentioned in the Registered Deed No. 1733, dated 18-12-1972 of the Registering Officer, Kapurthala.

H. S. DHURJA.

*Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.*

Date : 16-6-1973

(Seal)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

*Amritsar, the 16th June 1973*

No. ASR/Jul./P-42/S-33/384.—Whereas I, H. S. DHURJA being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot, at Goraya as mentioned in the Registered Deed No. 3692, dated 18-12-72, situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Phillaur on 18-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Khushal Singh, Milkiat Singh, Santokh Singh SS/o Shri Tara Singh s/o Shri Bishan Singh, Goraya, Teh. Phillaur.  
(Transferor)
- (2) Shri Gian Singh s/o Shri Tara Singh s/o Shri Bishan Singh P.O. Goraya, Teh. Phillaur.  
(Transferee)
- (3) Shri Gian Singh s/o Shri Tara Singh s/o Shri Bishan Singh P.O. Goraya, Teh. Phillaur.  
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 3 K 4 M at Goraya as mentioned in the Registered Deed No. 3692 dated 18-12-1972 of the Registering Officer, Phillaur.

H. S. DHURIA,

*Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.*

Date : 16-6-1973

(Seal)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

*Amritsar, the 16th June 1973*

No. ASR/Jul/P-43/S-34/385.—Whereas I, H. S. DHURIA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land in village Ramgarh as mentioned in the Registered Deed No. 3609 dated 7-12-1972, situated at Ramgarh (Phillaur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Phillaur on 7-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiation proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Udam Kaur w/o S. Prithipal Singh s/o Shri Shivdev Singh Vill. Ramgarh Teh. Phillaur.  
(Transferor)
- (2) Shri Daljeet Singh s/o S. Prithipal Singh s/o Shri Shivdev Singh, Vill. Ramgarh, Teh. Phillaur.  
(Transferee)
- (3) Shri Daljeet Singh s/o S. Prithipal Singh s/o Shri Shivdev Singh, Vill. Ramgarh, Teh. Phillaur.  
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural Lands measuring 88 K 14 M in village Ramgarh as described in the Registered Deed No. 3609, dated 7-12-1972 of the Registering Officer, Phillaur.

H. S. DHURIA,

*Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.*

Date : 16-6-1973

(Seal)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

*Amritsar, the 16th June 1973*

No. ASR/Jul/P-43/S-35/386.—Whereas I, H. S. DHURIA being the Competent Authority under Section 269D

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in Factory Building G. T. Road, Maqsoodpur (Jullundur) as mentioned in the Registered Deed No. 7354 dated 30-12-1972, situated at Maqsoodpur (Jullundur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur on 30-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hardip Singh Chahal s/o S. Pakhar Singh Chahal, G. T. Road, Phagwara.  
(Transferor)
- (2) M/s. Punjab Metal Works, Nakodar Road, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) M/s. Punjab Metal Works, Nakodar Road, Jullundur.  
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share in the factory building G. T. Road, Maqsoodpur (Jullundur) as mentioned in the Registered Deed No. 7354, dated 30-12-1972 of Registering officer, Jullundur.

H. S. DHURIA,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 16-6-1973  
(Seal)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 16th June 1973

No. ASR/Jul./P-45/S-36/387.—Whereas I. H. S. DHURIA being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in factory building G. T. Road, Maqsoodpur (Jullundur) as mentioned in the Registered Deed No. 7355, dated 30-12-1972, situated at Maqsoodpur (Jullundur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur on 30-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Hardip Singh Chahal s/o S. Pakhar Singh Chahal, G. T. Road, Phagwara.  
(Transferor)
- (2) M/s. Punjab Metal Works, Nakodar Road, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) M/s. Punjab Metal Works, Nakodar Road, Jullundur.  
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION** : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share in the factory building G. T. Road, Maqsoodpur (Jullundur) as mentioned in the Registered Deed No. 7355, dated 30-12-1972 of the Registering Officer, Jullundur.

H. S. DHURIA.  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 16-6-1973  
(Seal)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR  
Amritsar the 16th June 1973

No. ASR/Jul/P-47/S-38/388.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4 share in factory building G.T. Road Maqsoodpur as mentioned in the registered Deed No. 7349 dated 30-12-1972 situated at Maqsoodpur (Jullundur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur on 30-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Paramvir Singh Chahal C/o S. Pakhar Singh G.T. Road, Phagwara (Transferor).

(2) M/s Punjab Metal Works, Nakodar Road, Jullundur (Transferee).

(3) M/s Punjab Metal Works, Nakodar Road, Jullundur [Person(s) in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION** : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share in the factory building G.T. Road, Maqsoodpur (Jullundur) as mentioned in the registered Deed No. 7349 dated 30-12-1972 of the Registering Officer, Jullundur.

H. S. DHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar.)

Date 16-6-1973  
(Seal)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR  
Amritsar the 16th June 1973

No. ASR/Jul/P-46/S-37/389.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in Factory Building G. T. Road Maqsoodpur as mentioned in the registered Deed No. 7345 dated 30-12-1972 situated at Maqsoodpur (Jullundur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur on 30-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Paramjit Singh Chahal C/o S. Pakhar Singh Chahal G. T. Road, Phagwara. (Transferor)

(2) M/s Punjab Metal Works, Nakodar Road, Jullundur (Transferee).

(3) M/s Punjab Metal Works, Nakodar Read, Jullundur [Person(s) in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share in the factory building G.T. Road, Maqsoodpur (Jullundur) as mentioned in the registered deed No. 7345 dated 30-12-1972 of the Registering Officer, Jullundur.

H. S. DHURIA

*Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar)*

Dated 16-6-1973

Seal

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

*Amritsar, the 16th June 1973*

No. ASR/Jul/P-48/S-39/390.—Whereas I, H. S. DHURIA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory Building No. 61-U in Santokhpura (Hoshiarpur Road), Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 7085 dated 19-12-1972 of Registering Officer, Jullundur, situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur on 19-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiation proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-24—116GI/73

section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chandra Singh S/o S. Chuhar Singh S/o S. Attar Singh, Civil Lines, College Road, Ludhiana. (Transferor).
- (2) M/s. Bhart Chemical Works Through S. Narinder Singh S/o Shri Gurba Singh R/o Chowk Kado Shah, Jullundur (Transferee).
- (3) M/s. Bhart Chemical Works Through S. Narinder Singh S/o Shri Gurba Singh R/o Chowk Kado Shah, Jullundur. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Factory Building in Santokhpura (Hoshiarpur Road), Jullundur as described in the Registered Deed No. 7085 dated 19-12-1972 of the Registering Officer, Jullundur.

H. S. DHURIA

*Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Amritsar)*

Date : 16-6-1973.

(Seal)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

*Amritsar, the 16th June 1973*

No. ASR/Jul/P-49/S-40/391.—Whereas I, H. S. DHURIA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot as mentioned in the Registered Deed No. 7138 dated 22-12-72 situated at New Jawahar Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur on 22-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sohan Singh S/o Sh. Kharaiti Ram, Ajit Pura, Jullundur and Shri Amarjit Singh S/o Sh. Baldev Singh, Ajit Pura, Jullundur. (Transferor).
- (2) Shri Sukhdev Singh S/o Shri Chanan Singh (of Jalowal), 66, New Jawahar Nagar, Jullundur, (Transferee).
- (3) Shri Sukhdev Singh S/o Shri Chanan Singh (of Jalowal), 66, New Jawahar Nagar, Jullundur. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expression used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 66 in New Jawahar Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 7138 dated 22-12-72 of the Registering Officer, Jullundur.

H. S. DHURIA

*Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar)*

Date : 16-6-1973.

(Seal)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th June 1973

No. ASR/Jul/P-50/S-41/392.—Whereas, I, H. S. DHURIA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Lands measuring 41 Kanals and 8 Marlas situated at Bye Pass, Jullundur as prescribed in the Registered Deed No. 6793 dated 2-12-1972 situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur on 2-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiation proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Rajeshwari Paul W/o Shri Satya Paul C/o M/s. Amin Chand Piara Lal, Tanda Road, Jullundur. (Transferor).
- (2) Km. Sushma Paul D/o Shri Satya Paul, S-601, Paneshilla Park, New Delhi-16. (Transferee).
- (3) Km. Sushma Paul D/o Shri Satya Paul, S-361, Paneshilla Park, New Delhi-16. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 41 Kanals 8 Marlas situated at Bye Pass Jullundur as prescribed in Registered Deed No. 6793 dated 2-12-1972 of the Registering Authority, Jullundur.

H. S. DHURIA

*Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar)*

Date : 16-6-1973,

(Seal)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

*Amritsar, the 16th June 1973*

No. ASR/Jul/P-51/5-42/393.—Whereas I, H. S. DHURIA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 7249 dated 20-12-72 situated at Basti Sheikh, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur, on 20-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohinder Pal, Ved Parkash s/o Shri Manohar Lal Shoor, of Jullundur City. (Transferor).
- (2) M/s. Presto Works, Basti Nau, Jullundur. (Transferee).
- (3) M/s. Presto Works, Basti Nau, Jullundur. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land in Basti Sheikh as mentioned in the Registered Deed No. 7249 dated 20-12-1972 of the Registering Officer, Jullundur.

H. S. DHURIA, I.R.S.

*Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar*

Date. 16-6-1973.  
(Seal)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

*Amritsar, the 16th June 1973*

No. ASR/Jul/P-52/5-43/394.—Whereas I, H. S. DHURIA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Three Shops on Ground Floor and one Room on 1st Floor between Model Town and Lajpat Nagar as described in Deed No. 7102 dated 20-12-1972 situated at between Lajpat Nagar and Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur on 20-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Neelam Finance & Trading Co. (Pvt.) Ltd., through Shri Krishan Chand Malli, Managing Director, Jullundur. (Transferor).
- (2) Sh. Arjan Singh alias Balbir Singh s/o Sh. Darshan Singh, V. & P. O. : Bilga, Distt. : Jullundur. (Transferee).
- (3) M/s. Chopra Provision Store, Model Town Road, Jullundur. M/s. Khalsa Tent House, Model Town Road, Jullundur. M/s. Amrit Ras Provision Store.

Model Town Road, Jullundur, M/s. Manch Kala Kendar, Model Town Road, Jullundur. (Person(s) in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Three Shops on ground Floor and One Room on 1st Floor & Stairs between Lajpat Nagar and Model Town, Jullundur as mentioned in Registered Deed No. 7102 dated 20-12-1972 of the Registering Officer, Jullundur.

H. S. DHURIA

*Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar)*

Date : 16-6-1973.

(Seal)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

*Amritsar, the 16th June 1973*

No. ASR/Jul/P-53/5-44/395.—Whereas I, H. S. DHURIA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shops and Godown etc. as mentioned in the registered Deed No. 7283 of December, 1972, situated at Tanda Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur, on December 1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charanjit Lal s/o L. Amar Nath, Amritsar. (Transferor).
- (2) Smt. Shanti w/o Shri Baru Mal Puri, Jullundur. (Transferee).
- (3) Smt. Shanti w/o Shri Baru Mal Puri, Jullundur and tenants occupying the property. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shops and Godown etc. on Ground Floor and 1st Floor as mentioned in the Registered Deed No. 7283 of December, 1972 of the Registering Officer, Jullundur.

H. S. DHURIA

*Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar)*

Dated : 16-6-1973.

(Seal)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

*Amritsar, the 16th June 1973*

No. ASR/Jul/P-54/5-45/396.—Whereas I, H. S. DHURIA, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe being the Competent Authority under Section 269D of the

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shops and Godown etc. as mentioned in the Registered Deed No. 7284 of December, 1972, situated at Tanda Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur, on December, 1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charanjit Lal s/o L. Amar Nath, Amritsar. (Transferor).
- (2) Smt. Tara Devi wd/o Shri Mohan Lal, Jullundur. (Transferee).
- (3) Smt. Tara Devi wd/o Shri Mohan Lal, Jullundur and tenants occupying the property. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shops and Godown etc. on Ground Floor and First Floor as mentioned in the Registered Deed No. 7284 of December, 1972 of the Registering Officer, Jullundur.

H. S. DHURIA, I.R.S.

*Competent Authorities (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar)*

Date : 16-6-1973.  
(Seal)

### NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT:  
COMMISSIONER OF INCOME TAX:  
ACQUISITION RANGE: AMRITSAR

Amritsar, the 16th June 1973

Ref No. ASR/Jul/P-55/S-46/397.—Whereas I, H. S. DHURIA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Workshop and Godown as mentioned in the Registered Deed No. 7285 of December, 1972 situated at Tanda Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur, on December 1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charan Jit Lal S/O Shri Amar Nath, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Amrit Lal, Dharam Vir SS/O Shri Karam Chand Jullundur. (Transferee)
- (3) Shri Amrit Lal, Dharam Vir SS/O Shri Karam Chand Jullundur & tenants occupying the property. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Shop, Workshop and Godown on 1st Floor etc. as mentioned in the Registered Deed No. 7285 of December, 1972 of the Registering Office, Jullundur.

H. S. DHURIA, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax : Acquisition Range :  
Anritsar

Date : 16-6-1973  
Seal

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Madras-6, the 2nd June 1973

No. F. 32/62-73/R-I.—Whereas, I. T. Srirama Narasimham, being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing door Nos. 46-B, situated at Chairman Muthuramier Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Madurai on 11-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) A. R. Balakrishnan, S/o, Anna Ramaswamier, 2, GG Road, Chairman Muthuramier Road, Madurai. (Transferor)
- (2) M/s. Sivan Soap Factory by partners
  - 1. V. Paramasivam
  - 2. P. Bhaskaran and
  - 3. P. Asokan, 46B, Chairman Muthuramier Road, Madurai. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

The site and building bearing T. S. No. 2570 and door No. 46-B situated at Chairman Muthuramier Road, Madurai.

T. SRIRAMA NARASIMHAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income  
Tax, Acquisition Range-I  
Madras-6

Date : 2nd June 1973

Seal

(\*Strike off where not applicable.)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)  
 GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1  
 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

*Madras-6, the 5th June 1973*

No. F. 96/72-73/R-1.—Whereas, I, T. Srirama Narasimham, being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 3 to 9, situated at Workshop Road, Madurai and 7, 7A and 8 of Pechiamman Padithurai Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Pudhumandapam on 21-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Ondimuthu Pillai, No. 3, Chocka Kothan Street, West Masi Street, Madurai. (Transferor)
- (2) N. Rangarajan, No. 63, Pechiamman Padithurai Road, Madurai. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Building bearing door numbers 3 to 9, Workshop Road, Madurai and 7, 7A and 8 of Pechiamman Padithurai Road, Madurai.

T. SRIRAMA NARASIMHAM  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income  
 Tax, Acquisition Range-1  
 Madras-6

Date : 5th June 1973  
 Seal

FORM ITNS

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,  
 VIDYANAGAR, HUBLI-21

*HUBLI-21, the 13th June 1973*

No. H.R. No. 119/73-74.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. MTS-CTS/3932-Vidyanagar, Hubli, situated at Vidyanagar, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli, Dist. Dharwar on 23-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Girijamma Kom Shri M. G. Satyanarayana C/o. M. Marappa Contractor, Annayappa Block, Guttahalli, Palace Road, Bangalore. (Transferor)
- (2) Shri Linganagowda Bharamagowda Patil, No. MTS-CTS/3932, Vidyanagar, (opp. Hotel Swagath) Vidyanagar, Hubli-21 (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

One Residential House RCC Building Measuring approximately 2575 Sq. feet Standing on site measuring approximately 3596 Sq. feet in Vidyanagar (Opp. Hotel Swagath) Vidyanagar, Hubli-21.

**R. PARTHASARATHY**  
*Competent Authority*  
*Inspecting Assistant Commissioner of*  
*Income-Tax : Acquisition Range-II :*  
*Hubli-21*

Date : 13-6-1973

Seal

#### FORM ITNS

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT:**  
**COMMISSIONER OF INCOME TAX:**  
**ACQUISITION RANGE, VIDYANAGAR, HUBLI-21**  
**NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME**  
**TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**  
*Hubli-21, the 13th June 1973*

No. HR.222/73-74.—Whereas, I. R. Parthasarathy, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli, Vidyanagar Hubli-21, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CTS No. 201 at Darbar Galli, Ward No. V situated at Bijapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bijapur on 30-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Krishnarao Gururao Moharir, M.B., B.S., Plot No. 165, Srikrishna Nagar, Borivli (East) Bombay-66. (Transferor)
- (2) Shri Jagannathrao Raghavendrarao Desai, Advocate, Near Upali Buruj, Bijapur. (Transferee)
- (3) (a) Shri G. R. Galgali, Jr. Assistant, M.S.R.T.C., Bijapur.
- (b) Sri Parappa Virupakshappa Nashi 201 Darbar Galli, Ward No. V, Bijapur.
- (c) Shri G. S. Joshi 201, Darbar Galli, Ward No. V, Bijapur [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

One building situated on plot CTS No. 201 at Darbar Galli, Ward No. V Bijapur—Area 267 Sq. Yards—building having ground and first floor and one well.

**R. PARTHASARATHY,**  
*Competent Authority*  
*Inspecting Assistant Commissioner of*  
*Income Tax : Acquisition Range :*  
*Hubli-21*

Date : 13-6-1973

Seal

\*(Strike off where not applicable)

Form ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT:  
COMMISSIONER OF INCOME TAX:  
ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,  
M. KARVE MARG, BOMBAY-20  
Bombay-20, the 11th June 1973

*Ref. No. AP.14/I.A.C.A.R-IV/73-74.*—Whereas, I G. S. Rao, I.A.C., A.R-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186B C.T.S. No. 967/1 to 967/10 Municipal K Ward No. 8169 (1), (2), (3) situated at Ghodbunder Road, Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 15-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Radharaman Omprakash Mehra, Bharat Bhawan, Kalabdevi Road, Bombay-2. (Transferor)
- (2) Smt. Kamla Beharilal Raheja, 79, Medows Street, Fort, Bombay-1. (Transferee)
- (3) Shri Baljot Singh & Others, Plot No. 967, Vile Parle, S. V. Road, Vile Parle, Bombay. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuage tenements or dwelling houses standing thereon situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road, Vile Parle in the registration sub-district of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 4111 square yards or thereabouts registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 and Falmi No. 2/1 and Survey No. 188-A Falmi Nos. 1/3 and 2/3 which said Survey Nos. and Plot Nos. are collectively given non-agricultural survey No. 186B and bear C.T.S. Nos. 967/1 to 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates & Taxes under "K" Ward No. 8169(1) (2) (3) and Street Nos. 69, 70, and 71 Ghodbunder Road and bounded as follows: that is to say on or towards the East by the property bearing Survey No. 188A and partly by the property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1, on or towards the West by the said Ghodbunder Road, on or towards the North partly by the property bearing non-agricultural No. 186E and on or towards the south by the said property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1.

G. S. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 11th June 1973

(Seal)

\*(Strike off where not applicable)

Form ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT:  
COMMISSIONER OF INCOME TAX:  
ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,  
M. KARVE MARG, BOMBAY-20  
Bombay-20, the 11th June 1973

*Ref. No. AP.15/I.A.C., A.R-IV/73-74.*—Whereas, I G. S. Rao, I.A.C., AR-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Survey No. 186B and C.T.S. No. 967/1 to 967/10 Municipal Ward 'K' No. 8169 (1), (2), (3) situated at Ghodbunder Road, Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 15-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms

of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Radharaman Omprakash Mehra, Bharat Bhawan, Kalbadevi Road, Bombay-2. (Transferor)
- (2) Kum. Shobha Chaturbhuj Wadhava, 79, Medows Street, Fort, Bombay-1. (Transferee)
- \*(3) Shri Baljot Singh and others, Plot No. 967, Vijaywadi, S. V. Road, Vile Parle, Bombay. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuage tenements or dwelling houses standing thereon, situate lying and being on the east side of Ghodbunder Road, Vile Parle in the registration sub-district of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 4111 square yards or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 and Falmi No. 2/1 and Survey No. 188-A Falmi Nos. 1/3 and 2/3 which said Survey Nos. and Plot Nos. are collectively given non/agricultural survey No. 186B and bear C.T.S. Nos. 967/1 to 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under 'K' Ward No. 8169(1) (2) (3) and Street Nos. 69, 70, and 71 Ghodbunder Road and bounded as follows : That is to say on or towards the East partly by the property bearing Survey No. 188A and partly by the property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1, on or towards the West by the said Ghodbunder Road, on or towards the North partly by the property bearing non-agricultural No. 186B and on or towards the south by the said property bearing survey No. 186A Hissa No. 1.

G. S. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax. Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 11-6-1973

(Seal)

\*(Strike off where not applicable)

Form ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT:  
COMMISSIONER OF INCOME TAX:  
ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN.  
M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 11th June 1973

Ref. No. AP-16/IAC.A.R-IV/73-74.—Whereas, I.G. S. Rao, IAC, AR-IV, Bombay being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186-B and C.T.S. No. 967/1 to 967/10 Municipal Ward 'K' No. 8169(1) (2) (3) situated at Ghodbunder Rd. Vile Parle, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 15-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Radharaman Omprakash Mehta, Bharat Bhawan, Kalbadevi Rd. Bombay-2. (Transferor)
- (2) Smt. Savitri Purshottam Bajaj, 79 Medows Street, Fort, Bombay-1. (Transferee)
- \*(3) Shri Baljot Singh and others Plot No. 967, Vijaywadi, S. V. Road, Vile Parle, Bombay (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground with the messuage tenements or dwelling houses standing thereon, situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road, Vile Parle in the registration Sub-District of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 4111 square yards or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey No. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 and Falmi No. 2/1 and Survey No. 188. Falmi Nos. 1/3 and 2/3 which said Survey Nos. and Plot Nos. are collectively given non-agricultural Survey No. 186B and bear C.T.S. Nos. 967/1 to 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under "K" Ward No. 8169(1) (2) (3) and Street Nos. 69, 70 and 71 Ghodbunder Road and bounded as follows: that is to say on or towards the East partly by the property bearing Survey No. 188A and partly by the property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1, on or towards the WEST by the said Ghodbunder Road on or towards the NORTH partly by the property bearing Non-Agricultural No. 186E and on or towards the SOUTH by the said property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1.

G. S. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 11-6-1973

(Seal)

\*(Strike off where not applicable)

### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT:  
COMMISSIONER OF INCOME TAX:  
ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,  
M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 11th June 1973

Ref. No. AP-17/JAC.A.R-IV/73-74.—Whereas, I G. S Rao, I.A.C., A-R.IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186-B and C.T.S. No. 967/1 to 967/10 Municipal Ward K, No. 8169(1) (2) (3) situated at Ghodbunder Road, Vile Parle (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 15-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Radharaman Omprakash Mehta, Bharat Bhawan, Kalbadevi Road, Bombay-2. (Transferor)
- (2) Shri Bhagwandas Sewaram Raheja, 79. Medows Street, Fort, Bombay-1. (Transferee)
- (3) Shri Baljot Singh & Others, Plot No. 967, Vijaywadi, S. V. Road, Vile Parle, Bombay. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground with the messuage tenements or dwelling houses standing thereon, situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road, Vile Parle, in the registration sub-district of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 4111 square yards or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 and Falmi No. 2/1 and Survey No. 188-A, Falmi Nos. 1/3 and 2/3 which said Survey Nos. and Plot Nos. are collectively given non-agricultural Survey No. 186B and bear C.T.S. Nos. 967/1 and 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under 'K' Ward No. 8169 (1), (2), (3) and Street Nos. 69, 70 & 71 Ghodbunder Road and bounded as follows:—that is to say on or towards the East partly by the property bearing Survey No. 188A and partly by the property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1, on or towards the West by the said Ghodbunder Road, on or towards the North partly by the property bearing non-agricultural No. 186E and on or towards the South by the said property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1.

G. S. RAO.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 11-6-1973

(Seal)

\*(Strike off where not applicable)

Form ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT:  
COMMISSIONER OF INCOME TAX:  
ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,  
M. KARVE MARG, BOMBAY-20*Bombay-20, the 11th June 1973*

No. AP. 18/AC.A.R.-IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, I.A.C., A.R.IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186-B and C.T.S. No. 967/1 to 967/10 Municipal Ward "K", No. 8169(1) (2) (3) situated at Ghodbunder Rd., Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 15-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Radharaman Omprakash Mehra, Bharat Bhavan, Kalbaodi Road, Bombay-2. (Transferor)
- (2) Shri Vijay Bhagwandas Raheja, 79, Medows Street, Fort, Bombay-1. (Transferee)
- \*(3) Shri Baljot Singh and others, Plot No. 967, Vijawadi wadi, S. V. Road, Vile-Parle, Bombay. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuage tenements or dwelling houses standing thereon, situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road, Vile Parle in the registration Sub-District of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 4111 square yards or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 and Falni No. 2/1 and Survey No. 188-A Falni Nos. 1/3 and 2/3 which said Survey Nos. and plot Nos. are collectively given non/agricultural Survey No. 1868 and bear C.T.S. Nos. 967/1 to 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under "K" Ward No. 8169(1) (2) (3) and Street Nos. 69, 70 and 71 Ghodbunder Road and bounded as follows : that is to say on or towards the EAST partly by the property bearing Survey No. 188A and partly by the property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1 on or towards the West by the said Ghodbunder Road, on or towards the North partly by the property bearing Non-agricultural No. 186E and on or towards the South by the said property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1.

G. S. RAO,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 11-6-1973

(Seal)

\*(Strike off where not applicable)

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

*Bombay-20, the 11th June 1973*

No. AP19/IA C.A.R.IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, I.A.C., A.R.IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186-B and CTS No. 967/1 to 967/10—Municipal Ward K—No. 8169(1), (2), (3) situated at Ghodbunder Road, Vile Parle, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nanakchand Devidas Khanna Shreyas, Marine Drive, Bombay-2. (Transferor)
- (2) Shri Bhagwandas Sewaram Raheja, 79, Medows Street, Fort, Bombay-1. (Transferee)
- (3) Shri Baljot Singh and others Plot No. 967, Vijaywadi, S. V. Road, Vile Parle, Bombay. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuage tenements or dwelling houses standing thereon, situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road Vile Parle in the registration Sub-District of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 4111 square yards or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 and Falni No. 2/1 and Survey No. 188-A Falni Nos. 1/3 and 2/3 which said survey numbers and plot Nos. are collectively given non-agricultural survey No. 186B and bear C.T.S. Nos. 967/1 to 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under "K" Ward No. 8169(1), (2), (3) and Street Nos. 69, 70, and 71 Ghodbunder Road, and bounded as follows: that is to say on or towards the East partly by the property bearing survey No. 188A and partly by the property bearing survey No. 186A Hissa No. 1, on or towards the West by the said Ghodbunder Road, on or towards the North partly by the property bearing non-agricultural No. 186E, and on or towards the South by the said property bearing Survey No. 186A, Hissa No. 1.

G. S. RAO,

(Competent Authority)

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV, Bombay.

Date 11th June 1973.

Seal

\*[Strike off where not applicable]

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20. the 11th June 1973

No. AP.20/IAC.A.R.IV/73-74.—Whereas, I. G. S. Rao, I.A.C., A.R. IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward "K"—No. 8169(1)(2)(3), situated at Ghodbunder Road, Survey No. 186B and C.T.S. No. 967/1 to 967/10—Municipal Ward "K" (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nanakchand Devidas Khanna, Shreyas, Marine Drive, Bombay. (Transferor)
- (2) Shri Shobha Chaturbhuj Wadhwani, 79, Medows Street, Fort, Bombay-1. (Transferee)
- (3) Shri Baljot Singh and others, Plot No. 967, Vijay S. V. Road, Vile Parle, Bombay. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuage tenements or dwelling houses standing thereon, situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road, Vile Parle in the registration Sub-District of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 4111 square yards or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 and Falni No. 2/1 and Survey No. 188-A Falni Nos. 1/3 and 2/3 which said survey numbers and plot Nos. are collectively given non-agricultural survey No. 186B and bear C.T.S. Nos. 967/1 to 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under "K" Ward No. 8169(1), (2), (3) and Street Nos. 69, 70, and 71 Ghodbunder Road, and bounded as follows: that is to say on or towards the East partly by the property bearing survey No. 188A and partly by the property bearing survey No. 186A Hissa No. 1, on or towards the West by the said Ghodbunder Road, on or towards the North partly by the property bearing non-agricultural No. 186E, and on or towards the South by the said property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1.

G. S. RAO,

(Competent Authority)

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV, Bombay.

Date 11th June 1973.

Seal

\*[Strike off where not applicable]

### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR  
BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 11th June 1973

No. AP.21/IAC.A.R.IV/73-74.—Whereas, I. G. S. Rao, I.A.C., A.R.IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186-B and CTS No. 967/1 to 967/10—Municipal Ward "K" No. 8169(1)(2)(3), situated at Ghodbunder Road, Vile Parle, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nanakchand Devidas Khanna, Shreyas, Marine Drive, Bombay-2. (Transferor)
- (2) Smt. Savitri Purushottam Bajaj, 79, Meadows Street, Fort, Bombay-1. (Transferee)
- (3) Shri Baljot Singh and others, Plot No. 967 Vijaywadi S. V. Road, Vile Parle, Bombay. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereto shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuage tenements or dwelling houses standing thereon, situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road, Vile Parle in the registration Sub-District of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 4111 square yards or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 and Falni No. 2/1 and Survey No. 188-A Falni Nos. 1/3 and 2/3 which said survey numbers and plot nos. are collectively given non-agricultural survey No. 186B and bear C.T.S. Nos. 967/1 to 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under "K" Ward No. 8169(1), (2), (3) and Street Nos. 69, 70, and 71 Ghodbunder Road, and bounded as follows: that is to say on or towards the East partly by the property bearing survey No. 188A and partly by the property bearing survey No. 186A Hissa No. 1, on or towards the West by the said Ghodbunder Road, on or towards the North partly by the property bearing non-agricultural No. 186E, and on or towards the South by the said property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1.

G. S. RAO,

(Competent Authority)

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV, Bombay.

Date 11th June 1973.

Seal

\*[Strike off where not applicable]

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR  
BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 11th June 1973

*Ref. No. AP-22/IAC.A-IV/73-74.*—Whereas I, G. S. Rao, I.A.C., A.R.IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186-B and CTS Nos. 967/1 to 967/10—Municipal Ward K—No. 8169(1)(2)(3), situated at Ghodbunder Road, Vile Parle, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nanakchand Devidas Khanna, Shreyas, Marine Drive, Bombay-2. (Transferor)
- (2) Shri Vijay Bhagwandas Raheja 79, Medows Street Fort Bombay-1. (Transferee)
- (3) Baljot Singh and others, Plot No. 967, Vijaywadi, S. V. Road, Vile Parle, Bombay. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuage tenements or dwelling houses standing thereon, situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road, Vile Parle in the registration Sub-District of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 4111 square yards or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 and Falmi No. 2/1 and Survey No. 188-A Falmi Nos. 1/3 and 2/3 which said survey numbers and plot nos. are collectively given non-agricultural survey No. 186B and bear C.T.S. Nos. 967/1 and 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under "K" Ward No. 8169(1), (2), (3) and Street Nos. 69, 70, and 71 Ghodbunder Road, and bounded as follows : that is to say on or towards the East partly by the property bearing survey No. 188A and partly by the property bearing survey No. 186A Hissa No. 1, on or towards the West by the said Ghodbunder Road, on or towards the North partly by the property bearing non-agricultural No. 186E, and on or towards the South by the said property bearing Survey No. 186A, Hissa No. 1.

G. S. RAO,

(Competent Authority)

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV, Bombay.

Dated 11th June 1973.

Seal of Office :

\*[Strike off where not applicable]

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR  
BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 11th June 1973

*Ref. No. AP-23/IAC.A-IV/73-74.*—Whereas I, G. S. Rao, I.A.C., A.R.IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186-B and CTS Nos. 967/1 to 967/10—Municipal Ward K—No. 8169(1)(2)(3), situated at Ghodbunder Road, Vile Parle, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian

Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nanakchand Devidas Khanna, Shreyas, Marine Drive, Bombay-2. (Transferor)
- (2) Kamla Beharilal Raheja, 79, Medows Street, Fort, Bombay-1. (Transferee).
- \*(3) Baljot Singh and others, Plot No. 967, Vijaywadi, S. V. Road, Vile Parle, Bombay. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuage tenements or dwelling houses standing thereon, situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road, Vile Parle in the registration Sub-District of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 4111 square yards or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 and Falmi No. 2/1 and Survey No. 188-A Falmi Nos. 1/3 and 2/3 which said survey numbers and plot nos. are collectively given non-agricultural survey No. 186B and bear C.T.S. Nos. 967/1 and 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under "K" Ward No. 8169(1), (2), (3) and Street Nos. 69, 70, and 71 Ghodbunder Road, and bounded as follows : that is to say on or towards the East partly by the property bearing survey No. 188A and partly by the property bearing survey No. 186A Hissa No. 1, on or towards the West by the said Ghodbunder Road, on or towards the North partly by the property bearing non-agricultural No. 186E, and on or towards the South by the said property bearing Survey No. 186A. Hissa No. 1.

G. S. RAO,

(Competent Authority)

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV, Bombay.

Dated 11th June 1973.

Seal of Office :

\*[Strike off where not applicable]

#### FORM JTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR  
BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Dated the 15th June 1973

Ref. No. AR-II/89/100/72-73.—Whereas I, Shri N. D. Anjaria, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 164 of Garodia Nagar Scheme, Ghatkopar, situated at Ghatkopar Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 4th December, 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or aversion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gordhandas Garodia & (2) Smt. Parmeshwaridevi Gordhandas. Trustees of Parmeshwaridevi Garodia Trust, Namakwala Bunglow, M. G. Road, Ghatkopar, Bombay-77. (Transferor)
- (2) Ghatkopar Gurukrupa Co-operative Housing Society Ltd. 164, Garodia Nagar Scheme, Ghatkopar, (East) Bombay-77. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate lying and being at Ghatkopar in Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban bearing Plot No. 164 of Garodia Nagar Scheme, Ghatkopar containing by admeasurement 750 sq. yds. equivalent to 630 sq. Metres bearing Survey No. 249 Hissa No. 3 and bounded as follows : that is to say, on Northern side by Plot No. 169 and 170 of Garodia Nagar Scheme, on Southern side by 30' Road on Eastern side by Plot No. 165 of Garodia Nagar Scheme and on Western side by Plot No. 163.

N. D. ANJARIA,

*Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Bombay.*

Date : 15th June, 1973.

(Seal)

\*[Strike off where not applicable]

## FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**  
GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

*Chandigarh, the 16th June 1973*

*Ref. No. RTK/191/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 216-R, Model Town situated at Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Rohtak on 12-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—*

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Satwant Kaur w/o S. Santokh Singh, House No 11/0/39, Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sushila wife of Shri Ram Mehar Singh (ii) Shri Jai Narain, s/o Shri Nathu Ram, Village Majri, Tehsil Jhajjer. (Transferee)

26—116GI/73

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 216-R, Model Town Rohtak.

G. P. SINGH

*Competent Authority**Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
(Acquisition Range) Chandigarh.*

Date : 16th June, 1973

Seal :

\*[Strike off where not applicable]

## Form ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA,  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

*Chandigarh, the 16th June 1973*

*Ref. No. RTK/186/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and (bearing No. Khasra No. 567 and 568, Hissar Road situated at Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Rohtak on 15-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—*

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Richpal, s/o Shri Hardwari Lal, Railway Road, Rohtak. (Transferor)
- (2) M/s Dayal Sharma Pictures (P) Ltd.; Railway Road, Rohtak. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein in that Chapter, the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot Khasra No. 567 and 568 on Hissar Road, Rohtak.

G. P. SINGH

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range) Chandigarh.

Date : 16th June, 1973

Seal :

\*[Strike off where not applicable]

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Dated, Chandigarh, the 16th June 1973

Ref No. RTK/185/73-74.—Whereas, I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Khasra No. 3182, 1350 sq. yds. Arya Nagar near Harijan's Hostel situated at Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Rohtak on 18-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ved Parbha, wife of Jagdish Chander, Rohtak. (Transferor)
- (2) (i) Shri Bahadur Singh, s/o Shri Bhagat Ram Lal,  
(ii) Shri Jasbir Singh, s/o Shri Bahadur Singh, Rohtak. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot Khasra No. 3182, 1350 sq. yds. Arya Nagar near Harijan's Hostel, Rohtak.

G. P. SINGH  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range) Chandigarh.

Date : 16th June, 1973

Seal :

\*[Strike off where not applicable]

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

*Chandigarh, the 16th June 1973*

*Ref. No. RTK/181/73-74.*—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Jhang Colony, Near Sangeet Cinema situated at Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Rohtak on 11-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Sheela Devi, w/o Harbans Lal, (ii) Smt. Santosh Kumari, w/o Hans Raj, (iii) Smt. Sudesh Kumari, w/o Abnashi Lal, Hari Nagar, Rohtak. (Transferor)
- (2) Ashok Kumar, s/o Shri Raj Singh, Advocate, Rohtak. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land in Jhang Colony, Near Sangeet Cinema, Rohtak.

G. P. SINGH

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range) Chandigarh.

Date : 16th June, 1973

Seal :

\*[Strike off where not applicable]

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

*Chandigarh, the 16th June 1973*

*Ref. No. RTK/182/73-74.*—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 401-L, Model Town, situated at Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Rohtak on 22-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sat Dev Sharma, s/o Shri Ganga Parsad Sharma, United Commercial Bank, Rohtak. (Transferor)
- (2) Shri Balbir Singh, s/o Shri Tirath Ram, Model Town, Rohtak. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 401-L, Model Town, Rohtak.

G. P. SINGH  
Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range) Chandigarh.

Date : 16th June, 1973

Seal :

\*[Strike off where not applicable]

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 16th June 1973

Ref. No. SPT/84/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property in Sultanpur situated at Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Sonepat on 19-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 26C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manohar Lal, s/o Shri Murari Lal, Mahabir Parshad Jain, adopted son of Shri Bishamber Das, Sonepat, (transferor).
- (2) M/s Vaxon Refractories Private Ltd., Sonepat, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property in Sultanpur, Sonepat.

G. P. SINGH

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range) Chandigarh.

Date 16th June, 1973

Seal :

\*[Strike off where not applicable]

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 16th June 1973

Ref. No. SPT/123/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory at Jatheri situated at Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Sonepat on 18-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not

been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Banwari Lal, S/o Shri Sheo Parshad, Jatheri, District Sonepat. (Transferor).
- (2) Haryana Ceramics through Shri Shailender Kumar, 5/18, Western Extension Area, Katiol Bagh, New Delhi-5. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Factory at Jatheri, District Sonepat.

Killa No. 15  
8—13

G. P. SINGH

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range) Chandigarh.

Date : 16th June, 1973

Seal :

[Strike off where not applicable]

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AAYAKAR BHAVAN  
M. KARVE MARG, BOMBAY-20  
Bombay-20, the 13th June 1973

No. AR-I/54-2/72-73.—Whereas, I, S. S. Phadke, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing New Survey No. 3/8298, C.S. No. 128 of Bhuleshwar Division situated at Trinity Street & Marine Second St., (and more fully describ-

ed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registrar, Bombay on 19th December 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property add I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sorabji Shavakshah Pochkhanawala & Ors. (Transferor).
- (2) Behram Khodaram Irani & Moti Behram Irani (Transferee).
- (3) Shri Aloo Dadiba Manek Printei, (2) Dinabai Sorabji Raja, (3) Rustam Khodabux Irani, (4) Bachubai Rustomji Amrolia, (5) Dadabhoy Manehji Lakdawala, (6) Dhunjishaw Dinshaw Daruwala, (7) New Globe Dry Fruit & Genl. Stores, (8) New Globe Tea Mart, (9) Shri P. K. Mohamed Kunimarkar & Smt. Kubambai, (10) M/s. Famous Trinity Bar, and (11) Mr. Hami S. Felfeli (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

ALL that piece of land of Pension and Tax Tenure situate lying and being at the Corner of Trinity Street and Marine Second Street in the Registration Sub-District and District of

Bombay, containing by admeasurement 184 Square Yards (153.82 Sq. Meters) or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Collector's Old No. 408, Old Survey No. 9, Collector's New No. 2291 New Survey No. 3/8298,—Collector's Rent Roll No. 403, and Cadastral Survey No. 128 of Bhuleswar Division with the messuages, tenements and dwelling house standing thereon and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under 'C' Ward No. 2397 and 2560 Street Nos. 74 and 1-3 Trinity Street and Second Marine Street and bounded as follows—

On the North by Second Marine Stores, on the South by the Property bearing No. C.S. 164, on the East by Marine Street Cross Lane, on the West by the property bearing C.S. No. 129.

S. S. PHADKE  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 13th June 1973.

Seal :

\*(Strike off where not applicable)

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHAGWANDASS ROAD, JAIPUR  
Jaipur, the 15th June 1973

No. J-3/72(2)/29/1152.—Whereas, I, S. C. Prashar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-25 situated at B. D. Road, Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jaipur on 7-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Pushpa Devi Nanda W/o Shri Jagdish Chandra Nanda (Transferor).
- (2) Shri Ratanchand Lodha (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. C-25 at Chowkri Haweli Sahar, C-Scheme, Bhagwandas Road, in front of Saint Xavier School with construction thereon.

S. C. PRASHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Jaipur

Date : 15-6-1973

Seal :

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHAGWANDASS ROAD, JAIPUR  
Jaipur, the 12th June 1973

No. J-3/72(3)/19/1142.—Whereas, I, S. C. Prashar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3 situated at Near Veterinary Hospital, Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jaipur on 19-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter **XXA** of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Vidhya Goyal W/o Dr. V. P. Goyal (Transferor).
- (2) Shri Rikhal Dass Mehta S/o Shri Ghisulalji Mehta (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter **XXA** of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 3, Area 151 sq. yds, situated on Gopinath Ka Marg near Veterinary Hospital, New Colony, Jaipur.

S. C. PRASHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Jaipur

Date : 12-6-1973  
Seal :

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHAGWANDASS ROAD, JAIPUR  
Jaipur, the 12th June 1973

No. J-3/12(2)/1/1128.—Whereas, I. S. C. Prashar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 9, Show Room situated at Tilak Nagar Shopping Centre, Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering

Officer at Jaipur on 1-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter **XXA** of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chandra Sekhar Rathor S/o Shri Amarsingh Rathor (Transferor).
- (2) Shrimati Shanti Devi Godika D/o Phoolchand Chhabra W/o Tarachandji Godika. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter **XXA** of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 9, Tilak Nagar Shopping Centre, Area 131.66sq. yds, and structure on it consisting of a show room and one room in incomplete condition.

S. C. PRASHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Jaipur

Date : 12-6-1973  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1. CALCUTTA

Calcutta, the 12th June 1973

No. TR-763/C-139/CAL-I/72-73.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1A, situated at Burman Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at The Registrar of Assurances, No. 5, Government Place, North Calcutta on 7-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Tara Burman (Transferor).
- (2) Shri Harish Chandra Agarwal (Transferee).
- \*(3) Amar Nath Agarwal (Person whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

The House property at No. 1A, Burman Street, Calcutta, containing an area by estimation of 5 Kt. 12 Ch. & 71 sq. ft. of land together with a partly one and partly two storeyed brick built dwelling House as transferred by deed No. 6259 of 1972.

S. K. CHAKRAVARTY  
*Competent Authority,*  
*Inspecting Assistant Commissioner of*  
*Income-tax, Acquisition Range-I, P-13,*  
*Chowringhee Square, Calcutta.*

Date : 12-6-1973

Seal

\* Strike off where not applicable.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1. CALCUTTA

Calcutta, the 14th June 1973

No. TR-806/C-140/CAL-I/72-73.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1A, situated at Burman Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at The Registrar of Assurances, Calcutta on 7-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Tara Burman (Transferor).
- (2) Shri Jagdish Chandra Agarwalla (Transferee).
- \*(3) Shri Amarnath Agarwalla (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Partly one and partly two storeyed brick built dwelling house and godown together with land measuring on estimate 6 Kt. 7 Ch. & 7sq. ft. being a portion of 1A, Burman Street, Calcutta as sold under sale deed No. 6260 of 1972.

S. K. CHAKRAVARTY  
*Competent Authority,*  
*Inspecting Assistant Commissioner of*  
*Income-tax, Acquisition Range-I, P-13,*  
*Chowringhee Square, Calcutta*

Date : 14-6-1973.

Seal .

\* Strike off where not applicable.

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10,  
1 FLOOR, N. T. R. ESTATE, J. N. ROAD,  
HYDERABAD (500001)

Hyderabad (500001), the 14th June 1973

No. RAC/17/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-3-1972 situated at St. John's Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 13-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Kumari M. F. D. Prazer, D/o Late H. W. D. Prazer, H. No. 73/A/3, Red Cross Road, Secunderabad (Transferor).
- (2) Shri G. Pratap & Miss G. Sailaja, 9-3-9, St. John's Road, Secunderabad (Transferee).
- (3) Shri V. L. Coloaco, Hyderabad Engg. Construction Co., Hyderabad (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

H. No. 10-3-172, St. John's Road, Secunderabad : Area 684.5. sq. mts.

East : House of B. V. Muthanna.

West : Public Road.

North : House of B. V. Muthanna.

South : House of N. Raghavendra Rao.

S. BALASUBRAMANIAM,  
*Competent Authority,*  
*Inspecting Asstt. Commissioner of*  
*Income-tax, Acquisition Range,*  
*Hyderabad*

Date : 14-6-1973

Seal

\*Strike off where not applicable.

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CENTRAL  
REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1973

No. IAC/Acq.II/(C-)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 103-172 situated Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 31-1-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Kishan (Popli) son of Shri Sukh Dayal allottee owner of F-1/6, Lajpat Nagar, New Delhi (Transferor).
- (2) Smt. Dayal P. Chandwani w/o Shri Partap K. Chandwani r/o F-1/6, Lajpat Nagar, New Delhi (Transferee).
- (3) Shri Partap K. Chandwani s/o Shri Khial Dass r/o F-6 Lajpat Nagar, New Delhi [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

House No. F-1/6, Lajpat Nagar, New Delhi built on a 100 sq. yards plot of land, with the leasehold rights in the said land.

C. V. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi,  
New Delhi.

Date : 13th June, 1973  
Seal :

### FORM NO. ITNS— NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, CENTRAL REVENUES  
BLDG., 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1973

No. IAC/Acq.II/(C)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-180 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 7-2-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly Stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D. L. F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi (Transferor).
- (2) Shri S. Chandra s/o Shri R. Chandra, 27-42, Punjabi Bagh, New Delhi (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

All the rights & interest in the Plot of land bearing No. 180, Block 'M' measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II, in village Baharpur in the Union Territory of Delhi & bounded as under:—

East : Road  
North : Plot No. M/178  
West : Lane  
South : Plot No. M/182

C. V. GUPTA  
*Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi,  
New Delhi*

Dated : 13th June, 1973

Seal :

\*Strike off where not applicable.

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, CENTRAL REVENUES  
BUILD., 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 13th June 1973

No. IACII/Acq-II/(C)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-257 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 23-1-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D. L. F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi (Transferor).
- (2) Wing Cdr. M. K. Khanna & Smt. Kiran Khanna w/o Wing Cdr. M. K. Khanna r/o Flat No. 398 Block-5, Service Officers Enclave Sardar Patel Marg, New Delhi-21 (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 257 in Block No. 'M' measuring 400 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi & bounded as under:—

East : Road  
North : Plot No. M-255  
West : Road  
South : Plot No. M-259

C. V. GUPTA  
*Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi,  
New Delhi*

Dated : 13th June, 1973

Seal :

\*Strike off where not applicable.

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME  
TAX, ACQUISITION RANGE-II, CENTRAL REVENUES  
BLDG., 3RD FLOOR,

New Delhi, the 13th June 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/(C)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-37 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 15-3-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s D. L. F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi (Transferor)
- (2) Dr. Jagdish Chandor Sondhi, s/o late Shri Daulat Ram Sondhi, 82-A. Kamla Nagar, Delhi (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 37 Block No. 'S' measuring 300 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi & bounded by—

East : Road.  
West : Service Lane.  
North : Plot No. S/35.  
South : Plot No. S-39.

C. V. GUPTE  
*Competent Authority*  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax : Acquisition Range-II : Delhi)  
New Delhi

Dated : 13th June, 1973.

Seal :

FORM NO. ITNS—  
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, CENTRAL REVENUES  
BLDG., 3RD FLOOR,

New Delhi, the 12th June 1973

No. IAC/Acq-II/(C)/73-74.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-80 situated at Kalkaji, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 15th Jan. 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nath Singh s/o Shri Budha Singh R/o E-189, Greater Kailash-I, New Delhi (Transferor).
- (2) Gurbachan Lal s/o Shri Hari Ram r/o F-10, Kalkaji, New Delhi-19 (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. E-80, measuring 200 sq. yards is situated in Kalkaji & is bounded as under—

North : By lane—15 ft. wide.

South : Plot No. E-82.

East : Road about 30 ft. wide.

West : Road about 40 ft. wide.

C. V. GUPTE  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax : Acquisition Range-II : Delhi)  
New Delhi

Dated : 12th June, 1973.

Seal :

#### FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, CENTRAL REVENUES  
BLDG., 3RD FLOOR,

New Delhi, the 13th June 1973

No. IAC/Acq.II/(C-4)/73-74.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 61/19 situated at Ramjas Road, W.E.A. Karol Bagh New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 15-1-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Attar Singh s/o Shri Gulab Singh, Karta of M/s Attar Singh, H.U.F., 61/19, Ramjas Road, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi (Transferor).
- (2) Smt. Prakash Vati w/o Shri Hans Raj Mahajan, (ii) Shri Ravinder Kumar, (iii) Shri Surinder Kumar Mahajan, (iv) Shri Mohinder Kumar Mahajan, (v) Shri Subhash Chander Mahajan, 65/29, Rohtak Road, New Delhi (Transferee).
- (3) (i) As in (ii) above. (ii) Shri Kewal Krishan (iii) Shri Manohar Lal (iv) Shri Sham Sunder (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

A 1½-storeyed house bearing No. 61/19, at Ramjas Road W.E.A., Karol Bagh, New Delhi built on a lease hold plot of land measuring 708 sq. yards approximately, with the leasehold rights in the land.

C. V. GUPTE  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax : Acquisition Range-II : Delhi)  
New Delhi

Dated : 13th June 1973.

Seal :

FORM NO. ITNS.—  
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME  
TAX, ACQUISITION RANGE-II, CENTRAL REVENUES  
BLDG., 3RD FLOOR,

*New Delhi, the 15th June 1973*

*No. IAC/Acq.II(C-4)/73-74.*—Whereas I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at Panchkuian Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 18th Dec., 1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vijya Kumar Gujral, 17, Barakhamba Road, New Delhi (Transferor).
- (2) (i) Shri Vidya Sagar Puri, 15 Panchkuian Road, New Delhi, (ii) Shri Tarsem Lal, 15A/8, Panchkuian Road, New Delhi & (iii) Smt. Krishna Basra 15A/8, Panchkuian Road, New Delhi (Transferee).
- (3) (i) Shri Tarsem Lal, 15A/8, (ii) S. Swaran Singh, (iii) S. Dilbagh Singh & Sons (iv) Shri Vidya Sagar Puri & Shiv Charan Lal Puri. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The property (land & building) bearing No. 15 situated at Panchkuian Road, New Delhi measuring 183.55 sq. yards & bounded by :

North : Service Road.

South : Footpath and Road.

East : Building of Plot No. 9.

West : Building of plot No. 7.

C. V. GUPTA

*Competent Authority*

*(Inspecting Assistant Commissioner of Income-  
Tax : Acquisition Range-II : (Delhi))*

*New Delhi*

*Dated : 15th June, 1973.*

*Seal :*

\*Strike off where not applicable.

FORM NO. ITNS.—  
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME  
TAX, ACQUISITION RANGE-II, CENTRAL REVENUES  
BLDG., 3RD FLOOR,

*New Delhi, the 5th June 1973*

*No. IAC/Acq.II/( )/72-73.*—Whereas I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39, situated at Block G Connaught Circus, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 6th Dec. 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Brij Kishore s/o Shri Om Parkash, 100, Sunder Nagar, New Delhi. (Transferor).
- (2) Shri Dewan & Sons Investment (P) Ltd., 63, Babar Road, New Delhi. (Transferee).
- (3) 1. State Bank of India; 2. Shri I. R. Sachdeva, 3. Shri Vijay Thakur, 4. M/s Nirankari Travels. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Shri Raj Gopal, Director, M/s. Dewan & Sons Investment (P) Ltd., 63, Babar Road, New Delhi. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of land located in Block No. G of Connaught Circus, New Delhi, measuring 330 sq. yds (approximately) and superstructure built thereupon being shop No. 39.

**C. V. GUPTA**  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax : Acquisition Range-II : Delhi)  
New Delhi

Dated : 5th June, 1973.

Seal :

"Strike off where not applicable.

#### FORM NO. ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
CENTRAL REVENUES BLDGS., 3RD FLOOR  
New Delhi, the 24th May 1973

No. IAC/Acq.II/( )/73-74/—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/40 & 7/40A situated at New Double Storey, Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 19th December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Raj Ranji wd/o Shri Hans Rai, 2. Shri Ramesh Chawar, 3. Shri Dharam Paul, 4. Shri Vijay Kumar, 5. Shri Manohar Lal, 6. Shri Satish Chawar, sons of Shri Hans Rai and 7. Kumari Sita Devi d/o Shri Hans Rai, residents of 9, Nehru Market, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri G. S. Mongia, s/o Shri Dudha Mal Mongia, 4/22, New Double Storey, Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferee)
- (3) 1. Shri Devinder Deo Mathur, 740, New Double Storey, Lajpat Nagar, New Delhi. 2. Shri Mahabir Pershad Aggarwal, 7/40A, New Double Storey, Lajpat Nagar, New Delhi. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 7/40 and 7/40A measuring 125.60 sq. yards and situated at New Double Storey, Lajpat Nagar, New Delhi is bounded by :

North : Or. No. 7/39 and 7/39A.  
South : Qr. No. 7/41 and 7/41A.  
East : Road (20 ft. wide)  
West : Open Square.

**C. V. GUPTA,**  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax : Acquisition Range-II : Delhi)  
New Delhi

Dated : 24th May, 1973.

Seal :

" Strike off where not applicable.

## FORM NO. ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**  
**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,**  
**CENTRAL REVENUES BLDG., 3RD FLOOR**  
**NEW DELHI**

New Delhi, the 13th June 1973

No. IAC/Acq.II/(—)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-431 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 12th February, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s D. L. F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sita Nagpal w/o Late Shri T. N. Nagpal, 16, Church Road, Kashmere Gate, Delhi-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 431 Block 'S' measuring 294 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II, situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi & bounded as under :—

East : Road  
 North : Plot No. S/429  
 West : Service Lane  
 South : Plot No. S/433

C. V. GUPTA,  
*Competent Authority*  
*Inspecting Assistant Commissioner of*  
*Income Tax, Acquisition Range-II, Delhi*  
*New Delhi*

Dated : 13th June, 1973

Seal :

## FORM NO. ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,**  
**CENTRAL REVENUES BLDG., 3RD FLOOR**  
**NEW DELHI**

New Delhi, the 13th June 1973

No. IAC/Acq.II/(—)/73-74.—Whereas I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-234 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer at Delhi on 23-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s D. L. F. United Ltd., 14-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Bhagwati Devi Gupta w/o Shri B. S. Gupta, F-4/4, Model Town, Delhi-9. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a

period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 234, Block No. 'S' measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi & bounded as under :

East : Service Lane  
North : Plot No. S-232  
West : Road  
South : Plot No. S/236

C. V. GUPTE,  
*Competent Authority*  
*Inspecting Assistant Commissioner of*  
*Income Tax, Acquisition Range-II, Delhi*  
*New Delhi*

Dated : 13th June, 1973  
Seal :

#### FORM NO. ITNS—

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, CENTRAL REVENUES BLDG., 3RD FLOOR

*New Delhi, the 12th June 9173*

*Ref. No IAC/Acqn.II/( )*.—Whereas I. C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. S-336 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 15th March, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s D. L. F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)  
(2) Smt. Krishna K. Sood w/o Shri Des Raj Sood, D-38, Jangpura Extension, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 336, Block No. 'S' measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at Village Baharpur in the Union Territory of Delhi & bounded as under :—

East : Service Lane  
West : Road  
North : Plot No. S/334  
South : Plot No. S/338

C. V. GUPTE,  
*Competent Authority*  
*Inspecting Assistant Commissioner of*  
*Income Tax, Acquisition Range-II, Delhi*  
*New Delhi*

Dated : 12th June, 1973  
Seal :

## FORM NO. ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA, OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, CENTRAL REVENUES BLDG., 3RD FLOOR,

New Delhi, the 12th June, 1973

No. IAC/Acqn.II/(C).—Whereas I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-2 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 15-3-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely,

- (1) M/s D.L.F. United Ltd, 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Vidya Malhotra, resident of 135 Section 28A, Candigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2, Block 'M' measuring 263 sq. yards in residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union territory of Delhi bounded as under :—

East : Lane  
West : Road  
North : Road  
South : Plot No. M/4

C. V. GUPTA,  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-  
Tax : Acquisition Range-II : Delhi)  
New Delhi.

Seal

\*Strike off where not applicable

## FORM NO. ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA, OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, CENTRAL REVENUES BLDG., 3RD FLOOR,

New Delhi, the 12th June, 1973

No. IAC/Acqn.II/(C)/73-74.—Whereas I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-140 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 12-3-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd. 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Satyavan Dhawan, 60, Chauranghee Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a

period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 140 Block 'M', measuring 400 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II, situated in Village Baharpur in the Union Territory of Delhi, bounded as under :

East : Road

West : Service Lane

North : Plot No. M/18

South : Plot No. M/142

C. V. GUPTA,  
*Competent Authority*  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax : Acquisition Range-II : Delhi)  
New Delhi.

Dated : 12th June, 1973.

Seal

#### FORM NO. ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA, OFFICE OF THE  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME  
TAX, ACQUISITION RANGE-II, CENTRAL REVENUES  
BLDG., 3RD FLOOR,

New Delhi, the 12th June, 1973

No. IAC/Acq.II/( )/—Whereas I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-395 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 30-1-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms

of Chapter XA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd. 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Brigendrani Singh Sodha, w/o Shri Mahendra Singh Sodha, Physics Department, Indian Institute of Technology, New Delhi-29. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the *Official Gazette* or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the *Official Gazette*.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land being Plot No. 395 Block 'S' measuring 315 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Bahapur in the Union Territory of Delhi and which is bounded as under :

East : Road

North : Plot No S/395

West : Service Lane

South : Plot No. S/397

C. V. GUPTA,  
*Competent Authority*  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax : Acquisition Range-II : Delhi)  
New Delhi.

Seal

\*Strike off where not applicable

#### FORM NO. ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA, OFFICE OF THE  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME  
TAX, ACQUISITION RANGE-II, CENTRAL REVENUES  
BLDG., 3RD FLOOR,

New Delhi, the 12th June, 1973

No. IAC/Acq.II.—Whereas I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-124 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 15-3-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Virendra Kumar Mehta s/o late Shri Jagannath Mehta, r/o E-350, Greater Kailash-I, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 124 Block 'S' measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II, situated in village Baharpur in the Union Territory of Delhi & bounded as under:—

East : Service Lane  
North : Plot No. S/122  
West : Road  
South : Plot No. S/126

C. V. GUPTA,  
*Competent Authority*  
*(Inspecting Assistant Commissioner of*  
*Income Tax : Acquisition Range-II ; Delhi)*  
New Delhi

Dated : 12th June, 1973.

Seal

\*Strike off where not applicable

FORM NO. ITNS  
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, CENTRAL REVENUES BLDG., 3RD FLOOR.

New Delhi, the 12th June, 1973

No. IAC/Acq.II/(C).—Whereas I, C.V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-144 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 15-3-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt Shashi Chopra w/o Shri Gopal Mohan Chopra, r/o 38, Bungalow Road, Kamla Nagar, Delhi (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 144, Block 'S' measuring 306 sq. yards in residential Colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi & bounded as under :

East : Service Lane

West : Road

North : Plot No. S/142

South : Plot No. S/148

C. V. GUPTA

*Competent Authority*

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax : Acquisition Range-II : Delhi)

New Delhi

Dated : 12th June, 1973.

Seal :

\*Strike off where not applicable.

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II  
CENTRAL REVENUES BLDGS., 3RD FLOOR

New Delhi, the 13th June 1973

No. IAC/Acq.II/(C-)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-61 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 21st January, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D. L. F. United Ltd. 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor).
- (2) Shri Satish Kumar Khanna S/o Shri B. N. Khanna resident of 33, Sunder Nagar, New Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 61 Block No. 'W' measuring 1000 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi bounded as under :

East : Road

West : Service Lane

North: Plot No. W/59

South : Plot No. W/63

C. V. GUPTA,

*Competent Authority*

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax : Acquisition Range-II; Delhi), New Delhi.

Dated 13th June, 1973

Seal :

\*Strike off where not applicable

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
CENTRAL REVENUES BLDG., 3RD FLOOR.

New Delhi, the 12th June 1973

No. IAC/Acq.II/(C-)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-112 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 16th March, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D. L. F. United Ltd. 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor).
- (2) Smt. Sudarshan Jain wife of Shri Girilal Jain, resident of C-313, Defence Colony, New Delhi (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

All the rights, title and interest upon the piece of land being Plot No. 112, Block No. 'W' measuring 607 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East : Service Lane  
West : Road  
North : Plot No. W/110.  
South : Plot No. W/114

C. V. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-  
Tax : Acquisition Range-II : Delhi  
New Delhi,

Date, 12th June 1973

Seal :

\*Strike off where not applicable

### FORM NO. ITNS NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 13th June 1973

No. IAC/Acqu.II/(G)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-113 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 2nd Jan. 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D. L. F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor).
- (2) Smt. Sarla Devi w/o Shri Fateh Chand Gulati r/o E-6, Bhagwan Dass Nagar, Rohtak Road, Delhi-26. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 113, Block No. 'S', measuring 300 square yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Bharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Road.

North : Plot No. S/111

West : Service Lane

South : Plot No. S/115

C. V. GUPTA,  
*Competent Authority*  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-  
Tax : Acquisition Range-II : Delhi)  
New Delhi.

Date, 13th June, 1973

Seal :

\*Strike off where not applicable.

#### FORM NO. ITNS NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
VIDYANAGAR, HUBLI-21

Vidyanagar, Hubli-21, the 15th June 1973

No. 3/73-74/H.Acq.—Whereas I, R. Parthasarathy, Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Known as Hoskhan Estate consisting of coffee Estate, West and Dry land and Buildings situated at Sugadavani and Sirivase village of Chikmagalur Taluk, Chikmagalur District, Mysore State (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikmagalur (*vide* Document No. 1906) on 22nd December, 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been

truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (a) Mr. Neil Geoffrey Fletcher Graham Kolarghan Estate, Sangameswarpet P.O. Chikmagalur District.
- (b) Mr. Donald Alistair Grahame, Hoskhan Estate, Mallandur P.O. Chikmagalur district. (Transferors).
- (2) (a) Shri C. S. Prabhakar, 11 Cornwell Road, Bangalore-25.
- (b) Mrs. Joyce Cynthia Prabhakar, 11, Cornwell Road, Bangalore-25.
- (c) Rev. Sundar Ebenezer Navannar Clarke, St. Marks Cathedral, St. Marks Road, Bangalore-1.
- (d) Mrs. Lily Prabhakar, 7, Seethanagar, Madras-34. (Transferees).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

279.15 Acres of land consisting of Coffee Estate, wet and dry lands and buildings standing thereon situated at Sugadavani and Sirivase villages of Chikmagalur Taluk, Chikmagalur district, Mysore State.

—Details of land and buildings transferred are given in the Annexure—

R. PARTHASARATHY,  
*Competent Authority*,  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hubli).

Date : 15th June 1973.

Seal :

\*Strike off where not applicable,

**ANNEXURE ATTACHED TO NOTICE NO 3/73-74/H. Acq dt. 15-6-1973 of INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE : HUBLI.**

**A. DETAILS OF LAND TRANSFERRED.**

Sl. No.	Village	Survey S.No.	Area Gross	Kind
1.	Sugadavani	130	6—19	Coffee
2.	"	131	22—38	"
3.	"	132	7—20	"
4.	"	133	1—30	"
5.	"	134	10—21	"
6.	"	135	3—35	"
7.	"	136	7—14	"
8.	"	137	16—13	"
9.	"	138	0—28	"
10.	"	139	11—12	"
11.	"	140	3—22	"
12.	"	141	4—01	"
13.	"	142	6—28	"
13.	"	143	10—25	"
15.	"	144	1—36	"
16.	"	145	1—11	Dry
17.	"	146	3—38	Wet
18.	"	147	1—05	Coffee
19.		148 Part	0—25	Wet
20.	"	149	1—06	Dry
21.	"	150	3—19	Coffee
22.	"	151	9—29	Wet
23.	"	155	1—01	Wet
24.	"	156	5—01	Coffee
25.	"	158 Part	2—00	Wet
26.	"	160 Part	3—00	Coffee
27.	"	160 Part	3—00	Coffee
28.	"	161 Part	1—05	"
29.	"	163 Part	1—35	"
30.	"	356	10—00	"
31.	"	371	3—01	"
32.	"	372	20—03	"
33.	"	375	12—07	"
34.	"	377	6—17	"
35.	"	378	24—00	"
36.	"	379	3—05	"
37.	"	403	5—00	"
38.	"	404	4—00	"
39.	"	406	21—15	"
40.	Sirvase	327	5—00	"
41.	"	335 Part	2—15	"
42.	"	230	4—11	"
43.	"	232	2—27	"
44.	"	328	0—20	"
<b>Total</b>		<b>279—15</b>		

## B. DETAILS OF BUILDINGS TRANSFERRED

Name of Building	Type of Construction	Dimension
Bungalow . . . . .	Unburnt brick and mud	78'×36·75'
Kitchen . . . . .	Do.	25·75' + × 15·75'
Garages . . . . .	Do.	23·50 × 19·75' 29·75' × 16'
Goat shed . . . . .	Brick in mud	23' × 15'
Staff Quarters . . . . .	Unburnt brick on mud	49·25' × 29'
	Do.	34·25' × 16·25'
	Do.	27·75' × 21·25' 43' × 29'
		21·50' × 9·50'
Dispensary . . . . .	Do.	28·50' × 17·25'
Labour lines . . . . .	Brick in mud	74·25' × 23·25'
	Do.	66·75' × 23·75'
	Do.	47·75' × 29·75'
	Unburnt brick in mud	128' × 29·25' 129' × 26·75'
		112·50' × 31·50'
		72·75' × 21·25'
		81·50' × 29·50'
		70·25' × 28'
		98' × 17·25'
		73·25' × 29·25'
Brache . . . . .	Do.	44·25' × 18·25'
Tractor shed . . . . .	Do.	29·25' × 24·50'
Drying Ground Shed . . . . .	Do.	60' × 24'
Manure and other shedss . . . . .	Do.	21·75' × 21·25' 25' × 17·50' 50' × 20' 24·25' × 18·25' 31' × 16·25'
		38·50' × 12·50'
		31' × 16·25'
Pulp house . . . . .	Do.	35·25' × 17·25'
Watcher's shed . . . . .	Do.	10·75' × 13·25'
Cattle shed . . . . .	Do.	63' × 18·25'
Paddy store . . . . .	Brick in mud with cement plaster	57·50' × 24·25'

Sd. *ILLEGIBLE*  
 Inspecting Asstt. Commissioner,  
 of Income-tax, acquisition, Range,  
 HUBLI

INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING &  
MANAGEMENT

NOTICE

GRADE II STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1973

New Delhi, the 23rd June, 1973

No. 13/4/73-Arrng.—A limited departmental competitive examination for making additions to the Select List for Grade II of the Central Secretariat Stenographers' Service and Grade II of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B) will be held by the Institute of Secretariat Training & Management on 24th October, 1973 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Department of Personnel and Administrative Reforms in the Cabinet Secretariat in the Gazette of India dated the 23rd June, 1973.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE INSTITUTE. CANDIDATES ACCEPTED FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED AT WHAT PLACE, AT WHAT TIME AND ON WHAT DATES THEY SHOULD PRESENT THEMSELVES.

2. The approximate number of vacancies in the Services mentioned above for which recruitment is to be made on the basis of this examination is given below :—

(i) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade II	.. 10*
(ii) Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B)—Grade II	.. 5*

\*The above numbers are liable to alteration.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Assistant Director (Examinations Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1, Post Bag No. 2, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022 on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination can be obtained on cash payment of Rupee one each at the counter in the Institute's office up to the 10th August, 1973. They are also obtainable from the Institute by post up to the 10th August, 1973 on payment of Rupee one each, which should be remitted by Postal Order(s) crossed with 'A/C Payee only' crossing and payable to the 'Institute of Secretariat Training & Management'. The name of the examination—GRADE II STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1973—should be clearly indicated in the requests for application forms. The postal order(s) should be accompanied by three slips showing the name and address of the candidate in block capitals. On receipt of the Postal Order(s) for Rupee one and the three slips mentioned above a copy of the application form and full particulars of the examination will be sent to the candidate by ordinary post under certificate of posting. If, however, any candidate desires that the application form and full particulars of the examination should be sent to him by registered post, he should say so clearly while asking for the same and remit an additional amount of Rupee one, i.e. he should send postal order(s) for Rs. 2/- in addition to three slips showing his name and address. Money Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Postal Orders. This amount of Rs. 1/- or Rs. 2/-, as the case may be, will in no case be refunded.

Applicants living abroad should send Indian Postal Order(s) towards the cost of the application form or deposit the equivalent of Rs. 1/- or Rs. 2/-, as the case may be, in the office of India's High Commissioner/Ambassador/Representative who should be asked to credit the amount to the account head "L II-Miscellaneous-Miscellaneous receipts" adjustable by the Accountant General, Central Revenues, New Delhi, obtain a receipt in TRS form from that office and forward the receipt to the Institute. Three slips showing the name and address of the candidate in block capital letters should also be sent with the Postal Order/Receipt.

NOTE.—No request for supply of application form and full particulars of the examination will be entertained after the 10th August, 1973, except from persons residing abroad

or in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands, which will, however, be entertained upto the 24th August, 1973.

4. The completed application form must reach the Assistant Director (Examinations Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1, Wing No. 5, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022, on or before the 10th August, 1973, accompanied by necessary documents in accordance with the Instructions to Candidates contained in Annexure. No application received after that date will be considered.

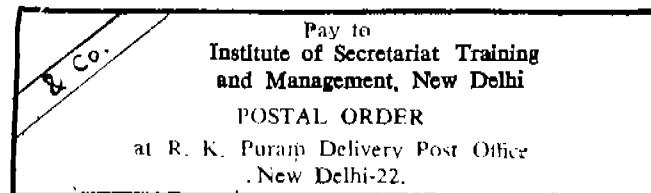
Applications from candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands from a date prior to the 10th August, 1973 will, however, be accepted upto the 24th August, 1973.

NOTE.—Candidates who send their request for application forms or applications at a late date will do so at their own risk.

5 (i) *Prescribed Fee.*—Candidates seeking admission to the examination, except those falling under sub-para (iii) below, must pay the following fee to the Institute with the completed application form :—

Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes).

(ii) The fee mentioned in para 5(i) should be paid by means of Indian Postal Orders crossed with 'A/C Payee only' crossing payable to the Institute of Secretariat Training & Management. The Postal Orders should be filled as per specimen given below :—



The Institute will not accept payment made otherwise.

(iii) The Institute may at its discretion remit the prescribed fee where it is satisfied that the applicant is a *bonafide* displaced person from Bangladesh ( erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 (but before 25th March, 1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A CANDIDATE MUST NOTE THAT IT IS NOT SAFE TO SEND POSTAL ORDERS WHICH ARE NEITHER CROSSED NOR MADE PAYABLE TO THE INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING & MANAGEMENT, NEW DELHI, AT R. K. PURAM (DELIVERY) POST OFFICE, NEW DELHI. FULL PARTICULARS OF THE POSTAL ORDERS SHOULD BE ENTERED IN COLUMN 11 OF THE APPLICATION FORM.

AN APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY CROSSED INDIAN POSTAL ORDERS FOR THE PRESCRIBED FEE WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO DISPLACED PERSONS FROM BANGLA DESH (ERSTWHILE EAST PAKISTAN) AND REPATRIATES OF INDIAN ORIGIN FROM BURMA & SRI LANKA WHO HAVE MIGRATED TO INDIA ON OR AFTER 1ST JANUARY, 1964 (BUT BEFORE 25TH MARCH, 1971), 1ST JUNE, 1963, AND 1ST NOVEMBER, 1964 RESPECTIVELY, AND BEING NOT IN A POSITION TO PAY, ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE VIDE PARA 5(iii) ABOVE.

6. No claim for a refund of the fee paid to the Institute will be entertained, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

In case the candidate is not admitted to the Examination by the Institute because of late receipt of his application or cancellation of examination, the fee paid by him will be refunded in full.

7. All communications in respect of an application should be addressed to the Assistant Director (Examinations Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022 and should contain the following particulars :—

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) ROLL NUMBER (IF COMMUNICATED TO CANDIDATE).
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

Communications not giving these particulars may not be attended to. In all correspondence with the Institute of Secretariat Training & Management concerning this examination, candidates should invariably superscribe their envelopes and correspondence with the words and figures "Grade II Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1973".

H. L. KAPUR,  
Officer on Special Duty (Exams.)  
Institute of Secretariat Training & Management

#### ANNEXURE

#### INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the Assistant Director (Examinations Wing), Institute of Secretariat Training & Management, in accordance with para 3 of the Notice. Candidates should consult them carefully to see if they are eligible before filling in the application form or paying the prescribed fee. The conditions prescribed can in no case be relaxed.

**BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION, THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.**

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Mission (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may, at the discretion of the Institute, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him.

A candidate, who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad and exercises the option to answer paper (ii) General Knowledge and take the Stenography Tests in Hindi in terms of para 3 of Appendix I to the Rules, may be required to appear, at his own expense at any Indian Mission abroad, where necessary arrangements for holding such tests are available.

2. The application from the sheet comprising six portions showing the name and address of the candidate and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. The completed application form, and the acknowledgement card should be sent to the Assistant Director (Examinations Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022 so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Institute after the date prescribed in the Notice will be accepted.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands may at the discretion of the Institute be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands from a date prior to the date specified in the first sub-para of para 4 of the Notice.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of application form and forward it to the Institute.

3. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

4(1) A candidate must send the following documents with his application :

- (i) CROSSED Indian Postal Orders payable to the Institute of Secretariat Training & Management at R. K. Puram, (Delivery) Post Office, New Delhi, for the prescribed fee.
- (ii) (a) Certified true copy of the first page of his service book by the—Head of his Department or office in which he is employed at the time of making the application.
- (b) Certified true copy of the particulars of his service since 1st August, 1970 by the Head of his Department or Office in which he is working at the time of making the application.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (iv) Documents required (where applicable) under paragraph 6 below.

(2) Details of the documents mentioned in items (i), (ii), and (iii) are given below :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Postmaster and a clear stamp of the issuing Post Office. All Postal Orders should be CROSSED and filled in as follows :—

"Pay to the Institute of Secretariat Training & Management at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

**NOTE.—**Candidates serving abroad at the time of submitting their applications should deposit the amount of the prescribed fee [the equivalent of Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes)] in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country, who should be asked to credit the amount to the account head "XXI-Miscellaneous Departments Examination Fees—Institute of Secretariat Training & Management" (adjustable by the Accountant General, Central Revenues, New Delhi). The candidates should forward the receipt from that office with the application.

- (ii) (a) Certified true copy of the first page of the service book by the Head of Department or Office in which the candidate is employed at the time of making the application should show the name of the candidate in full, his father's name (Husband's name in the case of a married woman Government servant), nationality, name of the Scheduled Caste/Scheduled Tribe in the case of candidates, belonging to such caste or tribe, date of birth by the Christian Era (both in figures and words), Educational qualification, and specimen signature of the candidate.

- (b) Certified true copy of the particulars of service since 1-8-1970, by the Head of Department or Office in which he is working at time of making the application should show the posts held along with scale of pay and the capacity, substantive, officiating, permanent or temporary in which the post is held.

**NOTE.—**The Institute may, if it considers necessary, call for the service book or other documentary evidence.

- (iii) **Two copies of Photograph.**—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph which should be pasted on the application form in the spaces provided for the purpose. Each copy of the photo-

graph should be signed in ink on the front by the candidate.

(iv) The documents required *vide* para 6 below (where applicable) in support of a claim for remission of fee, and/or relaxation of age must be submitted along with the application failing which no remission of fee or relaxation in age will be allowed.

5. Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 4 above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application, should be sent soon after the submission of the application, and in any case they must reach the Institute's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in the documents submitted by them, nor should they submit tampered documents. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents, an explanation regarding the discrepancy may be submitted separately.

6(i) A displaced person from Bangladesh ( erstwhile East Pakistan) seeking remission of the prescribed fee under paragraph 5(iii) of the notice and or age concession under Rule 4(c) (ii) or 4(c) (iii) should produce an attested copy of a certificate from the Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project, or the Camp Commandant of the Relief Camps, or the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* displaced person from Bangladesh ( erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971. If he is seeking remission of the fee, he should also produce a certificate, in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka seeking remission of the prescribed fee under paragraph 5(iii) of the notice or age concession under Rule 4(c) (v) or 4(c) (vi) should produce an attested copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. If he is seeking remission of the fee, he should also produce a certificate, in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee under paragraph 5(iii) of the Notice or age concession under Rule 4(c) (ix) or 4(c) (x) should produce an attested copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. If he is seeking remission of the fee, he should also produce a certificate, in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iv) A candidate from the Union Territory of Pondicherry claiming age concession under Rule 4(c) (iv) should produce an attested copy of a certificate from the Principal of the educational institution he has attended to show that he had received education through the medium of French at some stage.

(v) A candidate from the Union Territory of Goa, Daman and Diu, claiming age concession under Rule 4(c) (vii) should produce an attested copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim :—

- (1) Director of Civil Administration.
- (2) Administrator of the Concelhos.

(vi) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), claiming age concession under Rule 4(c) (viii) should produce an attested copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(vii) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 4(c) (xi) or 4(c) (xli) should produce an attested copy of a certificate in the form prescribed below from the Director, General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. .... Shri ..... of Unit ..... was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Name.....

Designation.....

Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

7. Copies of the certificates mentioned in para 6 above should be got attested by one of the following, who should indicate his name, designation, full address, date of attestation and affix his seal, if any, below his signature :—

- (a) Gazetted Officers of the Central or a State Government.
- (b) Members of Parliament or of a State Legislature or the Metropolitan Council in Delhi.
- (c) Sub-Divisional Magistrates/Officers.
- (d) Tehsildars or Naib/Deputy Tehsildars.
- (e) Principals/Headmasters of recognised High Schools/ Higher Secondary Schools/Colleges/Institution.
- (f) Block Development Officers.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Institute for the acknowledgement.

10. Every candidate for admission to this examination will be informed, at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Institute of Secretariat Training & Management a communication regarding the result of his application one month before the date of the examination, he should at once contact the Institute. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Candidates are not entitled to receive any travelling allowance from the Institute of Secretariat Training and Management for attending the examinations.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers for the Grade II Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1972 held by the Secretariat Training School (now Institute of Secretariat Training & Management) are on sale with the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi-6, and may be obtained from him direct by mail orders only. These can also be obtained against cash payment from (i) The Kitab Mahal, 14-A Barracks, Janpath, New Delhi and (ii) The Government of India Book Depot 8, Hastings Street, Calcutta-1. The Pamphlets are also obtainable from the agents for Government of India Publications, at various mofussil towns.

13. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM/HER AT THE ADDRESS STATED IN HIS/HER APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE INSTITUTE, ALONG WITH SIX SLIPS SHOWING THE NAME AND NEW ADDRESS, IN BLOCK CAPITALS, AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 7 OF THE NOTICE. ALTHOUGH THE INSTITUTE MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, IT CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING AND MANAGEMENT CABINET SECRETARIAT  
(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

New Delhi-110022, the 23rd June 1973

NOTICE

**GRADE II STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1973.**

The Examinations Wing of the Institute of Secretariat Training and Management, Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms), New Delhi, will hold on the 24th October, 1973 at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras, Nagpur and at selected Indian Missions abroad a competitive examination for recruitment to temporary vacancies in Grade II of the Central Secretariat Stenographers Service and Grade II of Stenographers Sub-Cadre of the Indian Foreign Service(B).

**2. CONDITIONS OF ELIGIBILITY.—**

The candidate must be a permanent or temporary regularly appointed Grade III Stenographer of the Central Secretariat Stenographers' Service/Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service(B), who satisfies the following conditions:—

(a) *Length of Service.*—He should have, on the 1st August, 1973, rendered not less than three years' approved and continuous service in Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service/Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service(B).

(b) *Age.*—He should not be more than 45 years of age on 1st August, 1973. The upper age limit will be relaxable in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes and certain other categories of Government servants notified by Government from time to time.

(c) *Stenography Test.*—Unless exempted from passing the Institute's Stenography Test for the purpose of confirmation or continuance in Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service/Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service(B), he should have passed this test on or before the date of notification of this examination.

3. *Fee.*—The fee for the Examination will be Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes).

4. Full particulars and application forms are obtainable from the Institute of Secretariat Training and Management (Examinations Wing), West Block 1, R.K. Puram, New Delhi-110022, by remitting Re. 1.00 (Rs. 2.00 if the application form is desired to be despatched by Registered post) by means of **CROSSED (A/C Payee) INDIAN POSTAL ORDER** payable to the Institute of Secretariat Training and Management at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi or on cash payment at the sale counter in Institute's office upto the 10th August, 1973, (24th August, 1973 for candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands). The applicants, who wish to get the application form by post, should clearly mention in the forwarding letter "**GRADE II STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION,**

1973" and also send three slips of paper bearing their name and postal address in **BLOCK CAPITAL** letters. Money Orders or Cheques or Currency notes are not acceptable in lieu of Postal Orders.

5. Completed application forms, duly endorsed by the authorities concerned, must reach the Assistant Director (Examinations Wing), Institute of Secretariat Training and Management, West Block 1, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022, by 10th August, 1973 (24th August, 1973 for candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands). Applications received after that date will not be entertained.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION  
NOTICE

**SECTION OFFICERS' GRADE LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1974**

New Delhi, the 23rd June 1973

No. F. 11/3/73-EJ(B).—A limited departmental competitive examination for inclusion in the Select List for the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service will be held by the Union Public Service Commission commencing on 8th January, 1974 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at Selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated 23rd June, 1973.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ACCEPTED FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED AT WHAT PLACE, AT WHAT TIME AND ON WHAT DATES THEY SHOULD PRESENT THEMSELVES.

2. The approximate number of persons to be selected for inclusion in the Select List for the Section Officers' Grade on the result of this examination will be 100.

The above number is liable to alteration.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Re. 1.00, which should be remitted by Money Order to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Re. 1.00 will in no case be refunded.

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 20th August, 1973, accompanied by necessary documents in accordance with the Instructions to candidates contained in Annexure II. No application received after that date will be considered.

Applications from candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands will however, be accepted up to the 3rd September, 1973. (This is applicable to persons residing abroad or in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands from a date prior to 20th August, 1973.)

NOTE:—Candidates who send their applications or requests for application forms at a late date will do so at their own risk.

5. THE PRESCRIBED FEE (SEE ANNEXURE I) SHOULD BE PAID BY INDIAN POSTAL ORDERS WITH THE APPLICATION.

AN APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY CROSS-ED INDIAN POSTAL ORDERS FOR THE PRESCRIBED FEE WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO DISPLACED PERSONS FROM ERST-WHILE EAST PAKISTAN WHO MIGRATED TO INDIA ON OR AFTER 1ST JANUARY, 1964 BUT BEFORE 25TH MARCH, 1971, AND REPATRIATES OF INDIAN ORIGIN FROM BURMA AND SRI LANKA (FORMERLY KNOWN AS CEYLON) WHO MIGRATED TO INDIA ON OR AFTER 1ST JUNE, 1963 AND 1ST NOVEMBER, 1964 RESPECTIVELY, AND ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE *VIDE* PARAGRAPH 3 OF ANNEXURE I.

EACH POSTAL ORDER SHOULD INVARIABLY BE CROSSED AS SHOWN BELOW:



AND COMPLETED AS FOLLOWS:

"PAY TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION AT NEW DELHI GENERAL POST OFFICE."

CANDIDATES MUST NOTE THAT IT IS NOT SAFE TO SEND POSTAL ORDERS WHICH ARE NEITHER CROSSED NOR MADE PAYABLE TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION AT NEW DELHI GENERAL POST OFFICE. FULL PARTICULARS OF POSTAL ORDERS SHOULD BE ENTERED AGAINST COLUMN 20 OF THE APPLICATION FORM.

6. If after submitting his application, a candidate wishes to withdraw his candidature for this examination, he must send his request to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-(110011), so as to reach him on or before 8th November, 1973. His candidature for the examination will then be cancelled and the fee will be refunded to him as indicated in para 2 of Annexure I.

*No request for withdrawal of candidature received in the Commission's office after the date specified above will be entertained.*

7. If any candidate who took the Section Officers' Grade Limited Departmental Competitive Examination held in 1973 wishes to apply for admission to this examination, he must submit his application by the prescribed date without waiting for the result. If he is included in the Select List on the result of the 1973 examination his candidature for the 1974 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him as in the case of a candidate not admitted to the examination *vide* para 2 of Annexure I.

8. All communications in respect of an application should be addressed to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-(110011), and should contain the following particulars:—

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) ROLL NUMBER, (IF COMMUNICATED TO CANDIDATE).
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

Communications not giving these particulars may not be attended to. In all correspondence with the Union Public Service Commission concerning this examination, candidates should invariably superscribe their envelopes and correspondence with the words "Section Officers' Grade Limited Departmental Competitive Examination, 1974".

M. S. PRUTHI, Dy. Secy.  
Union Public Service Commission

#### ANNEXURE I

##### Fee

Candidates seeking admission to the examination must pay the following fee to the Commission with the completed application form:—

Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes).

This amount should be paid by means of CROSSED Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission. The Commission will not accept payment made otherwise.

2. No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided in paragraphs 6 and 7 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection. If, however, a candidate who has paid the prescribed fee is either not admitted to the examination by the Commission or is allowed by them to withdraw his candidature in accordance with paragraphs 6 and 7 of the Notice a refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) will be made to him.

3. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

#### ANNEXURE II

##### Instructions to Candidates

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in accordance with para 3 of the Notice. *Candidates should consult them carefully to see if they are eligible before filling in the application form or paying the prescribed fee. The conditions prescribed cannot be relaxed.*

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

*A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country, in which he may be stationed) as alternative centres. He may, at the discretion of the Commission, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him.*

2. (i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

NOTE.—Candidates should clearly specify in column 7 of the Application Form the name of the Language in which they wish to answer question papers in (i) procedure and practice in Government of India Secretariat and attached Offices, (ii) General Knowledge of the Constitution of India and Machinery of Government, practice and procedure in Parliament and (iii) General Knowledge *vide* paragraph 4 of Appendix to the Rules of the Examination. The option once exercised shall be treated as final and no request for alteration in the said column shall be entertained. If no entry is made in the said column it will be assured that the paper(s) will be answered in English.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

*No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be accepted.*

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Anadaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands, from a date prior to the date specified in the first sub-para of para 4 of the Notice.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned, who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

3. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

4. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office, for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Certificate of Age.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.

Details of the documents mentioned in items (i), (ii) and (iii), are given below :—

(i) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee.*—All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office. All Postal Orders should be CROSSED and filled in as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

**NOTE.**—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications should deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00 Rs. 7.00 in the case of candidate belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "XXI—Miscellaneous Department Examination fees—Receipts of the Union Public Service Commission." The candidates should forward the receipt from that Office with the application.

(ii) *Certificates of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. The expression Matriculation Certificate in this part of the instructions must be understood as including these alternative certificates.

Candidates will thus understand that the Matriculation Certificate is required in all cases as evidence of age, and it must invariably be sent to the Commission in original, with a copy thereof, together with the application.

Sometimes the Matriculation or equivalent Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the Matriculation or equivalent certificate, an original certificate, together with a copy thereof, from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation or equivalent examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with the age shown in the Matriculation Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

**NOTE 1.**—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit with the original a copy of only the page containing entries relating to age.

**NOTE 2.**—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

**NOTE 3.**—Displaced persons, who have lost their original Matriculation certificate in Pakistan, should obtain duplicate certificate from the University concerned. If they are unable to obtain duplicate Matriculation Certificate from the University, they should submit an extract from the University Gazette in which their results were published showing their date of birth and certified by the Registrar or the Headmaster.

**NOTE 4.**—In the case of candidates who are already in permanent Government Service, the entries in their Service Book may be accepted as proof of date of birth.

(iii) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

5. Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 4(ii) and 4(iii), above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application, and in any case they must reach the Commission's Office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in the documents submitted by them; nor should they submit a tampered document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents, an explanation regarding the discrepancy may be submitted separately.

6. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim a certificate, in original, with a copy thereof, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; and if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

*The form of the certificate to be produced by the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.*

This is to certify that Shri\*/Shrimati/Kumari \_\_\_\_\_ son\*/daughter of \_\_\_\_\_ of Village\*/town \_\_\_\_\_ in District\*/Division \_\_\_\_\_ of the State\*/Union Territory of \_\_\_\_\_ belongs to the \_\_\_\_\_ Caste\*/Tribe which is recognised as a Scheduled Caste\*/Scheduled Tribe under Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act, 1966.\*

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

2. Shri\*/Shrimati/Kumari \_\_\_\_\_ and\*/or his\*/her family ordinarily reside(s) in village\*/town \_\_\_\_\_ of District\*/Division \_\_\_\_\_ of the State\*/Union Territory of \_\_\_\_\_

Signature.....

\*\*Designation.....

(with seal of office)

Place.....State\*/Union Territory

Date.....

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Laccadive and Minicoy Islands).

7. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annexure I should produce a certificate, in original, together with a copy thereof, from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident.
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation, in their respective districts.
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

He should also produce a certificate, in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annexure I, should produce, in original, together with a copy thereof, a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. He should also produce a certificate, in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annexure I should produce in original, together with a copy thereof, the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who

has migrated to India or after 1st June, 1963 or a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. He should also produce a certificate in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A candidate claiming eligibility for admission to the examination in terms of Note below Rules 4(1) and/or Rule 4(2)(b), should submit along with his application, a certificate in original, together with a copy thereof, from the Ministry of Defence, to show that he joined the Armed Forces on or after 26th October 1972. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his reversion from the Armed Forces.

(v) A displaced person from erstwhile East Pakistan claiming age concession under item (ii) or item (iii) of Rule 4(2)(c) should produce a certificate, in original, together with a copy thereof, from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident.
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation, in their respective districts.
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(vi) A candidate from the Union Territory of Pondicherry claiming age concession under item (iv) of Rule 4(2)(c) should produce, in original, together with a copy thereof, a certificate from the Principal of the educational institution he has attended to show that he had received education through the medium of French at some stage.

(vii) A candidate claiming age concession as a repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) under item (v) or item (vi) of Rule 4(2)(c) should produce, in original, together with a copy thereof, a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(viii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) claiming age concession under item (vii) of Rule 4(2)(c) should produce a certificate, in original, together with a copy thereof, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

(ix) A candidate claiming age concession as a repatriate of Indian origin from Burma under item (viii) or item (ix) of Rule 4(2)(c) should produce, in original together with a copy thereof, the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(x) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under item (x) or item (xi) of Rule 4(2)(c) should produce, in original, together with a copy thereof, a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the Candidates.

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a

foreign country/in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature.....  
Designation.....  
Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

8. THE CERTIFICATES MENTIONED IN PARAGRAPHS 4(ii), 6 AND 7 ABOVE SHOULD INVARIABLY BE SENT IN ORIGINAL (WITH COPIES THEREOF). THE COMMISSION DO NOT ACCEPT ONLY COPIES OF THESE CERTIFICATES, WHETHER ATTESTED OR OTHERWISE.

THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES FORWARDED IN ACCORDANCE WITH PARAGRAPHS 4(ii), 6 AND 7 ABOVE WILL BE RETURNED WHEN THE RESULT OF THE APPLICATION IS COMMUNICATED. CANDIDATES ARE ADVISED TO KEEP ATTESTED COPIES OF THEIR CERTIFICATES BEFORE SUBMITTING THEM TO THE COMMISSION. THE COMMISSION CANNOT RETURN THE CERTIFICATES EARLIER THAN THE DATE OF COMMUNICATION OF THE RESULT OF THE APPLICATION FOR WHATEVER PURPOSE THEY MAY BE REQUIRED, NOR CAN THEY SUPPLY ATTESTED COPIES.

If a candidate has already submitted the certificates required in paragraphs 4(ii), 6 and 7 above in connection with another examination conducted by the Union Public Service Commission and if they have not yet been returned to him, he should mention the fact when submitting his application, and, if possible, enclose a copy of each certificate. If the certificates are not with the Commission, they should be sent with the application, irrespective of whether the candidate appeared at a previous examination conducted by the Commission or not. If a certificate cannot be submitted with the application, a reasonable explanation for its absence must be given with the application.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for admission to this examination will be informed, at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the examinations held in previous years are on sale with the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi (110006) and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, 14 Janpath Barracks 'A' New Delhi (110001), (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi (110001) and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

13. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

14. *Communications Regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER (IF COMMUNICATED TO CANDIDATE).

(4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

(5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

*N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.*

15. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 14 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

#### ADVERTISEMENT NO. 25

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1973 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well-qualified. Higher initial pay may be granted to specially qualified and experienced candidates except where otherwise specified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23×10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and *bona-fide* displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes) 23rd July, 1973 (6th August, 1973 for applications from abroad and for those in the Andaman and Nicobar, Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands). Treasury receipts not acceptable.

One post at S. No. 7 permanent, Post at S. No. 1 permanent but appointment on contract/tenure for 5 years basis. 4 posts at S. No. 10 and post at S. No. 2 permanent but appointment on temporary basis. Post at S. No. 16 temporary but likely to be made permanent. One post at S. No. 7 and posts at S. Nos. 3, 5, 6, 8, 9, 11, 12 and 17 temporary but likely to continue indefinitely. Post at S. No. 13 temporary but likely to continue. 2 posts at S. No. 10 and posts at S. No. 4, 14 and 15 temporary.

Post at S. No. 12 reserved for Scheduled Castes candidates if available, otherwise to be treated as unreserved. One permanent post at S. No. 10 reserved for Scheduled Tribes candidates. Permanent post at S. No. 7 and one post at S. No. 10 reserved for Scheduled Castes candidates failing which reserved for Scheduled Tribes candidates and failing both to be treated as unreserved. Post at S. No. 3 reserved for Scheduled Tribes candidates failing which reserved for Scheduled Castes candidates and failing both to be treated as unreserved. Post at S. No. 11 reserved for Scheduled Castes candidates who alone need apply. Post at S. No. 13 reserved for Scheduled Tribes candidates who alone need apply. For post at S. No. 5 only female candidates need apply.

1. One Director, Anthropological Survey of India Ministry of Education and Social Welfare Pay : Rs. 1600-100-1800 Age : Preferably 50 years. Qualifications : Essential : (i)

Doctorate Degree in Anthropology of a recognised University or equivalent. (ii) 12 years' research experience in modern methods and techniques in the field of Anthropology. (iii) Evidence including published work of important contribution made in Anthropology.

**2. One Additional Government Advocate, Central Agency section, Department of Legal Affairs, Ministry of Law, Justice and Company Affairs.** Pay : Rs. 1300-60-1600-100-1800. Age limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) A practising Advocate of the High Court or the Supreme Court of at least 8 years' standing and conversant with the practice and procedure of the Supreme Court. OR An Attorney of the High Court of Bombay or Calcutta of at least 8 years' standing with practical experience in a Solicitor's firm of repute, entitled to practise in Supreme Court. OR An officer of a State Judicial Service of at least 8 years' standing. (ii) Must be registered as an Advocate on record of the Supreme Court as provided under the Supreme Court Rules, 1966, as amended from time to time.

**3. One Assistant (Legal), Legislative Department, Ministry of Law, Justice and Company Affairs.** Pay : Rs. 210-10-270-15-300-EB-15-450-EB-20-530. Age limit : 30 years. Qualifications : Essential : (i) Degree in Law of a recognised University or equivalent. (ii) Should have at least 3 years' experience of Legal work in the Legal Department of a State or should be a Central Government servant who has had at least 4 years' experience in Legal Affairs or should be a qualified Legal practitioner.

**4. One Deputy Director of Mines Safety, Directorate General of Mines Safety, Dhanbad, Department of Labour and Employment, Ministry of Labour and Rehabilitation.** Pay : Rs. 900-40-1100-50-1400. Age limit : 40 years. Qualifications : Essential : (i) Degree in Mining from a recognised University or Diploma in Mining Engineering from the Indian School of Mines, Dhanbad. (ii) First Class Mines Manager's Certificate. (iii) About 6 years' practical experience in mining including any training/experience undergone/gained for getting the First Class Mine Manager's Certificate and the Degree/Diploma in Mining out of which at least two years should have been in the capacity of a manager or an under manager (Assistant Manager) preferably in large and mechanised underground mines or as an Assistant Director of Mines Safety only if he possesses First Class Mines Manager's Certificate of Competency.

**5. One Lady Lecturer in Civil Engineering, Women's Polytechnic, Directorate of Technical Education, Delhi Administration, Delhi.** Pay : Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950. Age limit : 40 years. Qualifications : Essential : (i) Degree in Civil Engineering of a recognised University or equivalent; (ii) About one year's professional/teaching experience.

**6. One Assistant Engineer (Mechanical) Production-cum-Training Centre, G.B. Pant Polytechnic, Okhla, New Delhi, Directorate of Technical Education, Delhi Administration, Delhi.** Pay : Rs. 350-25-500-30-830-EB-35-900. Age limit : 35 years. Qualifications : Essential : (i) Degree in Mechanical Engineering from a recognised University or equivalent. (ii) About two years' experience in design and drawing for the manufacture of Jigs and tools.

**7. Two Assistant Engineers (Electrical), Municipal Corporation of Delhi.** Pay : Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900. Age limit : 30 years. Relaxable for Government Servants and employees of the Municipal Corporation of Delhi. Qualifications : Essential : (i) Degree in Electrical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) Two years' professional experience.

**8. One Assistant Instructor (Boat Building), Central Institute of Fisheries Operatives, Cochin, Ministry of Agriculture.** Pay : Rs. 325-15-475-EB-20-575. Age limit : 35 years. Qualifications : Essential : A Degree in Naval Architecture of a recognised University or equivalent. OR (i) Diploma in Architecture or Engineering from a recognised University/Institute. (ii) About 5 years' experience in Boat Construction.

**9. One Technical Assistant (Instrumentation), Tractor Training and Testing Station, Tractor Nagar, Bundi (M.P.), Ministry of Agriculture (Department of Agriculture).** Pay : Rs. 325-15-475-20-575. Age limit : 30 years. Qualifications : Essential : Degree in Electronics Engineering/Instrument Technology of a recognised University or equivalent.

OR Diploma in Instrument Technology from a recognised Institution or equivalent with three years' experience in installation, calibration and maintenance of electronic or electrical instruments for automatic measurements and controls.

**10. Six Mineralogists (Junior), Geological Survey of India, Ministry of Steel and Mines (Department of Mines).** Pay : Rs. 400-40-800-50-950. Age limit : 35 years. Qualifications : Essential : (i) Master's Degree in Physics or Geophysics or Geology or Applied Geology of a recognised University or equivalent OR Diploma in Applied Geology of Indian School of Mines, Dhanbad. (ii) About 3 years experience in X-Ray and Spectroscopy and other line of Mineral Studies including research experience in these lines.

**11. One Agronomist, Delhi Administration, Delhi.** Pay : Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900. Age limit : 35 years. Qualifications : Essential : (i) Degree in Agriculture from a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years experience in Agronomy work. OR M.Sc. Degree in Agriculture or Allied subjects from a recognised University or equivalent. (ii) About one year's experience in Agronomy work.

**12. One Lecturer in Biochemistry (Non-Medical), Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Pondicherry.** Pay : Rs. 530-30-650. Age limit : 35 years. Qualifications : Essential : (i) Master's degree in Biochemistry of a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years teaching experience of University Classes (iii) Training experience in research work.

**13. One Senior Technical Assistant (Chemical Fertiliser), Ministry of Agriculture (Department of Agriculture).** Pay : Rs. 325-15-475-EB-20-575. Age limit : 35 years. Qualifications : Essential : (i) Degree in Agriculture with Agricultural Chemistry or Agronomy as principal subjects of a recognised University or equivalent. (ii) About three years' experience in Fertiliser use. OR (i) Master's degree in Chemistry or Agricultural Chemistry or Agronomy of a recognised University or equivalent. (ii) About one year's experience in Fertiliser use.

**14. One Director (Project Planning and Training), Planning Commission.** Pay : Rs. 1300-60-1600-100-1800. Age limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) Master's degree in Economics or Business Administration from a recognised University or equivalent. (ii) About 7 years' experience in a responsible position (including research and specialisation) in Industry/Research Institute/University/Government Department. (iii) Thorough knowledge of modern methods and techniques of management planning and control project planning and development including feasibility analysis, project selection etc. and experience of the practical application of these methods and techniques.

**15. One under Secretary (Hindi), Ministry of Finance (Department of Banking).** Pay : Rs. 900-50-1250. Age limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) (a) Master's degree in Hindi with English as subject at Degree level or Master's degree in English with Hindi as an elective subject at Degree level. (b) Adequate grounding in Sanskrit. OR Master's degree in Sanskrit with Hindi and English as subjects at Degree classes. (ii) At least 8 years' experience of teaching, research or literary work in Hindi as indicated by published work in Hindi and/or translation work from English to Hindi and vice-versa.

**16. One Stores Officer, Bank Note Press, Dewas (Madhya Pradesh), Ministry of Finance.** Pay : Rs. 590-30-830. Age limit : 35 years. Qualifications : Essential : (i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience in a responsible capacity in indenting, purchasing and maintenance and accounting of stores in a Government Department or Public Body or private concern of repute with experience of inventory control.

**17. One Anaesthetist under the Hospital Post-Partum Programme in the General Hospital, Chandigarh, Chandigarh Administration.** Pay : Rs. 350-25-500-30-590/30-830/35-900 plus NPA at the rate of 33 1/3%. Age limit : 35 years. Qualifications : Essential : (i) A medical qualification included in the first or the Second Schedule or part II of the Third Schedule (other than licentiate qualifications) to the Indian Medical Council Act, 1956. Holders of educational qualifications included in Part II of the Third Schedule

should also fulfil the conditions stipulated in Section 13(3) of the Indian Medical Council Act, 1956. (ii) Two years' experience in Anaesthesia in a large hospital, OR Recognised Degree or Diploma in Anaesthesiology.

#### SECTION OFFICERS' GRADE LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1974.

The Union Public Service Commission will hold a limited departmental competitive examination commencing on 8th January, 1974 for inclusion of persons in the Select List for Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service. The examination is open only to certain categories of departmental candidates who are employed in the Assistants' Grade of the Central Secretariat Service. Full particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011),

by remitting Re. 1.00 by money order or on cash payment at counter in the Commission's office. Candidates must clearly state on money order coupons "Section Officers' Grade Limited Departmental Competitive Examination 1974" and also give their names and full postal addresses in block letters. Postal orders or cheques or currency notes not acceptable in lieu of money orders. Completed applications must reach the Union Public Service Commission by 20th August 1973 (3rd September, 1973 for candidates residing abroad and in Andaman and Nicobar and Laccadive, Minicoy and Amin-divi Islands).

M. M. THOMAS,  
Secretary, Union Public Service Commission.

